

Resource: Indian Revised Version

License Information

Indian Revised Version (Hindi) is based on: Hindi Indian Revised Version, [Bridge Connectivity Solutions](#), 2019, which is licensed under a [CC BY-SA 4.0 license](#).

This PDF version is provided under the same license.

Indian Revised Version

PSA

120:6, Psalms 120:7, Psalms 121:1, Psalms 121:2, Psalms 121:3, Psalms 121:4, Psalms 121:5, Psalms 121:6, Psalms 121:7, Psalms 121:8, Psalms 122:1, Psalms 122:2, Psalms 122:3, Psalms 122:4, Psalms 122:5, Psalms 122:6, Psalms 122:7, Psalms 122:8, Psalms 122:9, Psalms 123:1, Psalms 123:2, Psalms 123:3, Psalms 123:4, Psalms 124:1, Psalms 124:2, Psalms 124:3, Psalms 124:4, Psalms 124:5, Psalms 124:6, Psalms 124:7, Psalms 124:8, Psalms 125:1, Psalms 125:2, Psalms 125:3, Psalms 125:4, Psalms 125:5, Psalms 126:1, Psalms 126:2, Psalms 126:3, Psalms 126:4, Psalms 126:5, Psalms 126:6, Psalms 127:1, Psalms 127:2, Psalms 127:3, Psalms 127:4, Psalms 127:5, Psalms 128:1, Psalms 128:2, Psalms 128:3, Psalms 128:4, Psalms 128:5, Psalms 128:6, Psalms 129:1, Psalms 129:2, Psalms 129:3, Psalms 129:4, Psalms 129:5, Psalms 129:6, Psalms 129:7, Psalms 129:8, Psalms 130:1, Psalms 130:2, Psalms 130:3, Psalms 130:4, Psalms 130:5, Psalms 130:6, Psalms 130:7, Psalms 130:8, Psalms 131:1, Psalms 131:2, Psalms 131:3, Psalms 132:1, Psalms 132:2, Psalms 132:3, Psalms 132:4, Psalms 132:5, Psalms 132:6, Psalms 132:7, Psalms 132:8, Psalms 132:9, Psalms 132:10, Psalms 132:11, Psalms 132:12, Psalms 132:13, Psalms 132:14, Psalms 132:15, Psalms 132:16, Psalms 132:17, Psalms 132:18, Psalms 133:1, Psalms 133:2, Psalms 133:3, Psalms 134:1, Psalms 134:2, Psalms 134:3, Psalms 135:1, Psalms 135:2, Psalms 135:3, Psalms 135:4, Psalms 135:5, Psalms 135:6, Psalms 135:7, Psalms 135:8, Psalms 135:9, Psalms 135:10, Psalms 135:11, Psalms 135:12, Psalms 135:13, Psalms 135:14, Psalms 135:15, Psalms 135:16, Psalms 135:17, Psalms 135:18, Psalms 135:19, Psalms 135:20, Psalms 135:21, Psalms 136:1, Psalms 136:2, Psalms 136:3, Psalms 136:4, Psalms 136:5, Psalms 136:6, Psalms 136:7, Psalms 136:8, Psalms 136:9, Psalms 136:10, Psalms 136:11, Psalms 136:12, Psalms 136:13, Psalms 136:14, Psalms 136:15, Psalms 136:16, Psalms 136:17, Psalms 136:18, Psalms 136:19, Psalms 136:20, Psalms 136:21, Psalms 136:22, Psalms 136:23, Psalms 136:24, Psalms 136:25, Psalms 136:26, Psalms 137:1, Psalms 137:2, Psalms 137:3, Psalms 137:4, Psalms 137:5, Psalms 137:6, Psalms 137:7, Psalms 137:8, Psalms 137:9, Psalms 138:1, Psalms 138:2, Psalms 138:3, Psalms 138:4, Psalms 138:5, Psalms 138:6, Psalms 138:7, Psalms 138:8, Psalms 139:1, Psalms 139:2, Psalms 139:3, Psalms 139:4, Psalms 139:5, Psalms 139:6, Psalms 139:7, Psalms 139:8, Psalms 139:9, Psalms 139:10, Psalms 139:11, Psalms 139:12, Psalms 139:13, Psalms 139:14, Psalms 139:15, Psalms 139:16, Psalms 139:17, Psalms 139:18, Psalms 139:19, Psalms 139:20, Psalms 139:21, Psalms 139:22, Psalms 139:23, Psalms 139:24, Psalms 140:1, Psalms 140:2, Psalms 140:3, Psalms 140:4, Psalms 140:5, Psalms 140:6, Psalms 140:7, Psalms 140:8, Psalms 140:9, Psalms 140:10, Psalms 140:11, Psalms 140:12, Psalms 140:13, Psalms 141:1, Psalms 141:2, Psalms 141:3, Psalms 141:4, Psalms 141:5, Psalms 141:6, Psalms 141:7, Psalms 141:8, Psalms 141:9, Psalms 141:10, Psalms 142:1, Psalms 142:2, Psalms 142:3, Psalms 142:4, Psalms 142:5, Psalms 142:6, Psalms 142:7, Psalms 143:1, Psalms 143:2, Psalms 143:3, Psalms 143:4, Psalms 143:5, Psalms 143:6, Psalms 143:7, Psalms 143:8, Psalms 143:9, Psalms 143:10, Psalms 143:11, Psalms 143:12, Psalms 144:1, Psalms 144:2, Psalms 144:3, Psalms 144:4, Psalms 144:5, Psalms 144:6, Psalms 144:7, Psalms 144:8, Psalms 144:9, Psalms 144:10, Psalms 144:11, Psalms 144:12, Psalms 144:13, Psalms 144:14, Psalms 144:15, Psalms 145:1, Psalms 145:2, Psalms 145:3, Psalms 145:4, Psalms 145:5, Psalms 145:6, Psalms 145:7, Psalms 145:8, Psalms 145:9, Psalms 145:10, Psalms 145:11, Psalms 145:12, Psalms 145:13, Psalms 145:14, Psalms 145:15, Psalms 145:16, Psalms 145:17, Psalms 145:18, Psalms 145:19, Psalms 145:20, Psalms 145:21, Psalms 146:1, Psalms 146:2, Psalms 146:3, Psalms 146:4, Psalms 146:5, Psalms 146:6, Psalms 146:7, Psalms 146:8, Psalms 146:9, Psalms 146:10, Psalms 147:1, Psalms 147:2, Psalms 147:3, Psalms 147:4, Psalms 147:5, Psalms 147:6, Psalms 147:7, Psalms 147:8, Psalms 147:9, Psalms 147:10, Psalms 147:11, Psalms 147:12, Psalms 147:13, Psalms 147:14, Psalms 147:15, Psalms 147:16, Psalms 147:17, Psalms 147:18, Psalms 147:19, Psalms 147:20, Psalms 148:1, Psalms 148:2, Psalms 148:3, Psalms 148:4, Psalms 148:5, Psalms 148:6, Psalms 148:7, Psalms 148:8, Psalms 148:9, Psalms 148:10, Psalms 148:11, Psalms 148:12, Psalms 148:13, Psalms 148:14, Psalms 149:1, Psalms 149:2, Psalms 149:3, Psalms 149:4, Psalms 149:5, Psalms 149:6, Psalms 149:7, Psalms 149:8, Psalms 149:9, Psalms 150:1, Psalms 150:2, Psalms 150:3, Psalms 150:4, Psalms 150:5, Psalms 150:6

Psalms 1:2

² परन्तु वह तो यहोवा की व्यवस्था से प्रसन्न रहता; और उसकी व्यवस्था पर रात-दिन ध्यान करता रहता है।

Psalms 1:1

¹ क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो दुष्टों की योजना पर नहीं चलता, और न पापियों के मार्ग में खड़ा होता; और न ठढ़ा करनेवालों की मण्डली में बैठता है!

Psalms 1:3

³ वह उस वृक्ष के समान है, जो बहती पानी की धाराओं के किनारे लगाया गया है और अपनी ऋतु में फलता है, और जिसके पत्ते कभी मुरझाते नहीं। और जो कुछ वह पुरुष करे वह सफल होता है।

Psalms 1:4

⁴ दुष्ट लोग ऐसे नहीं होते, वे उस भूसी के समान होते हैं, जो पवन से उड़ाई जाती है।

Psalms 1:5

⁵ इस कारण दुष्ट लोग अदालत में स्थिर न रह सकेंगे, और न पापी धर्मियों की मण्डली में ठहरेंगे;

Psalms 1:6

⁶ क्योंकि यहोवा धर्मियों का मार्ग जानता है, परन्तु दुष्टों का मार्ग नाश हो जाएगा।

Psalms 2:1

¹ जाति-जाति के लोग क्यों हुल्लड़ मचाते हैं, और देश-देश के लोग क्यों षड्यंत्र रचते हैं?

Psalms 2:2

² यहोवा के और उसके अभिषिक्त के विरुद्ध पृथ्वी के राजागण मिलकर, और हाकिम आपस में षड्यंत्र रचकर, कहते हैं,

Psalms 2:3

³ “आओ, हम उनके बन्धन तोड़ डालें, और उनकी रस्सियों को अपने ऊपर से उतार फेके।”

Psalms 2:4

⁴ वह जो स्वर्ग में विराजमान है, हँसेगा, प्रभु उनको उपहास में उड़ाएगा।

Psalms 2:5

⁵ तब वह उनसे क्रोध में बातें करेगा, और क्रोध में यह कहकर उन्हें भयभीत कर देगा,

Psalms 2:6

⁶ “मैंने तो अपने चुने हुए राजा को, अपने पवित्र पर्वत सिय्योन की राजगद्वी पर नियुक्त किया है।”

Psalms 2:7

⁷ मैं उस वचन का प्रचार करूँगा: जो यहोवा ने मुझसे कहा, “तू मेरा पुत्र है; आज मैं ही ने तुझे जन्माया है।”

Psalms 2:8

⁸ मुझसे माँग, और मैं जाति-जाति के लोगों को तेरी सम्पत्ति होने के लिये, और दूर-दूर के देशों को तेरी निज भूमि बनने के लिये दे दूँगा।

Psalms 2:9

⁹ तू उन्हें लोहे के डंडे से टुकड़े-टुकड़े करेगा। तू कुम्हार के बर्तन के समान उन्हें चकनाचूर कर डालेगा।”

Psalms 2:10

¹⁰ इसलिए अब, हे राजाओं, बुद्धिमान बनो; हे पृथ्वी के शासकों, सावधान हो जाओ।

Psalms 2:11

¹¹ डरते हुए यहोवा की उपासना करो, और काँपते हुए मगन हो।

Psalms 2:12

¹² पुत्र को चूमो ऐसा न हो कि वह क्रोध करे, और तुम मार्ग ही में नाश हो जाओ, क्योंकि क्षण भर में उसका क्रोध भड़कने को है। धन्य है वे जो उसमें शरण लेते हैं।

Psalms 3:1

¹ दाऊद का भजन। जब वह अपने पुत्र अबशालोम के सामने से भागा जाता था; हे यहोवा मेरे सतानेवाले कितने बढ़ गए हैं! वे जो मेरे विरुद्ध उठते हैं बहुत हैं।

Psalms 3:2

² बहुत से मेरे विषय में कहते हैं, कि उसका बचाव परमेश्वर की ओर से नहीं हो सकता। (सेला)

Psalms 3:3

³ परन्तु हे यहोवा, तू तो मेरे चारों ओर मेरी ढाल है, तू मेरी महिमा और मेरे मस्तक का ऊँचा करनेवाला है।

Psalms 3:4

⁴ मैं ऊँचे शब्द से यहोवा को पुकारता हूँ, और वह अपने पवित्र पर्वत पर से मुझे उत्तर देता है। (सेला)

Psalms 3:5

⁵ मैं लेटकर सो गया; फिर जाग उठा, क्योंकि यहोवा मुझे सम्मालता है।

Psalms 3:6

⁶ मैं उस भीड़ से नहीं डरता, जो मेरे विरुद्ध चारों ओर पाँति बाँधे खड़े हैं।

Psalms 3:7

⁷ उठ, हे यहोवा! हे मेरे परमेश्वर मुझे बचा लो! क्योंकि तूने मेरे सब शत्रुओं के जबड़ों पर मारा है। और तूने दुष्टों के दाँत तोड़ डाले हैं।

Psalms 3:8

⁸ उद्धार यहोवा ही की ओर से होता है; हे यहोवा तेरी आशीष तेरी प्रजा पर हो।

Psalms 4:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये: तारवाले बाजों के साथ। दाऊद का भजन; हे मेरे धर्ममय परमेश्वर, जब मैं पुकारूँ तब तू मुझे उत्तर दे; जब मैं संकट में पड़ा तब तूने मुझे सहारा दिया। मुझ पर अनुग्रह कर और मेरी प्रार्थना सुन ले।

Psalms 4:2

² हे मनुष्यों, कब तक मेरी महिमा का अनादर होता रहेगा? तुम कब तक व्यर्थ बातों से प्रीति रखोगे और झूठी युक्ति की खोज में रहोगे? (सेला)

Psalms 4:3

³ यह जान रखो कि यहोवा ने भक्त को अपने लिये अलग कर रखा है; जब मैं यहोवा को पुकारूँगा तब वह सुन लेगा।

Psalms 4:4

⁴ काँपते रहो और पाप मत करो; अपने-अपने बिछौने पर मन ही मन में ध्यान करो और चुपचाप रहो। (सेला)

Psalms 4:5

⁵ धार्मिकता के बलिदान चढ़ाओ, और यहोवा पर भरोसा रखो।

Psalms 4:6

⁶ बहुत से हैं जो कहते हैं, “कौन हमको कुछ भलाई दिखाएगा?” हे यहोवा, तू अपने मुख का प्रकाश हम पर चमका!

Psalms 4:7

⁷ तूने मेरे मन में उससे कहीं अधिक आनन्द भर दिया है, जो उनको अन्न और दाखमधु की बढ़ती से होता है।

Psalms 4:8

⁸ मैं शान्ति से लेट जाऊँगा और सो जाऊँगा; क्योंकि, हे यहोवा, केवल तू ही मुझ को निश्चिन्त रहने देता है।

Psalms 5:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये: बांसुरियों के साथ, दाऊद का भजन; हे यहोवा, मेरे वचनों पर कान लगा; मेरे कराहने की ओर ध्यान लगा।

Psalms 5:2

² हे मेरे राजा, हे मेरे परमेश्वर, मेरी दुहाई पर ध्यान दे, क्योंकि मैं तुझी से प्रार्थना करता हूँ।

Psalms 5:3

³ हे यहोवा, भोर को मेरी वाणी तुझे सुनाई देगी, मैं भोर को प्रार्थना करके तेरी बाट जोहूँगा।

Psalms 5:4

⁴ क्योंकि तू ऐसा परमेश्वर है, जो दुष्टा से प्रसन्न नहीं होता; बुरे लोग तेरे साथ नहीं रह सकते।

Psalms 5:5

⁵ घमण्डी तेरे सम्मुख खड़े होने न पाएँगे; तुझे सब अनर्थकारियों से घृणा है।

Psalms 5:6

⁶ तू उनको जो झूठ बोलते हैं नाश करेगा; यहोवा तो हत्यारे और छली मनुष्य से घृणा करता है।

Psalms 5:7

⁷ परन्तु मैं तो तेरी अपार करुणा के कारण तेरे भवन में आऊँगा, मैं तेरा भय मानकर तेरे पवित्र मन्दिर की ओर दण्डवत् करूँगा।

Psalms 5:8

⁸ हे यहोवा, मेरे शत्रुओं के कारण अपने धार्मिकता के मार्ग में मेरी अगुआई कर; मेरे आगे-आगे अपने सीधे मार्ग को दिखा।

Psalms 5:9

⁹ क्योंकि उनके मुँह में कोई सच्चाई नहीं; उनके मन में निरी दुष्टा है। उनका गला खुली हुई कब्र है, वे अपनी जीभ से चिकनी चुपड़ी बातें करते हैं।

Psalms 5:10

¹⁰ हे परमेश्वर तू उनको दोषी ठहरा; वे अपनी ही युक्तियों से आप ही गिर जाएँ; उनको उनके अपराधों की अधिकाई के कारण निकाल बाहर कर, क्योंकि उन्होंने तुझ से बलवा किया है।

Psalms 5:11

¹¹ परन्तु जितने तुझ में शरण लेते हैं वे सब आनन्द करें, वे सर्वदा ऊँचे स्वर से गाते रहें; क्योंकि तू उनकी रक्षा करता है, और जो तेरे नाम के प्रेमी हैं तुझ में प्रफुल्लित हों।

Psalms 5:12

¹² क्योंकि तू धर्मी को आशीष देगा; हे यहोवा, तू उसको ढाल के समान अपनी कृपा से धेरे रहेगा।

Psalms 6:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये: तारवाले बाजों के साथ। खर्ज की राग में, दाऊद का भजन; हे यहोवा, तू मुझे अपने क्रोध में न डाँट, और न रोष में मुझे ताड़ना दे।

Psalms 6:2

² हे यहोवा, मुझ पर दया कर, क्योंकि मैं कुम्हला गया हूँ; हे यहोवा, मुझे चंगा कर, क्योंकि मेरी हड्डियों में बेचैनी है।

Psalms 6:3

³ मेरा प्राण भी बहुत खेदित है। और तू हे यहोवा, कब तक?

Psalms 6:4

⁴ लौट आ, हे यहोवा, और मेरे प्राण बचा; अपनी करुणा के निमित्त मेरा उद्धार कर।

Psalms 6:5

⁵ क्योंकि मृत्यु के बाद तेरा स्मरण नहीं होता; अधोलोक में कौन तेरा धन्यवाद करेगा?

Psalms 6:6

⁶ मैं कराहते-कराहते थक गया; मैं अपनी खाट आँसुओं से भिगोता हूँ; प्रति रात मेरा बिछौना भीगता है।

Psalms 6:7

⁷ मेरी आँखें शोक से बैठी जाती हैं, और मेरे सब सतानेवालों के कारण वे धुँधला गई हैं।

Psalms 6:8

⁸ हे सब अनर्थकारियों मेरे पास से दूर हो; क्योंकि यहोवा ने मेरे रोने का शब्द सुन लिया है।

Psalms 6:9

⁹ यहोवा ने मेरा गिङ्गिड़ाना सुना है; यहोवा मेरी प्रार्थना को ग्रहण भी करेगा।

Psalms 6:10

¹⁰ मेरे सब शत्रु लज्जित होंगे और बहुत ही घबराएँगे; वे पराजित होकर पीछे हटेंगे, और एकाएक लज्जित होंगे।

Psalms 7:1

¹ दाऊद का शिग्गायोन नामक भजन जो बिच्यामीनी कूश की बातों के कारण यहोवा के सामने गाया; हे मेरे परमेश्वर यहोवा, मैं तुझ में शरण लेता हूँ; सब पीछा करनेवालों से मुझे बचा और छुटकारा दे,

Psalms 7:2

² ऐसा न हो कि वे मुझ को सिंह के समान फाड़कर टुकड़े-टुकड़े कर डालें; और कोई मेरा छुड़ानेवाला न हो।

Psalms 7:3

³ हे मेरे परमेश्वर यहोवा, यदि मैंने यह किया हो, यदि मेरे हाथों से कुटिल काम हुआ हो,

Psalms 7:4

⁴ यदि मैंने अपने मेल रखनेवालों से भलाई के बदले बुराई की हो, या मैंने उसको जो अकारण मेरा बैरी था लूटा है

Psalms 7:5

⁵ तो शत्रु मेरे प्राण का पीछा करके मुझे आ पकड़े, और मेरे प्राण को भूमि पर रौंदे, और मुझे अपमानित करके मिट्टी में मिला दे। (सेला)

Psalms 7:6

⁶ हे यहोवा अपने क्रोध में उठ; क्रोध से भरे मेरे सतानेवाले के विरुद्ध तू खड़ा हो जा; मेरे लिये जाग! तूने न्याय की आज्ञा दे दी है।

Psalms 7:7

⁷ देश-देश के लोग तेरे चारों ओर इकट्ठे हुए हैं; तू फिर से उनके ऊपर विराजमान हो।

Psalms 7:8

⁸ यहोवा जाति-जाति का न्याय करता है; यहोवा मेरी धार्मिकता और खराई के अनुसार मेरा न्याय चुका दे।

Psalms 7:9

⁹ भला हो कि दुष्टों की बुराई का अन्त हो जाए, परन्तु धर्मी को तू स्थिर कर; क्योंकि धर्मी परमेश्वर मन और मर्म का ज्ञाता है।

Psalms 7:10

¹⁰ मेरी ढाल परमेश्वर के हाथ में है, वह सीधे मनवालों को बचाता है।

Psalms 7:11

¹¹ परमेश्वर धर्मी और न्यायी है, वरन् ऐसा परमेश्वर है जो प्रतिदिन क्रोध करता है।

Psalms 7:12

¹² यदि मनुष्य मन न फिराए तो वह अपनी तलवार पर सान चढ़ाएगा; और युद्ध के लिए अपना धनुष तैयार करेगा।

Psalms 7:13

¹³ और उस मनुष्य के लिये उसने मृत्यु के हथियार तैयार कर लिए हैं: वह अपने तीरों को अग्निबाण बनाता है।

Psalms 7:14

¹⁴ देख दुष्ट को अनर्थ काम की पीड़ाएँ हो रही हैं, उसको उत्पात का गर्भ है, और उससे झूठ का जन्म हुआ।

Psalms 7:15

¹⁵ उसने गड्ढे खोदकर उसे गहरा किया, और जो खाई उसने बनाई थी उसमें वह आप ही गिरा।

Psalms 7:16

¹⁶ उसका उत्पात पलटकर उसी के सिर पर पड़ेगा; और उसका उपद्रव उसी के माथे पर पड़ेगा।

Psalms 7:17

¹⁷ मैं यहोवा के धर्म के अनुसार उसका धन्यवाद करूँगा, और परमप्रधान यहोवा के नाम का भजन गाऊँगा।

Psalms 8:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये गित्तीत की राग पर दाऊद का भजन; हे यहोवा हमारे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर क्या ही प्रतापमय है! तूने अपना वैभव स्वर्ग पर दिखाया है।

Psalms 8:2

² तूने अपने बैरियों के कारण बच्चों और शिशुओं के द्वारा अपनी प्रशंसा की है, ताकि तू शत्रु और पलटा लेनेवालों को रोक रखे।

Psalms 8:3

³ जब मैं आकाश को, जो तेरे हाथों का कार्य है, और चन्द्रमा और तरागण को जो तूने नियुक्त किए हैं, देखता हूँ;

Psalms 8:4

⁴ तो फिर मनुष्य क्या है कि तू उसका स्मरण रखे, और आदमी क्या है कि तू उसकी सुधि ले?

Psalms 8:5

⁵ क्योंकि तूने उसको परमेश्वर से थोड़ा ही कम बनाया है, और महिमा और प्रताप का मुकुट उसके सिर पर रखा है।

Psalms 8:6

⁶ तूने उसे अपने हाथों के कार्यों पर प्रभुता दी है; तूने उसके पाँव तले सब कुछ कर दिया है।

Psalms 8:7

⁷ सब भेड़-बकरी और गाय-बैल और जितने वन पशु हैं,

Psalms 8:8

⁸ आकाश के पक्षी और समुद्र की मछलियाँ, और जितने जीव-जन्तु समुद्रों में चलते फिरते हैं।

Psalms 8:9

⁹ हे यहोवा, हे हमारे प्रभु, तेरा नाम सारी पृथ्वी पर क्या ही प्रतापमय है।

Psalms 9:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये मुतलबैयन कि राग पर दाऊद का भजन; हे यहोवा परमेश्वर मैं अपने पूर्ण मन से तेरा धन्यवाद करूँगा; मैं तेरे सब आश्चर्यकर्मों का वर्णन करूँगा।

Psalms 9:2

² मैं तेरे कारण आनन्दित और प्रफुल्लित होऊँगा, हे परमप्रधान, मैं तेरे नाम का भजन गाऊँगा।

Psalms 9:3

³ मेरे शत्रु पराजित होकर पीछे हटते हैं, वे तेरे सामने से ठोकर खाकर नाश होते हैं।

Psalms 9:4

⁴ तूने मेरे मुकद्दमे का न्याय मेरे पक्ष में किया है; तूने सिंहासन पर विराजमान होकर धार्मिकता से न्याय किया।

Psalms 9:5

⁵ तूने जाति-जाति को झिड़का और दुष्ट को नाश किया है; तूने उनका नाम अनन्तकाल के लिये मिटा दिया है।

Psalms 9:6

⁶ शत्रु अनन्तकाल के लिये उजड़ गए हैं; उनके नगरों को तूने ढांदिया, और उनका नाम और निशान भी मिट गया है।

Psalms 9:7

⁷ परन्तु यहोवा सदैव सिंहासन पर विराजमान है, उसने अपना सिंहासन न्याय के लिये सिद्ध किया है;

Psalms 9:8

⁸ और वह जगत का न्याय धर्म से करेगा, वह देश-देश के लोगों का मुकद्दमा खराई से निपटाएगा।

Psalms 9:9

⁹ यहोवा पिसे हुओं के लिये ऊँचा गढ़ ठहरेगा, वह संकट के समय के लिये भी ऊँचा गढ़ ठहरेगा।

Psalms 9:10

¹⁰ और तेरे नाम के जाननेवाले तुझ पर भरोसा रखेंगे, क्योंकि हे यहोवा तूने अपने खोजियों को त्याग नहीं दिया।

Psalms 9:11

¹¹ यहोवा जो सियोन में विराजमान है, उसका भजन गाओ! जाति-जाति के लोगों के बीच में उसके महाकर्मों का प्रचार करो!

Psalms 9:12

¹² क्योंकि खुन का पलटा लेनेवाला उनको स्मरण करता है; वह पिसे हुओं की दुहाई को नहीं भूलता।

Psalms 9:13

¹³ हे यहोवा, मुझ पर दया कर। देख, मेरे बैरी मुझ पर अत्याचार कर रहे हैं, तूहीं मुझे मृत्यु के फाटकों से बचा सकता है;

Psalms 9:14

¹⁴ ताकि मैं सियोन के फाटकों के पास तेरे सब गुणों का वर्णन करूँ, और तेरे किए हुए उद्धार से मगन होऊँ।

Psalms 9:15

¹⁵ अन्य जातिवालों ने जो गङ्गा खोदा था, उसी में वे आप गिर पड़े; जो जाल उन्होंने लगाया था, उसमें उन्हीं का पाँव फँस गया।

Psalms 9:16

¹⁶ यहोवा ने अपने को प्रगट किया, उसने न्याय किया है; दुष्ट अपने किए हुए कामों में फँस जाता है। (हिंगायोन, सेला)

Psalms 9:17

¹⁷ दुष्ट अधोलोक में लौट जाएँगे, तथा वे सब जातियाँ भी जो परमेश्वर को भूल जाती हैं।

Psalms 9:18

¹⁸ क्योंकि दरिद्र लोग अनन्तकाल तक बिसरे हुए न रहेंगे, और न तो नम्र लोगों की आशा सर्वदा के लिये नाश होगी।

Psalms 9:19

¹⁹ हे यहोवा, उठ, मनुष्य प्रबल न होने पाए! जातियों का न्याय तेरे समुख किया जाए।

Psalms 9:20

²⁰ हे यहोवा, उनको भय दिला! जातियाँ अपने को मनुष्यमात्र ही जानें। (सेला)

Psalms 10:1

¹ हे यहोवा तू क्यों दूर खड़ा रहता है? संकट के समय में क्यों छिपा रहता है?

Psalms 10:2

² दुष्टों के अहंकार के कारण दीन पर अत्याचार होते हैं; वे अपनी ही निकाली हुई युक्तियों में फँस जाएँ।

Psalms 10:3

³ क्योंकि दुष्ट अपनी अभिलाषा पर घमण्ड करता है, और लोभी यहोवा को त्याग देता है और उसका तिरस्कार करता है।

Psalms 10:4

⁴ दुष्ट अपने अहंकार में परमेश्वर को नहीं खोजता; उसका पूरा विचार यही है कि कोई परमेश्वर है ही नहीं।

Psalms 10:5

⁵ वह अपने मार्ग पर दृढ़ता से बना रहता है; तेरे धार्मिकता के नियम उसकी दृष्टि से बहुत दूर ऊँचाई पर हैं, जितने उसके विरोधी हैं उन पर वह फुँकारता है।

Psalms 10:6

⁶ वह अपने मन में कहता है कि “मैं कभी टलने का नहीं; मैं पीढ़ी से पीढ़ी तक दुःख से बचा रहूँगा।”

Psalms 10:7

⁷ उसका मुँह श्राप और छल और धमकियों से भरा है; उत्पात और अनर्थ की बातें उसके मुँह में हैं।

Psalms 10:8

⁸ वह गाँवों में घात में बैठा करता है, और गुप्त स्थानों में निर्दोष को घात करता है, उसकी आँखें लाचार की घात में लगी रहती हैं।

Psalms 10:9

⁹ वह सिंह के समान झाड़ी में छिपकर घात में बैठाता है; वह दीन को पकड़ने के लिये घात लगाता है, वह दीन को जाल में फँसाकर पकड़ लेता है।

Psalms 10:10

¹⁰ लाचार लोगों को कुचला और पीटा जाता है, वह उसके मजबूत जाल में गिर जाते हैं।

Psalms 10:11

¹¹ वह अपने मन में सोचता है, “परमेश्वर भूल गया, वह अपना मुँह छिपाता है; वह कभी नहीं देखेगा।”

Psalms 10:12

¹² उठ, हे यहोवा; हे परमेश्वर, अपना हाथ बढ़ा और न्याय कर; और दीनों को न भूल।

Psalms 10:13

¹³ परमेश्वर को दुष्ट क्यों तुच्छ जानता है, और अपने मन में कहता है “तू लेखा न लेगा?”

Psalms 10:14

¹⁴ तूने देख लिया है, क्योंकि तू उत्पात और उत्पीड़न पर दृष्टि रखता है, ताकि उसका पलटा अपने हाथ में रखे; लाचार अपने आपको तुझे सौंपता है; अनाथों का तू ही सहायक रहा है।

Psalms 10:15

¹⁵ दुर्जन और दुष्ट की भुजा को तोड़ डाल; उनकी दुष्टता का लेखा ले, जब तक कि सब उसमें से दूर न हो जाए।

Psalms 10:16

¹⁶ यहोवा अनन्तकाल के लिये महाराज है; उसके देश में से जाति-जाति लोग नाश हो गए हैं।

Psalms 10:17

¹⁷ हे यहोवा, तूने नम्र लोगों की अभिलाषा सुनी है; तू उनका मन दृढ़ करेगा, तू कान लगाकर सुनेगा।

Psalms 10:18

¹⁸ कि अनाथ और पिसे हुए का न्याय करे, ताकि मनुष्य जो मिट्टी से बना है फिर भय दिखाने न पाए।

Psalms 11:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन; मैं यहोवा में शरण लेता हूँ; तुम क्यों मेरे प्राण से कहते हो “पक्षी के समान अपने पहाड़ पर उड़ जा”;

Psalms 11:2

² क्योंकि देखो, दुष्ट अपना धनुष चढ़ाते हैं, और अपने तीर धनुष की डोरी पर रखते हैं, कि सीधे मनवालों पर अंधियारे में तीर चलाएँ।

Psalms 11:3

³ यदि नींवें ढा दी जाएँ तो धर्मी क्या कर सकता है?

Psalms 11:4

⁴ यहोवा अपने पवित्र भवन में है; यहोवा का सिंहासन स्वर्ग में है; उसकी आँखें मनुष्य की सन्तान को नित देखती रहती हैं और उसकी पलकें उनको जाँचती हैं।

Psalms 11:5

⁵ यहोवा धर्मी और दुष्ट दोनों को परखता है, परन्तु जो उपद्रव से प्रीति रखते हैं उनसे वह घुणा करता है।

Psalms 11:6

⁶ वह दुष्टों पर आग और गन्धक बरसाएगा; और प्रचण्ड लूह उनके कटोरों में बाँट दी जाएँगी।

Psalms 11:7

⁷ क्योंकि यहोवा धर्मी है, वह धार्मिकता के ही कामों से प्रसन्न रहता है; धर्मी जन उसका दर्शन पाएँगे।

Psalms 12:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये खर्ज की राग में दाऊद का भजन; हे यहोवा बचा ले, क्योंकि एक भी भक्त नहीं रहा; मनुष्यों में से विश्वासयोग्य लोग लुप्त हो गए हैं।

Psalms 12:2

² प्रत्येक मनुष्य अपने पड़ोसी से झूठी बातें कहता है; वे चापलूसी के होठों से दो रंगी बातें करते हैं।

Psalms 12:3

³ यहोवा सब चापलूस होठों को और उस जीभ को जिससे बड़ा बोल निकलता है काट डालेगा।

Psalms 12:4

⁴ वे कहते हैं, “हम अपनी जीभ ही से जीतेंगे, हमारे होठ हमारे ही वश में हैं; हम पर कौन शासन कर सकेगा?”

Psalms 12:5

⁵ दीन लोगों के लुट जाने, और दरिद्रों के कराहने के कारण, यहोवा कहता है, “अब मैं उठूँगा, जिस पर वे फुँकारते हैं उसे मैं चैन विश्राम ढूँगा।”

Psalms 12:6

⁶ यहोवा का वचन पवित्र है, उस चाँदी के समान जो भट्ठी में मिट्टी पर ताई गई, और सात बार निर्मल की गई हो।

Psalms 12:7

⁷ तू ही हे यहोवा उनकी रक्षा करेगा, उनको इस काल के लोगों से सर्वदा के लिये बचाए रखेगा।

Psalms 12:8

⁸ जब मनुष्यों में बुराई का आदर होता है, तब दुष्ट लोग चारों ओर अकड़ते फिरते हैं।

Psalms 13:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन; हे परमेश्वर, तू कब तक? क्या सदैव मुझे भूला रहेगा? तू कब तक अपना मुखड़ा मुझसे छिपाए रखेगा?

Psalms 13:2

² मैं कब तक अपने मन ही मन में युक्तियाँ करता रहूँ, और दिन भर अपने हृदय में दुःखित रहा करूँ? कब तक मेरा शत्रु मुझ पर प्रबल रहेगा?

Psalms 13:3

³ हे मेरे परमेश्वर यहोवा, मेरी ओर ध्यान दे और मुझे उत्तर दे, मेरी आँखों में ज्योति आने दे, नहीं तो मुझे मृत्यु की नींद आ जाएगी;

Psalms 13:4

⁴ ऐसा न हो कि मेरा शत्रु कहे, “मैं उस पर प्रबल हो गया,” और ऐसा न हो कि जब मैं डगमगाने लगूँ तो मेरे शत्रु मगन हों।

Psalms 13:5

⁵ परन्तु मैंने तो तेरी करुणा पर भरोसा रखा है; मेरा हृदय तेरे उद्धार से मगन होगा।

Psalms 13:6

⁶ मैं यहोवा के नाम का भजन गाऊँगा, क्योंकि उसने मेरी भलाई की है।

Psalms 14:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन; मूर्ख ने अपने मन में कहा है, “कोई परमेश्वर है ही नहीं।” वे बिगड़ गए, उन्होंने घिनौने काम किए हैं, कोई सुकर्मा नहीं।

Psalms 14:2

² यहोवा ने स्वर्ग में से मनुष्यों पर दृष्टि की है कि देखे कि कोई बुद्धिमान, कोई यहोवा का खोजी है या नहीं।

Psalms 14:3

³ वे सब के सब भटक गए, वे सब भ्रष्ट हो गए; कोई सुकर्मा नहीं, एक भी नहीं।

Psalms 14:4

⁴ क्या किसी अनर्थकारी को कुछ भी ज्ञान नहीं रहता, जो मेरे लोगों को ऐसे खा जाते हैं जैसे रोटी, और यहोवा का नाम नहीं लेते?

Psalms 14:5

⁵ वहाँ उन पर भय छा गया, क्योंकि परमेश्वर धर्मी लोगों के बीच में निरन्तर रहता है।

Psalms 14:6

⁶ तुम तो दीन की युक्ति की हँसी उड़ाते हो परन्तु यहोवा उसका शरणस्थान है।

Psalms 14:7

⁷ भला हो कि इसाएल का उद्धार सिय्योन से प्रगट होता! जब यहोवा अपनी प्रजा को दासत्व से लौटा ले आएगा, तब याकूब मगन और इसाएल आनन्दित होगा।

Psalms 15:1

¹ दाऊद का भजन; हे यहोवा तेरे तम्बू में कौन रहेगा? तेरे पवित्र पर्वत पर कौन बसने पाएगा?

Psalms 15:2

² वह जो सिधाई से चलता और धर्म के काम करता है, और हृदय से सच बोलता है;

Psalms 15:3

³ जो अपनी जीभ से अपमान नहीं करता, और न अन्य लोगों की बुराई करता, और न अपने पड़ोसी का अपमान सुनता है;

Psalms 15:4

⁴ वह जिसकी दृष्टि में निकम्मा मनुष्य तुच्छ है, पर जो यहोवा के डरवैयों का आदर करता है, जो शपथ खाकर बदलता नहीं चाहे हानि उठानी पड़े;

Psalms 15:5

⁵ जो अपना रुपया ब्याज पर नहीं देता, और निर्दोष की हानि करने के लिये घूस नहीं लेता है। जो कोई ऐसी चाल चलता है वह कभी न डगमगाएगा।

Psalms 16:1

¹ दाऊद का मिक्ताम; हे परमेश्वर मेरी रक्षा कर, क्योंकि मैं तेरा ही शरणागत हूँ।

Psalms 16:2

² मैंने यहोवा से कहा, “तू ही मेरा प्रभु है; तेरे सिवा मेरी भलाई कहीं नहीं।”

Psalms 16:3

³ पृथ्वी पर जो पवित्र लोग हैं, वे ही आदर के योग्य हैं, और उन्हीं से मैं प्रसन्न हूँ।

Psalms 16:4

⁴ जो पराए देवता के पीछे भागते हैं उनका दुःख बढ़ जाएगा; मैं उन्हें लहूवाले अर्ध नहीं चढ़ाऊँगा और उनका नाम अपने होठों से नहीं लूँगा।

Psalms 16:5

⁵ यहोवा तू मेरा चुना हुआ भाग और मेरा कटोरा है; मेरे भाग को तू स्थिर रखता है।

Psalms 16:6

⁶ मेरे लिये माप की डोरी मनभावने स्थान में पड़ी, और मेरा भाग मनभावना है।

Psalms 16:7

⁷ मैं यहोवा को धन्य कहता हूँ, क्योंकि उसने मुझे सम्मति दी है; वरन् मेरा मन भी रात में मुझे शिक्षा देता है।

Psalms 16:8

⁸ मैंने यहोवा को निरन्तर अपने सम्मुख रखा है: इसलिए कि वह मेरे दाहिने हाथ रहता है मैं कभी न डगमगाऊँगा।

Psalms 16:9

⁹ इस कारण मेरा हृदय आनन्दित और मेरी आत्मा मग्न हुई;
मेरा शरीर भी चैन से रहेगा।

Psalms 16:10

¹⁰ क्योंकि तू मेरे प्राण को अधोलोक में न छोड़ेगा, न अपने
पवित्र भक्त को कब्र में सङ्खने देगा।

Psalms 16:11

¹¹ तू मुझे जीवन का रास्ता दिखाएगा; तेरे निकट आनन्द की
भरपूरी है, तेरे दाहिने हाथ में सुख सर्वदा बना रहता है।

Psalms 17:1

¹ दाऊद की प्रार्थना; हे यहोवा परमेश्वर सच्चाई के वचन सुन,
मेरी पुकार की ओर ध्यान दे मेरी प्रार्थना की ओर जो निष्कपट
मुँह से निकलती है कान लगा!

Psalms 17:2

² मेरे मुकद्दमे का निर्णय तेरे सम्मुख हो! तेरी आँखें न्याय पर
लगी रहें!

Psalms 17:3

³ यदि तू मेरे हृदय को जँचता; यदि तू रात को मेरा परीक्षण
करता, यदि तू मुझे परखता तो कुछ भी खोटापन नहीं पाता;
मेरे मुँह से अपराध की बात नहीं निकलेगी।

Psalms 17:4

⁴ मानवीय कामों में मैंने तेरे मुँह के वचनों के द्वारा अधर्मियों
के मार्ग से स्वयं को बचाए रखा।

Psalms 17:5

⁵ मेरे पाँव तेरे पथों में स्थिर रहे, फिसले नहीं।

Psalms 17:6

⁶ हे परमेश्वर, मैंने तुझ से प्रार्थना की है, क्योंकि तू मुझे उत्तर
देगा। अपना कान मेरी ओर लगाकर मेरी विनती सुन ले।

Psalms 17:7

⁷ तू जो अपने दाहिने हाथ के द्वारा अपने शरणागतों को उनके
विरोधियों से बचाता है, अपनी अद्भुत करुणा दिखा।

Psalms 17:8

⁸ अपनी आँखों की पुतली के समान सुरक्षित रख; अपने पंखों
के तले मुझे छिपा रख,

Psalms 17:9

⁹ उन दुष्टों से जो मुझ पर अत्याचार करते हैं, मेरे प्राण के
शत्रुओं से जो मुझे घेरे हुए हैं।

Psalms 17:10

¹⁰ उन्होंने अपने हृदयों को कठोर किया है; उनके मुँह से
घमण्ड की बातें निकलती हैं।

Psalms 17:11

¹¹ उन्होंने पग-पग पर मुझ को घेरा है, वे मुझ को भूमि पर
पटक देने के लिये घात लगाए हुए हैं।

Psalms 17:12

¹² वह उस सिंह के समान है जो अपने शिकार की लालसा
करता है, और जवान सिंह के समान घात लगाने के स्थानों में
बैठा रहता है।

Psalms 17:13

¹³ उठ, हे यहोवा! उसका सामना कर और उसे पटक दे!
अपनी तलवार के बल से मेरे प्राण को दुष्ट से बचा लो।

Psalms 17:14

¹⁴ अपना हाथ बढ़ाकर हे यहोवा, मुझे मनुष्यों से बचा, अर्थात् सांसारिक मनुष्यों से जिनका भाग इसी जीवन में है, और जिनका पेट तू अपने भण्डार से भरता है। वे बाल-बच्चों से सन्तुष्ट हैं; और शेष सम्पत्ति अपने बच्चों के लिये छोड़ जाते हैं।

Psalms 17:15

¹⁵ परन्तु मैं तो धर्मी होकर तेरे मुख का दर्शन करूँगा जब मैं जागूँगा तब तेरे स्वरूप से सन्तुष्ट होऊँगा।

Psalms 18:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये। यहोवा के दास दाऊद का गीत, जिसके वचन उसने यहोवा के लिये उस समय गाया जब यहोवा ने उसको उसके सारे शत्रुओं के हाथ से, और शाऊल के हाथ से बचाया था, उसने कहा; हे यहोवा, हे मेरे बल, मैं तुझ से प्रेम करता हूँ।

Psalms 18:2

² यहोवा मेरी चट्टान, और मेरा गढ़ और मेरा छुड़ानेवाला है; मेरा परमेश्वर, मेरी चट्टान है, जिसका मैं शरणागत हूँ, वह मेरी ढाल और मेरी उद्धर का सींग, और मेरा ऊँचा गढ़ है।

Psalms 18:3

³ मैं यहोवा को जो स्तुति के योग्य है पुकारूँगा; इस प्रकार मैं अपने शत्रुओं से बचाया जाऊँगा।

Psalms 18:4

⁴ मृत्यु की रस्सियों से मैं चारों ओर से घिर गया हूँ, और अधर्म की बाढ़ ने मुझ को भयभीत कर दिया;

Psalms 18:5

⁵ अधोलोक की रस्सियाँ मेरे चारों ओर थीं, और मृत्यु के फंदे मुझ पर आए थे।

Psalms 18:6

⁶ अपने संकट में मैंने यहोवा परमेश्वर को पुकारा; मैंने अपने परमेश्वर की दुहाई दी। और उसने अपने मन्दिर में से मेरी वाणी सुनी। और मेरी दुहाई उसके पास पहुँचकर उसके कानों में पड़ी।

Psalms 18:7

⁷ तब पृथ्वी हिल गई, और काँप उठी और पहाड़ों की नींव कँपित होकर हिल गई क्योंकि वह अति क्रोधित हुआ था।

Psalms 18:8

⁸ उसके नथनों से धुआँ निकला, और उसके मुँह से आग निकलकर भस्म करने लगी; जिससे कोएले दहक उठे।

Psalms 18:9

⁹ वह स्वर्ग को नीचे झुकाकर उत्तर आया; और उसके पाँवों तले घोर अंधकार था।

Psalms 18:10

¹⁰ और वह करूब पर सवार होकर उड़ा, वरन् पवन के पंखों पर सवारी करके वेग से उड़ा।

Psalms 18:11

¹¹ उसने अंशियारे को अपने छिपने का स्थान और अपने चारों ओर आकाश की काली घटाओं का मण्डप बनाया।

Psalms 18:12

¹² उसके आगे बिजली से, ओले और अंगारे गिर पड़े।

Psalms 18:13

¹³ तब यहोवा आकाश में गरजा, परमप्रधान ने अपनी वाणी सुनाई और ओले और अंगारों को भेजा।

Psalms 18:14

¹⁴ उसने अपने तीर चला-चलाकर शत्रुओं को तितर-बितर किया; वरन् बिजलियाँ गिरा गिराकर उनको परास्त किया।

Psalms 18:15

¹⁵ तब जल के नाले देख पड़े, और जगत की नींव प्रगट हुई, यह तो यहोवा तेरी डॉट से, और तेरे नथनों की साँस की झांक से हुआ।

Psalms 18:16

¹⁶ उसने ऊपर से हाथ बढ़ाकर मुझे थाम लिया, और गहरे जल में से खींच लिया।

Psalms 18:17

¹⁷ उसने मेरे बलवन्त शत्रु से, और उनसे जो मुझसे घृणा करते थे, मुझे छुड़ाया; क्योंकि वे अधिक सामर्थ्य थे।

Psalms 18:18

¹⁸ मेरे संकट के दिन वे मेरे विरुद्ध आए परन्तु यहोवा मेरा आश्रय था।

Psalms 18:19

¹⁹ और उसने मुझे निकालकर चौड़े स्थान में पहुँचाया, उसने मुझ को छुड़ाया, क्योंकि वह मुझसे प्रसन्न था।

Psalms 18:20

²⁰ यहोवा ने मुझसे मेरी धार्मिकता के अनुसार व्यवहार किया; और मेरे हाथों की शुद्धता के अनुसार उसने मुझे बदला दिया।

Psalms 18:21

²¹ क्योंकि मैं यहोवा के मार्गों पर चलता रहा, और दुष्टा के कारण अपने परमेश्वर से दूर न हुआ।

Psalms 18:22

²² क्योंकि उसके सारे निर्णय मेरे समुख बने रहे और मैंने उसकी विधियों को न त्यागा।

Psalms 18:23

²³ और मैं उसके समुख सिद्ध बना रहा, और अधर्म से अपने को बचाए रहा।

Psalms 18:24

²⁴ यहोवा ने मुझे मेरी धार्मिकता के अनुसार बदला दिया, और मेरे हाथों की उस शुद्धता के अनुसार जिसे वह देखता था।

Psalms 18:25

²⁵ विश्वासयोग्य के साथ तू अपने को विश्वासयोग्य दिखाता; और खरे पुरुष के साथ तू अपने को खरा दिखाता है।

Psalms 18:26

²⁶ शुद्ध के साथ तू अपने को शुद्ध दिखाता, और टेढ़े के साथ तू तिरछा बनता है।

Psalms 18:27

²⁷ क्योंकि तू दीन लोगों को तो बचाता है; परन्तु घमण्ड भरी औँखों को नीची करता है।

Psalms 18:28

²⁸ हाँ, तू ही मेरे दीपक को जलाता है; मेरा परमेश्वर यहोवा मेरे अंधियारे को उजियाला कर देता है।

Psalms 18:29

²⁹ क्योंकि तेरी सहायता से मैं सेना पर धावा करता हूँ; और अपने परमेश्वर की सहायता से शहरपनाह को लाँघ जाता हूँ।

Psalms 18:30

³⁰ परमेश्वर का मार्ग सिद्ध है; यहोवा का वचन ताया हुआ है;
वह अपने सब शरणागतों की ढाल है।

Psalms 18:31

³¹ यहोवा को छोड़ क्या कोई परमेश्वर है? हमारे परमेश्वर को
छोड़ क्या और कोई चट्टान है?

Psalms 18:32

³² यह वही परमेश्वर है, जो सामर्थ्य से मेरा कमरबन्ध बाँधता
है, और मेरे मार्ग को सिद्ध करता है।

Psalms 18:33

³³ वही मेरे पैरों को हिरनी के पैरों के समान बनाता है, और
मुझे ऊँचे स्थानों पर खड़ा करता है।

Psalms 18:34

³⁴ वह मेरे हाथों को युद्ध करना सिखाता है, इसलिए मेरी बाहों
से पीतल का धनुष झुक जाता है।

Psalms 18:35

³⁵ तूने मुझ को अपने बचाव की ढाल दी है, तू अपने दाहिने
हाथ से मुझे सम्भाले हुए है, और तेरी नम्रता ने मुझे महान
बनाया है।

Psalms 18:36

³⁶ तूने मेरे पैरों के लिये स्थान चौड़ा कर दिया, और मेरे पैर
नहीं फिसले।

Psalms 18:37

³⁷ मैं अपने शत्रुओं का पीछा करके उन्हें पकड़ लूँगा; और जब
तक उनका अन्त न करूँ तब तक न लौटूँगा।

Psalms 18:38

³⁸ मैं उन्हें ऐसा बेधूँगा कि वे उठ न सकेंगे; वे मेरे पाँवों के नीचे
गिर जाएंगे।

Psalms 18:39

³⁹ क्योंकि तूने युद्ध के लिये मेरी कमर में शक्ति का पटुका
बाँधा है; और मेरे विरोधियों को मेरे सम्मुख नीचा कर दिया।

Psalms 18:40

⁴⁰ तूने मेरे शत्रुओं की पीठ मेरी ओर फेर दी; ताकि मैं उनको
काट डालूँ जो मुझसे द्वेष रखते हैं।

Psalms 18:41

⁴¹ उन्होंने दुहाई तो दी परन्तु उन्हें कोई बचानेवाला न मिला,
उन्होंने यहोवा की भी दुहाई दी, परन्तु उसने भी उनको उत्तर
न दिया।

Psalms 18:42

⁴² तब मैंने उनको कूट कूटकर पवन से उड़ाई हुई धूल के
समान कर दिया; मैंने उनको मार्ग के कीचड़ के समान
निकाल फेंका।

Psalms 18:43

⁴³ तूने मुझे प्रजा के झगड़ों से भी छुड़ाया; तूने मुझे
अन्यजातियों का प्रधान बनाया है; जिन लोगों को मैं जानता भी
न था वे मेरी सेवा करते हैं।

Psalms 18:44

⁴⁴ मेरा नाम सुनते ही वे मेरी आज्ञा का पालन करेंगे; परदेशी
मेरे वश में हो जाएँगे।

Psalms 18:45

⁴⁵ परदेशी मुझा जाएँगे, और अपने किलों में से थरथराते हुए
निकलेंगे।

Psalms 18:46

⁴⁶ यहोवा परमेश्वर जीवित है; मेरी चट्टान धन्य है; और मेरे मुक्तिदाता परमेश्वर की बड़ाई हो।

Psalms 18:47

⁴⁷ धन्य है मेरा पलटा लेनेवाला परमेश्वर! जिसने देश-देश के लोगों को मेरे वश में कर दिया है;

Psalms 18:48

⁴⁸ और मुझे मेरे शत्रुओं से छुड़ाया है; तू मुझ को मेरे विरोधियों से ऊँचा करता, और उपद्रवी पुरुष से बचाता है।

Psalms 18:49

⁴⁹ इस कारण मैं जाति-जाति के सामने तेरा धन्यवाद करूँगा, और तेरे नाम का भजन गाऊँगा।

Psalms 18:50

⁵⁰ वह अपने ठहराए हुए राजा को महान विजय देता है, वह अपने अभिषिक्त दाऊद पर और उसके वंश पर युगानुयुग करुणा करता रहेगा।

Psalms 19:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन; आकाश परमेश्वर की महिमा वर्णन करता है; और आकाशमण्डल उसकी हस्तकला को प्रगट करता है।

Psalms 19:2

² दिन से दिन बातें करता है, और रात को रात ज्ञान सिखाती है।

Psalms 19:3

³ न तो कोई बोली है और न कोई भाषा; जहाँ उनका शब्द सुनाई नहीं देता है।

Psalms 19:4

⁴ फिर भी उनका स्वर सारी पृथ्वी पर गूँज गया है, और उनका वचन जगत की छोर तक पहुँच गया है। उनमें उसने सूर्य के लिये एक मण्डप खड़ा किया है,

Psalms 19:5

⁵ जो दुल्हे के समान अपने कक्ष से निकलता है। वह शूरवीर के समान अपनी दौड़ दौड़ने में हर्षित होता है।

Psalms 19:6

⁶ वह आकाश की एक छोर से निकलता है, और वह उसकी दूसरी छोर तक चक्कर मारता है; और उसकी गर्मी से कोई नहीं बच पाता।

Psalms 19:7

⁷ यहोवा की व्यवस्था खरी है, वह प्राण को बहाल कर देती है; यहोवा के नियम विश्वासयोग्य हैं, बुद्धिहीन लोगों को बुद्धिमान बना देते हैं;

Psalms 19:8

⁸ यहोवा के उपदेश सिद्ध हैं, हृदय को आनन्दित कर देते हैं; यहोवा की आज्ञा निर्मल है, वह आँखों में ज्योति ले आती है;

Psalms 19:9

⁹ यहोवा का भय पवित्र है, वह अनन्तकाल तक स्थिर रहता है; यहोवा के नियम सत्य और पूरी रीति से धर्ममय हैं।

Psalms 19:10

¹⁰ वे तो सोने से और बहुत कुन्दन से भी बढ़कर मनोहर हैं; वे मधु से और छत्ते से टपकनेवाले मधु से भी बढ़कर मधुर हैं।

Psalms 19:11

¹¹ उन्हीं से तेरा दास चिताया जाता है; उनके पालन करने से बड़ा ही प्रतिफल मिलता है।

Psalms 19:12

¹² अपनी गलतियों को कौन समझ सकता है? मेरे गुप्त पापों से तू मुझे पवित्र कर।

Psalms 19:13

¹³ तू अपने दास को छिठाई के पापों से भी बचाए रख; वह मुझ पर प्रभुता करने न पाएँ! तब मैं सिद्ध हो जाऊँगा, और बड़े अपराधों से बचा रहूँगा।

Psalms 19:14

¹⁴ हे यहोवा परमेश्वर, मेरी चट्टान और मेरे उद्धार करनेवाले, मेरे मुँह के वचन और मेरे हृदय का ध्यान तेरे सम्मुख ग्रहणयोग्य हों।

Psalms 20:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन; संकट के दिन यहोवा तेरी सुन लो! याकूब के परमेश्वर का नाम तुझे ऊँचे स्थान पर नियुक्त कर!

Psalms 20:2

² वह पवित्रस्थान से तेरी सहायता करे, और सियोन से तुझे सम्भाल लो!

Psalms 20:3

³ वह तेरे सब भेंटों को स्मरण करे, और तेरे होमबलि को ग्रहण करे। (सेला)

Psalms 20:4

⁴ वह तेरे मन की इच्छा को पूरी करे, और तेरी सारी युक्ति को सफल करे!

Psalms 20:5

⁵ तब हम तेरे उद्धार के कारण ऊँचे स्वर से हर्षित होकर गाएँगे, और अपने परमेश्वर के नाम से झाण्डे खड़े करेंगे। यहोवा तेरे सारे निवेदन स्वीकार करे।

Psalms 20:6

⁶ अब मैं जान गया कि यहोवा अपने अभिषिक्त को बचाएगा; वह अपने पवित्र स्वर्ग से, अपने दाहिने हाथ के उद्धार के सामर्थ्य से, उसको उत्तर देगा।

Psalms 20:7

⁷ किसी को रथों पर, और किसी को घोड़ों पर भरोसा है, परन्तु हम तो अपने परमेश्वर यहोवा ही का नाम लेंगे।

Psalms 20:8

⁸ वे तो झुक गए और गिर पड़े: परन्तु हम उठे और सीधे खड़े हैं।

Psalms 20:9

⁹ हे यहोवा, राजा को छुड़ा; जब हम तुझे पुकारें तब हमारी सहायता कर।

Psalms 21:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन; हे यहोवा तेरी सामर्थ्य से राजा आनन्दित होगा; और तेरे किए हुए उद्धार से वह अति मग्न होगा।

Psalms 21:2

² तूने उसके मनोरथ को पूरा किया है, और उसके मुँह की विनती को तूने अस्वीकार नहीं किया। (सेला)

Psalms 21:3

³ क्योंकि तू उत्तम आशीषे देता हुआ उससे मिलता है और तू उसके सिर पर कुन्दन का मुकुट पहनाता है।

Psalms 21:4

⁴ उसने तुझ से जीवन माँगा, और तूने जीवनदान दिया; तूने उसको युगानुयुग का जीवन दिया है।

Psalms 21:5

⁵ तेरे उद्धार के कारण उसकी महिमा अधिक है; तू उसको वैभव और ऐश्वर्य से आभूषित कर देता है।

Psalms 21:6

⁶ क्योंकि तूने उसको सर्वदा के लिये आशीषित किया है; तू अपने समुख उसको हर्ष और आनन्द से भर देता है।

Psalms 21:7

⁷ क्योंकि राजा का भरोसा यहोवा के ऊपर है; और परमप्रधान की करुणा से वह कभी नहीं टलने का।

Psalms 21:8

⁸ तेरा हाथ तेरे सब शत्रुओं को ढूँढ़ निकालेगा, तेरा दाहिना हाथ तेरे सब बैरियों का पता लगा लेगा।

Psalms 21:9

⁹ तू अपने मुख के सम्मुख उन्हें जलते हुए भट्टे के समान जलाएगा। यहोवा अपने क्रोध में उन्हें निगल जाएगा, और आग उनको भस्म कर डालेगी।

Psalms 21:10

¹⁰ तू उनके फलों को पृथ्वी पर से, और उनके वंश को मनुष्यों में से नष्ट करेगा।

Psalms 21:11

¹¹ क्योंकि उन्होंने तेरी हानि ठानी है, उन्होंने ऐसी युक्ति निकाली है जिसे वे पूरी न कर सकेंगे।

Psalms 21:12

¹² क्योंकि तू अपना धनुष उनके विरुद्ध चढ़ाएगा, और वे पीठ दिखाकर भागेंगे।

Psalms 21:13

¹³ हे यहोवा, अपनी सामर्थ्य में महान हो; और हम गा गाकर तेरे पराक्रम का भजन सुनाएँगे।

Psalms 22:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये अध्येलेश्वर राग में दाऊद का भजन; हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों छोड़ दिया? तू मेरी पुकार से और मेरी सहायता करने से क्यों दूर रहता है? मेरा उद्धार कहाँ है?

Psalms 22:2

² हे मेरे परमेश्वर, मैं दिन को पुकारता हूँ परन्तु तू उत्तर नहीं देता; और रात को भी मैं चुप नहीं रहता।

Psalms 22:3

³ परन्तु तू जो इसाएल की स्तुति के सिंहासन पर विराजमान है, तू तो पवित्र है।

Psalms 22:4

⁴ हमारे पुरखा तुझी पर भरोसा रखते थे; वे भरोसा रखते थे, और तू उन्हें छुड़ाता था।

Psalms 22:5

⁵ उन्होंने तेरी दुहाई दी और तूने उनको छुड़ाया वे तुझी पर भरोसा रखते थे और कभी लज्जित न हुए।

Psalms 22:6

⁶ परन्तु मैं तो कीड़ा हूँ, मनुष्य नहीं; मनुष्यों में मेरी नामधराई है, और लोगों में मेरा अपमान होता है।

Psalms 22:7

⁷ वह सब जो मुझे देखते हैं मेरा ठट्ठा करते हैं, और होंठ बिचकाते और यह कहते हुए सिर हिलाते हैं,

Psalms 22:8

⁸ वे कहते हैं “वह यहोवा पर भरोसा करता है, यहोवा उसको छुड़ाए, वह उसको उबारे क्योंकि वह उससे प्रसन्न है।”

Psalms 22:9

⁹ परन्तु तू ही ने मुझे गर्भ से निकाला; जब मैं दूध पीता बच्चा था, तब ही से तूने मुझे भरोसा रखना सिखाया।

Psalms 22:10

¹⁰ मैं जन्मते ही तुझी पर छोड़ दिया गया, माता के गर्भ ही से तू मेरा परमेश्वर है।

Psalms 22:11

¹¹ मुझसे दूर न हो क्योंकि संकट निकट है, और कोई सहायक नहीं।

Psalms 22:12

¹² बहुत से सांडों ने मुझे घेर लिया है, बाशान के बलवन्त साँड़ मेरे चारों ओर मुझे घेरे हुए हैं।

Psalms 22:13

¹³ वे फाड़ने और गरजनेवाले सिंह के समान मुझ पर अपना मुँह पसारे हुए हैं।

Psalms 22:14

¹⁴ मैं जल के समान बह गया, और मेरी सब हड्डियों के जोड़ उखड़ गए: मेरा हृदय मोम हो गया, वह मेरी देह के भीतर पिघल गया।

Psalms 22:15

¹⁵ मेरा बल टूट गया, मैं ठीकरा हो गया; और मेरी जीभ मेरे तालू से चिपक गई; और तू मुझे मारकर मिट्टी में मिला देता है।

Psalms 22:16

¹⁶ क्योंकि कुत्तों ने मुझे घेर लिया है; कुकर्मियों की मण्डली मेरे चारों ओर मुझे घेरे हुए हैं; वह मेरे हाथ और मेरे पैर छेदते हैं।

Psalms 22:17

¹⁷ मैं अपनी सब हड्डियाँ गिन सकता हूँ; वे मुझे देखते और निहारते हैं;

Psalms 22:18

¹⁸ वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहरावे पर चिट्ठी डालते हैं।

Psalms 22:19

¹⁹ परन्तु हे यहोवा तू दूर न रह! हे मेरे सहायक, मेरी सहायता के लिये फुर्ती कर!

Psalms 22:20

²⁰ मेरे प्राण को तलवार से बचा, मेरे प्राण को कुत्ते के पंजे से बचा ले!

Psalms 22:21

²¹ मुझे सिंह के मुँह से बचा, जंगली साँड़ के सींगों से तू मुझे बचा।

Psalms 22:22

²² मैं अपने भाइयों के सामने तेरे नाम का प्रचार करूँगा; सभा के बीच तेरी प्रशंसा करूँगा।

Psalms 22:23

²³ हे यहोवा के डरवैयों, उसकी स्तुति करो! हे याकूब के वंश, तुम सब उसकी महिमा करो! हे इस्राएल के वंश, तुम उसका भय मानो!

Psalms 22:24

²⁴ क्योंकि उसने दुःखी को तुच्छ नहीं जाना और न उससे घृणा करता है, यहोवा ने उससे अपना मुख नहीं छिपाया; पर जब उसने उसकी दुहारी दी, तब उसकी सुन ली।

Psalms 22:25

²⁵ बड़ी सभा में मेरा स्तुति करना तेरी ही ओर से होता है; मैं अपनी मन्त्रतों को उसके भय रखनेवालों के सामने पूरा करूँगा।

Psalms 22:26

²⁶ नम्र लोग भोजन करके तृप्त होंगे; जो यहोवा के खोजी हैं, वे उसकी स्तुति करेंगे। तुम्हारे प्राण सर्वदा जीवित रहेंगे।

Psalms 22:27

²⁷ पृथ्वी के सब दूर-दूर देशों के लोग उसको स्मरण करेंगे और उसकी ओर फिरेंगे; और जाति-जाति के सब कुल तेरे सामने दण्डवत् करेंगे।

Psalms 22:28

²⁸ क्योंकि राज्य यहोवा ही का है, और सब जातियों पर वही प्रभुता करता है।

Psalms 22:29

²⁹ पृथ्वी के सब हष्ट-पुष्ट लोग भोजन करके दण्डवत् करेंगे; वे सब जो मिट्ठी में मिल जाते हैं और अपना-अपना प्राण नहीं बचा सकते, वे सब उसी के सामने घुटने टेकेंगे।

Psalms 22:30

³⁰ एक वंश उसकी सेवा करेगा; दूसरी पीढ़ी से प्रभु का वर्णन किया जाएगा।

Psalms 22:31

³¹ वे आएँगे और उसके धार्मिकता के कामों को एक वंश पर जो उत्पन्न होगा यह कहकर प्रगट करेंगे कि उसने ऐसे-ऐसे अद्भुत काम किए।

Psalms 23:1

¹ दाऊद का भजन; यहोवा मेरा चरवाहा है, मुझे कुछ घटी न होगी।

Psalms 23:2

² वह मुझे हरी-हरी चराइयों में बैठाता है; वह मुझे सुखदाई जल के झरने के पास ले चलता है;

Psalms 23:3

³ वह मेरे जी में जी ले आता है। धार्मिकता के मार्गों में वह अपने नाम के निमित्त मेरी अगुआई करता है।

Psalms 23:4

⁴ चाहे मैं घोर अंधकार से भरी हुई तराई में होकर चलूँ तो भी हानि से न डरूँगा, क्योंकि तू मेरे साथ रहता है; तेरे सोंटे और तेरी लाठी से मुझे शान्ति मिलती है।

Psalms 23:5

⁵ तू मेरे सतानेवालों के सामने मेरे लिये मेज बिछाता है; तूने मेरे सिर पर तेल मला है, मेरा कटोरा उमड़ रहा है।

Psalms 23:6

⁶ निश्य भलाई और करुणा जीवन भर मेरे साथ-साथ बनी रहेंगी; और मैं यहोवा के धाम में सर्वदा वास करूँगा।

Psalms 24:1

¹ दाऊद का भजन; पृथ्वी और जो कुछ उसमें है यहोवा ही का है; जगत और उसमें निवास करनेवाले भी।

Psalms 24:2

² क्योंकि उसी ने उसकी नींव समुद्रों के ऊपर दढ़ करके रखी, और महानदों के ऊपर स्थिर किया है।

Psalms 24:3

³ यहोवा के पर्वत पर कौन चढ़ सकता है? और उसके पवित्रस्थान में कौन खड़ा हो सकता है?

Psalms 24:4

⁴ जिसके काम निर्दोष और हृदय शुद्ध है, जिसने अपने मन को व्यर्थ बात की ओर नहीं लगाया, और न कपट से शपथ खाई है।

Psalms 24:5

⁵ वह यहोवा की ओर से आशीष पाएगा, और अपने उद्धार करनेवाले परमेश्वर की ओर से धर्मी ठहरेगा।

Psalms 24:6

⁶ ऐसे ही लोग उसके खोजी हैं, वे तेरे दर्शन के खोजी याकूबवंशी हैं। (सेला)

Psalms 24:7

⁷ हे फाटकों, अपने सिर ऊँचे करो! हे सनातन के द्वारों, ऊँचे हो जाओ! क्योंकि प्रतापी राजा प्रवेश करेगा।

Psalms 24:8

⁸ वह प्रतापी राजा कौन है? यहोवा जो सामर्थी और पराक्रमी है, परमेश्वर जो युद्ध में पराक्रमी है!

Psalms 24:9

⁹ हे फाटकों, अपने सिर ऊँचे करो हे सनातन के द्वारों तुम भी खुल जाओ! क्योंकि प्रतापी राजा प्रवेश करेगा!

Psalms 24:10

¹⁰ वह प्रतापी राजा कौन है? सेनाओं का यहोवा, वही प्रतापी राजा है। (सेला)

Psalms 25:1

¹ दाऊद का भजन; हे यहोवा, मैं अपने मन को तेरी ओर उठाता हूँ।

Psalms 25:2

² हे मेरे परमेश्वर, मैंने तुझी पर भरोसा रखा है, मुझे लजित होने न दे; मेरे शत्रु मुझ पर जयजयकार करने न पाएँ।

Psalms 25:3

³ वरन् जितने तेरी बाट जोहते हैं उनमें से कोई लजित न होगा; परन्तु जो अकारण विश्वासधाती हैं वे ही लजित होंगे।

Psalms 25:4

⁴ हे यहोवा, अपने मार्ग मुझ को दिखा; अपना पथ मुझे बता दे।

Psalms 25:5

⁵ मुझे अपने सत्य पर चला और शिक्षा दे, क्योंकि तू मेरा उद्धार करनेवाला परमेश्वर है; मैं दिन भर तेरी ही बाट जोहता रहता हूँ।

Psalms 25:6

⁶ हे यहोवा, अपनी दया और करुणा के कामों को स्मरण कर; क्योंकि वे तो अनन्तकाल से होते आए हैं।

Psalms 25:7

⁷ हे यहोवा, अपनी भलाई के कारण मेरी जवानी के पापों और मेरे अपराधों को स्मरण न कर; अपनी करुणा ही के अनुसार तू मुझे स्मरण कर।

Psalms 25:8

⁸ यहोवा भला और सीधा है; इसलिए वह पापियों को अपना मार्ग दिखलाएगा।

Psalms 25:9

⁹ वह नम्र लोगों को न्याय की शिक्षा देगा, हाँ, वह नम्र लोगों को अपना मार्ग दिखलाएगा।

Psalms 25:10

¹⁰ जो यहोवा की वाचा और चितौनियों को मानते हैं, उनके लिये उसके सब मार्ग करुणा और सच्चाई हैं।

Psalms 25:11

¹¹ हे यहोवा, अपने नाम के निमित्त मेरे अधर्म को जो बहुत हैं क्षमा कर।

Psalms 25:12

¹² वह कौन है जो यहोवा का भय मानता है? प्रभु उसको उसी मार्ग पर जिससे वह प्रसन्न होता है चलाएगा।

Psalms 25:13

¹³ वह कुशल से टिका रहेगा, और उसका वंश पृथ्वी पर अधिकारी होगा।

Psalms 25:14

¹⁴ यहोवा के भेद को वही जानते हैं जो उससे डरते हैं, और वह अपनी वाचा उन पर प्रगट करेगा।

Psalms 25:15

¹⁵ मेरी आँखें सदैव यहोवा पर टकटकी लगाए रहती हैं, क्योंकि वही मेरे पाँवों को जाल में से छुड़ाएगा।

Psalms 25:16

¹⁶ हे यहोवा, मेरी ओर फिरकर मुझ पर दया कर; क्योंकि मैं अकेला और पीड़ित हूँ।

Psalms 25:17

¹⁷ मेरे हृदय का क्लेश बढ़ गया है, तू मुझ को मेरे दुःखों से छुड़ा ले।

Psalms 25:18

¹⁸ तू मेरे दुःख और कष्ट पर दृष्टि कर, और मेरे सब पापों को क्षमा कर।

Psalms 25:19

¹⁹ मेरे शत्रुओं को देख कि वे कैसे बढ़ गए हैं, और मुझसे बड़ा बैर रखते हैं।

Psalms 25:20

²⁰ मेरे प्राण की रक्षा कर, और मुझे छुड़ा; मुझे लज्जित न होने दे, क्योंकि मैं तेरा शरणागत हूँ।

Psalms 25:21

²¹ खराई और सिधाई मुझे सुरक्षित रखे, क्योंकि मुझे तेरी ही आशा है।

Psalms 25:22

²² हे परमेश्वर इस्साएल को उसके सारे संकटों से छुड़ा ले।

Psalms 26:1

¹ दाऊद का भजन, हे यहोवा, मेरा न्याय कर, क्योंकि मैं खराई से चलता रहा हूँ, और मेरा भरोसा यहोवा पर अटल बना है।

Psalms 26:2

² हे यहोवा, मुझ को जाँच और परख; मेरे मन और हृदय को परख।

Psalms 26:3

³ क्योंकि तेरी करुणा तो मेरी आँखों के सामने है, और मैं तेरे सत्य मार्ग पर चलता रहा हूँ।

Psalms 26:4

⁴ मैं निकम्मी चाल चलनेवालों के संग नहीं बैठा, और न मैं कपटियों के साथ कहीं जाऊँगा;

Psalms 26:5

⁵ मैं कुकर्मियों की संगति से घृणा रखता हूँ, और दुष्टों के संग न बैठूँगा।

Psalms 26:6

⁶ मैं अपने हाथों को निर्देष्टा के जल से धोऊँगा, तब हे यहोवा मैं तेरी वेदी की प्रदक्षिणा करूँगा,

Psalms 26:7

⁷ ताकि तेरा धन्यवाद ऊँचे शब्द से करूँ, और तेरे सब आश्वर्यकर्मों का वर्णन करूँ।

Psalms 26:8

⁸ हे यहोवा, मैं तेरे धाम से तेरी महिमा के निवास-स्थान से प्रीति रखता हूँ।

Psalms 26:9

⁹ मेरे प्राण को पापियों के साथ, और मेरे जीवन को हत्यारों के साथ न मिला।

Psalms 26:10

¹⁰ ते तो ओछापन करने में लगे रहते हैं, और उनका दाहिना हाथ घूस से भरा रहता है।

Psalms 26:11

¹¹ परन्तु मैं तो खराई से चलता रहूँगा। तू मुझे छुड़ा ले, और मुझ पर दया कर।

Psalms 26:12

¹² मेरे पाँव चौरस स्थान में स्थिर है; सभाओं में मैं यहोवा को ध्य कहा करूँगा।

Psalms 27:1

¹ दाऊद का भजन; यहोवा मेरी ज्योति और मेरा उद्धार है; मैं किस से डरूँ? यहोवा मेरे जीवन का दृढ़ गढ़ ठहरा है, मैं किसका भय खाऊँ?

Psalms 27:2

² जब कुकर्मियों ने जो मुझे सताते और मुझी से बैर रखते थे, मुझे खा डालने के लिये मुझ पर चढ़ाई की, तब वे ही ठोकर खाकर गिर पड़े।

Psalms 27:3

³ चाहे सेना भी मेरे विरुद्ध छावनी डाले, तो भी मैं न डरूँगा; चाहे मेरे विरुद्ध लड़ाई ठन जाए, उस दशा में भी मैं हियाव बाँधि निश्चित रहूँगा।

Psalms 27:4

⁴ एक वर मैंने यहोवा से माँगा है, उसी के यत्र में लगा रहूँगा; कि मैं जीवन भर यहोवा के भवन में रहने पाऊँ, जिससे यहोवा की मनोहरता पर दृष्टि लगाए रहूँ, और उसके मन्दिर में ध्यान किया करूँ।

Psalms 27:5

⁵ क्योंकि वह तो मुझे विपत्ति के दिन में अपने मण्डप में छिपा रखेगा; अपने तम्बू के गुप्त स्थान में वह मुझे छिपा लेगा, और चट्टान पर चढ़ाएगा।

Psalms 27:6

⁶ अब मेरा सिर मेरे चारों ओर के शत्रुओं से ऊँचा होगा; और मैं यहोवा के तम्बू में आनन्द के बलिदान चढ़ाऊँगा; और मैं गाऊँगा और यहोवा के लिए गीत गाऊँगा।

Psalms 27:7

⁷ हे यहोवा, मेरा शब्द सुन, मैं पुकारता हूँ, तू मुझ पर दया कर और मुझे उत्तर दे।

Psalms 27:8

⁸ तूने कहा है, “मेरे दर्शन के खोजी हो।” इसलिए मेरा मन तुझ से कहता है, “हे यहोवा, तेरे दर्शन का मैं खोजी रहूँगा।”

Psalms 27:9

⁹ अपना मुख मुझसे न छिपा। अपने दास को क्रोध करके न हटा, तू मेरा सहायक बना है। हे मेरे उद्धार करनेवाले परमेश्वर मुझे त्याग न दे, और मुझे छोड़ न दे!

Psalms 27:10

¹⁰ मेरे माता-पिता ने तो मुझे छोड़ दिया है, परन्तु यहोवा मुझे सम्भाल लेगा।

Psalms 27:11

¹¹ हे यहोवा, अपना मार्ग मुझे सिखा, और मेरे द्रोहियों के कारण मुझ को चौरस रास्ते पर ले चल।

Psalms 27:12

¹² मुझ को मेरे सतानेवालों की इच्छा पर न छोड़, क्योंकि झूठे साक्षी जो उपद्रव करने की धून में हैं मेरे विरुद्ध उठे हैं।

Psalms 27:13

¹³ यदि मुझे विश्वास न होता कि जीवितों की पृथ्वी पर यहोवा की भलाई को देखूँगा, तो मैं मूर्छित हो जाता।

Psalms 27:14

¹⁴ यहोवा की बाट जोहता रह; हियाव बाँध और तेरा हृदय दढ़ रहे; हाँ, यहोवा ही की बाट जोहता रह!

Psalms 28:1

¹ दाऊद का भजन; हे यहोवा, मैं तुझी को पुकारूँगा; हे मेरी चट्टान, मेरी पुकार अनसुनी न कर, ऐसा न हो कि तेरे चुप रहने से मैं कब्र में पड़े हुओं के समान हो जाऊँ जो पाताल में चले जाते हैं।

Psalms 28:2

² जब मैं तेरी दुर्हाई ढूँ, और तेरे पवित्रस्थान की भीतरी कोठरी की ओर अपने हाथ उठाऊँ, तब मेरी गिड़गिड़ाहट की बात सुन ले।

Psalms 28:3

³ उन दुष्टों और अनर्थकारियों के संग मुझे न घसीट; जो अपने पड़ोसियों से बातें तो मेल की बोलते हैं, परन्तु हृदय में बुराई रखते हैं।

Psalms 28:4

⁴ उनके कामों के और उनकी करनी की बुराई के अनुसार उनसे बर्ताव कर, उनके हाथों के काम के अनुसार उन्हें बदला दे; उनके कामों का पलटा उन्हें दे।

Psalms 28:5

⁵ क्योंकि वे यहोवा के कामों को और उसके हाथ के कामों को नहीं समझते, इसलिए वह उन्हें पछाड़ेगा और फिर न उठाएगा।

Psalms 28:6

⁶ यहोवा धन्य है; क्योंकि उसने मेरी गिड़गिड़ाहट को सुना है।

Psalms 28:7

⁷ यहोवा मेरा बल और मेरी ढाल है; उस पर भरोसा रखने से मेरे मन को सहायता मिली है; इसलिए मेरा हृदय प्रफुल्लित है; और मैं गीत गाकर उसका धन्यवाद करूँगा।

Psalms 28:8

⁸ यहोवा अपने लोगों की सामर्थ्य है, वह अपने अभिषिक्त के लिये उद्धार का दृढ़ गढ़ है।

Psalms 28:9

⁹ हे यहोवा अपनी प्रजा का उद्धार कर, और अपने निज भाग के लोगों को आशीष दे; और उनकी चरवाही कर और सदैव उन्हें सम्भाले रह।

Psalms 29:1

¹ दाऊद का भजन; हे परमेश्वर के पुत्रों, यहोवा का, हाँ, यहोवा ही का गुणानुवाद करो, यहोवा की महिमा और सामर्थ्य को सराहो।

Psalms 29:2

² यहोवा के नाम की महिमा करो; पवित्रता से शोभायमान होकर यहोवा को दण्डवत् करो।

Psalms 29:3

³ यहोवा की वाणी मेघों के ऊपर सुनाई देती है; प्रतापी परमेश्वर गरजता है, यहोवा घने मेघों के ऊपर रहता है।

Psalms 29:4

⁴ यहोवा की वाणी शक्तिशाली है, यहोवा की वाणी प्रतापमय है।

Psalms 29:5

⁵ यहोवा की वाणी देवदारों को तोड़ डालती है; यहोवा लबानोन के देवदारों को भी तोड़ डालता है।

Psalms 29:6

⁶ वह लबानोन को बछड़े के समान और सिर्योन को साँड़ के समान उछालता है।

Psalms 29:7

⁷ यहोवा की वाणी आग की लपटों को चीरती है।

Psalms 29:8

⁸ यहोवा की वाणी वन को हिला देती है, यहोवा कादेश के वन को भी कँपाता है।

Psalms 29:9

⁹ यहोवा की वाणी से हिरनियों का गर्भपात हो जाता है। और जंगल में पतझड़ होता है; और उसके मन्दिर में सब कोई “महिमा ही महिमा” बोलते रहते हैं।

Psalms 29:10

¹⁰ जल-प्रलय के समय यहोवा विराजमान था; और यहोवा सर्वदा के लिये राजा होकर विराजमान रहता है।

Psalms 29:11

¹¹ यहोवा अपनी प्रजा को बल देगा; यहोवा अपनी प्रजा को शान्ति की आशीष देगा।

Psalms 30:1

¹ भवन की प्रतिष्ठा के लिये दाऊद का भजन; हे यहोवा, मैं तुझे सराहूँगा क्योंकि तूने मुझे खींचकर निकाला है, और मेरे शत्रुओं को मुझ पर आनन्द करने नहीं दिया।

Psalms 30:2

² हे मेरे परमेश्वर यहोवा, मैंने तेरी दुहाई दी और तूने मुझे चंगा किया है।

Psalms 30:3

³ हे यहोवा, तूने मेरा प्राण अधोलोक में से निकाला है, तूने मुझ को जीवित रखा और कब्र में पड़ने से बचाया है।

Psalms 30:4

⁴ तुम जो विश्वासयोग्य हो! यहोवा की स्तुति करो, और जिस पवित्र नाम से उसका स्मरण होता है, उसका धन्यवाद करो।

Psalms 30:5

⁵ क्योंकि उसका क्रोध, तो क्षण भर का होता है, परन्तु उसकी प्रसन्नता जीवन भर की होती है। कदाचित् रात को रोना पड़े, परन्तु सवेरे आनन्द पहुँचेगा।

Psalms 30:6

⁶ मैंने तो अपने चैन के समय कहा था, कि मैं कभी नहीं टलने का।

Psalms 30:7

⁷ हे यहोवा, अपनी प्रसन्नता से तूने मेरे पहाड़ को ढढ़ और स्थिर किया था; जब तूने अपना मुख फेर लिया तब मैं घबरा गया।

Psalms 30:8

⁸ हे यहोवा, मैंने तुझी को पुकारा; और प्रभु से गिड़गिड़ाकर यह विनती की, कि

Psalms 30:9

⁹ जब मैंकब्र में चला जाऊँगा तब मेरी मृत्यु से क्या लाभ होगा? क्या मिट्ठी तेरा धन्यवाद कर सकती है? क्या वह तेरी विश्वसनीयता का प्रचार कर सकती है?

Psalms 30:10

¹⁰ हे यहोवा, सुन, मुझ पर दया कर; हे यहोवा, तू मेरा सहायक हो।

Psalms 30:11

¹¹ तूने मेरे लिये विलाप को नृत्य में बदल डाला; तूने मेरा टाट उतरवाकर मेरी कमर में आनन्द का पटुका बाँधा है;

Psalms 30:12

¹² ताकि मेरा मन तेरा भजन गाता रहे और कभी चुप न हो। हे मेरे परमेश्वर यहोवा, मैं सर्वदा तेरा धन्यवाद करता रहूँगा।

Psalms 31:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन; हे यहोवा, मैं तुझ में शरण लेता हूँ; मुझे कभी लज्जित होना न पड़े; तू अपने धर्मी होने के कारण मुझे छुड़ा ले!

Psalms 31:2

² अपना कान मेरी ओर लगाकर तुरन्त मुझे छुड़ा ले!

Psalms 31:3

³ क्योंकि तू मेरे लिये चट्टान और मेरा गढ़ है; इसलिए अपने नाम के निर्मित मेरी अगुआई कर, और मुझे आगे ले चल।

Psalms 31:4

⁴ जो जाल उन्होंने मेरे लिये बिछाया है उससे तू मुझ को छुड़ा ले, क्योंकि तू ही मेरा ढढ़ गढ़ है।

Psalms 31:5

⁵ मैं अपनी आत्मा को तेरे ही हाथ में सौंप देता हूँ; हे यहोवा, हे विश्वासयोग्य परमेश्वर, तूने मुझे मोल लेकर मुक्त किया है।

Psalms 31:6

⁶ जो व्यर्थ मूर्तियों पर मन लगाते हैं, उनसे मैं धृणा करता हूँ; परन्तु मेरा भरोसा यहोवा ही पर है।

Psalms 31:7

⁷ मैं तेरी करुणा से मग्न और आनन्दित हूँ, क्योंकि तूने मेरे दुःख पर दृष्टि की है, मेरे कष्ट के समय तूने मेरी सुधि ली है,

Psalms 31:8

⁸ और तूने मुझे शत्रु के हाथ में पड़ने नहीं दिया; तूने मेरे पाँवों को चौड़े स्थान में खड़ा किया है।

Psalms 31:9

⁹ हे यहोवा, मुझ पर दया कर क्योंकि मैं संकट में हूँ; मेरी आँखें वरन् मेरा प्राण और शरीर सब शोक के मारे घुले जाते हैं।

Psalms 31:10

¹⁰ मेरा जीवन शोक के मारे और मेरी आयु कराहते-कराहते घट चली है; मेरा बल मेरे अधर्म के कारण जाता रहा, और मेरी हङ्गियाँ घुल गईं।

Psalms 31:11

¹¹ अपने सब विरोधियों के कारण मेरे पड़ोसियों में मेरी नामधाराई हुई है, अपने जान-पहचानवालों के लिये डर का कारण हूँ; जो मुझ को सड़क पर देखते हैं वह मुझसे दूर भाग जाते हैं।

Psalms 31:12

¹² मैं मृतक के समान लोगों के मन से बिसर गया; मैं टूटे बर्तन के समान हो गया हूँ।

Psalms 31:13

¹³ मैंने बहुतों के मुँह से अपनी निन्दा सुनी, चारों ओर भय ही भय है! जब उन्होंने मेरे विरुद्ध आपस में सम्मति की तब मेरे प्राण लेने की युक्ति की।

Psalms 31:14

¹⁴ परन्तु हे यहोवा, मैंने तो तुझी पर भरोसा रखा है, मैंने कहा, “तू मेरा परमेश्वर है।”

Psalms 31:15

¹⁵ मेरे दिन तेरे हाथ में है; तू मुझे मेरे शत्रुओं और मेरे सतानेवालों के हाथ से छुड़ा।

Psalms 31:16

¹⁶ अपने दास पर अपने मुँह का प्रकाश चमका; अपनी करुणा से मेरा उद्धार कर।

Psalms 31:17

¹⁷ हे यहोवा, मुझे लज्जित न होने दे क्योंकि मैंने तुझको पुकारा है; दुष्ट लज्जित हों और वे पाताल में चुपचाप पड़े रहें।

Psalms 31:18

¹⁸ जो अहंकार और अपमान से धर्मी की निन्दा करते हैं, उनके झूठ बोलनेवाले मुँह बन्द किए जाएँ।

Psalms 31:19

¹⁹ आहा, तेरी भलाई क्या ही बड़ी है जो तूने अपने डरवैयों के लिये रख छोड़ी है, और अपने शरणागतों के लिये मनुष्यों के सामने प्रगट भी की है।

Psalms 31:20

²⁰ तू उन्हें दर्शन देने के गुप्त स्थान में मनुष्यों की बुरी गोष्ठी से गुप्त रखेगा; तू उनको अपने मण्डप में झगड़े-रगड़े से छिपा रखेगा।

Psalms 31:21

²¹ यहोवा धन्य है, क्योंकि उसने मुझे गढ़वाले नगर में रखकर मुझ पर अद्भुत करुणा की है।

Psalms 31:22

²² मैंने तो घबराकर कहा था कि मैं यहोवा की दृष्टि से दूर हो गया। तो भी जब मैंने तेरी दुहाई दी, तब तूने मेरी गिङ्गिङ्गाहट को सुन लिया।

Psalms 31:23

²³ हे यहोवा के सब भक्तों, उससे प्रेम रखो! यहोवा विश्वासयोग्य लोगों की तो रक्षा करता है, परन्तु जो अहंकार करता है, उसको वह भली भाँति बदला देता है।

Psalms 31:24

²⁴ हे यहोवा पर आशा रखनेवालों, हियाव बाँधो और तुम्हारे हृदय दृढ़ रहें!

Psalms 32:1

¹ दाऊद का भजन मश्कील; क्या ही धन्य है वह जिसका अपराध क्षमा किया गया, और जिसका पाप ढाँपा गया हो।

Psalms 32:2

² क्या ही धन्य है वह मनुष्य जिसके अधर्म का यहोवा लेखा न ले, और जिसकी आत्मा में कपट न हो।

Psalms 32:3

³ जब मैं चुप रहा तब दिन भर कराहते-कराहते मेरी हड्डियाँ पिघल गईं।

Psalms 32:4

⁴ क्योंकि रात-दिन मैं तेरे हाथ के नीचे दबा रहा; और मेरी तरावट धूपकाल की सी झुराहट बनती गई। (सेला)

Psalms 32:5

⁵ जब मैंने अपना पाप तुझ पर प्रगट किया और अपना अधर्म न छिपाया, और कहा, “मैं यहोवा के सामने अपने अपराधों को मान लूँगा;” तब तूने मेरे अधर्म और पाप को क्षमा कर दिया। (सेला)

Psalms 32:6

⁶ इस कारण हर एक भक्त तुझ से ऐसे समय में प्रार्थना करे जबकि तू मिल सकता है। निश्चय जब जल की बड़ी बाढ़ आए तो भी उस भक्त के पास न पहुँचेगी।

Psalms 32:7

⁷ तू मेरे छिपने का स्थान है; तू संकट से मेरी रक्षा करेगा; तू मुझ चारों ओर से छुटकारे के गीतों से घेर लेगा। (सेला)

Psalms 32:8

⁸ मैं तुझे बुद्धि द्वाँगा, और जिस मार्ग में तुझे चलना होगा उसमें तेरी अगुआई करूँगा; मैं तुझ पर कृपादृष्टि रखूँगा और सम्मति दिया करूँगा।

Psalms 32:9

⁹ तुम घोड़े और खच्चर के समान न बनो जो समझ नहीं रखते, उनकी उमंग लगाम और रास से रोकनी पड़ती है, नहीं तो वे तेरे वश में नहीं आने के।

Psalms 32:10

¹⁰ दुष्ट को तो बहुत पीड़ा होगी; परन्तु जो यहोवा पर भरोसा रखता है वह करुणा से घिरा रहेगा।

Psalms 32:11

¹¹ हे धर्मियों यहोवा के कारण आनन्दित और मगन हो, और हे सब सीधे मनवालों आनन्द से जयजयकार करो!

Psalms 33:1

¹ हे धर्मियों, यहोवा के कारण जयजयकार करो। क्योंकि धर्म लोगों को स्तुति करना शोभा देता है।

Psalms 33:2

² वीणा बजा-बजाकर यहोवा का धन्यवाद करो, दस तारवाली सारंगी बजा-बजाकर उसका भजन गाओ।

Psalms 33:3

³ उसके लिये नया गीत गाओ, जयजयकार के साथ भली भाँति बजाओ।

Psalms 33:4

⁴ क्योंकि यहोवा का वचन सीधा है; और उसका सब काम निष्पक्षता से होता है।

Psalms 33:5

⁵ वह धार्मिकता और न्याय से प्रीति रखता है; यहोवा की करुणा से पृथ्वी भरपूर है।

Psalms 33:6

⁶ आकाशमण्डल यहोवा के वचन से, और उसके सारे गण उसके मुँह की श्वास से बने।

Psalms 33:7

⁷ वह समुद्र का जल ढेर के समान इकट्ठा करता; वह गहरे सागर को अपने भण्डार में रखता है।

Psalms 33:8

⁸ सारी पृथ्वी के लोग यहोवा से डरें, जगत के सब निवासी उसका भय मानें।

Psalms 33:9

⁹ क्योंकि जब उसने कहा, तब हो गया; जब उसने आज्ञा दी, तब वास्तव में वैसा ही हो गया।

Psalms 33:10

¹⁰ यहोवा जाति-जाति की युक्ति को व्यर्थ कर देता है; वह देश-देश के लोगों की कल्पनाओं को निष्फल करता है।

Psalms 33:11

¹¹ यहोवा की योजना सर्वदा स्थिर रहेगी, उसके मन की कल्पनाएँ पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहेंगी।

Psalms 33:12

¹² क्या ही धन्य है वह जाति जिसका परमेश्वर यहोवा है, और वह समाज जिसे उसने अपना निज भाग होने के लिये चुन लिया हो!

Psalms 33:13

¹³ यहोवा स्वर्ग से दृष्टि करता है, वह सब मनुष्यों को निहारता है;

Psalms 33:14

¹⁴ अपने निवास के स्थान से वह पृथ्वी के सब रहनेवालों को देखता है,

Psalms 33:15

¹⁵ वही जो उन सभी के हृदयों को गढ़ता, और उनके सब कामों का विचार करता है।

Psalms 33:16

¹⁶ कोई ऐसा राजा नहीं, जो सेना की बहुतायत के कारण बच सके; वीर अपनी बड़ी शक्ति के कारण छूट नहीं जाता।

Psalms 33:17

¹⁷ विजय पाने के लिए घोड़ा व्यर्थ सुरक्षा है, वह अपने बड़े बल के द्वारा किसी को नहीं बचा सकता है।

Psalms 33:18

¹⁸ देखो, यहोवा की दृष्टि उसके उरवैयों पर और उन पर जो उसकी करुणा की आशा रखते हैं, बनी रहती है,

Psalms 33:19

¹⁹ कि वह उनके प्राण को मृत्यु से बचाए, और अकाल के समय उनको जीवित रखे।

Psalms 33:20

²⁰ हम यहोवा की बाट जोहते हैं; वह हमारा सहायक और हमारी ढाल ठहरा है।

Psalms 33:21

²¹ हमारा हृदय उसके कारण आनन्दित होगा, क्योंकि हमने उसके पवित्र नाम का भरोसा रखा है।

Psalms 33:22

²² हे यहोवा, जैसी तुझ पर हमारी आशा है, वैसी ही तेरी करुणा भी हम पर हो।

Psalms 34:1

¹ दाऊद का भजन जब वह अबीमेलेक के सामने बौरहा बना, और अबीमेलेक ने उसे निकाल दिया, और वह चला गया; मैं हर समय यहोवा को धन्य कहा करूँगा; उसकी स्तुति निरन्तर मेरे मुख से होती रहेगी।

Psalms 34:2

² मैं यहोवा पर घमण्ड करूँगा; नम्र लोग यह सुनकर आनन्दित होंगे।

Psalms 34:3

³ मेरे साथ यहोवा की बड़ाई करो, और आओ हम मिलकर उसके नाम की स्तुति करें;

Psalms 34:4

⁴ मैं यहोवा के पास गया, तब उसने मेरी सुन ली, और मुझे पूरी रीति से निर्भय किया।

Psalms 34:5

⁵ जिन्होंने उसकी ओर दृष्टि की, उन्होंने ज्योति पाई; और उनका मुँह कभी काला न होने पाया।

Psalms 34:6

⁶ इस दीन जन ने पुकारा तब यहोवा ने सुन लिया, और उसको उसके सब कष्टों से छुड़ा लिया।

Psalms 34:7

⁷ यहोवा के डरवैयों के चारों ओर उसका दूत छावनी किए हुए उनको बचाता है।

Psalms 34:8

⁸ चखकर देखो कि यहोवा कैसा भला है! क्या ही धन्य है वह मनुष्य जो उसकी शरण लेता है।

Psalms 34:9

⁹ हे यहोवा के पवित्र लोगों, उसका भय मानो, क्योंकि उसके डरवैयों को किसी बात की घटी नहीं होती!

Psalms 34:10

¹⁰ जवान सिंहों को तो घटी होती और वे भूखे भी रह जाते हैं; परन्तु यहोवा के खोजियों को किसी भली वस्तु की घटी न होगी।

Psalms 34:11

¹¹ हे बच्चों, आओ मेरी सुनो, मैं तुम को यहोवा का भय मानना सिखाऊँगा।

Psalms 34:12

¹² वह कौन मनुष्य है जो जीवन की इच्छा रखता, और दीर्घायु चाहता है ताकि भलाई देखे?

Psalms 34:13

¹³ अपनी जीभ को बुराई से रोक रख, और अपने मुँह की चौकसी कर कि उससे छल की बात न निकले।

Psalms 34:14

¹⁴ बुराई को छोड़ और भलाई कर; मेल को ढूँढ़ और उसी का पीछा कर।

Psalms 34:15

¹⁵ यहोवा की आँखें धर्मियों पर लगी रहती हैं, और उसके कान भी उनकी दुहाई की ओर लगे रहते हैं।

Psalms 34:16

¹⁶ यहोवा बुराई करनेवालों के विमुख रहता है, ताकि उनका स्मरण पृथ्वी पर से मिटा डाले।

Psalms 34:17

¹⁷ धर्मी दुहाई देते हैं और यहोवा सुनता है, और उनको सब विपत्तियों से छुड़ाता है।

Psalms 34:18

¹⁸ यहोवा टूटे मनवालों के समीप रहता है, और पिसे हुओं का उद्धार करता है।

Psalms 34:19

¹⁹ धर्मी पर बहुत सी विपत्तियाँ पड़ती तो हैं, परन्तु यहोवा उसको उन सबसे मुक्त करता है।

Psalms 34:20

²⁰ वह उसकी हड्डी-हड्डी की रक्षा करता है; और उनमें से एक भी टूटने नहीं पाता।

Psalms 34:21

²¹ दुष्ट अपनी बुराई के द्वारा मारा जाएगा; और धर्मी के बैरी दोषी ठहरेंगे।

Psalms 34:22

²² यहोवा अपने दासों का प्राण मोल लेकर बचा लेता है; और जितने उसके शरणागत हैं उनमें से कोई भी दोषी न ठहरेगा।

Psalms 35:1

¹ दाऊद का भजन; हे यहोवा, जो मेरे साथ मुकद्दमा लड़ते हैं, उनके साथ तू भी मुकद्दमा लड़; जो मुझसे युद्ध करते हैं, उनसे तू युद्ध कर।

Psalms 35:2

² ढाल और भाला लेकर मेरी सहायता करने को खड़ा हो।

Psalms 35:3

³ बर्छी को खींच और मेरा पीछा करनेवालों के सामने आकर उनको रोक; और मुझसे कह, कि मैं तेरा उद्धार हूँ।

Psalms 35:4

⁴ जो मेरे प्राण के ग्राहक हैं वे लज्जित और निरादर हों! जो मेरी हानि की कल्पना करते हैं, वे पीछे हटाए जाएँ और उनका मुँह काला हो!

Psalms 35:5

⁵ वे वायु से उड़ जानेवाली भूसी के समान हों, और यहोवा का दूत उन्हें हाँकता जाए!

Psalms 35:6

⁶ उनका मार्ग अंधियारा और फिसलाहा हो, और यहोवा का दूत उनको खदेड़ता जाए।

Psalms 35:7

⁷ क्योंकि अकारण उन्होंने मेरे लिये अपना जाल गड़े में बिछाया; अकारण ही उन्होंने मेरा प्राण लेने के लिये गड्ढा खोदा है।

Psalms 35:8

⁸ अचानक उन पर विपत्ति आ पड़े! और जो जाल उन्होंने बिछाया है उसी में वे आप ही फँसे; और उसी विपत्ति में वे आप ही पड़े!

Psalms 35:9

⁹ परन्तु मैं यहोवा के कारण अपने मन में मग्न होऊँगा, मैं उसके किए हुए उद्धार से हर्षित होऊँगा।

Psalms 35:10

¹⁰ मेरी हड्डी-हड्डी कहेंगी, “हे यहोवा, तेरे तुल्य कौन है, जो दीन को बड़े-बड़े बलवन्तों से बचाता है, और लुटेरों से दीन दरिद्र लोगों की रक्षा करता है?”

Psalms 35:11

¹¹ अधर्मी साक्षी खड़े होते हैं; वे मुझ पर झूठा आरोप लगाते हैं।

Psalms 35:12

¹² वे मुझसे भलाई के बदले बुराई करते हैं, यहाँ तक कि मेरा प्राण ऊब जाता है।

Psalms 35:13

¹³ जब वे रोगी थे तब तो मैं टाट पहने रहा, और उपवास कर करके दुःख उठाता रहा; मुझे मेरी प्रार्थना का उत्तर नहीं मिला।

Psalms 35:14

¹⁴ मैं ऐसी भावना रखता था कि मानो वे मेरे संगी या भाई हैं; जैसा कोई माता के लिये विलाप करता हो, वैसा ही मैंने शोक का पहरावा पहने हुए सिर झुकाकर शोक किया।

Psalms 35:15

¹⁵ परन्तु जब मैं लॅगड़ाने लगा तब वे लोग आनन्दित होकर इकट्ठे हुए, नीच लोग और जिन्हें मैं जानता भी न था वे मेरे विरुद्ध इकट्ठे हुए; वे मुझे लगातार फाड़ते रहे;

Psalms 35:16

¹⁶ आदर के बिना वे मुझे ताना मारते हैं; वे मुझ पर दाँत पीसते हैं।

Psalms 35:17

¹⁷ हे प्रभु, तू कब तक देखता रहेगा? इस विपत्ति से, जिसमें उन्होंने मुझे डाला है मुझ को छुड़ा! जवान सिंहों से मेरे प्राण को बचा लै!

Psalms 35:18

¹⁸ मैं बड़ी सभा में तेरा धन्यवाद करूँगा; बहुत लोगों के बीच मैं तेरी स्तुति करूँगा।

Psalms 35:19

¹⁹ मेरे झूठ बोलनेवाले शत्रु मेरे विरुद्ध आनन्द न करने पाएँ, जो अकारण मेरे बैरी हैं, वे आपस में आँखों से इशारा न करने पाएँ।

Psalms 35:20

²⁰ क्योंकि वे मेरे की बातें नहीं बोलते, परन्तु देश में जो चुपचाप रहते हैं, उनके विरुद्ध छल की कल्पनाएँ करते हैं।

Psalms 35:21

²¹ और उन्होंने मेरे विरुद्ध मुँह पसार के कहा; “आहा, आहा, हमने अपनी आँखों से देखा है!”

Psalms 35:22

²² हे यहोवा, तूने तो देखा है; चुप न रह! हे प्रभु, मुझसे दूर न रह!

Psalms 35:23

²³ उठ, मेरे न्याय के लिये जाग, हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे प्रभु मेरा मुकद्दमा निपटाने के लिये आ!

Psalms 35:24

²⁴ हे मेरे परमेश्वर यहोवा, तू अपने धार्मिकता के अनुसार मेरा न्याय चुका; और उन्हें मेरे विरुद्ध आनन्द करने न दे!

Psalms 35:25

²⁵ वे मन में न कहने पाएँ, “आहा! हमारी तो इच्छा पूरी हुई!” वे यह न कहें, ‘हम उसे निगल गए हैं।’

Psalms 35:26

²⁶ जो मेरी हानि से आनन्दित होते हैं उनके मुँह लज्जा के मारे एक साथ काले हों! जो मेरे विरुद्ध बड़ाई मारते हैं वह लज्जा और अनादर से ढूप जाएँ!

Psalms 35:27

²⁷ जो मेरे धर्म से प्रसन्न रहते हैं, वे जयजयकार और आनन्द करें, और निरन्तर करते रहें, यहोवा की बड़ाई हो, जो अपने दास के कुशल से प्रसन्न होता है!

Psalms 35:28

²⁸ तब मेरे मुँह से तेरे धर्म की चर्चा होगी, और दिन भर तेरी स्तुति निकलेगी।

Psalms 36:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये यहोवा के दास दाऊद का भजन; दुष्ट जन का अपराध उसके हृदय के भीतर कहता है; परमेश्वर का भय उसकी दृष्टि में नहीं है।

Psalms 36:2

² वह अपने अधर्म के प्रगट होने और घृणित ठहरने के विषय अपने मन में विकनी चुपड़ी बातें विचारता है।

Psalms 36:3

³ उसकी बातें अनर्थ और छल की हैं; उसने बुद्धि और भलाई के काम करने से हाथ उठाया है।

Psalms 36:4

⁴ वह अपने बिछौने पर पड़े-पड़े अनर्थ की कल्पना करता है; वह अपने कुमार्ग पर दृढ़ता से बना रहता है; बुराई से वह हाथ नहीं उठाता।

Psalms 36:5

⁵ हे यहोवा, तेरी करुणा स्वर्ग में है, तेरी सच्चाई आकाशमण्डल तक पहुँची है।

Psalms 36:6

⁶ तेरा धर्म ऊँचे पर्वतों के समान है, तेरा न्याय अथाह सागर के समान हैं; हे यहोवा, तू मनुष्य और पशु दोनों की रक्षा करता है।

Psalms 36:7

⁷ हे परमेश्वर, तेरी करुणा कैसी अनमोल है! मनुष्य तेरे पंखो के तले शरण लेते हैं।

Psalms 36:8

⁸ वे तेरे भवन के भोजन की बहुतायत से तृप्त होंगे, और तू अपनी सुख की नदी में से उन्हें पिलाएगा।

Psalms 36:9

⁹ क्योंकि जीवन का सोता तेरे ही पास है; तेरे प्रकाश के द्वारा हम प्रकाश पाएँगे।

Psalms 36:10

¹⁰ अपने जाननेवालों पर करुणा करता रह, और अपने धर्म के काम सीधे मनवालों में करता रह!

Psalms 36:11

¹¹ अहंकारी मुझ पर लात उठाने न पाए, और न दुष्ट अपने हाथ के बल से मुझे भगाने पाए।

Psalms 36:12

¹² वहाँ अनर्थकारी गिर पड़े हैं; वे ढकेल दिए गए, और फिर उठ न सकेंगे।

Psalms 37:1

¹ दाऊद का भजन; कुकर्मियों के कारण मत कुढ़, कुटिल काम करनेवालों के विषय डाह न कर!

Psalms 37:2

² क्योंकि वे धास के समान झट कट जाएँगे, और हरी धास के समान मुझ्हा जाएँगे।

Psalms 37:3

³ यहोवा पर भरोसा रख, और भला कर; देश में बसा रह, और सच्चाई में मन लगाए रह।

Psalms 37:4

⁴ यहोवा को अपने सुख का मूल जान, और वह तेरे मनोरथों को पूरा करेगा।

Psalms 37:5

⁵ अपने मार्ग की चिन्ता यहोवा पर छोड़, और उस पर भरोसा रख, वही पूरा करेगा।

Psalms 37:6

⁶ और वह तेरा धर्म ज्योति के समान, और तेरा न्याय दोपहर के उजियाले के समान प्रगट करेगा।

Psalms 37:7

⁷ यहोवा के सामने चुपचाप रह, और धीरज से उसकी प्रतिक्षा कर; उस मनुष्य के कारण न कुढ़, जिसके काम सफल होते हैं, और वह बुरी युक्तियों को निकालता है!

Psalms 37:8

⁸ क्रोध से परे रह, और जलजलाहट को छोड़ दे! मत कुढ़, उससे बुराई ही निकलेगी।

Psalms 37:9

⁹ क्योंकि कुकर्मी लोग काट डाले जाएँगे, और जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वही पृथ्वी के अधिकारी होंगे।

Psalms 37:10

¹⁰ थोड़े दिन के बीतने पर दुष्ट रहेगा ही नहीं; और तू उसके स्थान को भली भाँति देखने पर भी उसको न पाएगा।

Psalms 37:11

¹¹ परन्तु नम्र लोग पृथ्वी के अधिकारी होंगे, और बड़ी शान्ति के कारण आनन्द मनाएँगे।

Psalms 37:12

¹² दुष्ट धर्मी के विरुद्ध बुरी युक्ति निकालता है, और उस पर दाँत पीसता है;

Psalms 37:13

¹³ परन्तु प्रभु उस पर हँसेगा, क्योंकि वह देखता है कि उसका दिन आनेवाला है।

Psalms 37:14

¹⁴ दुष्ट लोग तलवार खींचे और धनुष चढ़ाए हुए हैं, ताकि दीन दरिद्र को गिरा दें, और सीधी चाल चलनेवालों को वध करें।

Psalms 37:15

¹⁵ उनकी तलवारों से उन्हीं के हृदय छिटेंगे, और उनके धनुष तोड़े जाएँगे।

Psalms 37:16

¹⁶ धर्मी का थोड़ा सा धन दुष्टों के बहुत से धन से उत्तम है।

Psalms 37:17

¹⁷ क्योंकि दुष्टों की भूजाएँ तो तोड़ी जाएँगी; परन्तु यहोवा धर्मियों को सम्भालता है।

Psalms 37:18

¹⁸ यहोवा खरे लोगों की आयु की सुधि रखता है, और उनका भाग सदैव बना रहेगा।

Psalms 37:19

¹⁹ विपत्ति के समय, वे लज्जित न होंगे, और अकाल के दिनों में वे तृप्त रहेंगे।

Psalms 37:20

²⁰ दुष्ट लोग नाश हो जाएँगे; और यहोवा के शत्रु खेत की सुधरी घास के समान नाश होंगे, वे धूएँ के समान लुप्त हो जाएँगे।

Psalms 37:21

²¹ दुष्ट ऋण लेता है, और भरता नहीं परन्तु धर्मी अनुग्रह करके दान देता है;

Psalms 37:22

²² क्योंकि जो उससे आशीष पाते हैं वे तो पृथ्वी के अधिकारी होंगे, परन्तु जो उससे श्रापित होते हैं, वे नाश हो जाएँगे।

Psalms 37:23

²³ मनुष्य की गति यहोवा की ओर से दृढ़ होती है, और उसके चलन से वह प्रसन्न रहता है;

Psalms 37:24

²⁴ चाहे वह गिरे तो भी पड़ा न रह जाएगा, क्योंकि यहोवा उसका हाथ थामे रहता है।

Psalms 37:25

²⁵ मैं लड़कपन से लेकर बुढ़ापे तक देखता आया हूँ; परन्तु न तो कभी धर्मी को त्यागा हुआ, और न उसके वंश को टुकड़े माँगते देखा है।

Psalms 37:26

²⁶ वह तो दिन भर अनुग्रह कर करके ऋण देता है, और उसके वंश पर आशीष फलती रहती है।

Psalms 37:27

²⁷ बुराई को छोड़ भलाई कर; और तू सर्वदा बना रहेगा।

Psalms 37:28

²⁸ क्योंकि यहोवा न्याय से प्रीति रखता; और अपने भक्तों को न तजेगा। उनकी तो रक्षा सदा होती है, परन्तु दुष्टों का वंश काट डाला जाएगा।

Psalms 37:29

²⁹ धर्मी लोग पृथ्वी के अधिकारी होंगे, और उसमें सदा बसे रहेंगे।

Psalms 37:30

³⁰ धर्मी अपने मुँह से बुद्धि की बातें करता, और न्याय का वचन कहता है।

Psalms 37:31

³¹ उसके परमेश्वर की व्यवस्था उसके हृदय में बनी रहती है, उसके पैर नहीं फिसलते।

Psalms 37:32

³² दुष्ट धर्मी की ताक में रहता है। और उसके मार डालने का यत्न करता है।

Psalms 37:33

³³ यहोवा उसको उसके हाथ में न छोड़ेगा, और जब उसका विचार किया जाए तब वह उसे दोषी न ठहराएगा।

Psalms 37:34

³⁴ यहोवा की बाट जोहता रह, और उसके मार्ग पर बना रह, और वह तुझे बढ़ाकर पृथ्वी का अधिकारी कर देगा; जब दुष्ट काट डाले जाएँगे, तब तू देखेगा।

Psalms 37:35

³⁵ मैंने दुष्ट को बड़ा पराक्रमी और ऐसा फैलता हुए देखा, जैसा कोई हरा पेड़ अपने निज भूमि में फैलता है।

Psalms 37:36

³⁶ परन्तु जब कोई उधर से गया तो देखा कि वह वहाँ है ही नहीं; और मैंने भी उसे छूँढ़ा, परन्तु कहीं न पाया।

Psalms 37:37

³⁷ खरे मनुष्य पर दृष्टि कर और धर्मी को देख, क्योंकि मेल से रहनेवाले पुरुष का अन्तफल अच्छा है।

Psalms 37:38

³⁸ परन्तु अपराधी एक साथ सत्यानाश किए जाएँगे; दुष्टों का अन्तफल सर्वनाश है।

Psalms 37:39

³⁹ धर्मियों की मुक्ति यहोवा की ओर से होती है; संकट के समय वह उनका दृढ़ गढ़ है।

Psalms 37:40

⁴⁰ यहोवा उनकी सहायता करके उनको बचाता है; वह उनको दुष्टों से छुड़ाकर उनका उद्धार करता है, इसलिए कि उन्होंने उसमें अपनी शरण ली है।

Psalms 38:1

¹ यादगार के लिये दाऊद का भजन; हे यहोवा क्रोध में आकर मुझे झिङ्क न दे, और न जलजलाहट में आकर मेरी ताड़ना कर!

Psalms 38:2

² क्योंकि तेरे तीर मुझ में लगे हैं, और मैं तेरे हाथ के नीचे दबा हूँ।

Psalms 38:3

³ तेरे क्रोध के कारण मेरे शरीर में कुछ भी आरोग्यता नहीं; और मेरे पाप के कारण मेरी हड्डियों में कुछ भी चैन नहीं।

Psalms 38:4

⁴ क्योंकि मेरे अधर्म के कामों में मेरा सिर झूब गया, और वे भारी बोझ के समान मेरे सहने से बाहर हो गए हैं।

Psalms 38:5

⁵ मेरी मूर्खता के पाप के कारण मेरे घाव सड़ गए और उनसे दुर्गम्य आती है।

Psalms 38:6

⁶ मैं बहुत दुःखी हूँ और झुक गया हूँ; दिन भर मैं शोक का पहरावा पहने हुए चलता फिरता हूँ।

Psalms 38:7

⁷ क्योंकि मेरी कमर में जलन है, और मेरे शरीर में आरोग्यता नहीं।

Psalms 38:8

⁸ मैं निर्बल और बहुत ही चूर हो गया हूँ; मैं अपने मन की घबराहट से कराहता हूँ।

Psalms 38:9

⁹ हे प्रभु मेरी सारी अभिलाषा तेरे सम्मुख है, और मेरा कराहना तुझ से छिपा नहीं।

Psalms 38:10

¹⁰ मेरा हृदय धड़कता है, मेरा बल घटता जाता है; और मेरी आँखों की ज्योति भी मुझसे जाती रही।

Psalms 38:11

¹¹ मेरे मित्र और मेरे संगी मेरी विपत्ति में अलग हो गए, और मेरे कुटुम्बी भी दूर जा खड़े हुए।

Psalms 38:12

¹² मेरे प्राण के ग्राहक मेरे लिये जाल बिछाते हैं, और मेरी हानि का यत्न करनेवाले दुष्टा की बातें बोलते, और दिन भर छल की युक्ति सोचते हैं।

Psalms 38:13

¹³ परन्तु मैं बहरे के समान सुनता ही नहीं, और मैं गूँगी के समान मुँह नहीं खोलता।

Psalms 38:14

¹⁴ वरन् मैं ऐसे मनुष्य के तुल्य हूँ जो कुछ नहीं सुनता, और जिसके मुँह से विवाद की कोई बात नहीं निकलती।

Psalms 38:15

¹⁵ परन्तु हे यहोवा, मैंने तुझ ही पर अपनी आशा लगाई है; हे प्रभु, मेरे परमेश्वर, तू ही उत्तर देगा।

Psalms 38:16

¹⁶ क्योंकि मैंने कहा, “ऐसा न हो कि वे मुझ पर आनन्द करें; जब मेरा पाँव फिसल जाता है, तब मुझ पर अपनी बड़ाई मारते हैं।”

Psalms 38:17

¹⁷ क्योंकि मैं तो अब गिरने ही पर हूँ; और मेरा शोक निरन्तर मेरे सामने है।

Psalms 38:18

¹⁸ इसलिए कि मैं तो अपने अधर्म को प्रगट करूँगा, और अपने पाप के कारण खेदित रहूँगा।

Psalms 38:19

¹⁹ परन्तु मेरे शत्रु अनगिनत हैं, और मेरे बैरी बहुत हो गए हैं।

Psalms 38:20

²⁰ जो भलाई के बदले में बुराई करते हैं, वह भी मेरे भलाई के पीछे चलने के कारण मुझसे विरोध करते हैं।

Psalms 38:21

²¹ हे यहोवा, मुझे छोड़ न दे! हे मेरे परमेश्वर, मुझसे दूर न हो!

Psalms 38:22

²² हे यहोवा, हे मेरे उद्धारकर्ता, मेरी सहायता के लिये फुर्ती कर!

Psalms 39:1

¹ यदूतून प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन; मैंने कहा, “मैं अपनी चाल चलन में चौकसी करूँगा, ताकि मेरी जीभ से पाप न हो; जब तक दुष्ट मेरे सामने है, तब तक मैं लगाम लगाए अपना मुँह बन्द किए रहूँगा।”

Psalms 39:2

² मैं मौन धारण कर गूँगा बन गया, और भलाई की ओर से १३ चुप्पी साथे रहा; और मेरी पीड़ा बढ़ गई,

Psalms 39:3

³ मेरा हृदय अन्दर ही अन्दर जल रहा था। सोचते-सोचते आग भड़क उठी; तब मैं अपनी जीभ से बोल उठा;

Psalms 39:4

⁴ “हे यहोवा, ऐसा कर कि मेरा अन्त मुझे मालूम हो जाए, और यह भी कि मेरी आयु के दिन कितने हैं; जिससे मैं जान लूँ कि कैसा अनिय हूँ!

Psalms 39:5

⁵ देख, तूने मेरी आयु बालिश भर की रखी है, और मेरा जीवनकाल तेरी दृष्टि में कुछ है ही नहीं। सचमुच सब मनुष्य कैसे ही स्थिर क्यों न हों तो भी व्यर्थ ठहरे हैं। (सेला)

Psalms 39:6

⁶ सचमुच मनुष्य छाया सा चलता फिरता है; सचमुच वे व्यर्थ घबराते हैं; वह धन का संचय तो करता है परन्तु नहीं जानता कि उसे कौन लेगा!

Psalms 39:7

⁷ “अब हे प्रभु, मैं किस बात की बाट जोहूँ? मेरी आशा तो तेरी ओर लगी है।

Psalms 39:8

⁸ मुझे मेरे सब अपराधों के बन्धन से छुड़ा ले। मूर्ख मेरी निन्दा न करने पाए।

Psalms 39:9

⁹ मैं गूँगा बन गया और मुँह न खोला; क्योंकि यह काम तू ही ने किया है।

Psalms 39:10

¹⁰ तूने जो विपत्ति मुझ पर डाली है उसे मुझसे दूर कर दे, क्योंकि मैं तो तेरे हाथ की मार से भस्म हुआ जाता हूँ।

Psalms 39:11

¹¹ जब तू मनुष्य को अधर्म के कारण डॉट-डपटकर ताड़ना देता है; तब तू उसकी सामर्थ्य को पतंगे के समान नाश करता है; सचमुच सब मनुष्य वृथाभिमान करते हैं।

Psalms 39:12

¹² “हे यहोवा, मेरी प्रार्थना सुन, और मेरी दुहाई पर कान लगा; मेरा रोना सुनकर शान्त न रह! क्योंकि मैं तेरे संग एक परदेशी यात्री के समान रहता हूँ, और अपने सब पुरखों के समान परदेशी हूँ।

Psalms 39:13

¹³ आह! इससे पहले कि मैं यहाँ से चला जाऊँ और न रह जाऊँ, मुझे बचा ले जिससे मैं प्रदीप्त जीवन प्राप्त करूँ!”

Psalms 40:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन; मैं धीरज से यहोवा की बाट जोहता रहा; और उसने मेरी ओर झुककर मेरी दुहाई सुनी।

Psalms 40:2

² उसने मुझे सत्यानाश के गड्ढे और दलदल की कीच में से उबारा, और मुझ को चट्टान पर खड़ा करके मेरे पैरों को दढ़ किया है।

Psalms 40:3

³ उसने मुझे एक नया गीत सिखाया जो हमारे परमेश्वर की स्तुति का है। बहुत लोग यह देखेंगे और उसकी महिमा करेंगे, और यहोवा पर भरोसा रखेंगे।

Psalms 40:4

⁴ क्या ही धन्य है वह पुरुष, जो यहोवा पर भरोसा करता है, और अभिमानियों और मिथ्या की ओर मुड़नेवालों की ओर मुँह न फेरता हो।

Psalms 40:5

⁵ हे मेरे परमेश्वर यहोवा, तूने बहुत से काम किए हैं! जो आश्वर्यकर्मों और विचार तू हमारे लिये करता है वह बहुत सी हैं; तेरे तुल्य कोई नहीं! मैं तो चाहता हूँ कि खोलकर उनकी चर्चा करूँ, परन्तु उनकी गिनती नहीं हो सकती।

Psalms 40:6

⁶ मेलबलि और अन्नबलि से तु प्रसन्न नहीं होता तूने मेरे कान खोदकर खोले हैं। होमबलि और पापबलि तूने नहीं चाहा।

Psalms 40:7

⁷ तब मैंने कहा, “देख, मैं आया हूँ; क्योंकि पुस्तक में मेरे विषय ऐसा ही लिखा हुआ है।

Psalms 40:8

⁸ हे मेरे परमेश्वर, मैं तेरी इच्छा पूरी करने से प्रसन्न हूँ; और तेरी व्यवस्था मेरे अन्तःकरण में बसी है।”

Psalms 40:9

⁹ मैंने बड़ी सभा में धार्मिकता के शुभ समाचार का प्रचार किया है; देख, मैंने अपना मुँह बन्द नहीं किया है यहोवा, तू इसे जानता है।

Psalms 40:10

¹⁰ मैंने तेरी धार्मिकता मन ही में नहीं रखा; मैंने तेरी सच्चाई और तेरे किए हुए उद्घार की चर्चा की है, मैंने तेरी करुणा और सत्यता बड़ी सभा से गुप्त नहीं रखी।

Psalms 40:11

¹¹ हे यहोवा, तू भी अपनी बड़ी दया मुझ पर से न हटा ले, तेरी करुणा और सत्यता से निरन्तर मेरी रक्षा होती रहे!

Psalms 40:12

¹² क्योंकि मैं अनगिनत बुराइयों से घिरा हुआ हूँ; मेरे अधर्म के कामों ने मुझे आ पकड़ा और मैं दृष्टि नहीं उठा सकता; वे

गिनती में मेरे सिर के बालों से भी अधिक हैं; इसलिए मेरा हृदय टूट गया।

Psalms 40:13

¹³ हे यहोवा, कृपा करके मुझे छुड़ा लो! हे यहोवा, मेरी सहायता के लिये फुर्ती कर!

Psalms 40:14

¹⁴ जो मेरे प्राण की खोज में हैं, वे सब लज्जित हों; और उनके मुँह काले हों और वे पीछे हटाए और निरादर किए जाएँ जो मेरी हानि से प्रसन्न होते हैं।

Psalms 40:15

¹⁵ जो मुझसे, “आहा, आहा,” कहते हैं, वे अपनी लज्जा के मारे विस्मित हों।

Psalms 40:16

¹⁶ परन्तु जितने तुझे ढूँढ़ते हैं, वह सब तेरे कारण हर्षित और आनन्दित हों; जो तेरा किया हुआ उद्घार चाहते हैं, वे निरन्तर कहते रहें, “यहोवा की बड़ाई हो!”

Psalms 40:17

¹⁷ मैं तो दीन और दरिद्र हूँ, तो भी प्रभु मेरी चिन्ता करता है। तू मेरा सहायक और छुड़ानेवाला है; हैं मेरे परमेश्वर विलम्ब न कर।

Psalms 41:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन; क्या ही धन्य है वह, जो कंगाल की सुधि रखता है! विपत्ति के दिन यहोवा उसको बचाएगा।

Psalms 41:2

² यहोवा उसकी रक्षा करके उसको जीवित रखेगा, और वह पृथ्वी पर धन्य होगा। तू उसको शत्रुओं की इच्छा पर न छोड़।

Psalms 41:3

³ जब वह व्याधि के मारे शाया पर पड़ा हो, तब यहोवा उसे सम्भालेगा; तू रोग में उसके पूरे बिछौने को उलटकर ठीक करेगा।

Psalms 41:4

⁴ मैंने कहा, “हे यहोवा, मुझ पर दया कर; मुझ को चंगा कर, क्योंकि मैंने तो तेरे विरुद्ध पाप किया है!”

Psalms 41:5

⁵ मेरे शत्रु यह कहकर मेरी बुराई करते हैं “वह कब मरेगा, और उसका नाम कब मिटेगा?”

Psalms 41:6

⁶ और जब वह मुझसे मिलने को आता है, तब वह व्यर्थ बातें बकता है, जबकि उसका मन अपने अन्दर अधर्म की बातें संचय करता है; और बाहर जाकर उनकी चर्चा करता है।

Psalms 41:7

⁷ मेरे सब बैरी मिलकर मेरे विरुद्ध कानाफूसी करते हैं; वे मेरे विरुद्ध होकर मेरी हानि की कल्पना करते हैं।

Psalms 41:8

⁸ वे कहते हैं कि इसे तो कोई बुरा रोग लग गया है; अब जो यह पड़ा है, तो फिर कभी उठने का नहीं।

Psalms 41:9

⁹ मेरा परम मित्र जिस पर मैं भरोसा रखता था, जो मेरी रोटी खाता था, उसने भी मेरे विरुद्ध लात उठाई है।

Psalms 41:10

¹⁰ परन्तु हे यहोवा, तू मुझ पर दया करके मुझ को उठा ले कि मैं उनको बदला दूँ।

Psalms 41:11

¹¹ मेरा शत्रु जो मुझ पर जयवन्त नहीं हो पाता, इससे मैंने जान लिया है कि तू मुझसे प्रसन्न है।

Psalms 41:12

¹² और मुझे तो तू खराई से सम्भालता, और सर्वदा के लिये अपने सम्मुख स्थिर करता है।

Psalms 41:13

¹³ इसाएल का परमेश्वर यहोवा आदि से अनन्तकाल तक धन्य है आमीन, फिर आमीन।

Psalms 42:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये कोरहवंशियों का मश्कील; जैसे हिरनी नदी के जल के लिये हाँफती है, वैसे ही, हे परमेश्वर, मैं तेरे लिये हाँफता हूँ।

Psalms 42:2

² जीविते परमेश्वर, हाँ परमेश्वर, का मैं प्यासा हूँ, मैं कब जाकर परमेश्वर को अपना मुँह दिखाऊँगा?

Psalms 42:3

³ मेरे आँसू दिन और रात मेरा आहार हुए हैं; और लोग दिन भर मुझसे कहते रहते हैं, तेरा परमेश्वर कहाँ है?

Psalms 42:4

⁴ मैं कैसे भीड़ के संग जाया करता था, मैं जयजयकार और धन्यवाद के साथ उत्सव करनेवाली भीड़ के बीच मैं परमेश्वर के भवन को धीरे धीरे जाया करता था; यह स्मरण करके मेरा प्राण शोकित हो जाता है।

Psalms 42:5

⁵ हे मेरे प्राण, तू क्यों गिरा जाता है? और तू अन्दर ही अन्दर क्यों व्याकुल है? परमेश्वर पर आशा लगाए रह; क्योंकि मैं उसके दर्शन से उद्धार पाकर फिर उसका धन्यवाद करूँगा।

Psalms 42:6

⁶ हे मेरे परमेश्वर; मेरा प्राण मेरे भीतर गिरा जाता है, इसलिए मैं यरदन के पास के देश से और हेमोन के पहाड़ों और मिसगार की पहाड़ी के ऊपर से तुझे स्मरण करता हूँ।

Psalms 42:7

⁷ तेरी जलधाराओं का शब्द सुनकर जल, जल को पुकारता है; तेरी सारी तरंगों और लहरों मैं मैं ढूँब गया हूँ।

Psalms 42:8

⁸ तो भी दिन को यहोवा अपनी शक्ति और करुणा प्रगट करेगा; और रात को भी मैं उसका गीत गाऊँगा, और अपने जीवनदाता परमेश्वर से प्रार्थना करूँगा।

Psalms 42:9

⁹ मैं परमेश्वर से जो मेरी चट्टान है कहूँगा, “तू मुझे क्यों भूल गया? मैं शत्रु के अत्याचार के मारे क्यों शोक का पहरावा पहने हुए चलता फिरता हूँ?”

Psalms 42:10

¹⁰ मेरे सतानेवाले जो मेरी निन्दा करते हैं, मानो उससे मेरी हड्डियाँ चूर-चूर होती हैं, मानो कटार से छिदी जाती हैं, क्योंकि वे दिन भर मुझसे कहते रहते हैं, तेरा परमेश्वर कहाँ है?

Psalms 42:11

¹¹ हे मेरे प्राण तू क्यों गिरा जाता है? तू अन्दर ही अन्दर क्यों व्याकुल है? परमेश्वर पर भरोसा रख, क्योंकि वह मेरे मुख की चमक और मेरा परमेश्वर है, मैं फिर उसका धन्यवाद करूँगा।

Psalms 43:1

¹ हे परमेश्वर, मेरा न्याय चुका और विधर्मी जाति से मेरा मुकद्दमा लड़; मुझ को छली और कुटिल पुरुष से बचा।

Psalms 43:2

² क्योंकि तू मेरा सामर्थी परमेश्वर है, तूने क्यों मुझे त्याग दिया है? मैं शत्रु के अत्याचार के मारे शोक का पहरावा पहने हुए क्यों फिरता रहूँ?

Psalms 43:3

³ अपने प्रकाश और अपनी सच्चाई को भेज; वे मेरी अगुआई करें, वे ही मुझ को तेरे पवित्र पर्वत पर और तेरे निवास-स्थान में पहुँचाएं।

Psalms 43:4

⁴ तब मैं परमेश्वर की वेदी के पास जाऊँगा, उस परमेश्वर के पास जो मेरे अति आनन्द का कुण्ड है; और हे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, मैं वीणा बजा-बजाकर तेरा धन्यवाद करूँगा।

Psalms 43:5

⁵ हे मेरे प्राण तू क्यों गिरा जाता है? तू अन्दर ही अन्दर क्यों व्याकुल है? परमेश्वर पर आशा रख, क्योंकि वह मेरे मुख की चमक और मेरा परमेश्वर है; मैं फिर उसका धन्यवाद करूँगा।

Psalms 44:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये कोरहवंशियों का मश्कील; हे परमेश्वर, हमने अपने कानों से सुना, हमारे बापदादों ने हम से वर्णन किया है, कि तूने उनके दिनों में और प्राचीनकाल में क्या-क्या काम किए हैं।

Psalms 44:2

² तूने अपने हाथ से जातियों को निकाल दिया, और इनको बसाया; तूने देश-देश के लोगों को दुःख दिया, और इनको चारों ओर फैला दिया;

Psalms 44:3

³ क्योंकि वे न तो अपनी तलवार के बल से इस देश के अधिकारी हुए, और न अपने बाहुबल से; परन्तु तेरे दाहिने हाथ और तेरी भुजा और तेरे प्रसन्न मुख के कारण जयवन्त हुए; क्योंकि तू उनको चाहता था।

Psalms 44:4

⁴ हे परमेश्वर, तू ही हमारा महाराजा है, तू याकूब के उद्धार की आज्ञा देता है।

Psalms 44:5

⁵ तेरे सहारे से हम अपने द्रोहियों को ढकेलकर गिरा देंगे; तेरे नाम के प्रताप से हम अपने विरोधियों को रौंदेंगे।

Psalms 44:6

⁶ क्योंकि मैं अपने धनुष पर भरोसा न रखूँगा, और न अपनी तलवार के बल से बचूँगा।

Psalms 44:7

⁷ परन्तु तू ही ने हमको द्रोहियों से बचाया है, और हमारे बैरियों को निराश और लज्जित किया है।

Psalms 44:8

⁸ हम परमेश्वर की बड़ाई दिन भर करते रहते हैं, और सदैव तेरे नाम का धन्यवाद करते रहेंगे। (सेला)

Psalms 44:9

⁹ तो भी तूने अब हमको त्याग दिया और हमारा अनादर किया है, और हमारे दलों के साथ आगे नहीं जाता।

Psalms 44:10

¹⁰ तू हमको शत्रु के सामने से हटा देता है, और हमारे बैरी मनमाने लूट मार करते हैं।

Psalms 44:11

¹¹ तूने हमें कसाई की भेड़ों के समान कर दिया है, और हमको अन्यजातियों में तितर-बितर किया है।

Psalms 44:12

¹² तू अपनी प्रजा को सेंत-मेंत बेच डालता है, परन्तु उनके मोल से तू धनी नहीं होता।

Psalms 44:13

¹³ तू हमारे पड़ोसियों से हमारी नामधाराई कराता है, और हमारे चारों ओर के रहनेवाले हम से हँसी ठट्टा करते हैं।

Psalms 44:14

¹⁴ तूने हमको अन्यजातियों के बीच में अपमान ठहराया है, और देश-देश के लोग हमारे कारण सिर हिलाते हैं।

Psalms 44:15

¹⁵ दिन भर हमें तिरस्कार सहना पड़ता है, और कलंक लगाने और निन्दा करनेवाले के बोल से,

Psalms 44:16

¹⁶ शत्रु और बदला लेनेवालों के कारण, बुरा-भला कहनेवालों और निन्दा करनेवालों के कारण।

Psalms 44:17

¹⁷ यह सब कुछ हम पर बीता तो भी हम तुझे नहीं भूले, न तेरी वाचा के विषय विश्वासघात किया है।

Psalms 44:18

¹⁸ हमारे मन न बहके, न हमारे पैर तरी राह से मुँड़ें;

Psalms 44:19

¹⁹ तो भी तूने हमें गीदड़ों के स्थान में पीस डाला, और हमको घोर अंधकार में छिपा दिया है।

Psalms 44:20

²⁰ यदि हम अपने परमेश्वर का नाम भूल जाते, या किसी पराए देवता की ओर अपने हाथ फैलाते,

Psalms 44:21

²¹ तो क्या परमेश्वर इसका विचार न करता? क्योंकि वह तो मन की गुप्त बातों को जानता है।

Psalms 44:22

²² परन्तु हम दिन भर तेरे निमित्त मार डाले जाते हैं, और उन भेड़ों के समान समझे जाते हैं जो वध होने पर हैं।

Psalms 44:23

²³ हे प्रभु, जाग! तू क्यों सोता है? उठ! हमको सदा के लिये त्याग न दे!

Psalms 44:24

²⁴ तू क्यों अपना मुँह छिपा लेता है? और हमारा दुःख और सताया जाना भूल जाता है?

Psalms 44:25

²⁵ हमारा प्राण मिट्टी से लग गया; हमारा शरीर भूमि से सट गया है।

Psalms 44:26

²⁶ हमारी सहायता के लिये उठ खड़ा हो। और अपनी करुणा के निमित्त हमको छुड़ा ले।

Psalms 45:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये शोशन्नीम में कोरहवंशियों का मश्कील। प्रेम प्रीति का गीत; मेरा हृदय एक सुन्दर विषय की उमंग से उमड़ रहा है, जो बात मैंने राजा के विषय रची है उसको सुनाता हूँ; मेरी जीभ निपुण लेखक की लेखनी बनी है।

Psalms 45:2

² तू मनुष्य की सन्तानों में परम सुन्दर है; तेरे होठों में अनुग्रह भरा हुआ है; इसलिए परमेश्वर ने तुझे सदा के लिये आशीष दी है।

Psalms 45:3

³ हे वीर, तू अपनी तलवार को जो तेरा वैभव और प्रताप है अपनी कमर पर बाँध!

Psalms 45:4

⁴ सत्यता, नम्रता और धार्मिकता के निमित्त अपने ऐश्वर्य और प्रताप पर सफलता से सवार हो; तेरा दाहिना हाथ तुझे भयानक काम सिखाए!

Psalms 45:5

⁵ तेरे तीर तो तेज हैं, तेरे सामने देश-देश के लोग गिरेंगे; राजा के शत्रुओं के हृदय उनसे छिदेंगे।

Psalms 45:6

⁶ हे परमेश्वर, तेरा सिंहासन सदा सर्वदा बना रहेगा; तेरा राजदण्ड न्याय का है।

Psalms 45:7

⁷ तू धार्मिकता से प्रीति और दुष्टता से बैर रखा है। इस कारण परमेश्वर ने हाँ, तेरे परमेश्वर ने तुझको तेरे साथियों से अधिक हर्ष के तेल से अभिषेक किया है।

Psalms 45:8

⁸ तेरे सारे वस्त्र गन्धरस, अगर, और तेज से सुगच्छित हैं, तू हाथी दाँत के मन्दिरों में तारवाले बाजों के कारण आनन्दित हुआ है।

Psalms 45:9

⁹ तेरी प्रतिष्ठित स्त्रियों में राजकुमारियाँ भी हैं; तेरी दाहिनी ओर पटरानी, ओपीर के कुन्दन से विभूषित खड़ी है।

Psalms 45:10

¹⁰ हे राजकुमारी सुन, और कान लगाकर ध्यान दे; अपने लोगों और अपने पिता के घर को भूल जा;

Psalms 45:11

¹¹ और राजा तेरे रूप की चाह करेगा। क्योंकि वह तो तेरा प्रभु है, तू उसे दण्डवत् कर।

Psalms 45:12

¹² सोर की राजकुमारी भी भेंट करने के लिये उपस्थित होगी, प्रजा के धनवान लोग तुझे प्रसन्न करने का यत्न करेंगे।

Psalms 45:13

¹³ राजकुमारी महल में अति शोभायमान है, उसके वस्त्र में सुनहरे बूटे कढ़े हुए हैं;

Psalms 45:14

¹⁴ वह बूटेदार वस्त्र पहने हुए राजा के पास पहुँचाई जाएगी। जो कुमारियाँ उसकी सहेलियाँ हैं, वे उसके पीछे-पीछे चलती हुई तेरे पास पहुँचाई जाएँगी।

Psalms 45:15

¹⁵ वे आनन्दित और मगन होकर पहुँचाई जाएँगी, और वे राजा के महल में प्रवेश करेंगी।

Psalms 45:16

¹⁶ तेरे पितरों के स्थान पर तेरे सन्तान होंगे; जिनको तू सारी पृथ्वी पर हाकिम ठहराएगा।

Psalms 45:17

¹⁷ मैं ऐसा करूँगा, कि तेरे नाम की चर्चा पीढ़ी से पीढ़ी तक होती रहेगी; इस कारण देश-देश के लोग सदा सर्वदा तेरा धन्यवाद करते रहेंगे।

Psalms 46:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये कोरहवंशियों का, अलामोत की राग पर एक गीत; परमेश्वर हमारा शरणस्थान और बल है, संकट में अति सहज से मिलनेवाला सहायक।

Psalms 46:2

² इस कारण हमको कोई भय नहीं चाहे पृथ्वी उलट जाए, और पहाड़ समुद्र के बीच में डाल दिए जाएँ;

Psalms 46:3

³ चाहे समुद्र गरजें और फेन उठाए, और पहाड़ उसकी बाढ़ से काँप उठे। (सेला)

Psalms 46:4

⁴ एक नदी है जिसकी नहरों से परमेश्वर के नगर में अर्थात् परमप्रधान के पवित्र निवास भवन में आनन्द होता है।

Psalms 46:5

⁵ परमेश्वर उस नगर के बीच में है, वह कभी टलने का नहीं; पौ फटते ही परमेश्वर उसकी सहायता करता है।

Psalms 46:6

⁶ जाति-जाति के लोग झल्ला उठे, राज्य-राज्य के लोग डगमगाने लगे; वह बोल उठा, और पृथ्वी पिघल गई।

Psalms 46:7

⁷ सेनाओं का यहोवा हमारे संग है; याकूब का परमेश्वर हमारा ऊँचा गढ़ है। (सेला)

Psalms 46:8

⁸ आओ, यहोवा के महाकर्म देखो, कि उसने पृथ्वी पर कैसा-कैसा उजाड़ किया है।

Psalms 46:9

⁹ वह पृथ्वी की छोर तक लड़ाइयों को मिटाता है; वह धनुष को तोड़ता, और भाले को दो टुकड़े कर डालता है, और रथों को आग में झोक देता है!

Psalms 46:10

¹⁰ “चुप हो जाओ, और जान लो कि मैं ही परमेश्वर हूँ। मैं जातियों में महान हूँ, मैं पृथ्वी भर में महान हूँ!”

Psalms 46:11

¹¹ सेनाओं का यहोवा हमारे संग है; याकूब का परमेश्वर हमारा ऊँचा गढ़ है। (सेला)

Psalms 47:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये कोरहवंशियों का भजन; हे देश-देश के सब लोगों, तालियाँ बजाओ! ऊँचे शब्द से परमेश्वर के लिये जयजयकार करो!

Psalms 47:2

² क्योंकि यहोवा परमप्रधान और भययोग्य है, वह सारी पृथ्वी के ऊपर महाराजा है।

Psalms 47:3

³ वह देश-देश के लोगों को हमारे सम्मुख नीचा करता, और जाति-जाति को हमारे पाँवों के नीचे कर देता है।

Psalms 47:4

⁴ वह हमारे लिये उत्तम भाग चुन लेगा, जो उसके प्रिय याकूब के घमण्ड का कारण है। (सेला)

Psalms 47:5

⁵ परमेश्वर जयजयकार सहित, यहोवा नरसिंगे के शब्द के साथ ऊपर गया है।

Psalms 47:6

⁶ परमेश्वर का भजन गाओ, भजन गाओ! हमारे महाराजा का भजन गाओ, भजन गाओ!

Psalms 47:7

⁷ क्योंकि परमेश्वर सारी पृथ्वी का महाराजा है; समझ बूझकर बुद्धि से भजन गाओ।

Psalms 47:8

⁸ परमेश्वर जाति-जाति पर राज्य करता है; परमेश्वर अपने पवित्र सिंहासन पर विराजमान है।

Psalms 47:9

⁹ राज्य-राज्य के रईस अब्राहम के परमेश्वर की प्रजा होने के लिये इकट्ठे हुए हैं। क्योंकि पृथ्वी की ढालें परमेश्वर के वश में हैं, वह तो शिरोमणि है।

Psalms 48:1

¹ गीत। कोरहवंशियों का भजन; हमारे परमेश्वर के नगर में, और अपने पवित्र पर्वत पर यहोवा महान और अति स्तुति के योग्य है! (सेला)

Psalms 48:2

² सियोन पर्वत ऊँचाई में सुन्दर और सारी पृथ्वी के हर्ष का कारण है, राजाधिराज का नगर उत्तरी सिरे पर है।

Psalms 48:3

³ उसके महलों में परमेश्वर ऊँचा गढ़ माना गया है।

Psalms 48:4

⁴ क्योंकि देखो, राजा लोग इकट्ठे हुए, वे एक संग आगे बढ़ गए।

Psalms 48:5

⁵ उन्होंने आप ही देखा और देखते ही विस्मित हुए, वे घबराकर भाग गए।

Psalms 48:6

⁶ वहाँ कँपकँपी ने उनको आ पकड़ा, और जच्चा की सी पीड़ाएँ उन्हें होने लगीं।

Psalms 48:7

⁷ तू पूर्वी वायु से तर्शीश के जहाजों को तोड़ डालता है।

Psalms 48:8

⁸ सेनाओं के यहोवा के नगर में, अपने परमेश्वर के नगर में, जैसा हमने सुना था, वैसा देखा भी है; परमेश्वर उसको सदा दृढ़ और स्थिर रखेगा।

Psalms 48:9

⁹ हे परमेश्वर हमने तेरे मन्दिर के भीतर तेरी करुणा पर ध्यान किया है।

Psalms 48:10

¹⁰ हे परमेश्वर तेरे नाम के योग्य तेरी स्तुति पृथ्वी की छोर तक होती है। तेरा दाहिना हाथ धर्मिकता से भरा है;

Psalms 48:11

¹¹ तेरे न्याय के कामों के कारण सियोन पर्वत आनन्द करे, और यहूदा के नगर की पुत्रियाँ मगन हों।

Psalms 48:12

¹² सियोन के चारों ओर चलो, और उसकी परिक्रमा करो, उसके गुम्फों को गिन लो,

Psalms 48:13

¹³ उसकी शहरपनाह पर दृष्टि लगाओ, उसके महलों को ध्यान से देखो; जिससे कि तुम आनेवाली पीढ़ी के लोगों से इस बात का वर्णन कर सको।

Psalms 48:14

¹⁴ क्योंकि वह परमेश्वर सदा सर्वदा हमारा परमेश्वर है, वह मृत्यु तक हमारी अगुआई करेगा।

Psalms 49:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये कोरहवंशियों का भजन; हे देश-देश के सब लोगों यह सुनो! हे संसार के सब निवासियों, कान लगाओ!

Psalms 49:2

² क्या ऊँच, क्या नीच क्या धनी, क्या दरिद्र, कान लगाओ!

Psalms 49:3

³ मेरे मुँह से बुद्धि की बातें निकलेंगी; और मेरे हृदय की बातें समझ की होंगी।

Psalms 49:4

⁴ मैं नीतिवचन की ओर अपना कान लगाऊँगा, मैं वीणा बजाते हुए अपनी गुप्त बात प्रकाशित करूँगा।

Psalms 49:5

⁵ विपत्ति के दिनों में मैं क्यों डरूँ जब अधर्म मुझे आ घेरे?

Psalms 49:6

⁶ जो अपनी सम्पत्ति पर भरोसा रखते, और अपने धन की बहुतायत पर फूलते हैं,

Psalms 49:7

⁷ उनमें से कोई अपने भाई को किसी भाँति छुड़ा नहीं सकता है; और न परमेश्वर को उसके बदले प्रायश्चित में कुछ दे सकता है

Psalms 49:8

⁸ क्योंकि उनके प्राण की छुड़ौती भारी है वह अन्त तक कभी न चुका सकेंगे।

Psalms 49:9

⁹ कोई ऐसा नहीं जो सदैव जीवित रहे, और कब्र को न देखे।

Psalms 49:10

¹⁰ क्योंकि देखने में आता है कि बुद्धिमान भी मरते हैं, और मूर्ख और पशु सरीखे मनुष्य भी दोनों नाश होते हैं, और अपनी सम्पत्ति दूसरों के लिये छोड़ जाते हैं।

Psalms 49:11

¹¹ वे मन ही मन यह सोचते हैं, कि उनका घर सदा स्थिर रहेगा, और उनके निवास पीढ़ी से पीढ़ी तक बने रहेंगे; इसलिए वे अपनी-अपनी भूमि का नाम अपने-अपने नाम पर रखते हैं।

Psalms 49:12

¹² परन्तु मनुष्य प्रतिष्ठा पाकर भी स्थिर नहीं रहता, वह पशुओं के समान होता है, जो मर मिटते हैं।

Psalms 49:13

¹³ उनकी यह चाल उनकी मूर्खता है, तो भी उनके बाद लोग उनकी बातों से प्रसन्न होते हैं। (सेला)

Psalms 49:14

¹⁴ वे अधोलोक की मानो भेड़ों का झुण्ड ठहराए गए हैं; मृत्यु उनका गङ्गरिया ठहरेगा; और भोर को सीधे लोग उन पर प्रभुता करेंगे; और उनका सुन्दर रूप अधोलोक का कौर हो जाएगा और उनका कोई आधार न रहेगा।

Psalms 49:15

¹⁵ परन्तु परमेश्वर मेरे प्राण को अधोलोक के वश से छुड़ा लेगा, वह मुझे ग्रहण करके अपनाएगा।

Psalms 49:16

¹⁶ जब कोई धनी हो जाए और उसके घर का वैभव बढ़ जाए, तब तू भय न खाना।

Psalms 49:17

¹⁷ क्योंकि वह मरकर कुछ भी साथ न ले जाएगा; न उसका वैभव उसके साथ कब्र में जाएगा।

Psalms 49:18

¹⁸ चाहे वह जीते जी अपने आपको धन्य कहता रहे। जब तू अपनी भलाई करता है, तब वे लोग तेरी प्रशंसा करते हैं।

Psalms 49:19

¹⁹ तो भी वह अपने पुरखाओं के समाज में मिलाया जाएगा, जो कभी उजियाला न देखेंगे।

Psalms 49:20

²⁰ मनुष्य चाहे प्रतिष्ठित भी हों परन्तु यदि वे समझ नहीं रखते तो वे पशुओं के समान हैं, जो मर मिटते हैं।

Psalms 50:1

¹ आसाप का भजन; सर्वशक्तिमान परमेश्वर यहोवा ने कहा है, और उदयाचल से लेकर अस्ताचल तक पृथ्वी के लोगों को बुलाया है।

Psalms 50:2

² सियोन से, जो परम सुन्दर है, परमेश्वर ने अपना तेज दिखाया है।

Psalms 50:3

³ हमारा परमेश्वर आएगा और चुपचाप न रहेगा, आग उसके आगे-आगे भस्म करती जाएगी; और उसके चारों ओर बड़ी आँधी चलेगी।

Psalms 50:4

⁴ वह अपनी प्रजा का न्याय करने के लिये ऊपर के आकाश को और पृथ्वी को भी पुकारेगा:

Psalms 50:5

⁵ “मेरे भक्तों को मेरे पास इकट्ठा करो, जिन्होंने बलिदान चढ़ाकर मुझसे वाचा बाँधी है!”

Psalms 50:6

⁶ और स्वर्ग उसके धर्मी होने का प्रचार करेगा क्योंकि परमेश्वर तो आप ही न्यायी है। (सेला)

Psalms 50:7

⁷ “हे मेरी प्रजा, सुन, मैं बोलता हूँ, और हे इस्राएल, मैं तेरे विषय साक्षी देता हूँ। परमेश्वर तेरा परमेश्वर मैं ही हूँ।

Psalms 50:8

⁸ मैं तुझ पर तेरे बलियों के विषय दोष नहीं लगाता, तेरे होमबलि तो नित्य मेरे लिये चढ़ते हैं।

Psalms 50:9

⁹ मैं न तो तेरे घर से बैल न तेरे पशुशाला से बकरे लूँगा।

Psalms 50:10

¹⁰ क्योंकि वन के सारे जीव-जन्तु और हजारों पहाड़ों के जानवर मेरे ही हैं।

Psalms 50:11

¹¹ पहाड़ों के सब पक्षियों को मैं जानता हूँ, और मैदान पर चलने-फिरनेवाले जानवर मेरे ही हैं।

Psalms 50:12

¹² “यदि मैं भूखा होता तो तुझ से न कहता; क्योंकि जगत और जो कुछ उसमें है वह मेरा है।

Psalms 50:13

¹³ क्या मैं बैल का माँस खाऊँ, या बकरों का लहू पीऊँ?

Psalms 50:14

¹⁴ परमेश्वर को धन्यवाद ही का बलिदान चढ़ा, और परमप्रधान के लिये अपनी मन्त्रतें पूरी कर;

Psalms 50:15

¹⁵ और संकट के दिन मुझे पुकार; मैं तुझे छुड़ाऊँगा, और तू मेरी महिमा करने पाएगा।”

Psalms 50:16

¹⁶ परन्तु दुष्ट से परमेश्वर कहता है: “तुझे मेरी विधियों का वर्णन करने से क्या काम? तू मेरी वाचा की चर्चा क्यों करता है?

Psalms 50:17

¹⁷ तू तो शिक्षा से बैर करता, और मेरे वचनों को तुच्छ जानता है।

Psalms 50:18

¹⁸ जब तूने चोर को देखा, तब उसकी संगति से प्रसन्न हुआ; और परस्तीगामियों के साथ भागी हुआ।

Psalms 50:19

¹⁹ “तूने अपना मुँह बुराई करने के लिये खोला, और तेरी जीभ छल की बातें गढ़ती है।

Psalms 50:20

²⁰ तू बैठा हुआ अपने भाई के विरुद्ध बोलता; और अपने सगे भाई की चुगली खाता है।

Psalms 50:21

²¹ यह काम तूने किया, और मैं चुप रहा; इसलिए तूने समझ लिया कि परमेश्वर बिल्कुल मेरे समान है। परन्तु मैं तुझे समझा ऊँगा, और तेरी आँखों के सामने सब कुछ अलग-अलग दिखा ऊँगा।”

Psalms 50:22

²² “हे परमेश्वर को भूलनेवालो यह बात भली भाँति समझ लो, कहीं ऐसा न हो कि मैं तुम्हें फाड़ डालूँ और कोई छुड़ानेवाला न हो।”

Psalms 50:23

²³ धन्यवाद के बलिदान का चढ़ानेवाला मेरी महिमा करता है; और जो अपना चरित्र उत्तम रखता है उसको मैं परमेश्वर का उद्धार दिखा ऊँगा!”

Psalms 51:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन जब नातान नबी उसके पास इसलिए आया कि वह बतशेबा के पास गया था; हे परमेश्वर, अपनी करुणा के अनुसार मुझ पर अनुग्रह कर; अपनी बड़ी दया के अनुसार मेरे अपराधों को मिटा दे।

Psalms 51:2

² मुझे भली भाँति धोकर मेरा अधर्म दूर कर, और मेरा पाप छुड़ाकर मुझे शुद्ध कर!

Psalms 51:3

³ मैं तो अपने अपराधों को जानता हूँ, और मेरा पाप निरन्तर मेरी दृष्टि में रहता है।

Psalms 51:4

⁴ मैंने केवल तेरे ही विरुद्ध पाप किया, और जो तेरी दृष्टि में बुरा है, वही किया है, ताकि तू बोलने में धर्मी और न्याय करने में निष्कलंक ठहरे।

Psalms 51:5

⁵ देख, मैं अधर्म के साथ उत्पन्न हुआ, और पाप के साथ अपनी माता के गर्भ में पड़ा।

Psalms 51:6

⁶ देख, तू हृदय की सच्चाई से प्रसन्न होता है; और मेरे मन ही में ज्ञान सिखाएगा।

Psalms 51:7

⁷ जूफा से मुझे शुद्ध कर, तो मैं पवित्र हो जाऊँगा; मुझे धो, और मैं हिम से भी अधिक श्वेत बनूँगा।

Psalms 51:8

⁸ मुझे हर्ष और आनन्द की बातें सुना, जिससे जो हङ्कियाँ तूने तोड़ डाली हैं, वे मगन हो जाएँ।

Psalms 51:9

⁹ अपना मुख मेरे पापों की ओर से फेर ले, और मेरे सारे अधर्म के कामों को मिटा डाल।

Psalms 51:10

¹⁰ हे परमेश्वर, मेरे अन्दर शुद्ध मन उत्पन्न कर, और मेरे भीतर स्थिर आत्मा नये सिरे से उत्पन्न कर।

Psalms 51:11

¹¹ मुझे अपने सामने से निकाल न दे, और अपने पवित्र आत्मा को मुझसे अलग न कर।

Psalms 51:12

¹² अपने किए हुए उद्धार का हर्ष मुझे फिर से दे, और उदार आत्मा देकर मुझे सम्माल।

Psalms 51:13

¹³ जब मैं अपराधी को तेरा मार्ग सिखाऊँगा, और पापी तेरी ओर फिरेंगे।

Psalms 51:14

¹⁴ हे परमेश्वर, हे मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर, मुझे हत्या के अपराध से छुड़ा ले, तब मैं तेरी धार्मिकता का जयजयकार करने पाऊँगा।

Psalms 51:15

¹⁵ हे प्रभु, मेरा मुँह खोल दे तब मैं तेरा गुणानुवाद कर सकूँगा।

Psalms 51:16

¹⁶ क्योंकि तू बलि से प्रसन्न नहीं होता, नहीं तो मैं देता; होमबलि से भी तू प्रसन्न नहीं होता।

Psalms 51:17

¹⁷ टूटा मन परमेश्वर के योग्य बलिदान है; हे परमेश्वर, तू टूटे और पिसे हुए मन को तुच्छ नहीं जानता।

Psalms 51:18

¹⁸ प्रसन्न होकर सिय्योन की भलाई कर, यरूशलेम की शहरपनाह को तू बना,

Psalms 51:19

¹⁹ तब तू धार्मिकता के बलिदानों से अर्थात् सर्वांग पशुओं के होमबलि से प्रसन्न होगा; तब लोग तेरी वेदी पर पवित्र बलिदान चढ़ाएँगे।

Psalms 52:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये मश्कील पर दाऊद का भजन जब दोएगा एदोमी ने शाऊल को बताया कि दाऊद अहीमेलेक के घर गया था; हे वीर, तू बुराई करने पर क्यों घमण्ड करता है? परमेश्वर की करुणा तो अनन्त है।

Psalms 52:2

² तेरी जीभ केवल दुष्टता गढ़ती है; सान धरे हुए उस्तरे के समान वह छल का काम करती है।

Psalms 52:3

³ तू भलाई से बढ़कर बुराई में, और धार्मिकता की बात से बढ़कर झूठ से प्रीति रखता है। (सेला)

Psalms 52:4

⁴ हे छली जीभ, तू सब विनाश करनेवाली बातों से प्रसन्न रहती है।

Psalms 52:5

⁵ निश्चय परमेश्वर तुझे सदा के लिये नाश कर देगा; वह तुझे पकड़कर तेरे डेरे से निकाल देगा; और जीवितों के लोक से तुझे उखाड़ डालेगा। (सेला)

Psalms 52:6

⁶ तब धर्मी लोग इस घटना को देखकर डर जाएँगे, और यह कहकर उस पर हँसेंगे,

Psalms 52:7

⁷ “देखो, यह वही पुरुष है जिसने परमेश्वर को अपनी शरण नहीं माना, परन्तु अपने धन की बहुतायत पर भरोसा रखता था, और अपने को दुष्टता में दृढ़ करता रहा!”

Psalms 52:8

⁸ परन्तु मैं तो परमेश्वर के भवन में हरे जैतून के वृक्ष के समान हूँ। मैंने परमेश्वर की करुणा पर सदा सर्वदा के लिये भरोसा रखा है।

Psalms 52:9

⁹ मैं तेरा धन्यवाद सर्वदा करता रहूँगा, क्योंकि तू ही ने यह काम किया है। मैं तेरे नाम पर आशा रखता हूँ, क्योंकि यह तेरे पवित्र भक्तों के सामने उत्तम है।

Psalms 53:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये महलत की राग पर दाऊद का मश्कील; मूर्ख ने अपने मन में कहा, “कोई परमेश्वर है ही नहीं।” वे बिगड़ गए, उन्होंने कुटिलता के घिनौने काम किए हैं; कोई सुकर्मी नहीं।

Psalms 53:2

² परमेश्वर ने स्वर्ग पर से मनुष्यों के ऊपर दृष्टि की ताकि देखे कि कोई बुद्धि से चलनेवाला या परमेश्वर को खोजनेवाला है कि नहीं।

Psalms 53:3

³ वे सब के सब हट गए; सब एक साथ बिगड़ गए; कोई सुकर्मी नहीं, एक भी नहीं।

Psalms 53:4

⁴ क्या उन सब अनर्थकारियों को कुछ भी ज्ञान नहीं, जो मेरे लोगों को रोटी के समान खाते हैं पर परमेश्वर का नाम नहीं लेते हैं?

Psalms 53:5

⁵ वहाँ उन पर भय छा गया जहाँ भय का कोई कारण न था। क्योंकि यहोवा ने उनकी हड्डियों को, जो तेरे विरुद्ध छावनी डाले पड़े थे, तितर-बितर कर दिया; तूने तो उन्हें लज्जित कर दिया इसलिए कि परमेश्वर ने उनको त्याग दिया है।

Psalms 53:6

⁶ भला होता कि इस्राएल का पूरा उद्धार सियोन से निकलता! जब परमेश्वर अपनी प्रजा को बन्धुवाई से लौटा ले आएगा। तब याकूब मगन और इस्राएल आनन्दित होगा।

Psalms 54:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये, दाऊद का तारकले बाजों के साथ मश्कील जब जीपियों ने आकर शाऊल से कहा, “क्या दाऊद हमारे बीच में छिपा नहीं रहता?” हे परमेश्वर अपने नाम के द्वारा मेरा उद्धार कर, और अपने पराक्रम से मेरा न्याय कर।

Psalms 54:2

² हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुन ले; मेरे मुँह के वचनों की ओर कान लगा।

Psalms 54:3

³ क्योंकि परदेशी मेरे विरुद्ध उठे हैं, और कुकर्मी मेरे प्राण के गाहक हुए हैं; उन्होंने परमेश्वर को अपने सम्मुख नहीं जाना। (सेला)

Psalms 54:4

⁴ देखो, परमेश्वर मेरा सहायक है; प्रभु मेरे प्राण को सम्भालनेवाला है।

Psalms 54:5

⁵ वह मेरे द्रोहियों की बुराई को उन्हीं पर लौटा देगा; हे परमेश्वर, अपनी सच्चाई के कारण उनका विनाश कर।

Psalms 54:6

⁶ मैं तुझे स्वेच्छाबलि चढ़ाऊँगा; हे यहोवा, मैं तेरे नाम का धन्यवाद करूँगा, क्योंकि यह उत्तम है।

Psalms 54:7

⁷ क्योंकि तूने मुझे सब दुःखों से छुड़ाया है, और मैंने अपने शत्रुओं पर विजयपूर्ण दृष्टि डाली है।

Psalms 55:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये, तारवाले बाजों के साथ दाऊद का मश्कील; हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना की ओर कान लगा; और मेरी गिड़गिड़ाहट से मुँह न मोड़!

Psalms 55:2

² मेरी ओर ध्यान देकर, मुझे उत्तर दे; विपत्तियों के कारण मैं व्याकुल होता हूँ।

Psalms 55:3

³ क्योंकि शत्रु कीलाहल और दुष्ट उपद्रव कर रहे हैं; वे मुझ पर दोषारोपण करते हैं, और क्रोध में आकर सताते हैं।

Psalms 55:4

⁴ मेरा मन भीतर ही भीतर संकट में है, और मृत्यु का भय मुझ में समा गया है।

Psalms 55:5

⁵ भय और कंपन ने मुझे पकड़ लिया है, और भय ने मुझे जकड़ लिया है।

Psalms 55:6

⁶ तब मैंने कहा, “भला होता कि मेरे कबूतर के से पंख होते तो मैं उड़ जाता और विश्राम पाता!

Psalms 55:7

⁷ देखो, फिर तो मैं उड़ते-उड़ते दूर निकल जाता और जंगल में बसेरा लेता, (सेला)

Psalms 55:8

⁸ मैं प्रचण्ड बायर और अँधी के झोंके से बचकर किसी शरणस्थान में भाग जाता।”

Psalms 55:9

⁹ हे प्रभु, उनका सत्यानाश कर, और उनकी भाषा में गड़बड़ी डाल दे; क्योंकि मैंने नगर में उपद्रव और झगड़ा देखा है।

Psalms 55:10

¹⁰ रात-दिन वे उसकी शहरपनाह पर चढ़कर चारों ओर घूमते हैं; और उसके भीतर दुष्टा और उत्पात होता है।

Psalms 55:11

¹¹ उसके भीतर दुष्टा ने बसेरा डाला है; और अत्याचार और छल उसके चौक से दूर नहीं होते।

Psalms 55:12

¹² जो मेरी नामधारी करता है वह शत्रु नहीं था, नहीं तो मैं उसको सह लेता; जो मेरे विरुद्ध बड़ाई मारता है वह मेरा बैरी नहीं है, नहीं तो मैं उससे छिप जाता।

Psalms 55:13

¹³ परन्तु वह तो तूही था जो मेरी बराबरी का मनुष्य मेरा परम मित्र और मेरी जान-पहचान का था।

Psalms 55:14

¹⁴ हम दोनों आपस में कैसी मीठी-मीठी बातें करते थे; हम भीड़ के साथ परमेश्वर के भवन को जाते थे।

Psalms 55:15

¹⁵ उनको मृत्यु अचानक आ दबाए; वे जीवित ही अधोलोक में उत्तर जाएँ; क्योंकि उनके घर और मन दोनों में बुराइयाँ और उत्पात भरा है।

Psalms 55:16

¹⁶ परन्तु मैं तो परमेश्वर को पुकारूँगा; और यहोवा मुझे बचा लेगा।

Psalms 55:17

¹⁷ सँझ को, भोर को, दोपहर को, तीनों पहर मैं दुहाई दूँगा और कराहता रहूँगा और वह मेरा शब्द सुन लेगा।

Psalms 55:18

¹⁸ जो लड़ाई मेरे विरुद्ध मची थी उससे उसने मुझे कुशल के साथ बचा लिया है। उन्होंने तो बहुतों को संग लेकर मेरा सामना किया था।

Psalms 55:19

¹⁹ परमेश्वर जो आदि से विराजमान है यह सुनकर उनको उत्तर देगा। (सेला) ये वे हैं जिनमें कोई परिवर्तन नहीं, और उनमें परमेश्वर का भय है ही नहीं।

Psalms 55:20

²⁰ उसने अपने मेल रखनेवालों पर भी हाथ उठाया है, उसने अपनी वाचा को तोड़ दिया है।

Psalms 55:21

²¹ उसके मुँह की बातें तो मक्खन सी चिकनी थी परन्तु उसके मन में लड़ाई की बातें थीं; उसके वचन तेल से अधिक नरम तो थे परन्तु नंगी तलवारें थीं।

Psalms 55:22

²² अपना बोझ यहोवा पर डाल दे वह तुझे सम्भालेगा; वह धर्म को कभी टलने न देगा।

Psalms 55:23

²³ परन्तु हे परमेश्वर, तू उन लोगों को विनाश के गड्ढे में गिरा देगा; हत्यारे और छली मनुष्य अपनी आधी आयु तक भी जीवित न रहेंगे। परन्तु मैं तुझ पर भरोसा रखे रहूँगा।

Psalms 56:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये योनतेलेखद्वोकीम में दाऊद का मिक्ताम जब पलिशियों ने उसको गत नगर में पकड़ा था; हे परमेश्वर, मुझ पर दया कर, क्योंकि मनुष्य मुझे निगलना चाहते हैं; वे दिन भर लड़कर मुझे सताते हैं।

Psalms 56:2

² मेरे द्वाही दिन भर मुझे निगलना चाहते हैं, क्योंकि जो लोग अभिमान करके मुझसे लड़ते हैं वे बहुत हैं।

Psalms 56:3

³ जिस समय मुझे डर लगेगा, मैं तुझ पर भरोसा रखूँगा।

Psalms 56:4

⁴ परमेश्वर की सहायता से मैं उसके वचन की प्रशंसा करूँगा, परमेश्वर पर मैंने भरोसा रखा है, मैं नहीं डरूँगा। कोई प्राणी मेरा क्या कर सकता है?

Psalms 56:5

⁵ वे दिन भर मेरे वचनों को, उलटा अर्थ लगाकर मरोड़ते रहते हैं; उनकी सारी कल्पनाएँ मेरी ही बुराई करने की होती हैं।

Psalms 56:6

⁶ वे सब मिलकर इकट्ठे होते हैं और छिपकर बैठते हैं; वे मेरे कदमों को देखते भालते हैं मानो वे मेरे प्राणों की घात में ताक लगाए बैठे हैं।

Psalms 56:7

⁷ क्या वे बुराई करके भी बच जाएँगे? हे परमेश्वर, अपने क्रोध से देश-देश के लोगों को गिरा दे!

Psalms 56:8

⁸ तू मेरे मारे-मारे फिरने का हिसाब रखता है; तू मेरे आँसुओं को अपनी कुप्पी में रख लो! क्या उनकी चर्चा तेरी पुस्तक में नहीं है?

Psalms 56:9

⁹ तब जिस समय मैं पुकारूँगा, उसी समय मेरे शत्रु उलटे फिरेंगे। यह मैं जानता हूँ, कि परमेश्वर मेरी ओर है।

Psalms 56:10

¹⁰ परमेश्वर की सहायता से मैं उसके वचन की प्रशंसा करूँगा, यहोवा की सहायता से मैं उसके वचन की प्रशंसा करूँगा।

Psalms 56:11

¹¹ मैंने परमेश्वर पर भरोसा रखा है, मैं न डरूँगा। मनुष्य मेरा क्या कर सकता है?

Psalms 56:12

¹² हे परमेश्वर, तेरी मन्त्रों का भार मुझ पर बना है; मैं तुझको धन्यवाद-बलि चढ़ाऊँगा।

Psalms 56:13

¹³ क्योंकि तूने मुझ को मृत्यु से बचाया है; तूने मेरे पैरों को भी फिसलने से बचाया है, ताकि मैं परमेश्वर के सामने जीवितों के उजियाले में चलूँ फिरूँ।

Psalms 57:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये अल-तशहेत राग में दाऊद का मिक्ताम; जब वह शाऊल से भागकर गुफा में छिप गया था; हे परमेश्वर, मुझ पर दया कर, मुझ पर दया कर, क्योंकि मैं तेरा शरणागत हूँ; और जब तक ये विपत्तियाँ निकल न जाएँ, तब तक मैं तेरे पंखों के तले शरण लिए रहूँगा।

Psalms 57:2

² मैं परमप्रधान परमेश्वर को पुकारूँगा, परमेश्वर को जो मेरे लिये सब कुछ सिद्ध करता है।

Psalms 57:3

³ परमेश्वर स्वर्ग से भेजकर मुझे बचा लेगा, जब मेरा निगलनेवाला निन्दा कर रहा हो। (सेला) परमेश्वर अपनी करुणा और सच्चाई प्रगट करेगा।

Psalms 57:4

⁴ मेरा प्राण सिंहों के बीच में है, मुझे जलते हुओं के बीच में लेटना पड़ता है, अर्थात् ऐसे मनुष्यों के बीच में जिनके दाँत बर्झी और तीर हैं, और जिनकी जीभ तेज तलवार है।

Psalms 57:5

⁵ हे परमेश्वर तू स्वर्ग के ऊपर अति महान और तेजोमय है, तेरी महिमा सारी पृथ्वी के ऊपर फैल जाए!

Psalms 57:6

⁶ उन्होंने मेरे पैरों के लिये जाल बिछाया है; मेरा प्राण ढला जाता है। उन्होंने मेरे आगे गङ्गा खोदा, परन्तु आप ही उसमें गिर पड़े। (सेला)

Psalms 57:7

⁷ हे परमेश्वर, मेरा मन स्थिर है, मेरा मन स्थिर है; मैं गाऊँगा वरन् भजन कीर्तन करूँगा।

Psalms 57:8

⁸ हे मेरे मन जाग जा! हे सारंगी और वीणा जाग जाओ; मैं भी पौ फटते ही जाग उठूँगा।

Psalms 57:9

⁹ हे प्रभु, मैं देश-देश के लोगों के बीच तेरा धन्यवाद करूँगा; मैं राज्य-राज्य के लोगों के बीच में तेरा भजन गाऊँगा।

Psalms 57:10

¹⁰ क्योंकि तेरी करुणा स्वर्ग तक बड़ी है, और तेरी सच्चाई आकाशमण्डल तक पहुँचती है।

Psalms 57:11

¹¹ हे परमेश्वर, तू स्वर्ग के ऊपर अति महान है! तेरी महिमा सारी पृथ्वी के ऊपर फैल जाए!

Psalms 58:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये अल-तशहेत राग में दाऊद का मिक्ताम; हे मनुष्यों, क्या तुम सचमुच धार्मिकता की बात बोलते हो? और हे मनुष्य वंशियों क्या तुम सिधाई से न्याय करते हो?

Psalms 58:2

² नहीं, तुम मन ही मन में कुटिल काम करते हो; तुम देश भर में उपद्रव करते जाते हो।

Psalms 58:3

³ दुष्ट लोग जन्मते ही पराए हो जाते हैं, वे पेट से निकलते ही झूठ बोलते हुए भटक जाते हैं।

Psalms 58:4

⁴ उनमें सर्प का सा विष है; वे उस नाग के समान हैं, जो सुनना नहीं चाहता;

Psalms 58:5

⁵ और सपेरा कितनी ही निपुणता से क्यों न मंत्र पढ़े, तो भी उसकी नहीं सुनता।

Psalms 58:6

⁶ हे परमेश्वर, उनके मुँह में से दाँतों को तोड़ दे; हे यहोवा, उन जवान सिंहों की दाढ़ों को उखाड़ डाल!

Psalms 58:7

⁷ वे घुलकर बहते हुए पानी के समान हो जाएँ; जब वे अपने तीर चढ़ाएँ, तब तीर मानो दो टुकड़े हो जाएँ।

Psalms 58:8

⁸ वे धोंधे के समान हो जाएँ जो घुलकर नाश हो जाता है, और स्त्री के गिरे हुए गर्भ के समान हो जिसने सूरज को देखा ही नहीं।

Psalms 58:9

⁹ इससे पहले कि तुम्हारी हाँड़ियों में काँटों की आँच लगे, हरे व जले, दोनों को वह बवण्डर से उड़ा ले जाएगा।

Psalms 58:10

¹⁰ परमेश्वर का ऐसा पलटा देखकर आनन्दित होगा; वह अपने पाँव दुष्ट के लहू में धोएगा।

Psalms 58:11

¹¹ तब मनुष्य कहने लगेंगे, निश्चय धर्म के लिये फल है; निश्चय परमेश्वर है, जो पृथ्वी पर न्याय करता है।

Psalms 59:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये अल-तशहेत राग में दाऊद का मिक्ताम; जब शाऊल के भेजे हुए लोगों ने घर का पहरा दिया कि उसको मार डाले; हे मेरे परमेश्वर, मुझ को शत्रुओं से बचा, मुझे ऊँचे स्थान पर रखकर मेरे विरोधियों से बचा,

Psalms 59:2

² मुझ को बुराई करनेवालों के हाथ से बचा, और हत्यारों से मेरा उद्धार कर।

Psalms 59:3

³ क्योंकि देख, वे मेरी घात में लगे हैं; हे यहोवा, मेरा कोई दोष या पाप नहीं है, तो भी बलवन्त लोग मेरे विरुद्ध इकट्ठे होते हैं।

Psalms 59:4

⁴ मैं निर्दोष हूँ तो भी वे मुझसे लड़ने को मेरी ओर दौड़ते हैं; जाग और मेरी मदद कर, और यह देख!

Psalms 59:5

⁵ हे सेनाओं के परमेश्वर यहोवा, हे इस्राएल के परमेश्वर सब अन्यजातियों को दण्ड देने के लिये जाग, किसी विश्वासघाती अत्याचारी पर अनुग्रह न कर। (सेला)

Psalms 59:6

⁶ वे लोग साँझ को लौटकर कुत्ते के समान गुरते हैं, और नगर के चारों ओर घूमते हैं।

Psalms 59:7

⁷ देख वे डकारते हैं, उनके मुँह के भीतर तलवारें हैं, क्योंकि वे कहते हैं, “कौन हमें सुनता है?”

Psalms 59:8

⁸ परन्तु हे यहोवा, तू उन पर हँसेगा; तू सब अन्यजातियों को उपहास में उड़ाएगा।

Psalms 59:9

⁹ हे परमेश्वर, मेरे बल, मैं तुझ पर ध्यान ढूँगा, तू मेरा ऊँचा गढ़ है।

Psalms 59:10

¹⁰ परमेश्वर करुणा करता हुआ मुझसे मिलेगा; परमेश्वर मेरे शत्रुओं के विषय मेरी इच्छा पूरी कर देगा।

Psalms 59:11

¹¹ उन्हें घात न कर, ऐसा न हो कि मेरी प्रजा भूल जाए; हे प्रभु, हे हमारी ढाल! अपनी शक्ति से उन्हें तितर-बितर कर, उन्हें दबा दे।

Psalms 59:12

¹² वह अपने मुँह के पाप, और होठों के वचन, और श्राप देने, और झूठ बोलने के कारण, अभिमान में फँसे हुए पकड़े जाएँ।

Psalms 59:13

¹³ जलजलाहट में आकर उनका अन्त कर, उनका अन्त कर दे ताकि वे नष्ट हो जाएँ तब लोग जानेंगे कि परमेश्वर याकूब पर, वरन् पृथ्वी की छोर तक प्रभुता करता है। (सेला)

Psalms 59:14

¹⁴ वे साँझ को लौटकर कुत्ते के समान गुर्तते, और नगर के चारों ओर घूमते हैं।

Psalms 59:15

¹⁵ वे टुकड़े के लिये मारे-मारे फिरते, और तृप्त न होने पर रात भर गुरते हैं।

Psalms 59:16

¹⁶ परन्तु मैं तेरी सामर्थ्य का यश गाऊँगा, और भोर को तेरी करुणा का जयजयकार करूँगा। क्योंकि तू मेरा ऊँचा गढ़ है, और संकट के समय मेरा शरणस्थान ठहरा है।

Psalms 59:17

¹⁷ हे मेरे बल, मैं तेरा भजन गाऊँगा, क्योंकि हे परमेश्वर, तू मेरा ऊँचा गढ़ और मेरा करुणामय परमेश्वर है।

Psalms 60:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का मिक्ताम शूशनेदूत राग में। शिक्षादायक। जब वह अरम्भहरैम और अरमसोबा से लड़ता था। और योआब ने लौटकर नमक की तराई में एदोमियों में से बारह हजार पुरुष मार लिये; हे परमेश्वर, तू ने हमको त्याग दिया, और हमको तोड़ डाला है; तू क्रोधित हुआ; फिर हमको ज्यों का त्यों कर दे।

Psalms 60:2

² तूने भूमि को कँपाया और फाड़ डाला है; उसके दरारों को भर दे, क्योंकि वह डगमगा रही है।

Psalms 60:3

³ तूने अपनी प्रजा को कठिन समय दिखाया; तूने हमें लड़खड़ा देनेवाला दाखमधु पिलाया है।

Psalms 60:4

⁴ तूने अपने डरवैयों को झण्डा दिया है, कि वह सच्चाई के कारण फहराया जाए। (सेला)

Psalms 60:5

⁵ तू अपने दाहिने हाथ से बचा, और हमारी सुन ले कि तेरे प्रिय छुड़ाए जाएँ।

Psalms 60:6

⁶ परमेश्वर पवित्रता के साथ बोला है, ‘मैं प्रफुल्लित होऊँगा; मैं शोकेम को बाँट लूँगा, और सुकोत की तराई को नपवाऊँगा।

Psalms 60:7

⁷ गिलाद मेरा है; मनश्शे भी मेरा है; और एप्रैम मेरे सिर का टोप, यहूदा मेरा राजदण्ड है।

Psalms 60:8

⁸ मोआब मेरे धोने का पात्र है; मैं एदोम पर अपना जूता फेंकूँगा; हे पलिश्तीन, मेरे ही कारण जयजयकार कर।”

Psalms 60:9

⁹ मुझे गढ़वाले नगर में कौन पहुँचाएगा? एदोम तक मेरी अगुआई किसने की है?

Psalms 60:10

¹⁰ हे परमेश्वर, क्या तूने हमको त्याग नहीं दिया? हे परमेश्वर, तू हमारी सेना के साथ नहीं जाता।

Psalms 60:11

¹¹ शत्रु के विरुद्ध हमारी सहायता कर, क्योंकि मनुष्य की सहायता व्यर्थ है।

Psalms 60:12

¹² परमेश्वर की सहायता से हम वीरता दिखाएँगे, क्योंकि हमारे शत्रुओं को वही रौंदेगा।

Psalms 61:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये तारवाले बाजे के साथ दाऊद का भजन; हे परमेश्वर, मेरा चिल्लाना सुन, मेरी प्रार्थना की ओर ध्यान दे।

Psalms 61:2

² मूर्छा खाते समय मैं पृथ्वी की छोर से भी तुझे पुकारूँगा, जो चट्ठान मेरे लिये ऊँची है, उस पर मुझ को ले चल;

Psalms 61:3

³ क्योंकि तू मेरा शरणस्थान है, और शत्रु से बचने के लिये ऊँचा गढ़ है।

Psalms 61:4

⁴ मैं तेरे तम्बू में युगानुयुग बना रहूँगा। मैं तेरे पंखों की ओट में शरण लिए रहूँगा। (सेला)

Psalms 61:5

⁵ क्योंकि हे परमेश्वर, तूने मेरी मन्त्रतें सुनीं, जो तेरे नाम के डरवैये हैं, उनका सा भाग तूने मुझे दिया है।

Psalms 61:6

⁶ तू राजा की आयु को बहुत बढ़ाएगा; उसके वर्ष पीढ़ी-पीढ़ी के बराबर होंगे।

Psalms 61:7

⁷ वह परमेश्वर के सम्मुख सदा बना रहेगा; तू अपनी करुणा और सच्चाई को उसकी रक्षा के लिये ठहरा रख।

Psalms 61:8

⁸ इस प्रकार मैं सर्वदा तेरे नाम का भजन गा गाकर अपनी मन्त्रतें हर दिन पूरी किया करूँगा।

Psalms 62:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन। यदूतून की राग पर; सचमुच मैं चुपचाप होकर परमेश्वर की ओर मन लगाए हूँ मेरा उद्धार उसी से होता है।

Psalms 62:2

² सचमुच वही, मेरी चट्टान और मेरा उद्धार है, वह मेरा गढ़ है मैं अधिक न डिगँगा।

Psalms 62:3

³ तुम कब तक एक पुरुष पर धावा करते रहोगे, कि सब मिलकर उसका घात करो? वह तो झुकी हुई दीवार या गिरते हुए बाढ़े के समान है।

Psalms 62:4

⁴ सचमुच वे उसको, उसके ऊँचे पद से गिराने की सम्मति करते हैं; वे झूठ से प्रसन्न रहते हैं। मुँह से तो वे आशीर्वाद देते पर मन में कोसते हैं। (सेला)

Psalms 62:5

⁵ हे मेरे मन, परमेश्वर के सामने चुपचाप रह, क्योंकि मेरी आशा उसी से है।

Psalms 62:6

⁶ सचमुच वही मेरी चट्टान, और मेरा उद्धार है, वह मेरा गढ़ है; इसलिए मैं न डिगँगा।

Psalms 62:7

⁷ मेरे उद्धार और मेरी महिमा का आधार परमेश्वर है; मेरी दृढ़ चट्टान, और मेरा शरणस्थान परमेश्वर है।

Psalms 62:8

⁸ हे लोगों, हर समय उस पर भरोसा रखो; उससे अपने-अपने मन की बातें खोलकर कहो; परमेश्वर हमारा शरणस्थान है। (सेला)

Psalms 62:9

⁹ सचमुच नीच लोग तो अस्थाई, और बड़े लोग मिथ्या ही हैं; तौल में वे हलके निकलते हैं; वे सब के सब साँस से भी हलके हैं।

Psalms 62:10

¹⁰ अत्याचार करने पर भरोसा मत रखो, और लूट पाट करने पर मत फूलो; चाहे धन-सम्पत्ति बढ़े, तो भी उस पर मन न लगाना।

Psalms 62:11

¹¹ परमेश्वर ने एक बार कहा है; और दो बार मैंने यह सुना है: कि सामर्थ्य परमेश्वर का है

Psalms 62:12

¹² और हे प्रभु, करुणा भी तेरी है। क्योंकि तू एक-एक जन को उसके काम के अनुसार फल देता है।

Psalms 63:1

¹ दाऊद का भजन; जब वह यहूदा के जंगल में था। हे परमेश्वर, तू मेरा परमेश्वर है, मैं तुझे यत्न से ढूँढ़गा; सूखी और निर्जल ऊसर भूमि पर, मेरा मन तेरा प्यासा है, मेरा शरीर तेरा अति अभिलाषी है।

Psalms 63:2

² इस प्रकार से मैंने पवित्रस्थान में तुझ पर दृष्टि की, कि तेरी सामर्थ्य और महिमा को देखूँ।

Psalms 63:3

³ क्योंकि तेरी करुणा जीवन से भी उत्तम है, मैं तेरी प्रशंसा करूँगा।

Psalms 63:4

⁴ इसी प्रकार मैं जीवन भर तुझे धन्य कहता रहूँगा; और तेरा नाम लेकर अपने हाथ उठाऊँगा।

Psalms 63:5

⁵ मेरा जीव मानो चर्बी और चिकने भोजन से तृप्त होगा, और मैं जयजयकार करके तेरी स्तुति करूँगा।

Psalms 63:6

⁶ जब मैं बिछौने पर पड़ा तेरा स्मरण करूँगा, तब रात के एक-एक पहर में तुझ पर ध्यान करूँगा;

Psalms 63:7

⁷ क्योंकि तू मेरा सहायक बना है, इसलिए मैं तेरे पंखों की छाया में जयजयकार करूँगा।

Psalms 63:8

⁸ मेरा मन तेरे पीछे-पीछे लगा चलता है, और मुझे तो तू अपने दाहिने हाथ से थाम रखता है।

Psalms 63:9

⁹ परन्तु जो मेरे प्राण के खोजी हैं, वे पृथ्वी के नीचे स्थानों में जा पड़ेंगे;

Psalms 63:10

¹⁰ वे तलवार से मारे जाएँगे, और गीदड़ों का आहार हो जाएँगे।

Psalms 63:11

¹¹ परन्तु राजा परमेश्वर के कारण आनन्दित होगा; जो कोई परमेश्वर की शापथ खाए, वह बड़ाई करने पाएगा; परन्तु झूठ बोलनेवालों का मुँह बन्द किया जाएगा।

Psalms 64:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन; हे परमेश्वर, जब मैं तेरी दुहाई टूँ, तब मेरी सुन, शत्रु के उपजाए हुए भय के समय मेरे प्राण की रक्षा कर।

Psalms 64:2

² कुकर्मियों की गोष्ठी से, और अनर्थकारियों के हुल्लड़ से मेरी आड़ हो।

Psalms 64:3

³ उन्होंने अपनी जीभ को तलवार के समान तेज किया है, और अपने कड़वे वचनों के तीरों को चढ़ाया है;

Psalms 64:4

⁴ ताकि छिपकर खरे मनुष्य को मारें; वे निडर होकर उसको अचानक मारते भी हैं।

Psalms 64:5

⁵ वे बुरे काम करने को हियाव बाँधते हैं; वे फंदे लगाने के विषय बातचीत करते हैं; और कहते हैं, “हमको कौन देखेगा?”

Psalms 64:6

⁶ वे कृटिलता की युक्ति निकालते हैं; और कहते हैं, “हमने पक्की युक्ति खोजकर निकाली है।” क्योंकि मनुष्य के मन और हृदय के विचार गहरे हैं।

Psalms 64:7

⁷ परन्तु परमेश्वर उन पर तीर चलाएगा; वे अचानक घायल हो जाएँगे।

Psalms 64:8

⁸ वे अपने ही वचनों के कारण ठोकर खाकर गिर पड़ेंगे; जितने उन पर दृष्टि करेंगे वे सब अपने-अपने सिर हिलाएँगे।

Psalms 64:9

⁹ तब सारे लोग डर जाएँगे; और परमेश्वर के कामों का बखान करेंगे, और उसके कार्यक्रम को भली भाँति समझेंगे।

Psalms 64:10

¹⁰ धर्मी तो यहोवा के कारण आनन्दित होकर उसका शरणागत होगा, और सब सीधे मनवाले बड़ाई करेंगे।

Psalms 65:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन, गीत; हे परमेश्वर, सियोन में स्तुति तेरी बाट जोहती है; और तेरे लिये मन्त्रों पूरी की जाएँगी।

Psalms 65:2

² हे प्रार्थना के सुननेवाले! सब प्राणी तेरे ही पास आएँगे।

Psalms 65:3

³ अधर्म के काम मुझ पर प्रबल हुए हैं; हमारे अपराधों को तू क्षमा करेगा।

Psalms 65:4

⁴ क्या ही धन्य है वह, जिसको तू चुनकर अपने समीप आने देता है, कि वह तेरे आँगनों में वास करे! हम तेरे भवन के, अर्थात् तेरे पवित्र मन्दिर के उत्तम-उत्तम पदार्थों से तृप्त होंगे।

Psalms 65:5

⁵ हे हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर, हे पृथ्वी के सब दूर-दूर देशों के और दूर के समुद्र पर के रहनेवालों के आधार, तू धार्मिकता से किए हुए अद्भुत कार्यों द्वारा हमें उत्तर देगा;

Psalms 65:6

⁶ तू जो पराक्रम का फेंटा कसे हुए, अपनी सामर्थ्य के पर्वतों को स्थिर करता है;

Psalms 65:7

⁷ तू जो समुद्र का महाशब्द, उसकी तरंगों का महाशब्द, और देश-देश के लोगों का कोलाहल शान्त करता है;

Psalms 65:8

⁸ इसलिए दूर-दूर देशों के रहनेवाले तेरे चिन्ह देखकर डर गए हैं; तू उदयाचल और अस्ताचल दोनों से जयजयकार करता है।

Psalms 65:9

⁹ तू भूमि की सुधि लेकर उसको सींचता है, तू उसको बहुत फलदायक करता है; परमेश्वर की नदी जल से भरी रहती है; तू पृथ्वी को तैयार करके मनुष्यों के लिये अन्न को तैयार करता है।

Psalms 65:10

¹⁰ तू रेघारियों को भली भाँति सींचता है, और उनके बीच की मिट्टी को बैठाता है, तू भूमि को मेंह से नरम करता है, और उसकी उपज पर आशीष देता है।

Psalms 65:11

¹¹ तेरी भलाइयों से, तू वर्ष को मुकुट पहनता है; तेरे मार्गों में उत्तम-उत्तम पदार्थ पाए जाते हैं।

Psalms 65:12

¹² वे जंगल की चराइयों में हरियाली फूट पड़ती हैं; और पहाड़ियाँ हर्ष का फेंटा बाँधे हुए हैं।

Psalms 65:13

¹³ चराइयाँ भेड़-बकरियों से भरी हुई हैं; और तराइयाँ अन्न से ढँपी हुई हैं, वे जयजयकार करती और गाती भी हैं।

Psalms 66:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये गीत, भजन; हे सारी पृथ्वी के लोगों, परमेश्वर के लिये जयजयकार करो;

Psalms 66:2

² उसके नाम की महिमा का भजन गाओ; उसकी स्तुति करते हुए, उसकी महिमा करो।

Psalms 66:3

³ परमेश्वर से कहो, “तेरे काम कितने भयानक हैं! तेरी महासामर्थ्य के कारण तेरे शत्रु तेरी चापलूसी करेंगे।

Psalms 66:4

⁴ सारी पृथ्वी के लोग तुझे दण्डवत् करेंगे, और तेरा भजन गाएँगे; वे तेरे नाम का भजन गाएँगे।" (सेला)

Psalms 66:5

⁵ आओ परमेश्वर के कामों को देखो; वह अपने कार्यों के कारण मनुष्यों को भययोग्य देख पड़ता है।

Psalms 66:6

⁶ उसने समुद्र को सुखी भूमि कर डाला; वे महानद में से पाँव-पाँव पार उतरे। वहाँ हम उसके कारण आनन्दित हुए,

Psalms 66:7

⁷ जो अपने पराक्रम से सर्वदा प्रभुता करता है, और अपनी आँखों से जाति-जाति को ताकता है। विद्रोही अपने सिर न उठाए। (सेला)

Psalms 66:8

⁸ हे देश-देश के लोगों, हमारे परमेश्वर को धन्य कहो, और उसकी स्तुति में राग उठाओ,

Psalms 66:9

⁹ जो हमको जीवित रखता है; और हमारे पाँव को टलने नहीं देता।

Psalms 66:10

¹⁰ क्योंकि हे परमेश्वर तूने हमको जाँचा; तूने हमें चाँदी के समान ताया था।

Psalms 66:11

¹¹ तूने हमको जाल में फँसाया; और हमारी कमर पर भारी बोझ बाँधा था;

Psalms 66:12

¹² तूने घुड़चढ़ों को हमारे सिरों के ऊपर से चलाया, हम आग और जल से होकर गए; परन्तु तूने हमको उबार के सुख से भर दिया है।

Psalms 66:13

¹³ मैं होमबलि लेकर तेरे भवन में आऊँगा मैं उन मन्त्रों को तेरे लिये पूरी करूँगा,

Psalms 66:14

¹⁴ जो मैंने मुँह खोलकर मानीं, और संकट के समय कही थीं।

Psalms 66:15

¹⁵ मैं तुझे मोटे पशुओं की होमबलि, मेढ़ों की चर्बी की धूप समेत चढ़ाऊँगा; मैं बकरों समेत बैल चढ़ाऊँगा। (सेला)

Psalms 66:16

¹⁶ हे परमेश्वर के सब डरवैयों, आकर सुनो, मैं बताऊँगा कि उसने मेरे लिये क्या-क्या किया है।

Psalms 66:17

¹⁷ मैंने उसको पुकारा, और उसी का गुणानुवाद मुझसे हुआ।

Psalms 66:18

¹⁸ यदि मैं मन में अनर्थ की बात सोचता, तो प्रभु मेरी न सुनता।

Psalms 66:19

¹⁹ परन्तु परमेश्वर ने तो सुना है; उसने मेरी प्रार्थना की ओर ध्यान दिया है।

Psalms 66:20

²⁰ धन्य है परमेश्वर, जिसने न तो मेरी प्रार्थना अनसुनी की, और न मुझसे अपनी करुणा दूर कर दी है!

Psalms 67:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये तारवाले बाजों के साथ भजन, गीत; परमेश्वर हम पर अनुग्रह करे और हमको आशीष दे; वह हम पर अपने मुख का प्रकाश चमकाए, (सेला)

Psalms 67:2

² जिससे तेरी गति पृथ्वी पर, और तेरा किया हुआ उद्धार सारी जातियों में जाना जाए।

Psalms 67:3

³ हे परमेश्वर, देश-देश के लोग तेरा धन्यवाद करें; देश-देश के सब लोग तेरा धन्यवाद करें।

Psalms 67:4

⁴ राज्य-राज्य के लोग आनन्द करें, और जयजयकार करें, क्योंकि तू देश-देश के लोगों का न्याय धर्म से करेगा, और पृथ्वी के राज्य-राज्य के लोगों की अगुआई करेगा। (सेला)

Psalms 67:5

⁵ हे परमेश्वर, देश-देश के लोग तेरा धन्यवाद करें; देश-देश के सब लोग तेरा धन्यवाद करें।

Psalms 67:6

⁶ भूमि ने अपनी उपज दी है, परमेश्वर जो हमारा परमेश्वर है, उसने हमें आशीष दी है।

Psalms 67:7

⁷ परमेश्वर हमको आशीष देगा; और पृथ्वी के दूर-दूर देशों के सब लोग उसका भय मानेंगे।

Psalms 68:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन, गीत; परमेश्वर उठे, उसके शत्रु तितर-बितर हों; और उसके बैरी उसके सामने से भाग जाएँ।

Psalms 68:2

² जैसे धूआँ उड़ जाता है, वैसे ही तू उनको उड़ा दे; जैसे मोम आग की आँच से पिघल जाता है, वैसे ही दुष्ट लोग परमेश्वर की उपस्थिति से नाश हों।

Psalms 68:3

³ परन्तु धर्मी आनन्दित हों; वे परमेश्वर के सामने प्रफुल्लित हों; वे आनन्द में मग्न हों।

Psalms 68:4

⁴ परमेश्वर का गीत गाओ, उसके नाम का भजन गाओ; जो निर्जल देशों में सवार होकर चलता है, उसके लिये सड़क बनाओ; उसका नाम यहोवा है, इसलिए तुम उसके सामने प्रफुल्लित हो!

Psalms 68:5

⁵ परमेश्वर अपने पवित्र धाम में, अनाथों का पिता और विधवाओं का न्यायी है।

Psalms 68:6

⁶ परमेश्वर अनाथों का घर बसाता है; और बन्दियों को छुड़ाकर सम्पत्र करता है; परन्तु विद्रोहियों को सूखी भूमि पर रहना पड़ता है।

Psalms 68:7

⁷ हे परमेश्वर, जब तू अपनी प्रजा के आगे-आगे चलता था, जब तू निर्जल भूमि में सेना समेत चला, (सेला)

Psalms 68:8

⁸ तब पृथ्वी काँप उठी, और आकाश भी परमेश्वर के सामने टपकने लगा, उधर सीनै पर्वत परमेश्वर, हाँ इस्त्राएल के परमेश्वर के सामने काँप उठा।

Psalms 68:9

⁹ हे परमेश्वर, तूने बहुतायत की वर्षा की; तेरा निज भाग तो बहुत सूखा था, परन्तु तूने उसको हरा भरा किया है;

Psalms 68:10

¹⁰ तेरा झुण्ड उसमें बसने लगा; हे परमेश्वर तूने अपनी भलाई से दीन जन के लिये तैयारी की है।

Psalms 68:11

¹¹ प्रभु आज्ञा देता है, तब शुभ समाचार सुनानेवालियों की बड़ी सेना हो जाती है।

Psalms 68:12

¹² अपनी-अपनी सेना समेत राजा भागे चले जाते हैं, और गृहस्थिन लूट को बाँट लेती है।

Psalms 68:13

¹³ क्या तुम भेड़शालाओं के बीच लेट जाओगे? और ऐसी कबूतरी के समान होंगे जिसके पंख चाँदी से और जिसके पर पीले सोने से मढ़े हुए हों?

Psalms 68:14

¹⁴ जब सर्वशक्तिमान ने उसमें राजाओं को तितर-बितर किया, तब मानो सल्मोन पर्वत पर हिम पड़ा।

Psalms 68:15

¹⁵ बाशान का पहाड़ परमेश्वर का पहाड़ है, बाशान का पहाड़ बहुत शिखरवाला पहाड़ है।

Psalms 68:16

¹⁶ परन्तु हे शिखरवाले पहाड़ों, तुम क्यों उस पर्वत को घूरते हो, जिसे परमेश्वर ने अपने वास के लिये चाहा है, और जहाँ यहोवा सदा वास किए रहेगा?

Psalms 68:17

¹⁷ परमेश्वर के रथ बीस हजार, वरन् हजारों हजार हैं; प्रभु उनके बीच में है, जैसे वह सीनै पवित्रस्थान में है।

Psalms 68:18

¹⁸ तू ऊँचे पर चढ़ा, तू लोगों को बँधुवाई में ले गया; तूने मनुष्यों से, वरन् हठीले मनुष्यों से भी भेंटें लीं, जिससे यहोवा परमेश्वर उनमें वास करे।

Psalms 68:19

¹⁹ धन्य है प्रभु, जो प्रतिदिन हमारा बोझ उठाता है; वही हमारा उद्धारकर्ता परमेश्वर है। (सेला)

Psalms 68:20

²⁰ वही हमारे लिये बचानेवाला परमेश्वर ठहरा; यहोवा प्रभु मृत्यु से भी बचाता है।

Psalms 68:21

²¹ निश्चय परमेश्वर अपने शत्रुओं के सिर पर, और जो अधर्म के मार्ग पर चलता रहता है, उसका बाल भरी खोपड़ी पर मार-मार के उसे चूर करेगा।

Psalms 68:22

²² प्रभु ने कहा है, “मैं उन्हें बाशान से निकाल लाऊँगा, मैं उनको गहरे सागर के तल से भी फेर ले आऊँगा,

Psalms 68:23

²³ कि तू अपने पाँव को लहू में डुबोए, और तेरे शत्रु तेरे कुत्तों का भाग ठहरै।”

Psalms 68:24

²⁴ हे परमेश्वर तेरी शोभा-यात्राएँ देखी गई, मेरे परमेश्वर और राजा की शोभा यात्रा पवित्रस्थान में जाते हुए देखी गई।

Psalms 68:25

²⁵ गानेवाले आगे-आगे और तारवाले बाजों के बजानेवाले पीछे-पीछे गए, चारों ओर कुमारियाँ डफ बजाती थीं।

Psalms 68:26

²⁶ सभाओं में परमेश्वर का, हे इसाएल के सोते से निकले हुए लोगों, प्रभु का धन्यवाद करो।

Psalms 68:27

²⁷ पहला बिन्यामीन जो सबसे छोटा गोत्र है, फिर यहूदा के हाकिम और उनकी सभा और जबूलून और नप्ताली के हाकिम हैं।

Psalms 68:28

²⁸ तेरे परमेश्वर ने तेरी सामर्थ्य को बनाया है, हे परमेश्वर, अपनी सामर्थ्य को हम पर प्रगट कर, जैसा तूने पहले प्रगट किया है।

Psalms 68:29

²⁹ तेरे मन्दिर के कारण जो यरूशलेम में है, राजा तेरे लिये भेटे ले आएँगे।

Psalms 68:30

³⁰ नरकटों में रहनेवाले जंगली पशुओं को, सांडों के झुण्ड को और देश-देश के बछड़ों को दिशुद्धक दे। वे चाँदी के टुकड़े लिये हुए प्रणाम करेंगे; जो लोगे युद्ध से प्रसन्न रहते हैं, उनको उसने तितर-बितर किया है।

Psalms 68:31

³¹ मिस्र से अधिकारी आएँगे; कूशी अपने हाथों को परमेश्वर की ओर फुर्ती से फैलाएँगे।

Psalms 68:32

³² हे पृथ्वी पर के राज्य-राज्य के लोगों परमेश्वर का गीत गाओ; प्रभु का भजन गाओ, (सेला)

Psalms 68:33

³³ जो सबसे ऊँचे सनातन स्वर्ग में सवार होकर चलता है; देखो वह अपनी वाणी सुनाता है, वह गम्भीर वाणी शक्तिशाली है।

Psalms 68:34

³⁴ परमेश्वर की सामर्थ्य की स्तुति करो, उसका प्रताप इसाएल पर छाया हुआ है, और उसकी सामर्थ्य आकाशमण्डल में है।

Psalms 68:35

³⁵ हे परमेश्वर, तू अपने पवित्रस्थानों में भययोग्य है, इसाएल का परमेश्वर ही अपनी प्रजा को सामर्थ्य और शक्ति का देनेवाला है। परमेश्वर धन्य है।

Psalms 69:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये शोशन्नीम राग में दाऊद का गीत; हे परमेश्वर, मेरा उद्धार कर, मैं जल में झूबा जाता हूँ।

Psalms 69:2

² मैं बड़े दलदल में धूँसा जाता हूँ, और मेरे पैर कहीं नहीं रुकते; मैं गहरे जल में आ गया, और धारा में झूबा जाता हूँ।

Psalms 69:3

³ मैं पुकारते-पुकारते थक गया, मेरा गला सूख गया है; अपने परमेश्वर की बाट जोहते-जोहते, मेरी आँखें धूँधली पड़ गई हैं।

Psalms 69:4

⁴ जो अकारण मेरे बैरी हैं, वे गिनती में मेरे सिर के बालों से अधिक हैं; मेरे विनाश करनेवाले जो व्यर्थ मेरे शत्रु हैं, वे सामर्थ्य हैं, इसलिए जो मैंने लूटा नहीं वह भी मुझ को देना पड़ा।

Psalms 69:5

⁵ हे परमेश्वर, तू तो मेरी मूर्खता को जानता है, और मेरे दोष तुझ से छिपे नहीं हैं।

Psalms 69:6

⁶ हे प्रभु, हे सेनाओं के यहोवा, जो तेरी बाट जोहते हैं, वे मेरे कारण लज्जित न हो; हे इस्राएल के परमेश्वर, जो तुझे दूँढ़ते हैं, वह मेरे कारण अपमानित न हो।

Psalms 69:7

⁷ तेरे ही कारण मेरी निन्दा हुई है, और मेरा मुँह लज्जा से ढँपा है।

Psalms 69:8

⁸ मैं अपने भाइयों के सामने अजनबी हुआ, और अपने सगे भाइयों की वृष्टि में परदेशी ठहरा हूँ।

Psalms 69:9

⁹ क्योंकि मैं तेरे भवन के निमित्त जलते-जलते भस्म हुआ, और जो निन्दा वे तेरी करते हैं, वही निन्दा मुझ को सहनी पड़ी है।

Psalms 69:10

¹⁰ जब मैं रोकर और उपवास करके दुःख उठाता था, तब उससे भी मेरी नामधराई ही हुई।

Psalms 69:11

¹¹ जब मैं टाट का वस्त्र पहने था, तब मेरा वृष्णान्त उनमें चलता था।

Psalms 69:12

¹² फाटक के पास बैठनेवाले मेरे विषय बातचीत करते हैं, और मंदिरा पीनेवाले मुझ पर लगता हुआ गीत गाते हैं।

Psalms 69:13

¹³ परन्तु हे यहोवा, मेरी प्रार्थना तो तेरी प्रसन्नता के समय में हो रही है; हे परमेश्वर अपनी करुणा की बहुतायात से, और बचाने की अपनी सच्ची प्रतिज्ञा के अनुसार मेरी सुन ले।

Psalms 69:14

¹⁴ मुझ को दलदल में से उबार, कि मैं धँस न जाऊँ; मैं अपने बैरियों से, और गहरे जल में से बच जाऊँ।

Psalms 69:15

¹⁵ मैं धारा में झूब न जाऊँ, और न मैं गहरे जल में झूब मरूँ, और न पाताल का मुँह मेरे ऊपर बन्द हो।

Psalms 69:16

¹⁶ हे यहोवा, मेरी सुन ले, क्योंकि तेरी करुणा उत्तम है; अपनी दया की बहुतायात के अनुसार मेरी ओर ध्यान दे।

Psalms 69:17

¹⁷ अपने दास से अपना मुँह न मोड़; क्योंकि मैं संकट में हूँ, फुर्ती से मेरी सुन लौ।

Psalms 69:18

¹⁸ मेरे निकट आकर मुझे छुड़ा ले, मेरे शत्रुओं से मुझ को छुटकारा दे।

Psalms 69:19

¹⁹ मेरी नामधराई और लज्जा और अनादर को तू जानता है: मेरे सब द्वोही तेरे सामने हैं।

Psalms 69:20

²⁰ मेरा हृदय नामधराई के कारण फट गया, और मैं बहुत उदास हूँ। मैंने किसी तरस खानेवाले की आशा तो की, परन्तु किसी को न पाया, और शान्ति देनेवाले दूँढ़ता तो रहा, परन्तु कोई न मिला।

Psalms 69:21

²¹ लोगों ने मेरे खाने के लिये विष दिया, और मेरी प्यास बुझाने के लिये मुझे सिरका पिलाया।

Psalms 69:22

²² उनका भोजन उनके लिये फंदा हो जाए; और उनके सुख के समय जाल बन जाए।

Psalms 69:23

²³ उनकी आँखों पर अंधेरा छा जाए, ताकि वे देखन सकें; और तू उनकी कमर को निरन्तर कँपाता रह।

Psalms 69:24

²⁴ उनके ऊपर अपना रोष भड़का, और तेरे क्रोध की आँच उनको लगे।

Psalms 69:25

²⁵ उनकी छावनी उजड़ जाए, उनके डेरों में कोई न रहे।

Psalms 69:26

²⁶ क्योंकि जिसको तूने मारा, वे उसके पीछे पड़े हैं, और जिनको तूने घायल किया, वे उनकी पीड़ा की चर्चा करते हैं।

Psalms 69:27

²⁷ उनके अधर्म पर अधर्म बढ़ा; और वे तेरे धर्म को प्राप्त न करें।

Psalms 69:28

²⁸ उनका नाम जीवन की पुस्तक में से काटा जाए, और धर्मियों के संग लिखा न जाए।

Psalms 69:29

²⁹ परन्तु मैं तो दुःखी और पीड़ित हूँ, इसलिए हे परमेश्वर, तू मेरा उद्धार करके मुझे ऊँचे स्थान पर बैठा।

Psalms 69:30

³⁰ मैं गीत गाकर तेरे नाम की स्तुति करूँगा, और धन्यवाद करता हुआ तेरी बड़ाई करूँगा।

Psalms 69:31

³¹ यह यहोवा को बैल से अधिक, वरन् सींग और खुरवाले बैल से भी अधिक भाएगा।

Psalms 69:32

³² नम्र लोग इसे देखकर आनन्दित होंगे, हे परमेश्वर के खोजियों, तुम्हारा मन हरा हो जाए।

Psalms 69:33

³³ क्योंकि यहोवा दरिद्रों की ओर कान लगाता है, और अपने लोगों को जो बन्दी हैं तुच्छ नहीं जानता।

Psalms 69:34

³⁴ स्वर्ग और पृथ्वी उसकी स्तुति करें, और समुद्र अपने सब जीवजन्तुओं समेत उसकी स्तुति करें।

Psalms 69:35

³⁵ क्योंकि परमेश्वर सियोन का उद्धार करेगा, और यहूदा के नगरों को फिर बसाएगा; और लोग फिर वहाँ बसकर उसके अधिकारी हो जाएँगे।

Psalms 69:36

³⁶ उसके दासों का वंश उसको अपने भाग में पाएगा, और उसके नाम के प्रेमी उसमें वास करेंगे।

Psalms 70:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये: स्मरण कराने के लिये दाऊद का भजन; हे परमेश्वर, मुझे छुड़ाने के लिये, हे यहोवा, मेरी सहायता करने के लिये फुर्ती कर!

Psalms 70:2

² जो मेरे प्राण के खोजी हैं, वे लज्जित और अपमानित हो जाए! जो मेरी हानि से प्रसन्न होते हैं, वे पीछे हटाए और निरादर किए जाएँ।

Psalms 70:3

³ जो कहते हैं, “आहा, आहा!” वे अपनी लज्जा के मारे उलटे फेरे जाएँ।

Psalms 70:4

⁴ जितने तुझे ढूँढ़ते हैं, वे सब तेरे कारण हर्षित और आनन्दित हों! और जो तेरा उद्धार चाहते हैं, वे निरन्तर कहते रहें, “परमेश्वर की बड़ाई हो!”

Psalms 70:5

⁵ मैं तो दीन और दरिद्र हूँ; हे परमेश्वर मेरे लिये फुर्ती कर! तू मेरा सहायक और छुड़ानेवाला है; हे यहोवा विलम्ब न कर!

Psalms 71:1

¹ हे यहोवा, मैं तेरा शरणागत हूँ; मुझे लज्जित न होने दे।

Psalms 71:2

² तू तो धर्मी है, मुझे छुड़ा और मेरा उद्धार कर; मेरी ओर कान लगा, और मेरा उद्धार कर।

Psalms 71:3

³ मेरे लिये सनातन काल की चट्टान का धाम बन, जिसमें मैं नित्य जा सकूँ; तूने मेरे उद्धार की आज्ञा तो दी है, क्योंकि तू मेरी चट्टान और मेरा गढ़ ठहरा है।

Psalms 71:4

⁴ हे मेरे परमेश्वर, दुष्ट के और कुटिल और कूर मनुष्य के हाथ से मेरी रक्षा कर।

Psalms 71:5

⁵ क्योंकि हे प्रभु यहोवा, मैं तेरी ही बाट जोहता आया हूँ; बचपन से मेरा आधार तू है।

Psalms 71:6

⁶ मैं गर्भ से निकलते ही, तेरे द्वारा सम्भाला गया; मुझे माँ की कोख से तू ही ने निकाला; इसलिए मैं नित्य तेरी स्तुति करता रहूँगा।

Psalms 71:7

⁷ मैं बहुतों के लिये चमत्कार बना हूँ; परन्तु तू मेरा वड़ शरणस्थान है।

Psalms 71:8

⁸ मेरे मुँह से तेरे गुणानुवाद, और दिन भर तेरी शोभा का वर्णन बहुत हुआ करे।

Psalms 71:9

⁹ बुढ़ापे के समय मेरा त्याग न कर; जब मेरा बल घटे तब मुझ को छोड़ न दे।

Psalms 71:10

¹⁰ क्योंकि मेरे शत्रु मेरे विषय बातें करते हैं, और जो मेरे प्राण की ताक में हैं, वे आपस में यह सम्मति करते हैं कि

Psalms 71:11

¹¹ परमेश्वर ने उसको छोड़ दिया है; उसका पीछा करके उसे पकड़ लो, क्योंकि उसका कोई छुड़ानेवाला नहीं।

Psalms 71:12

¹² हे परमेश्वर, मुझसे दूर न रह, हे मेरे परमेश्वर, मेरी सहायता के लिये फुर्ती कर!

Psalms 71:13

¹³ जो मेरे प्राण के विरोधी हैं, वे लज्जित हो और उनका अन्त हो जाए; जो मेरी हानि के अभिलाषी हैं, वे नामधाराई और अनादर में गड़ जाएँ।

Psalms 71:14

¹⁴ मैं तो निरन्तर आशा लगाए रहूँगा, और तेरी स्तुति अधिकाधिक करता जाऊँगा।

Psalms 71:15

¹⁵ मैं अपने मुँह से तेरी धार्मिकता का, और तेरे किए हुए उद्घार का वर्णन दिन भर करता रहूँगा, क्योंकि उनका पूरा ब्योरा मेरी समझ से परे है।

Psalms 71:16

¹⁶ मैं प्रभु यहोवा के पराक्रम के कामों का वर्णन करता हुआ आऊँगा, मैं केवल तेरी ही धार्मिकता की चर्चा किया करूँगा।

Psalms 71:17

¹⁷ हे परमेश्वर, तू तो मुझ को बचपन ही से सिखाता आया है, और अब तक मैं तेरे आश्वर्यकर्मों का प्रचार करता आया हूँ।

Psalms 71:18

¹⁸ इसलिए हे परमेश्वर जब मैं बूढ़ा हो जाऊँ और मेरे बाल पक जाएँ, तब भी तू मुझे न छोड़, जब तक मैं आनेवाली पीढ़ी के लोगों को तेरा बाहुबल और सब उत्पन्न होनेवालों को तेरा पराक्रम सुनाऊँ।

Psalms 71:19

¹⁹ हे परमेश्वर, तेरी धार्मिकता अति महान है। तू जिसने महाकार्य किए हैं, हे परमेश्वर तेरे तुल्य कौन है?

Psalms 71:20

²⁰ तूने तो हमको बहुत से कठिन कष्ट दिखाए हैं परन्तु अब तू फिर से हमको जिलाएगा; और पृथ्वी के गहरे गड्ढे में से उबार लेगा।

Psalms 71:21

²¹ तू मेरे सम्मान को बढ़ाएगा, और फिरकर मुझे शान्ति देगा।

Psalms 71:22

²² हे मेरे परमेश्वर, मैं भी तेरी सच्चाई का धन्यवाद सारंगी बजाकर गाऊँगा; हे इस्राएल के पवित्र मैं वीणा बजाकर तेरा भजन गाऊँगा।

Psalms 71:23

²³ जब मैं तेरा भजन गाऊँगा, तब अपने मुँह से और अपने प्राण से भी जो तूने बचा लिया है, जयजयकार करूँगा।

Psalms 71:24

²⁴ और मैं तेरे धार्मिकता की चर्चा दिन भर करता रहूँगा; क्योंकि जो मेरी हानि के अभिलाषी थे, वे लज्जित और अपमानित हुए।

Psalms 72:1

¹ सुलैमान का गीत; हे परमेश्वर, राजा को अपना नियम बता, राजपुत्र को अपनी धार्मिकता सिखाला!

Psalms 72:2

² वह तेरी प्रजा का न्याय धार्मिकता से, और तेरे दीन लोगों का न्याय ठीक-ठीक चुकाएगा।

Psalms 72:3

³ पहाड़ों और पहाड़ियों से प्रजा के लिये, धार्मिकता के द्वारा शान्ति मिला करेगी

Psalms 72:4

⁴ वह प्रजा के दीन लोगों का न्याय करेगा, और दरिद्र लोगों को बचाएगा; और अत्याचार करनेवालों को चूर करेगा।

Psalms 72:5

⁵ जब तक सूर्य और चन्द्रमा बने रहेंगे तब तक लोग पीढ़ी-पीढ़ी तेरा भय मानते रहेंगे।

Psalms 72:6

⁶ वह घास की खूँटी पर बरसने वाले मेंह, और भूमि सींचने वाली झड़ियों के समान होगा।

Psalms 72:7

⁷ उसके दिनों में धर्मी फूले फलेंगे, और जब तक चन्द्रमा बना रहेगा, तब तक शान्ति बहुत रहेगी।

Psalms 72:8

⁸ वह समुद्र से समुद्र तक और महानद से पृथ्वी की छोर तक प्रभुता करेगा।

Psalms 72:9

⁹ उसके सामने जंगल के रहनेवाले घुटने टेकेंगे, और उसके शत्रु मिट्टी चाटेंगे।

Psalms 72:10

¹⁰ तर्शीश और द्वीप-द्वीप के राजा भेट ले आएँगे, शेबा और सबा दोनों के राजा उपहार पहुँचाएंगे।

Psalms 72:11

¹¹ सब राजा उसको दण्डवत् करेंगे, जाति-जाति के लोग उसके अधीन हो जाएँगे।

Psalms 72:12

¹² क्योंकि वह दुहाई देनेवाले दरिद्र का, और दुःखी और असहाय मनुष्य का उद्धार करेगा।

Psalms 72:13

¹³ वह कंगाल और दरिद्र पर तरस खाएगा, और दरिद्रों के प्राणों को बचाएगा।

Psalms 72:14

¹⁴ वह उनके प्राणों को अत्याचार और उपद्रव से छुड़ा लेगा; और उनका लहू उसकी दृष्टि में अनमोल ठहरेगा।

Psalms 72:15

¹⁵ वह तो जीवित रहेगा और शेबा के सोने में से उसको दिया जाएगा। लोग उसके लिये नित्य प्रार्थना करेंगे; और दिन भर उसको धन्य कहते रहेंगे।

Psalms 72:16

¹⁶ देश में पहाड़ों की चोटियों पर बहुत सा अन्न होगा; जिसकी बालें लबानोन के देवदारों के समान झूमेंगी; और नगर के लोग घास के समान लहलहाएँगे।

Psalms 72:17

¹⁷ उसका नाम सदा सर्वदा बना रहेगा; जब तक सूर्य बना रहेगा, तब तक उसका नाम नित्य नाया होता रहेगा, और लोग अपने को उसके कारण धन्य गिनेंगे, सारी जातियाँ उसको धन्य कहेंगी।

Psalms 72:18

¹⁸ धन्य है यहोवा परमेश्वर, जो इस्माइल का परमेश्वर है; आश्वर्यकर्म केवल वही करता है।

Psalms 72:19

¹⁹ उसका महिमायुक्त नाम सर्वदा धन्य रहेगा; और सारी पृथ्वी उसकी महिमा से परिपूर्ण होगी। आमीन फिर आमीन।

Psalms 72:20

²⁰ यिशै के पुत्र दाऊद की प्रार्थना समाप्त हुई।

Psalms 73:1

¹ आसाप का भजन; सचमुच इस्माइल के लिये अर्थात् शुद्ध मनवालों के लिये परमेश्वर भला है।

Psalms 73:2

² मेरे डग तो उखड़ना चाहते थे, मेरे डग फिसलने ही पर थे।

Psalms 73:3

³ क्योंकि जब मैं दुष्टों का कुशल देखता था, तब उन घमण्डियों के विषय डाह करता था।

Psalms 73:4

⁴ क्योंकि उनकी मृत्यु में वेदनाएँ नहीं होतीं, परन्तु उनका बल अदूर रहता है।

Psalms 73:5

⁵ उनको दूसरे मनुष्यों के समान कष्ट नहीं होता; और अन्य मनुष्यों के समान उन पर विपत्ति नहीं पड़ती।

Psalms 73:6

⁶ इस कारण अहंकार उनके गले का हार बना है; उनका ओढ़ना उपद्रव है।

Psalms 73:7

⁷ उनकी आँखें चर्बी से झलकती हैं, उनके मन की भावनाएँ उमड़ती हैं।

Psalms 73:8

⁸ वे ठट्ठा मारते हैं, और दुष्टता से हिंसा की बात बोलते हैं; वे डींग मारते हैं।

Psalms 73:9

⁹ वे मानो स्वर्ग में बैठे हुए बोलते हैं, और वे पृथ्वी में बोलते फिरते हैं।

Psalms 73:10

¹⁰ इसलिए उसकी प्रजा इधर लौट आएगी, और उनको भरे हुए प्याले का जल मिलेगा।

Psalms 73:11

¹¹ फिर वे कहते हैं, “परमेश्वर कैसे जानता है? क्या परमप्रधान को कुछ ज्ञान है?”

Psalms 73:12

¹² देखो, ये तो दुष्ट लोग हैं; तो भी सदा आराम से रहकर, धन-सम्पत्ति बटोरते रहते हैं।

Psalms 73:13

¹³ निश्चय, मैंने अपने हृदय को व्यर्थ शुद्ध किया और अपने हाथों को निर्दोषता में धोया है;

Psalms 73:14

¹⁴ क्योंकि मैं दिन भर मार खाता आया हूँ और प्रति भोर को मेरी ताड़ना होती आई है।

Psalms 73:15

¹⁵ यदि मैंने कहा होता, “मैं ऐसा कहूँगा”, तो देख मैं तेरे सन्तानों की पीढ़ी के साथ छल करता।

Psalms 73:16

¹⁶ जब मैं सोचने लगा कि इसे मैं कैसे समझूँ, तो यह मेरी दृष्टि में अति कठिन समस्या थी,

Psalms 73:17

¹⁷ जब तक कि मैंने परमेश्वर के पवित्रस्थान में जाकर उन लोगों के परिणाम को न सोचा।

Psalms 73:18

¹⁸ निश्चय तू उन्हें फिसलनेवाले स्थानों में रखता है; और गिराकर सत्यानाश कर देता है।

Psalms 73:19

¹⁹ वे क्षण भर में कैसे उजड़ गए हैं! वे मिट गए, वे घबराते-घबराते नाश हो गए हैं।

Psalms 73:20

²⁰ जैसे जागनेवाला स्वप्न को तुच्छ जानता है, वैसे ही हे प्रभु जब तू उठेगा, तब उनको छाया सा समझकर तुच्छ जानेगा।

Psalms 73:21

²¹ मेरा मन तो कड़वा हो गया था, मेरा अन्तःकरण छिट गया था,

Psalms 73:22

²² मैं अबोध और नासमझ था, मैं तेरे सम्मुख मूर्ख पशु के समान था।

Psalms 73:23

²³ तो भी मैं निरन्तर तेरे संग ही था; तूने मेरे दाहिने हाथ को पकड़ रखा।

Psalms 73:24

²⁴ तू सम्मति देता हुआ, मेरी अगुआई करेगा, और तब मेरी महिमा करके मुझ को अपने पास रखेगा।

Psalms 73:25

²⁵ स्वर्ग में मेरा और कौन है? तेरे संग रहते हुए मैं पृथ्वी पर और कुछ नहीं चाहता।

Psalms 73:26

²⁶ मेरे हृदय और मन दोनों तो हार गए हैं, परन्तु परमेश्वर सर्वदा के लिये मेरा भाग और मेरे हृदय की चट्टान बना है।

Psalms 73:27

²⁷ जो तुझ से दूर रहते हैं वे तो नाश होंगे; जो कोई तेरे विरुद्ध व्यभिचार करता है, उसको तू विनाश करता है।

Psalms 73:28

²⁸ परन्तु परमेश्वर के समीप रहना, यही मेरे लिये भला है; मैंने प्रभु यहोवा को अपना शरणस्थान माना है, जिससे मैं तेरे सब कामों को वर्णन करूँ।

Psalms 74:1

¹ आसाप का मश्कील, हे परमेश्वर, तूने हमें क्यों सदा के लिये छोड़ दिया है? तेरी कोपाञ्चि का धुआँ तेरी चराई की भेड़ों के विरुद्ध क्यों उठ रहा है?

Psalms 74:2

² अपनी मण्डली को जिसे तूने प्राचीनकाल में मोल लिया था, और अपने निज भाग का गोत्र होने के लिये छुड़ा लिया था, और इस सिय्योन पर्वत को भी, जिस पर तूने वास किया था, स्मरण कर!

Psalms 74:3

³ अपने डग अनन्त खण्डहरों की ओर बढ़ा; अर्थात् उन सब बुराइयों की ओर जो शत्रु ने पवित्रस्थान में की हैं।

Psalms 74:4

⁴ तेरे द्वोही तेरे पवित्रस्थान के बीच गर्जते रहे हैं; उन्होंने अपनी ही ध्वजाओं को चिन्ह ठहराया है।

Psalms 74:5

⁵ वे उन मनुष्यों के समान थे जो घने वन के पेड़ों पर कुल्हाड़े चलाते हैं;

Psalms 74:6

⁶ और अब वे उस भवन की नक्काशी को, कुल्हाड़ियों और हथौड़ों से बिल्कुल तोड़े डालते हैं।

Psalms 74:7

⁷ उन्होंने तेरे पवित्रस्थान को आग में झोक दिया है, और तेरे नाम के निवास को गिराकर अशुद्ध कर डाला है।

Psalms 74:8

⁸ उन्होंने मन में कहा है, “हम इनको एकदम दबा दें।” उन्होंने इस देश में परमेश्वर के सब सभास्थानों को फूँक दिया है।

Psalms 74:9

⁹ हमको अब परमेश्वर के कोई अद्भुत चिन्ह दिखाई नहीं देते; अब कोई नबी नहीं रहा, न हमारे बीच कोई जानता है कि कब तक यह दशा रहेगी।

Psalms 74:10

¹⁰ हे परमेश्वर द्वोही कब तक नामधराई करता रहेगा? क्या शत्रु तेरे नाम की निन्दा सदा करता रहेगा?

Psalms 74:11

¹¹ तू अपना दाहिना हाथ क्यों रोके रहता है? उसे अपने पंजर से निकालकर उनका अन्त कर दे।

Psalms 74:12

¹² परमेश्वर तो प्राचीनकाल से मेरा राजा है, वह पृथ्वी पर उद्धार के काम करता आया है।

Psalms 74:13

¹³ तूने तो अपनी शक्ति से समुद्र को दो भागकर दिया; तूने तो समुद्री अजगरों के सिरों को फोड़ दिया।

Psalms 74:14

¹⁴ तूने तो लिव्यातान के सिरों को टुकड़े-टुकड़े करके जंगली जन्तुओं को खिला दिए।

Psalms 74:15

¹⁵ तूने तो सोता खोलकर जल की धारा बहाई, तूने तो बारहमासी नदियों को सूखा डाला।

Psalms 74:16

¹⁶ दिन तेरा है रात भी तेरी है; सूर्य और चन्द्रमा को तूने स्थिर किया है।

Psalms 74:17

¹⁷ तूने तो पृथ्वी की सब सीमाओं को ठहराया; धूपकाल और सर्दी दोनों तूने ठहराए हैं।

Psalms 74:18

¹⁸ हे यहोवा, स्मरण कर कि शत्रु ने नामधराई की है, और मूर्ख लोगों ने तेरे नाम की निन्दा की है।

Psalms 74:19

¹⁹ अपनी पिण्डुकी के प्राण को वन पशु के वश में न कर; अपने दीन जनों को सदा के लिये न भूल

Psalms 74:20

²⁰ अपनी वाचा की सुधि ले; क्योंकि देश के अंधेरे स्थान अत्याचार के घरों से भरपूर हैं।

Psalms 74:21

²¹ पिसे हुए जन को अपमानित होकर लौटना न पड़े; दीन और दरिद्र लोग तेरे नाम की स्तुति करने पाएँ।

Psalms 74:22

²² हे परमेश्वर, उठ, अपना मुकद्दमा आप ही लड़; तेरी जो नामधराई मूर्ख द्वारा दिन भर होती रहती है, उसे स्मरण कर।

Psalms 74:23

²³ अपने द्रोहियों का बड़ा बोल न भूल, तेरे विरोधियों का कोलाहल तो निरन्तर उठता रहता है।

Psalms 75:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये: अलतशहेत राग में आसाप का भजन। गीत। हे परमेश्वर हम तेरा धन्यवाद करते, हम तेरा नाम धन्यवाद करते हैं; क्योंकि तेरा नाम प्रगट हुआ है, तेरे आश्वर्यकर्मों का वर्णन हो रहा है।

Psalms 75:2

² जब ठीक समय आएगा तब मैं आप ही ठीक-ठीक न्याय करूँगा।

Psalms 75:3

³ जब पृथ्वी अपने सब रहनेवालों समेत डोल रही है, तब मैं ही उसके खम्भों को स्थिर करता हूँ। (सेला)

Psalms 75:4

⁴ मैंने घमण्डियों से कहा, “घमण्ड मत करो,” और दुष्टों से, “सींग ऊँचा मत करो;

Psalms 75:5

⁵ अपना सींग बहुत ऊँचा मत करो, न सिर उठाकर ढिठाई की बात बोलो।”

Psalms 75:6

⁶ क्योंकि बढ़ती न तो पूरब से न पश्चिम से, और न जंगल की ओर से आती है;

Psalms 75:7

⁷ परन्तु परमेश्वर ही न्यायी है, वह एक को घटाता और दूसरे को बढ़ाता है।

Psalms 75:8

⁸ यहोवा के हाथ में एक कटोरा है, जिसमें का दाखमधु झागवाला है; उसमें मसाला मिला है, और वह उसमें से उपडेलता है, निश्चय उसकी तलछट तक पृथ्वी के सब दुष्ट लोग पी जाएँगे।

Psalms 75:9

⁹ परन्तु मैं तो सदा प्रचार करता रहूँगा, मैं याकूब के परमेश्वर का भजन गाऊँगा।

Psalms 75:10

¹⁰ दुष्टों के सब सींगों को मैं काट डालूँगा, परन्तु धर्मों के सींग ऊँचे किए जाएँगे।

Psalms 76:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये: तारवाले बाजों के साथ, आसाप का भजन, गीत; परमेश्वर यहूदा में जाना गया है, उसका नाम इस्माइल में महान हुआ है।

Psalms 76:2

² और उसका मण्डप शालेम में, और उसका धाम सियोन में है।

Psalms 76:3

³ वहाँ उसने तीरों को, ढाल, तलवार को और युद्ध के अन्य हथियारों को तोड़ डाला। (सेला)

Psalms 76:4

⁴ हे परमेश्वर, तू तो ज्योतिर्मय है: तू अहेर से भरे हुए पहाड़ों से अधिक उत्तम और महान है।

Psalms 76:5

⁵ दृढ़ मनवाले लुट गए, और भारी नींद में पड़े हैं; और शूरवीरों में से किसी का हाथ न चला।

Psalms 76:6

⁶ हे याकूब के परमेश्वर, तेरी घुड़की से, रथों समेत घोड़े भारी नींद में पड़े हैं।

Psalms 76:7

⁷ केवल तू ही भययोग्य है; और जब तू क्रोध करने लगे, तब तेरे सामने कौन खड़ा रह सकेगा?

Psalms 76:8

⁸ तूने स्वर्ग से निर्णय सुनाया है; पृथ्वी उस समय सुनकर डर गई, और चुप रही,

Psalms 76:9

⁹ जब परमेश्वर न्याय करने को, और पृथ्वी के सब नम्र लोगों का उद्धार करने को उठा। (सेला)

Psalms 76:10

¹⁰ निश्चय मनुष्य की जलजलाहट तेरी स्तुति का कारण हो जाएगी, और जो जलजलाहट रह जाए, उसको तू रोकेगा।

Psalms 76:11

¹¹ अपने परमेश्वर यहोवा की मन्त्रत मानो, और पूरी भी करो; वह जो भय के योग्य है, उसके आस-पास के सब उसके लिये भेट ले आएँ।

Psalms 76:12

¹² वह तो प्रधानों का अभिमान मिटा देगा; वह पृथ्वी के राजाओं को भययोग्य जान पड़ता है।

Psalms 77:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये: यदूतून की राग पर, आसाप का भजन; मैं परमेश्वर की दुहाई चिल्ला चिल्लाकर दूँगा, मैं परमेश्वर की दुहाई दूँगा, और वह मेरी ओर कान लगाएगा।

Psalms 77:2

² संकट के दिन मैं प्रभु की खोज में लगा रहा; रात को मेरा हाथ फैला रहा, और ढीला नहुआ, मुझ में शान्ति आई ही नहीं।

Psalms 77:3

³ मैं परमेश्वर का स्मरण कर करके कराहता हूँ; मैं चिन्ता करते-करते मूर्छित हो चला हूँ। (सेला)

Psalms 77:4

⁴ तू मुझे इश्वरी लगने नहीं देता; मैं ऐसा घबराया हूँ कि मेरे मुँह से बात नहीं निकलती।

Psalms 77:5

⁵ मैंने प्राचीनकाल के दिनों को, और युग-युग के वर्षों को सोचा है।

Psalms 77:6

⁶ मैं रात के समय अपने गीत को स्मरण करता; और मन में ध्यान करता हूँ, और मन में भली भाँति विचार करता हूँ:

Psalms 77:7

⁷ “क्या प्रभु युग-युग के लिये मुझे छोड़ देगा; और फिर कभी प्रसन्न न होगा?

Psalms 77:8

⁸ क्या उसकी करुणा सदा के लिये जाती रही? क्या उसका वचन पीढ़ी-पीढ़ी के लिये निष्फल हो गया है?

Psalms 77:9

⁹ क्या परमेश्वर अनुग्रह करना भूल गया? क्या उसने क्रोध करके अपनी सब दया को रोक रखा है?” (सेला)

Psalms 77:10

¹⁰ मैंने कहा, “यह तो मेरा दुःख है, कि परमप्रधान का दाहिना हाथ बदल गया है।”

Psalms 77:11

¹¹ मैं यहोगा के बड़े कामों की चर्चा करूँगा; निश्चय मैं तेरे प्राचीनकालवाले अद्भुत कामों को स्मरण करूँगा।

Psalms 77:12

¹² मैं तेरे सब कामों पर ध्यान करूँगा, और तेरे बड़े कामों को सोचूँगा।

Psalms 77:13

¹³ हे परमेश्वर तेरी गति पवित्रता की है। कौन सा देवता परमेश्वर के तुल्य बड़ा है?

Psalms 77:14

¹⁴ अद्भुत काम करनेवाला परमेश्वर तू ही है, तूने देश-देश के लोगों पर अपनी शक्ति प्रगट की है।

Psalms 77:15

¹⁵ तूने अपने भुजबल से अपनी प्रजा, याकूब और यूसुफ के वंश को छुड़ा लिया है। (सेला)

Psalms 77:16

¹⁶ हे परमेश्वर, समुद्र ने तुझे देखा, समुद्र तुझे देखकर डर गया, गहरा सागर भी काँप उठा।

Psalms 77:17

¹⁷ मेघों से बड़ी वर्षा हुई; आकाश से शब्द हुआ; फिर तेरे तीर इधर-उधर चले।

Psalms 77:18

¹⁸ बवंडर में तेरे गरजने का शब्द सुन पड़ा था; जगत बिजली से प्रकाशित हुआ; पृथ्वी काँपी और हिल गई।

Psalms 77:19

¹⁹ तेरा मार्ग समुद्र में है, और तेरा रास्ता गहरे जल में हुआ; और तेरे पाँवों के चिन्ह मालूम नहीं होते।

Psalms 77:20

²⁰ तूने मूसा और हारून के द्वारा, अपनी प्रजा की अगुआई भेड़ों की सी की।

Psalms 78:1

¹ आसाप का मश्कील; हे मेरे लोगों, मेरी शिक्षा सुनो; मेरे वचनों की ओर कान लगाओ!

Psalms 78:2

² मैं अपना मुँह नीतिवचन कहने के लिये खोलूँगा; मैं प्राचीनकाल की गुप्त बातें कहूँगा,

Psalms 78:3

³ जिन बातों को हमने सुना, और जान लिया, और हमारे बापदादों ने हम से वर्णन किया है।

Psalms 78:4

⁴ उन्हें हम उनकी सन्तान से गुप्त न रखेंगे, परन्तु होनहार पीढ़ी के लोगों से, यहोगा का गुणानुवाद और उसकी सामर्थ्य और आश्वर्यकर्मों का वर्णन करेंगे।

Psalms 78:5

⁵ उसने तो याकूब में एक चितौनी ठहराई, और इसाएल में एक व्यवस्था चलाई, जिसके विषय उसने हमारे पितरों को आज्ञा दी, कि तुम इन्हें अपने-अपने बाल-बच्चों को बताना;

Psalms 78:6

⁶ कि आनेवाली पीढ़ी के लोग, अर्थात् जो बच्चे उत्पन्न होनेवाले हैं, वे इन्हें जानें; और अपने-अपने बाल-बच्चों से इनका बखान करने में उद्यत हों,

Psalms 78:7

⁷ जिससे वे परमेश्वर का भरोसा रखें, परमेश्वर के बड़े कामों को भूल न जाएँ, परन्तु उसकी आज्ञाओं का पालन करते रहें;

Psalms 78:8

⁸ और अपने पितरों के समान न हों, क्योंकि उस पीढ़ी के लोग तो हठीले और झगड़ालू थे, और उन्होंने अपना मन स्थिर न किया था, और न उनकी आत्मा परमेश्वर की ओर सच्ची रही।

Psalms 78:9

⁹ ऐप्रैमियों ने तो शस्त्रधारी और धनुर्धारी होने पर भी, युद्ध के समय पीठ दिखा दी।

Psalms 78:10

¹⁰ उन्होंने परमेश्वर की वाचा पूरी नहीं की, और उसकी व्यवस्था पर चलने से इन्कार किया।

Psalms 78:11

¹¹ उन्होंने उसके बड़े कामों को और जो आश्वर्यकर्म उसने उनके सामने किए थे, उनको भुला दिया।

Psalms 78:12

¹² उसने तो उनके बापदादों के सम्मुख मिस्र देश के सोअन के मैदान में अद्भुत कर्म किए थे।

Psalms 78:13

¹³ उसने समुद्र को दो भाग करके उन्हें पार कर दिया, और जल को ढेर के समान खड़ा कर दिया।

Psalms 78:14

¹⁴ उसने दिन को बादल के खम्भे से और रात भर अग्नि के प्रकाश के द्वारा उनकी अगुआई की।

Psalms 78:15

¹⁵ वह जंगल में चट्टानें फाड़कर, उनको मानो गहरे जलाशयों से मनमाना पिलाता था।

Psalms 78:16

¹⁶ उसने चट्टान से भी धाराएँ निकालीं और नदियों का सा जल बहाया।

Psalms 78:17

¹⁷ तो भी वे फिर उसके विरुद्ध अधिक पाप करते गए, और निर्जल देश में परमप्रधान के विरुद्ध उठते रहे।

Psalms 78:18

¹⁸ और अपनी चाह के अनुसार भोजन माँगकर मन ही मन परमेश्वर की परीक्षा की।

Psalms 78:19

¹⁹ वे परमेश्वर के विरुद्ध बोले, और कहने लगे, “क्या परमेश्वर जंगल में मेज लगा सकता है?

Psalms 78:20

²⁰ उसने चट्टान पर मारकर जल बहा तो दिया, और धाराएँ उमड़ चली, परन्तु क्या वह रोटी भी दे सकता है? क्या वह अपनी प्रजा के लिये माँस भी तैयार कर सकता?”

Psalms 78:21

²¹ यहोवा सुनकर क्रोध से भर गया, तब याकूब के विरुद्ध उसकी आग भड़क उठी, और इस्साएल के विरुद्ध क्रोध भड़का;

Psalms 78:22

²² इसलिए कि उन्होंने परमेश्वर पर विश्वास नहीं रखा था, न उसकी उद्धार करने की शक्ति पर भरोसा किया।

Psalms 78:23

²³ तो भी उसने आकाश को आज्ञा दी, और स्वर्ग के द्वारों को खोला;

Psalms 78:24

²⁴ और उनके लिये खाने को मन्त्रा बरसाया, और उन्हें स्वर्ग का अन्न दिया।

Psalms 78:25

²⁵ मनुष्यों को स्वर्गदूतों की रोटी मिली; उसने उनको मनमाना भोजन दिया।

Psalms 78:26

²⁶ उसने आकाश में पुरवाई को चलाया, और अपनी शक्ति से दक्षिणी बहाई;

Psalms 78:27

²⁷ और उनके लिये माँस धूलि के समान बहुत बरसाया, और समुद्र के रेत के समान अनगिनत पक्षी भेजे;

Psalms 78:28

²⁸ और उनकी छावनी के बीच में, उनके निवासों के चारों ओर गिराए।

Psalms 78:29

²⁹ और वे खाकर अति तृप्त हुए, और उसने उनकी कामना पूरी की।

Psalms 78:30

³⁰ उनकी कामना बनी ही रही, उनका भोजन उनके मुँह ही में था,

Psalms 78:31

³¹ कि परमेश्वर का क्रोध उन पर भड़का, और उसने उनके हण्पुष्टों को घात किया, और इसाएल के जवानों को गिरा दिया।

Psalms 78:32

³² इतने पर भी वे और अधिक पाप करते गए; और परमेश्वर के आश्वर्यकर्मों पर विश्वास न किया।

Psalms 78:33

³³ तब उसने उनके दिनों को व्यर्थ श्रम में, और उनके वर्षों को घबराहट में कटवाया।

Psalms 78:34

³⁴ जब वह उन्हें घात करने लगता, तब वे उसको पूछते थे; और फिरकर परमेश्वर को यत्र से खोजते थे।

Psalms 78:35

³⁵ उनको स्मरण होता था कि परमेश्वर हमारी चट्टान है, और परमप्रधान परमेश्वर हमारा छुड़ानेवाला है।

Psalms 78:36

³⁶ तो भी उन्होंने उसकी चापलूसी की; वे उससे झूठ बोले।

Psalms 78:37

³⁷ क्योंकि उनका हृदय उसकी ओर ढढ़ न था; न वे उसकी वाचा के विषय सच्चे थे।

Psalms 78:38

³⁸ परन्तु वह जो दयालु है, वह अधर्म को ढाँपता, और नाश नहीं करता; वह बार बार अपने क्रोध को ठंडा करता है, और अपनी जलजलाहट को पूरी रीति से भड़कने नहीं देता।

Psalms 78:39

³⁹ उसको स्मरण हुआ कि ये नाशवान हैं, ये वायु के समान हैं जो चली जाती और लौट नहीं आती।

Psalms 78:40

⁴⁰ उन्होंने कितनी ही बार जंगल में उससे बलवा किया, और निर्जल देश में उसको उदास किया!

Psalms 78:41

⁴¹ वे बार बार परमेश्वर की परीक्षा करते थे, और इसाएल के पवित्र को खेदित करते थे।

Psalms 78:42

⁴² उन्होंने न तो उसका भुजबल स्मरण किया, न वह दिन जब उसने उनको द्वोही के वश से छुड़ाया था;

Psalms 78:43

⁴³ कि उसने कैसे अपने चिन्ह मिस्र में, और अपने चमत्कार सोअन के मैदान में किए थे।

Psalms 78:44

⁴⁴ उसने तो मिस्रियों की नदियों को लहू बना डाला, और वे अपनी नदियों का जल पी न सके।

Psalms 78:45

⁴⁵ उसने उनके बीच में डांस भेजे जिन्होंने उन्हें काट खाया, और मेंढक भी भेजे, जिन्होंने उनका बिगड़ किया।

Psalms 78:46

⁴⁶ उसने उनकी भूमि की उपज कीड़ों को, और उनकी खेतीबारी टिंडियों को खिला दी थी।

Psalms 78:47

⁴⁷ उसने उनकी दाखलताओं को ओलों से, और उनके गूलर के पेड़ों को ओले बरसाकर नाश किया।

Psalms 78:48

⁴⁸ उसने उनके पशुओं को ओलों से, और उनके ढोरों को बिजलियों से मिटा दिया।

Psalms 78:49

⁴⁹ उसने उनके ऊपर अपना प्रचण्ड क्रोध और रोष भड़काया, और उन्हें संकट में डाला, और दुःखदाई दूतों का दल भेजा।

Psalms 78:50

⁵⁰ उसने अपने क्रोध का मार्ग खोला, और उनके प्राणों को मृत्यु से न बचाया, परन्तु उनको मरी के वश में कर दिया।

Psalms 78:51

⁵¹ उसने मिस्र के सब पहिलौठों को मारा, जो हाम के डेरों में पौरूष के पहले फल थे;

Psalms 78:52

⁵² परन्तु अपनी प्रजा को भेड़-बकरियों के समान प्रस्थान कराया, और जंगल में उनकी अगुआई पशुओं के झुण्ड की सी की।

Psalms 78:53

⁵³ तब वे उसके चलाने से बेखटके चले और उनको कुछ भय न हुआ, परन्तु उनके शत्रु समुद्र में डूब गए।

Psalms 78:54

⁵⁴ और उसने उनको अपने पवित्र देश की सीमा तक, इसी पहाड़ी देश में पहुँचाया, जो उसने अपने दाहिने हाथ से प्राप्त किया था।

Psalms 78:55

⁵⁵ उसने उनके सामने से अन्यजातियों को भगा दिया; और उनकी भूमि को डोरी से माप-मापकर बाँट दिया; और इस्राएल के गोत्रों को उनके डेरों में बसाया।

Psalms 78:56

⁵⁶ तो भी उन्होंने परमप्रधान परमेश्वर की परीक्षा की और उससे बलवा किया, और उसकी चितौनियों को न माना,

Psalms 78:57

⁵⁷ और मुड़कर अपने पुरखाओं के समान विश्वासघात किया; उन्होंने निकम्मे धनुष के समान धोखा दिया।

Psalms 78:58

⁵⁸ क्योंकि उन्होंने ऊँचे स्थान बनाकर उसको रिस दिलाई, और खुदी हुई मूर्तियों के द्वारा उसमें से जलन उपजाई।

Psalms 78:59

⁵⁹ परमेश्वर सुनकर रोष से भर गया, और उसने इस्राएल को बिल्कुल तज दिया।

Psalms 78:60

⁶⁰ उसने शीलो के निवास, अर्थात् उस तम्बू को जो उसने मनुष्यों के बीच खड़ा किया था, त्याग दिया,

Psalms 78:61

⁶¹ और अपनी सामर्थ्य को बँधुवाई में जाने दिया, और अपनी शोभा को द्रोही के वश में कर दिया।

Psalms 78:62

⁶² उसने अपनी प्रजा को तलवार से मरवा दिया, और अपने निज भाग के विरुद्ध रोष से भर गया।

Psalms 78:63

⁶³ उनके जवान आग से भस्म हुए, और उनकी कुमारियों के विवाह के गीत न गाएँ गए।

Psalms 78:64

⁶⁴ उनके याजक तलवार से मारे गए, और उनकी विधवाएँ रोने न पाई।

Psalms 78:65

⁶⁵ तब प्रभु मानो नींद से चौंक उठा, और ऐसे वीर के समान उठा जो दाखमधु पीकर ललकारता हो।

Psalms 78:66

⁶⁶ उसने अपने द्रोहियों को मारकर पीछे हटा दिया; और उनकी सदा की नामधराई कराई।

Psalms 78:67

⁶⁷ फिर उसने यूसुफ के तम्बू को तज दिया; और एप्रैम के गोत्र को न चुना;

Psalms 78:68

⁶⁸ परन्तु यहूदा ही के गोत्र को, और अपने प्रिय सिय्योन पर्वत को चुन लिया।

Psalms 78:69

⁶⁹ उसने अपने पवित्रस्थान को बहुत ऊँचा बना दिया, और पृथ्वी के समान स्थिर बनाया, जिसकी नींव उसने सदा के लिये डाली है।

Psalms 78:70

⁷⁰ फिर उसने अपने दास दाऊद को चुनकर भेड़शालाओं में से ले लिया;

Psalms 78:71

⁷¹ वह उसको बच्चेवाली भेड़ों के पीछे-पीछे फिरने से ले आया कि वह उसकी प्रजा याकूब की अर्थात् उसके निज भाग इसाएल की चरवाही करे।

Psalms 78:72

⁷² तब उसने खरे मन से उनकी चरवाही की, और अपने हाथ की कुशलता से उनकी अगुआई की।

Psalms 79:1

¹ आसाप का भजन; है परमेश्वर, अन्यजातियाँ तेरे निज भाग में घुस आईं; उन्होंने तेरे पवित्र मन्दिर को अशुद्ध किया; और यरूशलेम को खण्डहर कर दिया है।

Psalms 79:2

² उन्होंने तेरे दासों की शवों को आकाश के पक्षियों का आहार कर दिया, और तेरे भक्तों का माँस पृथ्वी के वन-पशुओं को खिला दिया है।

Psalms 79:3

³ उन्होंने उनका लहू यरूशलेम के चारों ओर जल के समान बहाया, और उनको मिट्टी देनेवाला कोई न था।

Psalms 79:4

⁴ पड़ोसियों के बीच हमारी नामधाराई हुई; चारों ओर के रहनेवाले हम पर हँसते, और ठट्ठा करते हैं।

Psalms 79:5

⁵ हे यहोवा, कब तक? क्या तू सदा के लिए क्रोधित रहेगा? तुझ में आग की सी जलन कब तक भड़कती रहेगी?

Psalms 79:6

⁶ जो जातियाँ तुझको नहीं जानती, और जिन राज्यों के लोग तुझ से प्रार्थना नहीं करते, उन्हीं पर अपनी सब जलजलाहट भड़का!

Psalms 79:7

⁷ क्योंकि उन्होंने याकूब को निगल लिया, और उसके वासस्थान को उजाड़ दिया है।

Psalms 79:8

⁸ हमारी हानि के लिये हमारे पुरखाओं के अधर्म के कामों को स्मरण न कर; तेरी दया हम पर शीघ्र हो, क्योंकि हम बड़ी दुर्दशा में पड़े हैं।

Psalms 79:9

⁹ हे हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर, अपने नाम की महिमा के निमित्त हमारी सहायता कर; और अपने नाम के निमित्त हमको छुड़ाकर हमारे पापों को ढाँप दे।

Psalms 79:10

¹⁰ अन्यजातियाँ क्यों कहने पाएँ कि उनका परमेश्वर कहाँ रहा? तेरे दासों के खून का पलटा अन्यजातियों पर हमारी आँखों के सामने लिया जाए।

Psalms 79:11

¹¹ बन्दियों का कराहना तेरे कान तक पहुँचे; घात होनेवालों को अपने भुजबल के द्वारा बचा।

Psalms 79:12

¹² हे प्रभु, हमारे पड़ोसियों ने जो तेरी निन्दा की है, उसका सात गुण बदला उनको दे!

Psalms 79:13

¹³ तब हम जो तेरी प्रजा और तेरी चराई की भेड़े हैं, तेरा धन्यवाद सदा करते रहेंगे; और पीढ़ी से पीढ़ी तक तेरा गुणानुवाद करते रहेंगे।

Psalms 80:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये: शोशनीमेदूत राग में आसाप का भजन; हे इसाएल के चरवाहे, तू जो यूसुफ की अगुआई भेड़ों की सी करता है, कान लगा! तू जो कर्स्ल्बों पर विराजमान है, अपना तेज दिखा!

Psalms 80:2

² एप्रैम, बिन्यामीन, और मनश्शे के सामने अपना पराक्रम दिखाकर, हमारा उद्धार करने को आ!

Psalms 80:3

³ हे परमेश्वर, हमको ज्यों के त्यों कर दे; और अपने मुख का प्रकाश चमका, तब हमारा उद्धार हो जाएगा!

Psalms 80:4

⁴ हे सेनाओं के परमेश्वर यहोवा, तू कब तक अपनी प्रजा की प्रार्थना पर क्रोधित रहेगा?

Psalms 80:5

⁵ तूने आँसुओं को उनका आहार बना दिया, और मटके भर भरकर उन्हें आँसू पिलाए हैं।

Psalms 80:6

⁶ तू हमें हमारे पड़ोसियों के झगड़ने का कारण बना देता है; और हमारे शत्रु मनमाना ठढ़ा करते हैं।

Psalms 80:7

⁷ हे सेनाओं के परमेश्वर, हमको ज्यों के त्यों कर दे; और अपने मुख का प्रकाश हम पर चमका, तब हमारा उद्धार हो जाएगा।

Psalms 80:8

⁸ तू मिस्र से एक दाखलता ले आया; और अन्यजातियों को निकालकर उसे लगा दिया।

Psalms 80:9

⁹ तूने उसके लिये स्थान तैयार किया है; और उसने जड़ पकड़ी और फैलकर देश को भर दिया।

Psalms 80:10

¹⁰ उसकी छाया पहाड़ों पर फैल गई, और उसकी डालियाँ महा देवदारों के समान हुईं;

Psalms 80:11

¹¹ उसकी शाखाएँ समुद्र तक बढ़ गई, और उसके अंकुर फरात तक फैल गए।

Psalms 80:12

¹² फिर तूने उसके बाड़ों को क्यों गिरा दिया, कि सब बटोही उसके फलों को तोड़ते हैं?

Psalms 80:13

¹³ जंगली सूअर उसको नाश किए डालता है, और मैदान के सब पशु उसे चर जाते हैं।

Psalms 80:14

¹⁴ हे सेनाओं के परमेश्वर, फिर आ! स्वर्ग से ध्यान देकर देख, और इस दाखलता की सुधि ले,

Psalms 80:15

¹⁵ ये पौधा तूने अपने दाहिने हाथ से लगाया, और जो लता की शाखा तूने अपने लिये दृढ़ की है।

Psalms 80:16

¹⁶ रह जल गई, वह कट गई है; तेरी घुड़की से तेरे शत्रु नाश हो जाए।

Psalms 80:17

¹⁷ तेरे दाहिने हाथ के सम्माले हुए पुरुष पर तेरा हाथ रखा रहे,
उस आदमी पर, जिसे तूने अपने लिये दढ़ किया है।

Psalms 80:18

¹⁸ तब हम लोग तुझ से न मुड़ेंगे: तू हमको जिला, और हम तुझ
से प्रार्थना कर सकेंगे।

Psalms 80:19

¹⁹ हे सेनाओं के परमेश्वर यहोवा, हमको ज्यों का त्यों कर दे!
और अपने मुख का प्रकाश हम पर चमका, तब हमारा उद्धार
हो जाएगा!

Psalms 81:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये: गितीथ राग में आसाप का भजन;
परमेश्वर जो हमारा बल है, उसका गीत आनन्द से गाओ;
याकूब के परमेश्वर का जयजयकार करो!

Psalms 81:2

² गीत गाओ, डफ और मधुर बजनेवाली वीणा और सारंगी को
ले आओ।

Psalms 81:3

³ नये चाँद के दिन, और पूर्णमासी को हमारे पर्व के दिन
नरसिंगा फूँको।

Psalms 81:4

⁴ क्योंकि यह इसाएल के लिये विधि, और याकूब के परमेश्वर
का ठहराया हुआ नियम है।

Psalms 81:5

⁵ इसको उसने यूसुफ में चितौनी की रीति पर उस समय
चलाया, जब वह मिस्र देश के विरुद्ध चला। वहाँ मैंने एक
अनजानी भाषा सुनी

Psalms 81:6

⁶ “मैंने उनके कंधों पर से बोझ को उतार दिया; उनका टोकरी
ढोना छूट गया।

Psalms 81:7

⁷ तूने संकट में पड़कर पुकारा, तब मैंने तुझे छुड़ाया; बादल
गरजने के गुप्त स्थान में से मैंने तेरी सुनी, और मरीबा नामक
सोते के पास तेरी परीक्षा की। (सेला)

Psalms 81:8

⁸ हे मेरी प्रजा, सुन, मैं तुझे चिता देता हूँ हे इसाएल भला हो
कि तू मेरी सुने!

Psalms 81:9

⁹ तेरे बीच में पराया ईश्वर न हो; और न तू किसी पराए देवता
को दण्डवत् करना!

Psalms 81:10

¹⁰ तेरा परमेश्वर यहोवा मैं हूँ, जो तुझे मिस्र देश से निकाल लाया
है। तू अपना मुँह पसार, मैं उसे भर ढूँगा।

Psalms 81:11

¹¹ “परन्तु मेरी प्रजा ने मेरी न सुनी; इसाएल ने मुझ को न
चाहा।

Psalms 81:12

¹² इसलिए मैंने उसको उसके मन के हठ पर छोड़ दिया, कि
वह अपनी ही युक्तियों के अनुसार चले।

Psalms 81:13

¹³ यदि मेरी प्रजा मेरी सुने, यदि इसाएल मेरे मार्गों पर चले,

Psalms 81:14

¹⁴ तो मैं क्षण भर में उनके शत्रुओं को दबाऊँ, और अपना हाथ उनके द्रोहियों के विरुद्ध चलाऊँ।

Psalms 81:15

¹⁵ यहोवा के बैरी उसके आगे भय में दण्डवत् करें! उन्हें हमेशा के लिए अपमानित किया जाएगा।

Psalms 81:16

¹⁶ मैं उनको उत्तम से उत्तम गेहूँ खिलाता, और मैं चट्टान के मधु से उनको तुप्त करता।”

Psalms 82:1

¹ आसाप का भजन; परमेश्वर दिव्य सभा में खड़ा है: वह ईश्वरों के बीच में न्याय करता है।

Psalms 82:2

² “तुम लोग कब तक टेढ़ा न्याय करते और दुष्टों का पक्ष लेते रहोगे? (सेला)

Psalms 82:3

³ कंगाल और अनाथों का न्याय चुकाओ, दीन-दरिद्र का विचार धर्म से करो।

Psalms 82:4

⁴ कंगाल और निर्धन को बचा लो; दुष्टों के हाथ से उन्हें छुड़ाओ।”

Psalms 82:5

⁵ वे न तो कुछ समझते और न कुछ जानते हैं, परन्तु अंधेरे में चलते फिरते रहते हैं; पृथ्वी की पूरी नींव हिल जाती है।

Psalms 82:6

⁶ मैंने कहा था ‘तुम ईश्वर हो, और सब के सब परमप्रधान के पुत्र हो;

Psalms 82:7

⁷ तो भी तुम मनुष्यों के समान मरोगे, और किसी प्रधान के समान गिर जाओगे।”

Psalms 82:8

⁸ हे परमेश्वर उठ, पृथ्वी का न्याय कर; क्योंकि तू ही सब जातियों को अपने भाग में लेगा!

Psalms 83:1

¹ आसाप का भजन; हे परमेश्वर मौन न रह; हे परमेश्वर चुप न रह, और न शान्त रह!

Psalms 83:2

² क्योंकि देख तेरे शत्रु धूम मचा रहे हैं; और तेरे बैरियों ने सिर उठाया है।

Psalms 83:3

³ वे चतुराई से तेरी प्रजा की हानि की सम्मति करते, और तेरे रक्षित लोगों के विरुद्ध युक्तियाँ निकालते हैं।

Psalms 83:4

⁴ उन्होंने कहा, “आओ, हम उनका ऐसा नाश करें कि राज्य भी मिट जाए; और इस्राएल का नाम आगे को स्मरण न रहे।”

Psalms 83:5

⁵ उन्होंने एक मन होकर युक्ति निकाली है, और तेरे ही विरुद्ध वाचा बाँधी है।

Psalms 83:6

⁶ ये तो एदोम के तम्बूवाले और इशमाएली, मोआबी और हग्री,

Psalms 83:7

⁷ गबाली, अम्मोनी, अमालेकी, और सोर समेत पलिश्टी हैं।

Psalms 83:8

⁸ इनके संग अश्शूरी भी मिल गए हैं; उनसे भी लूतवंशियों को सहारा मिला है। (सेला)

Psalms 83:9

⁹ इनसे ऐसा कर जैसा मिद्यानियों से, और कीशोन नाले में सीसरा और याबीन से किया था,

Psalms 83:10

¹⁰ वे एनदोर में नाश हुए, और भूमि के लिये खाद बन गए।

Psalms 83:11

¹¹ इनके रईसों को ओरेब और जेब सरीखे, और इनके सब प्रधानों को जेबह और सल्मुन्ना के समान कर दे,

Psalms 83:12

¹² जिन्होंने कहा था, “हम परमेश्वर की चराइयों के अधिकारी आप ही हो जाएँ।”

Psalms 83:13

¹³ हे मेरे परमेश्वर इनको बवंडर की धूलि, या पवन से उड़ाए हुए भूसे के समान कर दे।

Psalms 83:14

¹⁴ उस आग के समान जो वन को भस्म करती है, और उस लौ के समान जो पहाड़ों को जला देती है,

Psalms 83:15

¹⁵ तू इन्हें अपनी आँधी से भगा दे, और अपने बवंडर से घबरा दे!

Psalms 83:16

¹⁶ इनके मुँह को अति लज्जित कर, कि हे यहोवा ये तेरे नाम को ढूँढ़ें।

Psalms 83:17

¹⁷ ये सदा के लिये लज्जित और घबराए रहें, इनके मुँह काले हों, और इनका नाश हो जाए,

Psalms 83:18

¹⁸ जिससे ये जानें कि केवल तू जिसका नाम यहोवा है, सारी पृथ्वी के ऊपर परमप्रधान है।

Psalms 84:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये गित्तीथ में कोरहवंशियों का भजन; हे सेनाओं के यहोवा, तेरे निवास क्या ही प्रिय हैं!

Psalms 84:2

² मेरा प्राण यहोवा के आँगनों की अभिलाषा करते-करते मूर्छित हो चला; मेरा तन मन दोनों जीविते परमेश्वर को पुकार रहे।

Psalms 84:3

³ हे सेनाओं के यहोवा, हे मेरे राजा, और मेरे परमेश्वर, तेरी वेदियों में गौरैया ने अपना बसेरा और शूपाबेनी ने घोंसला बना लिया है जिसमें वह अपने बच्चे रखे।

Psalms 84:4

⁴ क्या ही धन्य हैं वे, जो तेरे भवन में रहते हैं; वे तेरी स्तुति निरन्तर करते रहेंगे। (सेला)

Psalms 84:5

⁵ क्या ही धन्य है वह मनुष्य, जो तुझ से शक्ति पाता है, और वे जिनको सियोन की सड़क की सुधि रहती है।

Psalms 84:6

⁶ वे रोने की तराई में जाते हुए उसको सोतों का स्थान बनाते हैं; फिर बरसात की अगली वृष्टि उसमें आशीष ही आशीष उपजाती है।

Psalms 84:7

⁷ वे बल पर बल पाते जाते हैं; उनमें से हर एक जन सियोन में परमेश्वर को अपना मुँह दिखाएगा।

Psalms 84:8

⁸ हे सेनाओं के परमेश्वर यहोवा, मेरी प्रार्थना सुन, हे याकूब के परमेश्वर, कान लगा! (सेला)

Psalms 84:9

⁹ हे परमेश्वर, हे हमारी ढाल, दृष्टि कर; और अपने अभिषिक्त का मुख देख!

Psalms 84:10

¹⁰ क्योंकि तेरे आँगनों में एक दिन और कहीं के हजार दिन से उत्तम है। दुष्टों के डेरों में वास करने से अपने परमेश्वर के भवन की डेवढ़ी पर खड़ा रहना ही मुझे अधिक भावता है।

Psalms 84:11

¹¹ क्योंकि यहोवा परमेश्वर सूर्य और ढाल है; यहोवा अनुग्रह करेगा, और महिमा देगा; और जो लोग खरी चाल चलते हैं; उनसे वह कोई अच्छी वस्तु रख न छोड़ेगा।

Psalms 84:12

¹² हे सेनाओं के यहोवा, क्या ही धन्य वह मनुष्य है, जो तुझ पर भरोसा रखता है!

Psalms 85:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये: कोरहवंशियों का भजन; हे यहोवा, तू अपने देश पर प्रसन्न हुआ, याकूब को बैंधुवाई से लौटा ले आया है।

Psalms 85:2

² तूने अपनी प्रजा के अधर्म को क्षमा किया है; और उसके सब पापों को ढाँप दिया है। (सेला)

Psalms 85:3

³ तूने अपने रोष को शान्त किया है; और अपने भड़के हुए कौप को दूर किया है।

Psalms 85:4

⁴ हे हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर, हमको पुनः स्थापित कर, और अपना क्रोध हम पर से दूर कर!

Psalms 85:5

⁵ क्या तू हम पर सदा कोपित रहेगा? क्या तू पीढ़ी से पीढ़ी तक कोप करता रहेगा?

Psalms 85:6

⁶ क्या तू हमको फिर न जिलाएगा, कि तेरी प्रजा तुझ में आनन्द करे?

Psalms 85:7

⁷ हे यहोवा अपनी करुणा हमें दिखा, और तू हमारा उद्धार कर।

Psalms 85:8

⁸ मैं कान लगाए रहूँगा कि परमेश्वर यहोवा क्या कहता है, वह तो अपनी प्रजा से जो उसके भक्त है, शान्ति की बातें कहेगा; परन्तु वे फिरके मूर्खता न करने लगें।

Psalms 85:9

⁹ निश्चय उसके डरवैयों के उद्धार का समय निकट है, तब हमारे देश में महिमा का निवास होगा।

Psalms 85:10

¹⁰ करुणा और सच्चाई आपस में मिल गई हैं; धर्म और मेल ने आपस में चुम्बन किया है।

Psalms 85:11

¹¹ पृथ्वी में से सच्चाई उगती और स्वर्ग से धर्म झुकता है।

Psalms 85:12

¹² हाँ, यहोवा उत्तम वस्तुएँ देगा, और हमारी भूमि अपनी उपज देगी।

Psalms 85:13

¹³ धर्म उसके आगे-आगे चलेगा, और उसके पाँवों के चिन्हों को हमारे लिये मार्ग बनाएगा।

Psalms 86:1

¹ दाऊद की प्रार्थना; हे यहोवा, कान लगाकर मेरी सुन ले, क्योंकि मैं दीन और दरिद्र हूँ।

Psalms 86:2

² मेरे प्राण की रक्षा कर, क्योंकि मैं भक्त हूँ; तू मेरा परमेश्वर है, इसलिए अपने दास का, जिसका भरोसा तुझ पर है, उद्धार कर।

Psalms 86:3

³ हे प्रभु, मुझ पर अनुग्रह कर, क्योंकि मैं तुझी को लगातार पुकारता रहता हूँ।

Psalms 86:4

⁴ अपने दास के मन को आनन्दित कर, क्योंकि हे प्रभु, मैं अपना मन तेरी ही ओर लगाता हूँ।

Psalms 86:5

⁵ क्योंकि हे प्रभु, तू भला और क्षमा करनेवाला है, और जितने तुझे पुकारते हैं उन सभी के लिये तू अति करुणामय है।

Psalms 86:6

⁶ हे यहोवा मेरी प्रार्थना की ओर कान लगा, और मेरे गिङ्गिड़ाने को ध्यान से सुन।

Psalms 86:7

⁷ संकट के दिन मैं तुझको पुकारूँगा, क्योंकि तू मेरी सुन लेगा।

Psalms 86:8

⁸ हे प्रभु, देवताओं में से कोई भी तेरे तुल्य नहीं, और न किसी के काम तेरे कामों के बराबर हैं।

Psalms 86:9

⁹ हे प्रभु, जितनी जातियों को तूने बनाया है, सब आकर तेरे सामने दण्डवत् करेंगी, और तेरे नाम की महिमा करेंगी।

Psalms 86:10

¹⁰ क्योंकि तू महान और आश्वर्यकर्म करनेवाला है, केवल तू ही परमेश्वर है।

Psalms 86:11

¹¹ हे यहोवा, अपना मार्ग मुझे सिखा, तब मैं तेरे सत्य मार्ग पर चलूँगा, मुझ को एक चित्त कर कि मैं तेरे नाम का भय मानूँ।

Psalms 86:12

¹² हे प्रभु, हे मेरे परमेश्वर, मैं अपने सम्पूर्ण मन से तेरा धन्यवाद करूँगा, और तेरे नाम की महिमा सदा करता रहूँगा।

Psalms 86:13

¹³ क्योंकि तेरी करुणा मेरे ऊपर बड़ी है; और तूने मुझ को अधोलोक की तह में जाने से बचा लिया है।

Psalms 86:14

¹⁴ हे परमेश्वर, अभिमानी लोग मेरे विरुद्ध उठ गए हैं, और उपद्रवियों का झूण्ड मेरे प्राण के खोजी हुए हैं, और वे तेरा कुछ विचार नहीं रखते।

Psalms 86:15

¹⁵ परन्तु प्रभु दयालु और अनुग्रहकारी परमेश्वर है, तू विलम्ब से कोप करनेवाला और अति करुणामय है।

Psalms 86:16

¹⁶ मेरी ओर फिरकर मुझ पर अनुग्रह कर; अपने दास को तू शक्ति दे, और अपनी दासी के पुत्र का उद्धार कर।

Psalms 86:17

¹⁷ मुझे भलाई का कोई चिन्ह दिखा, जिसे देखकर मेरे बैरी निराश हों, क्योंकि हे यहोवा, तूने आप मेरी सहायता की और मुझे शान्ति दी है।

Psalms 87:1

¹ कोरहवंशियों का भजन; उसकी नींव पवित्र पर्वतों में है;

Psalms 87:2

² और यहोवा सिथ्योन के फाटकों से याकूब के सारे निवासों से बढ़कर प्रीति रखता है।

Psalms 87:3

³ हे परमेश्वर के नगर, तेरे विषय महिमा की बातें कही गई हैं। (सेला)

Psalms 87:4

⁴ मैं अपने जान-पहचानवालों से रहब और बाबेल की भी चर्चा करूँगा; पलिशत, सोर और कूश को देखो: “यह वहाँ उत्पन्न हुआ था।”

Psalms 87:5

⁵ और सिथ्योन के विषय में यह कहा जाएगा, “इनमें से प्रत्येक का जन्म उसमें हुआ था।” और परमप्रधान आप ही उसको स्थिर रखे।

Psalms 87:6

⁶ यहोवा जब देश-देश के लोगों के नाम लिखकर गिन लेगा, तब यह कहेगा, “यह वहाँ उत्पन्न हुआ था।” (सेला)

Psalms 87:7

⁷ गवैये और नृतक दोनों कहेंगे, “हमारे सब सोते तुझी में पाए जाते हैं।”

Psalms 88:1

¹ कोरहवंशियों का भजन प्रधान बजानेवाले के लिये: महलतलग्रोत राग में एज्ञावंशी हेमान का मशकील; हे मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर यहोवा, मैं दिन को और रात को तेरे आगे चिल्लाता आया हूँ।

Psalms 88:2

² मेरी प्रार्थना तुझ तक पहुँचे, मेरे चिल्लाने की ओर कान लगा!

Psalms 88:3

³ क्योंकि मेरा प्राण क्लेश से भरा हुआ है, और मेरा प्राण अधोलोक के निकट पहुँचा है।

Psalms 88:4

⁴ मैं कब्र में पङ्गेवालों में गिना गया हूँ; मैं बलहीन पुरुष के समान हो गया हूँ।

Psalms 88:5

⁵ मैं मुर्दों के बीच छोड़ा गया हूँ, और जो घात होकर कब्र में पड़े हैं, जिनको तूफिर स्मरण नहीं करता और वे तेरी सहायता रहित हैं, उनके समान मैं हो गया हूँ।

Psalms 88:6

⁶ तूने मुझे गड्ढे के तल ही में, अंधेरे और गहरे स्थान में रखा है।

Psalms 88:7

⁷ तेरी जलजलाहट मुझी पर बनी हर्झ है, और तूने अपने सब तरंगों से मुझे दुःख दिया है। (सेला)

Psalms 88:8

⁸ तूने मेरे पहचानवालों को मुझसे दूर किया है; और मुझ को उनकी दृष्टि में धिनौना किया है। मैं बन्दी हूँ और निकल नहीं सकता;

Psalms 88:9

⁹ दुःख भोगते-भोगते मेरी आँखें धुँधला गईं। हे यहोवा, मैं लगातार तुझे पुकारता और अपने हाथ तेरी ओर फैलाता आया हूँ।

Psalms 88:10

¹⁰ क्या तू मुर्दों के लिये अद्भुत काम करेगा? क्या मरे लोग उठकर तेरा धन्यवाद करेंगे? (सेला)

Psalms 88:11

¹¹ क्या कब्र में तेरी करुणा का, और विनाश की दशा में तेरी सच्चाई का वर्णन किया जाएगा?

Psalms 88:12

¹² क्या तेरे अद्भुत काम अंधकार में, या तेरा धर्म विश्वासघात की दशा में जाना जाएगा?

Psalms 88:13

¹³ परन्तु हे यहोवा, मैंने तेरी दुहाई दी है; और भोर को मेरी प्रार्थना तुझ तक पहुँचेगी।

Psalms 88:14

¹⁴ हे यहोवा, तू मुझ को क्यों छोड़ता है? तू अपना मुख मुझसे क्यों छिपाता रहता है?

Psalms 88:15

¹⁵ मैं बचपन ही से दुःखी वरन् अधमुआ हूँ, तुझ से भय खाते मैं अति व्याकुल हो गया हूँ।

Psalms 88:16

¹⁶ तेरा क्रोध मुझ पर पड़ा है; उस भय से मैं मिट गया हूँ।

Psalms 88:17

¹⁷ वह दिन भर जल के समान मुझे धेरे रहता है; वह मेरे चारों ओर दिखाई देता है।

Psalms 88:18

¹⁸ तूने मित्र और भाई-बन्धु दोनों को मुझसे दूर किया है; और मेरे जान-पहचानवालों को अंधकार में डाल दिया है।

Psalms 89:1

¹ एतान एज्ञावंशी का मश्कील; मैं यहोवा की सारी करुणा के विषय सदा गाता रहूँगा; मैं तेरी सच्चाई पीढ़ी से पीढ़ी तक बताता रहूँगा।

Psalms 89:2

² क्योंकि मैंने कहा, “तेरी करुणा सदा बनी रहेगी, तू स्वर्ग में अपनी सच्चाई को स्थिर रखेगा।”

Psalms 89:3

³ तूने कहा, “मैंने अपने चुने हुए से वाचा बाँधी है, मैंने अपने दास दाऊद से शपथ खाइ है,

Psalms 89:4

⁴ ‘मैं तेरे वंश को सदा स्थिर रखूँगा; और तेरी राजगद्दी को पीढ़ी-पीढ़ी तक बनाए रखूँगा।’” (सेला)

Psalms 89:5

⁵ हे यहोवा, स्वर्ग में तेरे अद्भुत काम की, और पवित्रों की सभा में तेरी सच्चाई की प्रशंसा होगी।

Psalms 89:6

⁶ क्योंकि आकाशमण्डल में यहोवा के तुल्य कौन ठहरेगा? बलवन्तों के पुत्रों में से कौन है जिसके साथ यहोवा की उपमा दी जाएगी?

Psalms 89:7

⁷ परमेश्वर पवित्र लोगों की गोष्ठी में अत्यन्त प्रतिष्ठा के योग्य, और अपने चारों ओर सब रहनेवालों से अधिक भययोग्य है।

Psalms 89:8

⁸ हे सेनाओं के परमेश्वर यहोवा, हे यहोवा, तेरे तुल्य कौन सामर्थी है? तेरी सच्चाई तो तेरे चारों ओर है!

Psalms 89:9

⁹ समुद्र के गर्व को तू ही तोड़ता है; जब उसके तरंग उठते हैं, तब तू उनको शान्त कर देता है।

Psalms 89:10

¹⁰ तूने रहब को घात किए हुए के समान कुचल डाला, और अपने शत्रुओं को अपने बाहुबल से तितर-बितर किया है।

Psalms 89:11

¹¹ आकाश तेरा है, पृथ्वी भी तेरी है; जगत और जो कुछ उसमें है, उसे तू ही ने स्थिर किया है।

Psalms 89:12

¹² उत्तर और दक्षिण को तू ही ने सिरजा; ताबोर और हेर्मोन तेरे नाम का जयजयकार करते हैं।

Psalms 89:13

¹³ तेरी भुजा बलवन्त है; तेरा हाथ शक्तिमान और तेरा दाहिना हाथ प्रबल है।

Psalms 89:14

¹⁴ तेरे सिंहासन का मूल, धर्म और न्याय है; करुणा और सच्चाई तेरे आगे-आगे चलती है।

Psalms 89:15

¹⁵ क्या ही धन्य है वह समाज जो आनन्द के ललकार को पहचानता है; हे यहोवा, वे लोग तेरे मुख के प्रकाश में चलते हैं,

Psalms 89:16

¹⁶ वे तेरे नाम के हेतु दिन भर मग्न रहते हैं, और तेरे धर्म के कारण महान हो जाते हैं।

Psalms 89:17

¹⁷ क्योंकि तू उनके बल की शोभा है, और अपनी प्रसन्नता से हमारे सींग को ऊँचा करेगा।

Psalms 89:18

¹⁸ क्योंकि हमारी ढाल यहोवा की ओर से है, हमारा राजा इसाएल के पवित्र की ओर से है।

Psalms 89:19

¹⁹ एक समय तूने अपने भक्त को दर्शन देकर बातें की; और कहा, “मैंने सहायता करने का भार एक वीर पर रखा है, और प्रजा में से एक को चुनकर बढ़ाया है।

Psalms 89:20

²⁰ मैंने अपने दास दाऊद को लेकर, अपने पवित्र तेल से उसका अभिषेक किया है।

Psalms 89:21

²¹ मेरा हाथ उसके साथ बना रहेगा, और मेरी भुजा उसे ढढ़ रखेगी।

Psalms 89:22

²² शत्रु उसको तंग करने न पाएगा, और न कुटिल जन उसको दुःख देने पाएगा।

Psalms 89:23

²³ मैं उसके शत्रुओं को उसके सामने से नाश करूँगा, और उसके बैरियों पर विपत्ति डालूँगा।

Psalms 89:24

²⁴ परन्तु मेरी सच्चाई और करुणा उस पर बनी रहेगी, और मेरे नाम के द्वारा उसका सींग ऊँचा हो जाएगा।

Psalms 89:25

²⁵ मैं समुद्र को उसके हाथ के नीचे और महानदों को उसके दाहिने हाथ के नीचे कर दूँगा।

Psalms 89:26

²⁶ वह मुझे पुकारकर कहेगा, ‘तू मेरा पिता है, मेरा परमेश्वर और मेरे उद्धार की चट्टान है।’

Psalms 89:27

²⁷ फिर मैं उसको अपना पहलौठा, और पृथ्वी के राजाओं पर प्रधान ठहराऊँगा।

Psalms 89:28

²⁸ मैं अपनी करुणा उस पर सदा बनाए रहूँगा, और मेरी वाचा उसके लिये अटल रहेगी।

Psalms 89:29

²⁹ मैं उसके वंश को सदा बनाए रखूँगा, और उसकी राजगद्दी स्वर्ग के समान सर्वदा बनी रहेगी।

Psalms 89:30

³⁰ यदि उसके वंश के लोग मेरी व्यवस्था को छोड़ें और मेरे नियमों के अनुसार न चलें,

Psalms 89:31

³¹ यदि वे मेरी विधियों का उल्लंघन करें, और मेरी आज्ञाओं को न मानें,

Psalms 89:32

³² तो मैं उनके अपराध का दण्ड सोटें से, और उनके अधर्म का दण्ड कोड़ों से दूँगा।

Psalms 89:33

³³ परन्तु मैं अपनी करुणा उस पर से न हटाऊँगा, और न सच्चाई त्याग कर झूठा ठहरूँगा।

Psalms 89:34

³⁴ मैं अपनी वाचा न तोड़ूँगा, और जो मेरे मुँह से निकल चुका है, उसे न बदलूँगा।

Psalms 89:35

³⁵ एक बार मैं अपनी पवित्रता की शपथ खा चुका हूँ; मैं दाऊद को कभी धोखा न दूँगा।

Psalms 89:36

³⁶ उसका वंश सर्वदा रहेगा, और उसकी राजगद्दी सूर्य के समान मेरे समुख ठहरी रहेगी।

Psalms 89:37

³⁷ वह चन्द्रमा के समान, और आकाशमण्डल के विश्वासयोग्य साक्षी के समान सदा बना रहेगा।” (सेला)

Psalms 89:38

³⁸ तो भी तूने अपने अभिषिक्त को छोड़ा और उसे तज दिया, और उस पर अति क्रोध किया है।

Psalms 89:39

³⁹ तूने अपने दास के साथ की वाचा को त्याग दिया, और उसके मुकुट को भूमि पर गिराकर अशुद्ध किया है।

Psalms 89:40

⁴⁰ तूने उसके सब बाड़ों को तोड़ डाला है, और उसके गढ़ों को उजाड़ दिया है।

Psalms 89:41

⁴¹ सब बटोही उसको लूट लेते हैं, और उसके पड़ोसियों से उसकी नामधाराई होती है।

Psalms 89:42

⁴² तूने उसके विरोधियों को प्रबल किया; और उसके सब शत्रुओं को आनन्दित किया है।

Psalms 89:43

⁴³ फिर तू उसकी तलवार की धार को मोड़ देता है, और युद्ध में उसके पाँव जमने नहीं देता।

Psalms 89:44

⁴⁴ तूने उसका तेज हर लिया है, और उसके सिंहासन को भूमि पर पटक दिया है।

Psalms 89:45

⁴⁵ तूने उसकी जवानी को घटाया, और उसको लज्जा से ढाँप दिया है। (सेला)

Psalms 89:46

⁴⁶ हे यहोवा, तू कब तक लगातार मुँह फेरे रहेगा, तेरी जलजलाहट कब तक आग के समान भड़की रहेगी।

Psalms 89:47

⁴⁷ मेरा स्मरण कर, कि मैं कैसा अनित्य हूँ, तूने सब मनुष्यों को क्यों व्यर्थ सिरजा है?

Psalms 89:48

⁴⁸ कौन पुरुष सदा अमर रहेगा? क्या कोई अपने प्राण को अधोलोक से बचा सकता है? (सेला)

Psalms 89:49

⁴⁹ हे प्रभु, तेरी प्राचीनकाल की करुणा कहाँ रही, जिसके विषय में तूने अपनी सच्चाई की शपथ दाऊद से खार्इ थी?

Psalms 89:50

⁵⁰ हे प्रभु, अपने दासों की नामधाराई की सुधि ले; मैं तो सब सामर्थ्य जातियों का बोझ लिए रहता हूँ।

Psalms 89:51

⁵¹ तेरे उन शत्रुओं ने तो हे यहोवा, तेरे अभिषिक्त के पीछे पड़कर उसकी नामधाराई की है।

Psalms 89:52

⁵² यहोवा सर्वदा धन्य रहेगा! आमीन फिर आमीन।

Psalms 90:1

¹ परमेश्वर के जन मूसा की प्रार्थना; हे प्रभु, तू पीढ़ी से पीढ़ी तक हमारे लिये धाम बना है।

Psalms 90:2

² इससे पहले कि पहाड़ उत्पन्न हुए, या तूने पृथ्वी और जगत की रचना की, वरन् अनादिकाल से अनन्तकाल तक तू ही परमेश्वर है।

Psalms 90:3

³ तू मनुष्य को लौटाकर मिट्टी में ले जाता है, और कहता है, “हे आदमियों, लौट आओ!”

Psalms 90:4

⁴ क्योंकि हजार वर्ष तेरी दृष्टि में ऐसे हैं, जैसा कल का दिन जो बीत गया, या रात का एक पहर।

Psalms 90:5

⁵ तू मनुष्यों को धारा में बहा देता है; वे स्वग्र से ठहरते हैं, वे भौंर को बढ़नेवाली धास के समान होते हैं।

Psalms 90:6

⁶ वह भौंर को फूलती और बढ़ती है, और साँझ तक कटकर मुझ्हा जाती है।

Psalms 90:7

⁷ क्योंकि हम तेरे क्रोध से भस्म हुए हैं; और तेरी जलजलाहट से घबरा गए हैं।

Psalms 90:8

⁸ तूने हमारे अधर्म के कामों को अपने सम्मुख, और हमारे छिपे हुए पापों को अपने मुख की ज्योति में रखा है।

Psalms 90:9

⁹ क्योंकि हमारे सब दिन तेरे क्रोध में बीत जाते हैं, हम अपने वर्ष शब्द के समान बिताते हैं।

Psalms 90:10

¹⁰ हमारी आयु के वर्ष सत्तर तो होते हैं, और चाहे बल के कारण अस्सी वर्ष भी हो जाएँ, तो भी उनका घमण्ड केवल कष्ट और शोक ही शोक है; क्योंकि वह जल्दी कट जाती है, और हम जाते रहते हैं।

Psalms 90:11

¹¹ तेरे क्रोध की शक्ति को और तेरे भय के पोष्य तेरे रोष को कौन समझता है?

Psalms 90:12

¹² हमको अपने दिन गिनने की समझ दे कि हम बुद्धिमान हो जाएँ।

Psalms 90:13

¹³ हे यहोवा, लौट आ! कब तक? और अपने दासों पर तरस खा!

Psalms 90:14

¹⁴ भोर को हमें अपनी करुणा से तृप्त कर, कि हम जीवन भर जयजयकार और आनन्द करते रहें।

Psalms 90:15

¹⁵ जितने दिन तू हमें दुःख देता आया, और जितने वर्ष हम क्लेश भोगते आए हैं उतने ही वर्ष हमको आनन्द दे।

Psalms 90:16

¹⁶ तेरा काम तेरे दासों को, और तेरा प्रताप उनकी सन्तान पर प्रगट हो।

Psalms 90:17

¹⁷ हमारे परमेश्वर यहोवा की मनोहरता हम पर प्रगट हो, तू हमारे हाथों का काम हमारे लिये दृढ़ कर, हमारे हाथों के काम को दृढ़ कर।

Psalms 91:1

¹ जो परमप्रधान के छाए हुए स्थान में बैठा रहे, वह सर्वशक्तिमान की छाया में ठिकाना पाएगा।

Psalms 91:2

² मैं यहोवा के विषय कहूँगा, “वह मेरा शरणस्थान और गढ़ है; वह मेरा परमेश्वर है, जिस पर मैं भरोसा रखता हूँ”

Psalms 91:3

³ वह तो तुझे बहेलिये के जाल से, और महामारी से बचाएगा;

Psalms 91:4

⁴ वह तुझे अपने पंखों की आड़ में ले लेगा, और तू उसके परों के नीचे शरण पाएगा; उसकी सच्चाई तेरे लिये ढाल और झिलम ठहरेगी।

Psalms 91:5

⁵ तू न रात के भय से डरेगा, और न उस तीर से जो दिन को उड़ता है,

Psalms 91:6

⁶ न उस मरी से जो अंधेरे में फैलती है, और न उस महारोग से जो दिन-दुपहरी में उजाड़ता है।

Psalms 91:7

⁷ तेरे निकट हजार, और तेरी दाहिनी ओर दस हजार गिरेंगे; परन्तु वह तेरे पास न आएगा।

Psalms 91:8

⁸ परन्तु तू अपनी आँखों की दृष्टि करेगा और दुष्टों के अन्त को देखेगा।

Psalms 91:9

⁹ हे यहोवा, तू मेरा शरणस्थान ठहरा है। तूने जो परमप्रधान को अपना धाम मान लिया है,

Psalms 91:10

¹⁰ इसलिए कोई विपत्ति तुझ पर न पड़ेगी, न कोई दुःख तेरे डेरे के निकट आएगा।

Psalms 91:11

¹¹ क्योंकि वह अपने दृतों को तेरे निमित्त आज्ञा देगा, कि जहाँ कहीं तू जाए वे तेरी रक्षा करें।

Psalms 91:12

¹² वे तुझको हाथों हाथ उठा लेंगे, ऐसा न हो कि तेरे पाँवों में पथर से ठेस लगे।

Psalms 91:13

¹³ तू सिंह और नाग को कुचलेगा, तू जवान सिंह और अजगर को लताड़ेगा।

Psalms 91:14

¹⁴ उसने जो मुझसे स्नेह किया है, इसलिए मैं उसको छुड़ाऊँगा; मैं उसको ऊँचे स्थान पर रखूँगा, क्योंकि उसने मेरे नाम को जान लिया है।

Psalms 91:15

¹⁵ जब वह मुझ को पुकारे, तब मैं उसकी सुनूँगा; संकट में मैं उसके संग रहूँगा, मैं उसको बचाकर उसकी महिमा बढ़ाऊँगा।

Psalms 91:16

¹⁶ मैं उसको दीर्घायु से तृप्त करूँगा, और अपने किए हुए उद्धार का दर्शन दिखाऊँगा।

Psalms 92:1

¹ भजन। विश्राम के दिन के लिये गीत; यहोवा का धन्यवाद करना भला है, हे परमप्रधान, तेरे नाम का भजन गाना;

Psalms 92:2

² प्रातःकाल को तेरी करुणा, और प्रति रात तेरी सच्चाई का प्रचार करना,

Psalms 92:3

³ दस तारवाले बाजे और सारंगी पर, और वीणा पर गम्भीर स्वर से गाना भला है।

Psalms 92:4

⁴ क्योंकि, हे यहोवा, तूने मुझ को अपने कामों से आनन्दित किया है; और मैं तेरे हाथों के कामों के कारण जयजयकार करूँगा।

Psalms 92:5

⁵ हे यहोवा, तेरे काम क्या ही बड़े हैं! तेरी कल्पनाएँ बहुत गम्भीर हैं;

Psalms 92:6

⁶ पशु समान मनुष्य इसको नहीं समझता, और मूर्ख इसका विचार नहीं करता:

Psalms 92:7

⁷ कि दुष्ट जो धास के समान फूलते-फलते हैं, और सब अनर्थकारी जो प्रफुल्लित होते हैं, यह इसलिए होता है, कि वे सर्वदा के लिये नाश हो जाएँ,

Psalms 92:8

⁸ परन्तु हे यहोवा, तू सदा विराजमान रहेगा।

Psalms 92:9

⁹ क्योंकि हे यहोवा, तेरे शत्रु हाँ तेरे शत्रु नाश होंगे; सब अनर्थकारी तितर-बितर होंगे।

Psalms 92:10

¹⁰ परन्तु मेरा सींग तूने जंगली साँड़ के समान ऊँचा किया है; तूने ताजे तेल से मेरा अभिषेक किया है।

Psalms 92:11

¹¹ मैं अपने शत्रुओं पर दृष्टि करके, और उन कुकर्मियों का हाल जो मेरे विरुद्ध उठे थे, सुनकर सन्तुष्ट हुआ हूँ।

Psalms 92:12

¹² धर्मी लोग खजूर के समान फूले फलेंगे, और लबानोन के देवदार के समान बढ़ते रहेंगे।

Psalms 92:13

¹³ वे यहोवा के भवन में रोपे जाकर, हमारे परमेश्वर के आँगनों में पूले फलेंगे।

Psalms 92:14

¹⁴ वे पुराने होने पर भी फलते रहेंगे, और रस भरे और लहलहाते रहेंगे,

Psalms 92:15

¹⁵ जिससे यह प्रगट हो कि यहोवा सच्चा है; वह मेरी चट्टान है, और उसमें कुटिलता कुछ भी नहीं।

Psalms 93:1

¹ यहोवा राजा है; उसने माहात्म्य का पहरावा पहना है; यहोवा पहरावा पहने हुए, और सामर्थ्य का फेटा बाँधे है। इस कारण जगत स्थिर है, वह नहीं टलने का।

Psalms 93:2

² हे यहोवा, तेरी राजगद्दी अनादिकाल से स्थिर है, तू सर्वदा से है।

Psalms 93:3

³ हे यहोवा, महानदों का कोलाहल हो रहा है, महानदों का बड़ा शब्द हो रहा है, महानद गरजते हैं।

Psalms 93:4

⁴ महासागर के शब्द से, और समुद्र की महातरंगों से, विराजमान यहोवा अधिक महान है।

Psalms 93:5

⁵ तेरी चितौनियाँ अति विश्वासयोग्य हैं; हे यहोवा, तेरे भवन को युग-युग पवित्रता ही शोभा देती है।

Psalms 94:1

¹ हे यहोवा, हे पलटा लेनेवाले परमेश्वर, हे पलटा लेनेवाले परमेश्वर, अपना तेज दिखा!

Psalms 94:2

² हे पृथ्वी के न्यायी, उठ; और घमण्डियों को बदला दे!

Psalms 94:3

³ हे यहोवा, दुष्ट लोग कब तक, दुष्ट लोग कब तक डींग मारते रहेंगे?

Psalms 94:4

⁴ वे बकते और ढिठाई की बातें बोलते हैं, सब अनर्थकारी बड़ाई मारते हैं।

Psalms 94:5

⁵ हे यहोवा, वे तेरी प्रजा को पीस डालते हैं, वे तेरे निज भाग को दुःख देते हैं।

Psalms 94:6

⁶ वे विधवा और परदेशी का घात करते, और अनाथों को मार डालते हैं;

Psalms 94:7

⁷ और कहते हैं, “यहोवा न देखेगा, याकूब का परमेश्वर विचार न करेगा।”

Psalms 94:8

⁸ तुम जो प्रजा में पशु सरीखे हो, विचार करो; और हे मूर्खों तुम कब बुद्धिमान बनोग?

Psalms 94:9

⁹ जिसने कान दिया, क्या वह आप नहीं सुनता? जिसने आँख रची, क्या वह आप नहीं देखता?

Psalms 94:10

¹⁰ जो जाति-जाति को ताड़ना देता, और मनुष्य को ज्ञान सिखाता है, क्या वह न सुधारेगा?

Psalms 94:11

¹¹ यहोवा मनुष्य की कल्पनाओं को तो जानता है कि वे मिथ्या हैं।

Psalms 94:12

¹² हे यहोवा, क्या ही धन्य है वह पुरुष जिसको तू ताड़ना देता है, और अपनी व्यवस्था सिखाता है,

Psalms 94:13

¹³ क्योंकि तू उसको विपत्ति के दिनों में उस समय तक चैन देता रहता है, जब तक दुष्टों के लिये गड्ढा नहीं खोदा जाता।

Psalms 94:14

¹⁴ क्योंकि यहोवा अपनी प्रजा को न तजेगा, वह अपने निज भाग को न छोड़ेगा;

Psalms 94:15

¹⁵ परन्तु याय फिर धर्म के अनुसार किया जाएगा, और सारे सीधे मनवाले उसके पीछे-पीछे हो लेंगे।

Psalms 94:16

¹⁶ कुकर्मियों के विरुद्ध मेरी ओर कौन खड़ा होगा? मेरी ओर से अनर्थकारियों का कौन सामना करेगा?

Psalms 94:17

¹⁷ यदि यहोवा मेरा सहायक न होता, तो क्षण भर में मुझे चुपचाप होकर रहना पड़ता।

Psalms 94:18

¹⁸ जब मैंने कहा, “मेरा पाँव फिसलने लगा है,” तब हे यहोवा, तेरी करुणा ने मुझे थाम लिया।

Psalms 94:19

¹⁹ जब मेरे मन में बहुत सी चिन्ताएँ होती हैं, तब हे यहोवा, तेरी दी हुई शान्ति से मुझ को सुख होता है।

Psalms 94:20

²⁰ क्या तेरे और दुष्टों के सिंहासन के बीच संधि होगी, जो कानून की आड़ में उत्पात मचाते हैं?

Psalms 94:21

²¹ वे धर्मी का प्राण लेने को दल बाँधते हैं, और निर्दोष को प्राणदण्ड देते हैं।

Psalms 94:22

²² परन्तु यहोवा मेरा गढ़, और मेरा परमेश्वर मेरी शरण की चट्टान ठहरा है।

Psalms 94:23

²³ उसने उनका अनर्थ काम उन्हीं पर लौटाया है, और वह उन्हें उन्हीं की बुराई के द्वारा सत्यानाश करेगा। हमारा परमेश्वर यहोवा उनको सत्यानाश करेगा।

Psalms 95:1

¹ आओ हम यहोवा के लिये ऊँचे स्वर से गाएँ, अपने उद्धार की चट्टान का जयजयकार करें!

Psalms 95:2

² हम धन्यवाद करते हुए उसके सम्मुख आएँ, और भजन गाते हुए उसका जयजयकार करें।

Psalms 95:3

³ क्योंकि यहोवा महान परमेश्वर है, और सब देवताओं के ऊपर महान राजा है।

Psalms 95:4

⁴ पृथ्वी के गहरे स्थान उसी के हाथ में हैं; और पहाड़ों की चोटियाँ भी उसी की हैं।

Psalms 95:5

⁵ समुद्र उसका है, और उसी ने उसको बनाया, और स्थल भी उसी के हाथ का रचा है।

Psalms 95:6

⁶ आओ हम झूककर दण्डवत् करें, और अपने कर्ता यहोवा के सामने घुटने टेकें!

Psalms 95:7

⁷ क्योंकि वही हमारा परमेश्वर है, और हम उसकी चराई की प्रजा, और उसके हाथ की भेड़ें हैं। भला होता, कि आज तुम उसकी बात सुनते!

Psalms 95:8

⁸ अपना-अपना हृदय ऐसा कठोर मत करो, जैसा मरीबा में, व मस्सा के दिन जंगल में हुआ था,

Psalms 95:9

⁹ जब तुम्हारे पुरखाओं ने मुझे परखा, उन्होंने मुझ को जाँचा और मेरे काम को भी देखा।

Psalms 95:10

¹⁰ चालीस वर्ष तक मैं उस पीढ़ी के लोगों से रुठा रहा, और मैंने कहा, “ये तो भरमानेवाले मन के हैं, और इन्होंने मेरे मार्गों को नहीं पहचाना।”

Psalms 95:11

¹¹ इस कारण मैंने क्रोध में आकर शपथ खाई कि ये मेरे विश्रामस्थान में कभी प्रवेश न करने पाएँगे।

Psalms 96:1

¹ यहोवा के लिये एक नया गीत गाओ, हे सारी पृथ्वी के लोगों यहोवा के लिये गाओ!

Psalms 96:2

² यहोवा के लिये गाओ, उसके नाम को धन्य कहो; दिन प्रतिदिन उसके किए हुए उद्धार का शुभ समाचार सुनाते रहो।

Psalms 96:3

³ अन्यजातियों में उसकी महिमा का, और देश-देश के लोगों में उसके आश्वर्यकर्मों का वर्णन करो।

Psalms 96:4

⁴ क्योंकि यहोवा महान और अति स्तुति के योग्य है; वह तो सब देवताओं से अधिक भययोग्य है।

Psalms 96:5

⁵ क्योंकि देश-देश के सब देवता तो मूरतें ही हैं, परन्तु यहोवा ही ने स्वर्ग को बनाया है।

Psalms 96:6

⁶ उसके चारों ओर वैभव और ऐश्वर्य है; उसके पवित्रस्थान में सामर्थ्य और शोभा है।

Psalms 96:7

⁷ हे देश-देश के कुल के लोगों, यहोवा का गुणानुवाद करो, यहोवा की महिमा और सामर्थ्य को मानो!

Psalms 96:8

⁸ यहोवा के नाम की ऐसी महिमा करो जो उसके योग्य है; भेंट लेकर उसके आँगनों में आओ!

Psalms 96:9

⁹ पवित्रता से शोभायमान होकर यहोवा को दण्डवत् करो; हे सारी पृथ्वी के लोगों उसके सामने काँपते रहो!

Psalms 96:10

¹⁰ जाति-जाति में कहो, “यहोवा राजा हुआ है! और जगत ऐसा स्थिर है, कि वह टलने का नहीं; वह देश-देश के लोगों का न्याय खराई से करेगा।”

Psalms 96:11

¹¹ आकाश आनन्द करे, और पृथ्वी मग्न हो; समुद्र और उसमें की सब वस्तुएँ गरज उठें;

Psalms 96:12

¹² मैदान और जो कुछ उसमें है, वह प्रफुल्लित हो; उसी समय वन के सारे वृक्ष जयजयकार करेंगे।

Psalms 96:13

¹³ यह यहोवा के सामने हो, क्योंकि वह आनेवाला है। वह पृथ्वी का न्याय करने को आनेवाला है, वह धर्म से जगत का, और सच्चाई से देश-देश के लोगों का न्याय करेगा।

Psalms 97:1

¹ यहोवा राजा हुआ है, पृथ्वी मग्न हो; और द्वीप जो बहुत से हैं, वह भी आनन्द करें।

Psalms 97:2

² बादल और अंधकार उसके चारों ओर हैं; उसके सिंहासन का मूल धर्म और न्याय है।

Psalms 97:3

³ उसके आगे-आगे आग चलती हुई उसके विरोधियों को चारों ओर भस्म करती है।

Psalms 97:4

⁴ उसकी बिजलियों से जगत प्रकाशित हुआ, पृथ्वी देखकर थरथरा गई है।

Psalms 97:5

⁵ पहाड़ यहोवा के सामने, मोम के समान पिघल गए, अर्थात् सारी पृथ्वी के परमेश्वर के सामने।

Psalms 97:6

⁶ आकाश ने उसके धर्म की साक्षी दी; और देश-देश के सब लोगों ने उसकी महिमा देखी है।

Psalms 97:7

⁷ जितने खुदी हुई मूर्तियों की उपासना करते और मूरतों पर फूलते हैं, वे लजित हों; हे सब देवताओं तुम उसी को दण्डवत् करो।

Psalms 97:8

⁸ सियोन सुनकर आनन्दित हुई, और यहूदा की बेटियाँ मग्न हुईं; हे यहोवा, यह तेरे नियमों के कारण हुआ।

Psalms 97:9

⁹ क्योंकि हे यहोवा, तू सारी पृथ्वी के ऊपर परमप्रधान है; तू सारे देवताओं से अधिक महान ठहरा है।

Psalms 97:10

¹⁰ हे यहोवा के प्रेमियों, बुराई से घृणा करो; वह अपने भक्तों के प्राणों की रक्षा करता, और उन्हें दुष्टों के हाथ से बचाता है।

Psalms 97:11

¹¹ धर्मी के लिये ज्योति, और सीधे मनवालों के लिये आनन्द बोया गया है।

Psalms 97:12

¹² हे धर्मियों, यहोवा के कारण आनन्दित हो; और जिस पवित्र नाम से उसका स्मरण होता है, उसका धन्यवाद करो!

Psalms 98:1

¹ भजन; यहोवा के लिये एक नया गीत गाओ, क्योंकि उसने आश्चर्यकर्म किए हैं! उसके दाहिने हाथ और पवित्र भुजा ने उसके लिये उद्घार किया है!

Psalms 98:2

² यहोवा ने अपना किया हुआ उद्घार प्रकाशित किया, उसने अन्यजातियों की दृष्टि में अपना धर्म प्रगट किया है।

Psalms 98:3

³ उसने इसाएल के घराने पर की अपनी करुणा और सच्वाई की सुधि ली, और पृथ्वी के सब दूर-दूर देशों ने हमारे परमेश्वर का किया हुआ उद्घार देखा है।

Psalms 98:4

⁴ हे सारी पृथ्वी के लोगों, यहोवा का जयजयकार करो; उत्साहपूर्वक जयजयकार करो, और भजन गाओ!

Psalms 98:5

⁵ वीणा बजाकर यहोवा का भजन गाओ, वीणा बजाकर भजन का स्वर सुना ओ।

Psalms 98:6

⁶ तुरहियां और नरसिंगे फूँक फूँककर यहोवा राजा का जयजयकार करो।

Psalms 98:7

⁷ समुद्र और उसमें की सब वस्तुएँ गरज उठें; जगत और उसके निवासी महाशब्द करें।

Psalms 98:8

⁸ नदियाँ तालियाँ बजाएँ; पहाड़ मिलकर जयजयकार करें।

Psalms 98:9

⁹ यह यहोवा के सामने हो, क्योंकि वह पृथ्वी का न्याय करने को आनेवाला है। वह धर्म से जगत का, और सच्वाई से देश-देश के लोगों का न्याय करेगा।

Psalms 99:1

¹ यहोवा राजा हुआ है; देश-देश के लोग काँप उठें! वह कर्स्तबों पर विराजमान है; पृथ्वी डोल उठे!

Psalms 99:2

² यहोवा सिय्योन में महान है; और वह देश-देश के लोगों के ऊपर प्रधान है।

Psalms 99:3

³ वे तेरे महान और भययोग्य नाम का धन्यवाद करें! वह तो पवित्र है।

Psalms 99:4

⁴ राजा की सामर्थ्य न्याय से मेल रखती है, तू ही ने सच्वाई को स्थापित किया; न्याय और धर्म को याकूब में तू ही ने चालू किया है।

Psalms 99:5

⁵ हमारे परमेश्वर यहोवा को सराहो; और उसके चरणों की चौकी के सामने दण्डवत् करो! वह पवित्र है!

Psalms 99:6

⁶ उसके याजकों में मूसा और हारून, और उसके प्रार्थना करनेवालों में से शमूएल यहोवा को पुकारते थे, और वह उनकी सुन लेता था।

Psalms 99:7

⁷ वह बादल के खम्मे में होकर उनसे बातें करता था; और वे उसकी चितौनियों और उसकी दी हुई विधियों पर चलते थे।

Psalms 99:8

⁸ हे हमारे परमेश्वर यहोवा, तू उनकी सुन लेता था; तू उनके कामों का पलटा तो लेता था तो भी उनके लिये क्षमा करनेवाला परमेश्वर था।

Psalms 99:9

⁹ हमारे परमेश्वर यहोवा को सराहो, और उसके पवित्र पर्वत पर दण्डवत् करो; क्योंकि हमारा परमेश्वर यहोवा पवित्र है!

Psalms 100:1

¹ धन्यवाद का भजन; हे सारी पृथ्वी के लोगों, यहोवा का जयजयकार करो!

Psalms 100:2

² आनन्द से यहोवा की आराधना करो! जयजयकार के साथ उसके सम्मुख आओ!

Psalms 100:3

³ निश्चय जानो कि यहोवा ही परमेश्वर है उसी ने हमको बनाया, और हम उसी के हैं; हम उसकी प्रजा, और उसकी चराई की भेड़े हैं।

Psalms 100:4

⁴ उसके फाटकों में धन्यवाद, और उसके आँगनों में स्तुति करते हुए प्रवेश करो, उसका धन्यवाद करो, और उसके नाम को धन्य कहो!

Psalms 100:5

⁵ क्योंकि यहोवा भला है, उसकी करुणा सदा के लिये, और उसकी सच्चाई पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहती है।

Psalms 101:1

¹ दाऊद का भजन; मैं करुणा और न्याय के विषय गाऊँगा; हे यहोवा, मैं तेरा ही भजन गाऊँगा।

Psalms 101:2

² मैं बुद्धिमानी से खरे मार्ग में चलूँगा। तू मेरे पास कब आएगा? मैं अपने घर में मन की खराई के साथ अपनी चाल चलूँगा;

Psalms 101:3

³ मैं किसी ओछे काम पर चित्त न लगाऊँगा। मैं कुर्मार्ग पर चलनेवालों के काम से धिन रखता हूँ; ऐसे काम में मैं न लगूँगा।

Psalms 101:4

⁴ टेढ़ा स्वभाव मुझसे दूर रहेगा; मैं बुराई को जानूँगा भी नहीं।

Psalms 101:5

⁵ जो छिपकर अपने पड़ोसी की चुगली खाए, उसका मैं सत्यानाश करूँगा; जिसकी आँखें चढ़ी हों और जिसका मन घमण्डी है, उसकी मैं न सहूँगा।

Psalms 101:6

⁶ मेरी आँखें देश के विश्वासयोग्य लोगों पर लगी रहेंगी कि वे मेरे संग रहें; जो खरे मार्ग पर चलता है वही मेरा सेवक होगा।

Psalms 101:7

⁷ जो छल करता है वह मेरे घर के भीतर न रहने पाएगा; जो झूठ बोलता है वह मेरे सामने बना न रहेगा।

Psalms 101:8

⁸ प्रति भोर, मैं देश के सब दुष्टों का सत्यानाश किया करूँगा, ताकि यहोवा के नगर के सब अनर्थकारियों को नाश करूँ।

Psalms 102:1

¹ दीन जन की उस समय की प्रार्थना जब वह दुःख का मारा अपने शोक की बातें यहोवा के सामने खोलकर कहता हो; हे यहोवा, मेरी प्रार्थना सुन; मेरी दुहाई तुझ तक पहुँचो!

Psalms 102:2

² मेरे संकट के दिन अपना मुख मुझसे न छिपा ले; अपना कान मेरी ओर लगा; जिस समय मैं पुकारूँ, उसी समय फुर्ती से मेरी सुन ले!

Psalms 102:3

³ क्योंकि मेरे दिन धुएँ के समान उड़े जाते हैं, और मेरी हड्डियाँ आग के समान जल गई हैं।

Psalms 102:4

⁴ मेरा मन झुलसी हुई घास के समान सूख गया है; और मैं अपनी रोटी खाना भूल जाता हूँ।

Psalms 102:5

⁵ कराहते-कराहते मेरी चमड़ी हड्डियों में सट गई है।

Psalms 102:6

⁶ मैं जंगल के धनेश के समान हो गया हूँ, मैं उजड़े स्थानों के उल्लू के समान बन गया हूँ।

Psalms 102:7

⁷ मैं पड़ा-पड़ा जागता रहता हूँ और गौरे के समान हो गया हूँ जो छत के ऊपर अकेला बैठता है।

Psalms 102:8

⁸ मेरे शत्रु लगातार मेरी नामधराई करते हैं, जो मेरे विरुद्ध ठट्ठा करते हैं, वह मेरे नाम से श्राप देते हैं।

Psalms 102:9

⁹ क्योंकि मैंने रोटी के समान राख खाई और आँसू मिलाकर पानी पीता हूँ।

Psalms 102:10

¹⁰ यह तेरे क्रोध और कोप के कारण हुआ है, क्योंकि तूने मुझे उठाया, और फिर फेंक दिया है।

Psalms 102:11

¹¹ मेरी आयु ढलती हुई छाया के समान है; और मैं आप घास के समान सूख चला हूँ।

Psalms 102:12

¹² परन्तु हे यहोवा, तू सदैव विराजमान रहेगा; और जिस नाम से तेरा स्मरण होता है, वह पीढ़ी से पीढ़ी तक बना रहेगा।

Psalms 102:13

¹³ तू उठकर सियोन पर दया करेगा; क्योंकि उस पर दया करने का ठहराया हुआ समय आ पहुँचा है।

Psalms 102:14

¹⁴ क्योंकि तेरे दास उसके पत्थरों को चाहते हैं, और उसके खंडहरों की धूल पर तरस खाते हैं।

Psalms 102:15

¹⁵ इसलिए जाति-जाति यहोवा के नाम का भय मानेंगी, और पृथ्वी के सब राजा तेरे प्रताप से डरेंगे।

Psalms 102:16

¹⁶ क्योंकि यहोवा ने सियोन को फिर बसाया है, और वह अपनी महिमा के साथ दिखाई देता है;

Psalms 102:17

¹⁷ वह लाचार की प्रार्थना की ओर मुँह करता है, और उनकी प्रार्थना को तुच्छ नहीं जानता।

Psalms 102:18

¹⁸ यह बात आनेवाली पीढ़ी के लिये लिखी जाएगी, ताकि एक जाति जो उत्पन्न होगी, वह यहोवा की स्तुति करे।

Psalms 102:19

¹⁹ क्योंकि यहोवा ने अपने ऊँचे और पवित्रस्थान से दृष्टि की; स्वर्ग से पृथ्वी की ओर देखा है,

Psalms 102:20

²⁰ ताकि बन्दियों का कराहना सुने, और घात होनेवालों के बन्धन खोले;

Psalms 102:21

²¹ तब लोग सियोन में यहोवा के नाम का वर्णन करेंगे, और यस्तशलेम में उसकी स्तुति की जाएगी;

Psalms 102:22

²² यह उस समय होगा जब देश-देश, और राज्य-राज्य के लोग यहोवा की उपासना करने को इकट्ठे होंगे।

Psalms 102:23

²³ उसने मुझे जीवन यात्रा में दुःख देकर, मेरे बल और आयु को घटाया।

Psalms 102:24

²⁴ मैंने कहा, “हे मेरे परमेश्वर, मुझे आधी आयु में न उठा ले, तेरे वर्ष पीढ़ी से पीढ़ी तक बने रहेंगे!”

Psalms 102:25

²⁵ आदि में तूने पृथ्वी की नींव डाली, और आकाश तेरे हाथों का बनाया हुआ है।

Psalms 102:26

²⁶ वह तो नाश होगा, परन्तु तू बना रहेगा; और वह सब कपड़े के समान पुराना हो जाएगा। तू उसको वस्त के समान बदलेगा, और वह मिट जाएगा;

Psalms 102:27

²⁷ परन्तु तू वहीं है, और तेरे वर्षों का अन्त न होगा।

Psalms 102:28

²⁸ तेरे दासों की सन्तान बनी रहेगी; और उनका वंश तेरे सामने स्थिर रहेगा।

Psalms 103:1

¹ दाऊद का भजन; हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह; और जो कुछ मुझ में है, वह उसके पवित्र नाम को धन्य कहे!

Psalms 103:2

² हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह, और उसके किसी उपकार को न भूलना।

Psalms 103:3

³ वही तो तेरे सब अधर्म को क्षमा करता, और तेरे सब रोगों को चंगा करता है,

Psalms 103:4

⁴ वही तो तेरे प्राण को नाश होने से बचा लेता है, और तेरे सिर पर करुणा और दया का मुकुट बाँधता है,

Psalms 103:5

⁵ वही तो तेरी लालसा को उत्तम पदार्थ से तृप्त करता है, जिससे तेरी जवानी उकाब के समान नई हो जाती है।

Psalms 103:6

⁶ यहोवा सब पिसे हुओं के लिये धर्म और न्याय के काम करता है।

Psalms 103:7

⁷ उसने मूसा को अपनी गति, और इस्माएलियों पर अपने काम प्रगट किए।

Psalms 103:8

⁸ यहोवा दयालु और अनुग्रहकारी, विलम्ब से कोप करनेवाला और अति करुणामय है।

Psalms 103:9

⁹ वह सर्वदा वाद-विवाद करता न रहेगा, न उसका क्रोध सदा के लिये भड़का रहेगा।

Psalms 103:10

¹⁰ उसने हमारे पापों के अनुसार हम से व्यवहार नहीं किया, और न हमारे अधर्म के कामों के अनुसार हमको बदला दिया है।

Psalms 103:11

¹¹ जैसे आकाश पृथ्वी के ऊपर ऊँचा है, वैसे ही उसकी करुणा उसके डरवैयों के ऊपर प्रबल है।

Psalms 103:12

¹² उदयाचल अस्ताचल से जितनी दूर है, उसने हमारे अपराधों को हम से उतनी ही दूर कर दिया है।

Psalms 103:13

¹³ जैसे पिता अपने बालकों पर दया करता है, वैसे ही यहोवा अपने डरवैयों पर दया करता है।

Psalms 103:14

¹⁴ क्योंकि वह हमारी सृष्टि जानता है; और उसको स्मरण रहता है कि मनुष्य मिट्टी ही है।

Psalms 103:15

¹⁵ मनुष्य की आयु धास के समान होती है, वह मैदान के फूल के समान फूलता है,

Psalms 103:16

¹⁶ जो पवन लगते ही ठहर नहीं सकता, और न वह अपने स्थान में फिर मिलता है।

Psalms 103:17

¹⁷ परन्तु यहोवा की करुणा उसके डरवैयों पर युग-युग, और उसका धर्म उनके नाती-पोतों पर भी प्रगट होता रहता है,

Psalms 103:18

¹⁸ अर्थात् उन पर जो उसकी वाचा का पालन करते और उसके उपदेशों को स्मरण करके उन पर चलते हैं।

Psalms 103:19

¹⁹ यहोवा ने तो अपना सिंहासन स्वर्ग में स्थिर किया है, और उसका राज्य पूरी सृष्टि पर है।

Psalms 103:20

²⁰ हे यहोवा के दूतों, तुम जो बड़े वीर हो, और उसके वचन को मानते और पूरा करते हो, उसको धन्य कहो!

Psalms 103:21

²¹ हे यहोवा की सारी सेनाओं, हे उसके सेवकों, तुम जो उसकी इच्छा पूरी करते हो, उसको धन्य कहो!

Psalms 103:22

²² हे यहोवा की सारी सृष्टि, उसके राज्य के सब स्थानों में उसको धन्य कहो। हे मेरे मन, तू यहोवा को धन्य कह!

Psalms 104:1

¹ हे मेरे मन, तू यहोवा को धन्य कह! हे मेरे परमेश्वर यहोवा, तू अत्यन्त महान है! तू वैभव और ऐश्वर्य का वस्त्र पहने हुए है,

Psalms 104:2

² तू उजियाले को चादर के समान ओढ़े रहता है, और आकाश को तम्बू के समान ताने रहता है,

Psalms 104:3

³ तू अपनी अटारियों की कड़ियाँ जल में धरता है, और मेघों को अपना रथ बनाता है, और पवन के पंखों पर चलता है,

Psalms 104:4

⁴ तू पवनों को अपने दूत, और धधकती आग को अपने सेवक बनाता है।

Psalms 104:5

⁵ तूने पृथ्वी को उसकी नींव पर स्थिर किया है, ताकि वह कभी न डगमगाए।

Psalms 104:6

⁶ तूने उसको गहरे सागर से ढाँप दिया है जैसे वस्त्र से; जल पहाड़ों के ऊपर ठहर गया।

Psalms 104:7

⁷ तेरी घुड़की से वह भाग गया; तेरे गरजने का शब्द सुनते ही, वह उतावली करके बह गया।

Psalms 104:8

⁸ वह पहाड़ों पर चढ़ गया, और तराइयों के मार्ग से उस स्थान में उतर गया जिसे तूने उसके लिये तैयार किया था।

Psalms 104:9

⁹ तूने एक सीमा ठहराई जिसको वह नहीं लाँघ सकता है, और न लौटकर स्थल को ढाँप सकता है।

Psalms 104:10

¹⁰ तू तराइयों में सोतों को बहाता है; वे पहाड़ों के बीच से बहते हैं,

Psalms 104:11

¹¹ उनसे मैदान के सब जीव-जन्तु जल पीते हैं; जंगली गदहे भी अपनी प्यास बुझा लेते हैं।

Psalms 104:12

¹² उनके पास आकाश के पक्षी बसेरा करते, और डालियों के बीच में से बोलते हैं।

Psalms 104:13

¹³ तू अपनी अटारियों में से पहाड़ों को सींचता है, तेरे कामों के फल से पृथ्वी तृप्त रहती है।

Psalms 104:14

¹⁴ तू पशुओं के लिये घास, और मनुष्यों के काम के लिये अन्न आदि उपजाता है, और इस रीति भूमि से वह भोजन-वस्तुएँ उत्पन्न करता है।

Psalms 104:15

¹⁵ और दाखमधु जिससे मनुष्य का मन आनन्दित होता है, और तेल जिससे उसका मुख चमकता है, और अन्न जिससे वह सम्भल जाता है।

Psalms 104:16

¹⁶ यहोवा के वृक्ष तृप्ति रहते हैं, अर्थात् लबानोन के देवदार जो उसी के लगाए हुए हैं।

Psalms 104:17

¹⁷ उनमें चिड़ियाँ अपने धोंसले बनाती हैं; सारस का बसेरा सनोवर के वृक्षों में होता है।

Psalms 104:18

¹⁸ ऊँचे पहाड़ जंगली बकरों के लिये हैं; और छटानें शापानों के शरणस्थान हैं।

Psalms 104:19

¹⁹ उसने नियत समयों के लिये चन्द्रमा को बनाया है; सूर्य अपने अस्ति होने का समय जानता है।

Psalms 104:20

²⁰ तू अंधकार करता है, तब रात हो जाती है; जिसमें वन के सब जीव-जन्तु घूमते-फिरते हैं।

Psalms 104:21

²¹ जवान सिंह अहेर के लिये गर्जते हैं, और परमेश्वर से अपना आहार माँगते हैं।

Psalms 104:22

²² सूर्य उदय होते ही वे चले जाते हैं और अपनी माँदों में विश्राम करते हैं।

Psalms 104:23

²³ तब मनुष्य अपने काम के लिये और संधा तक परिश्रम करने के लिये निकलता है।

Psalms 104:24

²⁴ हे यहोवा, तेरे काम अनगिनत हैं! इन सब वस्तुओं को तूने बुद्धि से बनाया है; पृथ्वी तेरी सम्पत्ति से परिपूर्ण है।

Psalms 104:25

²⁵ इसी प्रकार समुद्र बड़ा और बहुत ही चौड़ा है, और उसमें अनगिनत जलचर जीव-जन्तु क्या छोटे, क्या बड़े भरे पड़े हैं।

Psalms 104:26

²⁶ उसमें जहाज भी आते-जाते हैं, और लिव्यातान भी जिसे तूने वहाँ खेलने के लिये बनाया है।

Psalms 104:27

²⁷ इन सब को तेरा ही आसरा है, कि तू उनका आहार समय पर दिया करे।

Psalms 104:28

²⁸ तू उन्हें देता है, वे चुन लेते हैं; तू अपनी मुट्ठी खोलता है और वे उत्तम पदार्थों से तृप्त होते हैं।

Psalms 104:29

²⁹ तू मुख फेर लेता है, और वे घबरा जाते हैं; तू उनकी साँस ले लेता है, और उनके प्राण छूट जाते हैं और मिट्टी में फिर मिल जाते हैं।

Psalms 104:30

³⁰ फिर तू अपनी ओर से साँस भेजता है, और वे सिरजे जाते हैं; और तू धरती को नया कर देता है।

Psalms 104:31

³¹ यहोवा की महिमा सदाकाल बनी रहे, यहोवा अपने कामों से आनन्दित होवे!

Psalms 104:32

³² उसकी दृष्टि ही से पृथ्वी काँप उठती है, और उसके छूते ही पहाड़ों से धुआँ निकलता है।

Psalms 104:33

³³ मैं जीवन भर यहोवा का गीत गाता रहूँगा; जब तक मैं बना रहूँगा तब तक अपने परमेश्वर का भजन गाता रहूँगा।

Psalms 104:34

³⁴ मेरे सोच-विचार उसको प्रिय लगे, क्योंकि मैं तो यहोवा के कारण आनन्दित रहूँगा।

Psalms 104:35

³⁵ पापी लोग पृथ्वी पर से मिट जाएँ, और दुष्ट लोग आगे को न रहें! हे मेरे मन यहोवा को धन्य कह! यहोवा की स्तुति करो!

Psalms 105:1

¹ यहोवा का धन्यवाद करो, उससे प्रार्थना करो, देश-देश के लोगों में उसके कामों का प्रचार करो!

Psalms 105:2

² उसके लिये गीत गाओ, उसके लिये भजन गाओ, उसके सब आश्वर्यकर्मों का वर्णन करो!

Psalms 105:3

³ उसके पवित्र नाम की बड़ाई करो; यहोवा के खोजियों का हृदय आनन्दित हो!

Psalms 105:4

⁴ यहोवा और उसकी सामर्थ्य को खोजो, उसके दर्शन के लगातार खोजी बने रहो!

Psalms 105:5

⁵ उसके किए हुए आश्वर्यकर्मों को स्मरण करो, उसके चमत्कार और निर्णय स्मरण करो!

Psalms 105:6

⁶ हे उसके दास अब्राहम के वंश, हे याकूब की सन्तान, तुम तो उसके चुने हुए हो!

Psalms 105:7

⁷ वही हमारा परमेश्वर यहोवा है; पृथ्वी भर में उसके निर्णय होते हैं।

Psalms 105:8

⁸ वह अपनी वाचा को सदा स्मरण रखता आया है, यह वही वचन है जो उसने हजार पीढ़ियों के लिये ठहराया है;

Psalms 105:9

⁹ वही वाचा जो उसने अब्राहम के साथ बाँधी, और उसके विषय में उसने इसहाक से शपथ खाई,

Psalms 105:10

¹⁰ और उसी को उसने याकूब के लिये विधि करके, और इस्माइल के लिये यह कहकर सदा की वाचा करके दढ़ किया,

Psalms 105:11

¹¹ “मैं कनान देश को तुझी को ढूँगा, वह बाँट में तुम्हारा निज भाग होगा।”

Psalms 105:12

¹² उस समय तो वे गिनती में थोड़े थे, वरन् बहुत ही थोड़े, और उस देश में परदेशी थे।

Psalms 105:13

¹³ वे एक जाति से दूसरी जाति में, और एक राज्य से दूसरे राज्य में फिरते रहे;

Psalms 105:14

¹⁴ परन्तु उसने किसी मनुष्य को उन पर अत्याचार करने न दिया; और वह राजाओं को उनके निमित्त यह धमकी देता था,

Psalms 105:15

¹⁵ “मेरे अभिषिक्तों को मत छूओ, और न मेरे नबियों की हानि करो!”

Psalms 105:16

¹⁶ फिर उसने उस देश में अकाल भेजा, और अन्न के सब आधार को दूर कर दिया।

Psalms 105:17

¹⁷ उसने यूसुफ नामक एक पुरुष को उनसे पहले भेजा था, जो दास होने के लिये बेचा गया था।

Psalms 105:18

¹⁸ लोगों ने उसके पैरों में बेड़ियाँ डालकर उसे दुःख दिया; वह लोहे की साँकलों से जकड़ा गया;

Psalms 105:19

¹⁹ जब तक कि उसकी बात पूरी न हुई तब तक यहोवा का वचन उसे कसौटी पर कसता रहा।

Psalms 105:20

²⁰ तब राजा ने दूत भेजकर उसे निकलवा लिया, और देश-देश के लोगों के स्वामी ने उसके बन्धन खुलवाए;

Psalms 105:21

²¹ उसने उसको अपने भवन का प्रधान और अपनी पूरी सम्पत्ति का अधिकारी ठहराया,

Psalms 105:22

²² कि वह उसके हाकिमों को अपनी इच्छा के अनुसार नियंत्रित करे और पुरानियों को ज्ञान सिखाए।

Psalms 105:23

²³ फिर इस्साएल मिस्र में आया; और याकूब हाम के देश में रहा।

Psalms 105:24

²⁴ तब उसने अपनी प्रजा को गिनती में बहुत बढ़ाया, और उसके शत्रुओं से अधिक बलवन्त किया।

Psalms 105:25

²⁵ उसने मिस्रियों के मन को ऐसा फेर दिया, कि वे उसकी प्रजा से बैर रखने, और उसके दासों से छल करने लगे।

Psalms 105:26

²⁶ उसने अपने दास मूसा को, और अपने चुने हुए हारून को भेजा।

Psalms 105:27

²⁷ उन्होंने मिस्रियों के बीच उसकी ओर से भाँति-भाँति के चिन्ह, और हाम के देश में चमत्कार दिखाए।

Psalms 105:28

²⁸ उसने अंधकार कर दिया, और अंधियारा हो गया; और उन्होंने उसकी बातों को न माना।

Psalms 105:29

²⁹ उसने मिस्रियों के जल को लहू कर डाला, और मछलियों को मार डाला।

Psalms 105:30

³⁰ मेंढक उनकी भूमि में वरन् उनके राजा की कोठरियों में भी भर गए।

Psalms 105:31

³¹ उसने आज्ञा दी, तब डांस आ गए, और उनके सारे देश में कृतियाँ आ गईं।

Psalms 105:32

³² उसने उनके लिये जलवृष्टि के बदले ओले, और उनके देश में धधकती आग बरसाई।

Psalms 105:33

³³ और उसने उनकी दाखलताओं और अंजीर के वृक्षों को वरन् उनके देश के सब पेड़ों को तोड़ डाला।

Psalms 105:34

³⁴ उसने आज्ञा दी तब अनगिनत टिड्डियाँ, और कीड़े आए,

Psalms 105:35

³⁵ और उन्होंने उनके देश के सब अन्न आदि को खा डाला; और उनकी भूमि के सब फलों को चट कर गए।

Psalms 105:36

³⁶ उसने उनके देश के सब पहिलौठों को, उनके पौरुष के सब पहले फल को नाश किया।

Psalms 105:37

³⁷ तब वह इसाएल को सोना चाँदी दिलाकर निकाल लाया, और उनमें से कोई निर्बल न था।

Psalms 105:38

³⁸ उनके जाने से मिस्री आनन्दित हुए, क्योंकि उनका डर उनमें समा गया था।

Psalms 105:39

³⁹ उसने छाया के लिये बादल फैलाया, और रात को प्रकाश देने के लिये आग प्रगट की।

Psalms 105:40

⁴⁰ उन्होंने माँगा तब उसने बटेरें पहुँचाई, और उनको स्वर्गीय भोजन से तृप्त किया।

Psalms 105:41

⁴¹ उसने चट्टान फाड़ी तब पानी बह निकला; और निर्जल भूमि पर नदी बहने लगी।

Psalms 105:42

⁴² क्योंकि उसने अपने पवित्र वचन और अपने दास अब्राहम को स्मरण किया।

Psalms 105:43

⁴³ वह अपनी प्रजा को हर्षित करके और अपने चुने हुओं से जयजयकार कराके निकाल लाया।

Psalms 105:44

⁴⁴ और उनको जाति-जाति के देश दिए; और वे अन्य लोगों के श्रम के फल के अधिकारी किए गए,

Psalms 105:45

⁴⁵ कि वे उसकी विधियों को मानें, और उसकी व्यवस्था को पूरी करें। यहोवा की स्तुति करो!

Psalms 106:1

¹ यहोवा की स्तुति करो! यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है; और उसकी करुणा सदा की है!

Psalms 106:2

² यहोवा के पराक्रम के कामों का वर्णन कौन कर सकता है, या उसका पूरा गुणानुवाद कौन सुना सकता है?

Psalms 106:3

³ क्या ही धन्य हैं वे जो न्याय पर चलते, और हर समय धर्म के काम करते हैं!

Psalms 106:4

⁴ हे यहोवा, अपनी प्रजा पर की, प्रसन्नता के अनुसार मुझे स्मरण कर, मेरे उद्धार के लिये मेरी सुधि ले,

Psalms 106:5

⁵ कि मैं तेरे चुने हुओं का कल्याण देखूँ, और तेरी प्रजा के आनन्द में आनन्दित हो जाऊँ; और तेरे निज भाग के संग बड़ाई करने पाऊँ।

Psalms 106:6

⁶ हमने तो अपने पुरखों के समान पाप किया है; हमने कृटिलता की, हमने दुष्टता की है!

Psalms 106:7

⁷ मिस्र में हमारे पुरखों ने तेरे आश्वर्यकर्मों पर मन नहीं लगाया, न तेरी अपार करुणा को स्मरण रखा; उन्होंने समुद्र के किनारे, अर्थात् लाल समुद्र के किनारे पर बलवा किया।

Psalms 106:8

⁸ तो भी उसने अपने नाम के निमित्त उनका उद्धार किया, जिससे वह अपने पराक्रम को प्रगट करे।

Psalms 106:9

⁹ तब उसने लाल समुद्र को घुड़का और वह सूख गया; और वह उन्हें गहरे जल के बीच से मानो जंगल में से निकाल ले गया।

Psalms 106:10

¹⁰ उसने उन्हें बैरी के हाथ से उबारा, और शत्रु के हाथ से छुड़ा लिया।

Psalms 106:11

¹¹ और उनके शत्रु जल में झूब गए; उनमें से एक भी न बचा।

Psalms 106:12

¹² तब उन्होंने उसके वचनों का विश्वास किया; और उसकी स्तुति गाने लगे।

Psalms 106:13

¹³ परन्तु वे झट उसके कामों को भूल गए; और उसकी युक्ति के लिये न ठहरे।

Psalms 106:14

¹⁴ उन्होंने जंगल में अति लालसा की और निर्जल स्थान में परमेश्वर की परीक्षा की।

Psalms 106:15

¹⁵ तब उसने उन्हें मुँह माँगा वर तो दिया, परन्तु उनके प्राण को सूखा दिया।

Psalms 106:16

¹⁶ उन्होंने छावनी में मूसा के, और यहोवा के पवित्र जन हारून के विषय में डाह की,

Psalms 106:17

¹⁷ भूमि फटकर दातान को निगल गई, और अबीराम के झुण्ड को निगल लिया।

Psalms 106:18

¹⁸ और उनके झुण्ड में आग भड़क उठी; और दुष्ट लोग लौ से भस्म हो गए।

Psalms 106:19

¹⁹ उन्होंने होरेब में बछड़ा बनाया, और ढली हुई मूर्ति को दण्डवत् किया।

Psalms 106:20

²⁰ उन्होंने परमेश्वर की महिमा, को घास खानेवाले बैल की प्रतिमा से बदल डाला।

Psalms 106:21

²¹ वे अपने उद्धारकर्ता परमेश्वर को भूल गए, जिसने मिस्र में बड़े-बड़े काम किए थे।

Psalms 106:22

²² उसने तो हाम के देश में आश्वर्यकर्मों और लाल समुद्र के तट पर भयंकर काम किए थे।

Psalms 106:23

²³ इसलिए उसने कहा कि मैं इन्हें सत्यानाश कर डालता यदि मेरा चुना हुआ मूसा जोखिम के स्थान में उनके लिये खड़ा न होता ताकि मेरी जलजलाहट को ठंडा करे कहीं ऐसा न हो कि मैं उन्हें नाश कर डालूँ।

Psalms 106:24

²⁴ उन्होंने मनभावने देश को निकम्मा जाना, और उसके वचन पर विश्वास न किया।

Psalms 106:25

²⁵ वे अपने तम्बुओं में कुड़कुड़ाए, और यहोवा का कहा न माना।

Psalms 106:26

²⁶ तब उसने उनके विषय में शपथ खाई कि मैं इनको जंगल में नाश करूँगा,

Psalms 106:27

²⁷ और इनके वंश को अन्यजातियों के समुख गिरा दूँगा, और देश-देश में तितर-बितर करूँगा।

Psalms 106:28

²⁸ वे बालपोर देवता को पूजने लगे और मुर्दों को चढ़ाए हुए पशुओं का माँस खाने लगे।

Psalms 106:29

²⁹ यो उन्होंने अपने कामों से उसको क्रोध दिलाया, और मरी उनमें फूट पड़ी।

Psalms 106:30

³⁰ तब पीनहास ने उठकर न्यायदण्ड दिया, जिससे मरी थम गई।

Psalms 106:31

³¹ और यह उसके लेखे पीढ़ी से पीढ़ी तक सर्वदा के लिये धर्म गिना गया।

Psalms 106:32

³² उन्होंने मरीबा के सोते के पास भी यहोवा का क्रोध भड़काया, और उनके कारण मूसा की हानि हुई;

Psalms 106:33

³³ क्योंकि उन्होंने उसकी आत्मा से बलवा किया, तब मूसा बिन सोचे बोल उठा।

Psalms 106:34

³⁴ जिन लोगों के विषय यहोवा ने उन्हें आज्ञा दी थी, उनको उन्होंने सत्यानाश न किया,

Psalms 106:35

³⁵ वरन् उन्हीं जातियों से हिलमिल गए और उनके व्यवहारों को सीख लिया;

Psalms 106:36

³⁶ और उनकी मूर्तियों की पूजा करने लगे, और वे उनके लिये फंदा बन गई।

Psalms 106:37

³⁷ वरन् उन्होंने अपने बेटे-बेटियों को पिशाचों के लिये बलिदान किया;

Psalms 106:38

³⁸ और अपने निर्दोष बेटे-बेटियों का लहू बहाया जिन्हें उन्होंने कनान की मूर्तियों पर बलि किया, इसलिए देश खून से अपवित्र हो गया।

Psalms 106:39

³⁹ और वे आप अपने कामों के द्वारा अशुद्ध हो गए, और अपने कार्यों के द्वारा व्यभिचारी भी बन गए।

Psalms 106:40

⁴⁰ तब यहोवा का क्रोध अपनी प्रजा पर भड़का, और उसको अपने निज भाग से घृणा आई;

Psalms 106:41

⁴¹ तब उसने उनको अन्यजातियों के वश में कर दिया, और उनके बैरियों ने उन पर प्रभुता की।

Psalms 106:42

⁴² उनके शत्रुओं ने उन पर अत्याचार किया, और वे उनके हाथों तले दब गए।

Psalms 106:43

⁴³ बारम्बार उसने उन्हें छुड़ाया, परन्तु वे उसके विरुद्ध बलवा करते गए, और अपने अधर्म के कारण दबते गए।

Psalms 106:44

⁴⁴ फिर भी जब जब उनका चिल्लाना उसके कान में पड़ा, तब-तब उसने उनके संकट पर दृष्टि की!

Psalms 106:45

⁴⁵ और उनके हित अपनी वाचा को स्मरण करके अपनी अपार करुणा के अनुसार तरस खाया,

Psalms 106:46

⁴⁶ और जो उन्हें बन्दी करके ले गए थे उन सबसे उन पर दया कराई।

Psalms 106:47

⁴⁷ हे हमारे परमेश्वर यहोवा, हमारा उद्धार कर, और हमें अन्यजातियों में से इकट्ठा कर ले, कि हम तेरे पवित्र नाम का धन्यवाद करें, और तेरी स्तुति करते हुए तेरे विषय में बड़ाई करें।

Psalms 106:48

⁴⁸ इसाएल का परमेश्वर यहोवा अनादिकाल से अनन्तकाल तक धन्य है! और सारी प्रजा कहे “आमीन!” यहोवा की स्तुति करो।

Psalms 107:1

¹ यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है; और उसकी करुणा सदा की है!

Psalms 107:2

² यहोवा के छुड़ाए हुए ऐसा ही कहें, जिन्हें उसने शत्रु के हाथ से दाम देकर छुड़ा लिया है,

Psalms 107:3

³ और उन्हें देश-देश से, पूरब-पश्चिम, उत्तर और दक्षिण से इकट्ठा किया है।

Psalms 107:4

⁴ वे जंगल में मरुभूमि के मार्ग पर भटकते फिरे, और कोई बसा हुआ नगर न पाया;

Psalms 107:5

⁵ भूख और प्यास के मारे, वे विकल हो गए।

Psalms 107:6

⁶ तब उन्होंने संकट में यहोवा की दुहाई दी, और उसने उनको सकेती से छुड़ाया;

Psalms 107:7

⁷ और उनको ठीक मार्ग पर चलाया, ताकि वे बसने के लिये किसी नगर को जा पहुँचे।

Psalms 107:8

⁸ लोग यहोवा की करुणा के कारण, और उन आश्वर्यकर्मों के कारण, जो वह मनुष्यों के लिये करता है, उसका धन्यवाद करें।

Psalms 107:9

⁹ क्योंकि वह अभिलाषी जीव को सन्तुष्ट करता है, और भूखे को उत्तम पदार्थों से तृप्त करता है।

Psalms 107:10

¹⁰ जो अधियारे और मृत्यु की छाया में बैठे, और दुःख में पड़े और बेड़ियों से ज़कड़े हुए थे,

Psalms 107:11

¹¹ इसलिए कि वे परमेश्वर के वचनों के विरुद्ध चले, और परमप्रधान की सम्मति को तुच्छ जाना।

Psalms 107:12

¹² तब उसने उनको कष्ट के द्वारा दबाया, वे ठोकर खाकर गिर पड़े, और उनको कोई सहायक न मिला।

Psalms 107:13

¹³ तब उन्होंने संकट में यहोवा की दुहाई दी, और उसने सकेती से उनका उद्धार किया;

Psalms 107:14

¹⁴ उसने उनको अंधियारे और मृत्यु की छाया में से निकाल लिया; और उनके बन्धनों को तोड़ डाला।

Psalms 107:15

¹⁵ लोग यहोवा की करुणा के कारण, और उन आश्वर्यकर्मों के कारण जो वह मनुष्यों के लिये करता है, उसका धन्यवाद करें।

Psalms 107:16

¹⁶ क्योंकि उसने पीतल के फाटकों को तोड़ा, और लोहे के बिंडों को टुकड़े-टुकड़े किया।

Psalms 107:17

¹⁷ मूर्ख अपनी कुचाल, और अधर्म के कामों के कारण अति दुःखित होते हैं।

Psalms 107:18

¹⁸ उनका जी सब भाँति के भोजन से मिचलाता है, और वे मृत्यु के फाटक तक पहुँचते हैं।

Psalms 107:19

¹⁹ तब वे संकट में यहोवा की दुहाई देते हैं, और वह सकेती से उनका उद्धार करता है;

Psalms 107:20

²⁰ वह अपने वचन के द्वारा उनको चंगा करता और जिस गड्ढे में वे पड़े हैं, उससे निकालता है।

Psalms 107:21

²¹ लोग यहोवा की करुणा के कारण और उन आश्वर्यकर्मों के कारण जो वह मनुष्यों के लिये करता है, उसका धन्यवाद करें।

Psalms 107:22

²² और वे धन्यवाद-बलि चढ़ाएँ, और जयजयकार करते हुए, उसके कामों का वर्णन करें।

Psalms 107:23

²³ जो लोग जहाजों में समुद्र पर चलते हैं, और महासागर पर होकर व्यापार करते हैं;

Psalms 107:24

²⁴ वे यहोवा के कामों को, और उन आश्वर्यकर्मों को जो वह गहरे समुद्र में करता है, देखते हैं।

Psalms 107:25

²⁵ क्योंकि वह आज्ञा देता है, तब प्रचण्ड वायु उठकर तरंगों को उठाती है।

Psalms 107:26

²⁶ वे आकाश तक चढ़ जाते, फिर गहराई में उतर आते हैं; और क्लेश के मारे उनके जी में जी नहीं रहता;

Psalms 107:27

²⁷ वे चक्कर खाते, और मतवालों की भाँति लड़खड़ाते हैं, और उनकी सारी बुद्धि मारी जाती है।

Psalms 107:28

²⁸ तब वे संकट में यहोवा की दुहाई देते हैं, और वह उनको सकेती से निकालता है।

Psalms 107:29

²⁹ वह आँधी को थाम देता है और तरंगें बैठ जाती हैं।

Psalms 107:30

³⁰ तब वे उनके बैठने से आनन्दित होते हैं, और वह उनको मन चाहे बन्दरगाह में पहुँचा देता है।

Psalms 107:31

³¹ लोग यहोवा की करुणा के कारण, और उन आश्वर्यकर्मों के कारण जो वह मनुष्यों के लिये करता है, उसका धन्यवाद करें।

Psalms 107:32

³² और सभा में उसको सराहें, और पुरनियों के बैठक में उसकी स्तुति करें।

Psalms 107:33

³³ वह नदियों को जंगल बना डालता है, और जल के स्रोतों को सूखी भूमि कर देता है।

Psalms 107:34

³⁴ वह फलवन्त भूमि को बंजर बनाता है, यह वहाँ के रहनेवालों की दुष्टता के कारण होता है।

Psalms 107:35

³⁵ वह जंगल को जल का ताल, और निर्जल देश को जल के स्रोते कर देता है।

Psalms 107:36

³⁶ और वहाँ वह भूखों को बसाता है, कि वे बसने के लिये नगर तैयार करें;

Psalms 107:37

³⁷ और खेती करें, और दाख की बारियाँ लगाएँ, और भाँति-भाँति के फल उपजा लें।

Psalms 107:38

³⁸ और वह उनको ऐसी आशीष देता है कि वे बहुत बढ़ जाते हैं, और उनके पशुओं को भी वह घटने नहीं देता।

Psalms 107:39

³⁹ फिर विपत्ति और शोक के कारण, वे घटते और दब जाते हैं।

Psalms 107:40

⁴⁰ और वह हाकिमों को अपमान से लादकर मार्ग रहित जंगल में भटकाता है;

Psalms 107:41

⁴¹ वह दरिद्रों को दुःख से छुड़ाकर ऊँचे पर रखता है, और उनको भेड़ों के झुण्ड के समान परिवार देता है।

Psalms 107:42

⁴² सीधे लोग देखकर आनन्दित होते हैं; और सब कुटिल लोग अपने मुँह बन्द करते हैं।

Psalms 107:43

⁴³ जो कोई बुद्धिमान हो, वह इन बातों पर ध्यान करेगा; और यहोवा की करुणा के कामों पर ध्यान करेगा।

Psalms 108:1

¹ दाऊद का भजन; हे परमेश्वर, मेरा हृदय स्थिर है; मैं गाऊँगा, मैं अपनी आत्मा से भी भजन गाऊँगा।

Psalms 108:2

² हे सारंगी और वीणा जागो! मैं आप पौ फटते जाग उठूँगा

Psalms 108:3

³ हे यहोवा, मैं देश-देश के लोगों के मध्य में तेरा धन्यवाद करूँगा, और राज्य-राज्य के लोगों के मध्य में तेरा भजन गाऊँगा।

Psalms 108:4

⁴ क्योंकि तेरी करुणा आकाश से भी ऊँची है, और तेरी सच्चाई आकाशमण्डल तक है।

Psalms 108:5

⁵ हे परमेश्वर, तू स्वर्ग के ऊपर हो! और तेरी महिमा सारी पृथ्वी के ऊपर हो!

Psalms 108:6

⁶ इसलिए कि तेरे प्रिय छुड़ाए जाएँ, तू अपने दाहिने हाथ से बचा ले और हमारी विनती सुन ले!

Psalms 108:7

⁷ परमेश्वर ने अपनी पवित्रता में होकर कहा है, “मैं प्रफुल्लित होकर शेकेम को बाँट लूँगा, और सुककोत की तराई को नपवाऊँगा।

Psalms 108:8

⁸ गिलाद मेरा है, मनश्शो भी मेरा है; और एप्रैम मेरे सिर का टोप है; यहूदा मेरा राजदण्ड है।

Psalms 108:9

⁹ मोआब मेरे धोने का पात्र है, मैं एदोम पर अपना जूता फेंकूँगा, पलिश्त पर मैं जयजयकार करूँगा।”

Psalms 108:10

¹⁰ मुझे गढ़वाले नगर में कौन पहुँचाएगा? एदोम तक मेरी आगुआई किसने की है?

Psalms 108:11

¹¹ हे परमेश्वर, क्या तूने हमको त्याग नहीं दिया?, और हे परमेश्वर, तू हमारी सेना के आगे-आगे नहीं चलता।

Psalms 108:12

¹² शत्रुओं के विरुद्ध हमारी सहायता कर, क्योंकि मनुष्य की सहायता व्यर्थ है!

Psalms 108:13

¹³ परमेश्वर की सहायता से हम वीरता दिखाएँगे, हमारे शत्रुओं को वही रौंदेगा।

Psalms 109:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन; हे परमेश्वर तू जिसकी मैं स्तुति करता हूँ, चुप न रह!

Psalms 109:2

² क्योंकि दुष्ट और कपटी मनुष्यों ने मेरे विरुद्ध मुँह खोला है, वे मेरे विषय में झूठ बोलते हैं।

Psalms 109:3

³ उन्होंने बैर के वचनों से मुझे चारों ओर घेर लिया है, और व्यर्थ मुझसे लड़ते हैं।

Psalms 109:4

⁴ मेरे प्रेम के बदले में वे मेरी चुगली करते हैं, परन्तु मैं तो प्रार्थना में लौलीन रहता हूँ।

Psalms 109:5

⁵ उन्होंने भलाई के बदले में मुझसे बुराई की और मेरे प्रेम के बदले मुझसे बैर किया है।

Psalms 109:6

⁶ तू उसको किसी दुष्ट के अधिकार में रख, और कोई विरोधी उसकी दाहिनी ओर खड़ा रहे।

Psalms 109:7

⁷ जब उसका न्याय किया जाए, तब वह दोषी निकले, और उसकी प्रार्थना पाप गिनी जाए!

Psalms 109:8

⁸ उसके दिन थोड़े हों, और उसके पद को दूसरा ले!

Psalms 109:9

⁹ उसके बच्चे अनाथ हो जाएँ, और उसकी स्त्री विधवा हो जाए!

Psalms 109:10

¹⁰ और उसके बच्चे मारे-मारे फिरें, और भीख माँगा करें; उनको अपने उजड़े हुए घर से दूर जाकर टुकड़े माँगना पड़े!

Psalms 109:11

¹¹ महाजन फंदा लगाकर, उसका सर्वस्व ले ले; और परदेशी उसकी कमाई को लूट लें!

Psalms 109:12

¹² कोई न हो जो उस पर करुणा करता रहे, और उसके अनाथ बालकों पर कोई तरस न खाए!

Psalms 109:13

¹³ उसका वंश नाश हो जाए, दूसरी पीढ़ी में उसका नाम मिट जाए!

Psalms 109:14

¹⁴ उसके पितरों का अधर्म यहोवा को स्मरण रहे, और उसकी माता का पाप न मिटे!

Psalms 109:15

¹⁵ वह निरन्तर यहोवा के सम्मुख रहे, वह उनका नाम पृथ्वी पर से मिटे!

Psalms 109:16

¹⁶ क्योंकि वह दुष्ट, करुणा करना भूल गया वरन् दीन और दरिद्र को सताता था और मार डालने की इच्छा से खेदित मनवालों के पीछे पड़ा रहता था।

Psalms 109:17

¹⁷ वह श्राप देने से प्रीति रखता था, और श्राप उस पर आ पड़ा; वह आशीर्वाद देने से प्रसन्न न होता था, इसलिए आशीर्वाद उससे दूर रहा।

Psalms 109:18

¹⁸ वह श्राप देना वस्त्र के समान पहनता था, और वह उसके पेट में जल के समान और उसकी हड्डियों में तेल के समान समा गया।

Psalms 109:19

¹⁹ वह उसके लिये ओढ़ने का काम दे, और फेंटे के समान उसकी कमर में नित्य कसा रहे।

Psalms 109:20

²⁰ यहोवा की ओर से मेरे विरोधियों को, और मेरे विरुद्ध बुरा कहनेवालों को यही बदला मिले!

Psalms 109:21

²¹ परन्तु हे यहोवा प्रभु, तू अपने नाम के निमित्त मुझसे बताव कर; तेरी करुणा तो बड़ी है, इसलिए तू मुझे छुटकारा दे!

Psalms 109:22

²² क्योंकि मैं दीन और दरिद्र हूँ, और मेरा हृदय घायल हुआ है।

Psalms 109:23

²³ मैं ढलती हुई छाया के समान जाता रहा हूँ; मैं टिण्ठी के समान उड़ा दिया गया हूँ।

Psalms 109:24

²⁴ उपवास करते-करते मेरे घुटने निर्बल हो गए; और मुझ में चर्बी न रहने से मैं सूख गया हूँ।

Psalms 109:25

²⁵ मेरी तो उन लोगों से नामधराई होती है; जब वे मुझे देखते, तब सिर हिलाते हैं।

Psalms 109:26

²⁶ हे मेरे परमेश्वर यहोवा, मेरी सहायता कर! अपनी करुणा के अनुसार मेरा उद्धार कर!

Psalms 109:27

²⁷ जिससे वे जाने कि यह तेरा काम है, और हे यहोवा, तूने ही यह किया है!

Psalms 109:28

²⁸ वे मुझे कोसते तो रहें, परन्तु तू आशीष दे! वे तो उठते ही लज्जित हों, परन्तु तेरा दास आनन्दित हो!

Psalms 109:29

²⁹ मेरे विरोधियों को अनादररूपी वस्त्र पहनाया जाए, और वे अपनी लज्जा को कम्बल के समान ओढ़ें!

Psalms 109:30

³⁰ मैं यहोवा का बहुत धन्यवाद करूँगा, और बहुत लोगों के बीच में उसकी स्तुति करूँगा।

Psalms 109:31

³¹ क्योंकि वह दरिद्र की दाहिनी और खड़ा रहेगा, कि उसको प्राणदण्ड देनेवालों से बचाए।

Psalms 110:1

¹ दाऊद का भजन; मेरे प्रभु से यहोवा की वाणी यह है, “तू मेरे दाहिने और बैठ, जब तक कि मैं तेरे शत्रुओं को तेरे चरणों की चौकी न कर दूँ।”

Psalms 110:2

² तेरे पराक्रम का राजदण्ड यहोवा सिय्योन से बढ़ाएगा। तू अपने शत्रुओं के बीच में शासन कर।

Psalms 110:3

³ तेरी प्रजा के लोग तेरे पराक्रम के दिन स्वेच्छाबलि बनते हैं; तेरे जवान लोग पवित्रता से शोभायमान, और भोर के गर्भ से जन्मी हुई ओस के समान तेरे पास हैं।

Psalms 110:4

⁴ यहोवा ने शपथ खाई और न पछताएगा, “तू मलिकिसिदक की रीति पर सर्वदा का याजक है।”

Psalms 110:5

⁵ प्रभु तेरी दाहिनी और होकर अपने क्रोध के दिन राजाओं को चूर कर देगा।

Psalms 110:6

⁶ वह जाति-जाति में न्याय चुकाएगा, रणभूमि शब्दों से भर जाएगी; वह लम्बे चौड़े देशों के प्रधानों को चूर चूरकर देगा।

Psalms 110:7

⁷ वह मार्ग में चलता हुआ नदी का जल पीएगा और तब वह विजय के बाद अपने सिर को ऊँचा करेगा।

Psalms 111:1

¹ यहोवा की स्तुति करो। मैं सीधे लोगों की गोष्ठी में और मण्डली में भी सम्पूर्ण मन से यहोवा का धन्यवाद करूँगा।

Psalms 111:2

² यहोवा के काम बड़े हैं, जितने उनसे प्रसन्न रहते हैं, वे उन पर ध्यान लगाते हैं।

Psalms 111:3

³ उसके काम वैभवशाली और ऐश्वर्यमय होते हैं, और उसका धर्म सदा तक बना रहेगा।

Psalms 111:4

⁴ उसने अपने आश्चर्यकर्मों का स्मरण कराया है; यहोवा अनुग्रहकारी और दयावन्त है।

Psalms 111:5

⁵ उसने अपने डरवैयों को आहार दिया है; वह अपनी वाचा को सदा तक स्मरण रखेगा।

Psalms 111:6

⁶ उसने अपनी प्रजा को जाति-जाति का भाग देने के लिये, अपने कामों का प्रताप दिखाया है।

Psalms 111:7

⁷ सच्चाई और न्याय उसके हाथों के काम हैं; उसके सब उपदेश विश्वासयोग्य हैं,

Psalms 111:8

⁸ वे सदा सर्वदा अटल रहेंगे, वे सच्चाई और सिधाई से किए हुए हैं।

Psalms 111:9

⁹ उसने अपनी प्रजा का उद्धार किया है; उसने अपनी वाचा को सदा के लिये ठहराया है। उसका नाम पवित्र और भययोग्य है।

Psalms 111:10

¹⁰ बुद्धि का मूल यहोवा का भय है; जितने उसकी आज्ञाओं को मानते हैं, उनकी समझ अच्छी होती है। उसकी स्तुति सदा बनी रहेगी।

Psalms 112:1

¹ यहोवा की स्तुति करो! क्या ही धन्य है वह पुरुष जो यहोवा का भय मानता है, और उसकी आज्ञाओं से अति प्रसन्न रहता है!

Psalms 112:2

² उसका वंश पृथ्वी पर पराक्रमी होगा; सीधे लोगों की सन्तान आशीष पाएगी।

Psalms 112:3

³ उसके घर में धन-सम्पत्ति रहती है; और उसका धर्म सदा बना रहेगा।

Psalms 112:4

⁴ सीधे लोगों के लिये अंधकार के बीच में ज्योति उदय होती है; वह अनुग्रहकारी, दयावन्त और धर्मी होता है।

Psalms 112:5

⁵ जो व्यक्ति अनुग्रह करता और उधार देता है, और ईमानदारी के साथ अपने काम करता है, उसका कल्याण होता है।

Psalms 112:6

⁶ वह तो सदा तक अटल रहेगा; धर्मो का स्मरण सदा तक बना रहेगा।

Psalms 112:7

⁷ वह बुरे समाचार से नहीं डरता; उसका हृदय यहोवा पर भरोसा रखने से स्थिर रहता है।

Psalms 112:8

⁸ उसका हृदय सम्मला हुआ है, इसलिए वह न डरेगा, वरन् अपने शत्रुओं पर दृष्टि करके सन्तुष्ट होगा।

Psalms 112:9

⁹ उसने उदारता से दरिद्रों को दान दिया, उसका धर्म सदा बना रहेगा; और उसका सींग आदर के साथ ऊँचा किया जाएगा।

Psalms 112:10

¹⁰ दुष्ट इसे देखकर कुदेगा; वह दाँत पीस-पीसकर गल जाएगा; दुष्टों की लालसा पूरी न होगी।

Psalms 113:1

¹ यहोवा की स्तुति करो! हे यहोवा के दासों, स्तुति करो, यहोवा के नाम की स्तुति करो!

Psalms 113:2

² यहोवा का नाम अब से लेकर सर्वदा तक धन्य कहा जाएँ।

Psalms 113:3

³ उदयाचल से लेकर अस्ताचल तक, यहोवा का नाम स्तुति के योग्य है।

Psalms 113:4

⁴ यहोवा सारी जातियों के ऊपर महान है, और उसकी महिमा आकाश से भी ऊँची है।

Psalms 113:5

⁵ हमारे परमेश्वर यहोवा के तुल्य कौन है? वह तो ऊँचे पर विराजमान है,

Psalms 113:6

⁶ और आकाश और पृथ्वी पर, दृष्टि करने के लिये झुकता है।

Psalms 113:7

⁷ वह कंगाल को मिट्टी पर से, और दरिद्र को घूरे पर से उठाकर ऊँचा करता है,

Psalms 113:8

⁸ कि उसको प्रधानों के संग, अर्थात् अपनी प्रजा के प्रधानों के संग बैठाए।

Psalms 113:9

⁹ वह बाँझ को घर में बाल-बच्चों की आनन्द करनेवाली माता बनाता है। यहोवा की स्तुति करो!

Psalms 114:1

¹ जब इसाएल ने मिस्र से, अर्थात् याकूब के घराने ने अन्य भाषावालों के मध्य से कूच किया,

Psalms 114:2

² तब यहूदा यहोवा का पवित्रस्थान और इसाएल उसके राज्य के लोग हो गए।

Psalms 114:3

³ समुद्र देखकर भागा, यरदन नदी उलटी बही।

Psalms 114:4

⁴ पहाड़ मेढ़ों के समान उछलने लगे, और पहाड़ियाँ भेड़-बकरियों के बच्चों के समान उछलने लगीं।

Psalms 114:5

⁵ हे समुद्र, तुझे क्या हुआ, कि तू भागा? और हे यरदन तुझे क्या हुआ कि तू उलटी बही?

Psalms 114:6

⁶ हे पहाड़ों, तुम्हें क्या हुआ, कि तुम भेड़ों के समान, और हे पहाड़ियों तुम्हें क्या हुआ, कि तुम भेड़-बकरियों के बच्चों के समान उछलीं?

Psalms 114:7

⁷ हे पृथ्वी प्रभु के सामने, हाँ, याकूब के परमेश्वर के सामने थरथरा।

Psalms 114:8

⁸ वह चट्टान को जल का ताल, चकमक के पथर को जल का सोता बना डालता है।

Psalms 115:1

¹ हे यहोवा, हमारी नहीं, हमारी नहीं, वरन् अपने ही नाम की महिमा, अपनी करुणा और सच्चाई के निमित्त कर।

Psalms 115:2

² जाति-जाति के लोग क्यों कहने पाएँ, “उनका परमेश्वर कहाँ रहा?”

Psalms 115:3

³ हमारा परमेश्वर तो स्वर्ग में है; उसने जो चाहा वही किया है।

Psalms 115:4

⁴ उन लोगों की मूरतें सोने चाँदी ही की तो हैं, वे मनुष्यों के हाथ की बनाई हुई हैं।

Psalms 115:5

⁵ उनके मुँह तो रहता है परन्तु वे बोल नहीं सकती; उनके आँखें तो रहती हैं परन्तु वे देख नहीं सकती।

Psalms 115:6

⁶ उनके कान तो रहते हैं, परन्तु वे सुन नहीं सकती; उनके नाक तो रहती हैं, परन्तु वे सूँघ नहीं सकती।

Psalms 115:7

⁷ उनके हाथ तो रहते हैं, परन्तु वे स्पर्श नहीं कर सकती; उनके पाँव तो रहते हैं, परन्तु वे चल नहीं सकती; और उनके कण्ठ से कुछ भी शब्द नहीं निकाल सकती।

Psalms 115:8

⁸ जैसी वे हैं वैसे ही उनके बनानेवाले हैं; और उन पर सब भरोसा रखनेवाले भी वैसे ही हो जाएँगे।

Psalms 115:9

⁹ हे इसाएल, यहोवा पर भरोसा रख! तेरा सहायक और ढाल वही है।

Psalms 115:10

¹⁰ है हारून के घराने, यहोवा पर भरोसा रख! तेरा सहायक और ढाल वही है।

Psalms 115:11

¹¹ हे यहोवा के डरवैयों, यहोवा पर भरोसा रखो! तुम्हारा सहायक और ढाल वही है।

Psalms 115:12

¹² यहोवा ने हमको स्मरण किया है; वह आशीष देगा; वह इसाएल के घराने को आशीष देगा; वह हारून के घराने को आशीष देगा।

Psalms 115:13

¹³ क्या छोटे क्या बड़े जितने यहोवा के डरवैये हैं, वह उन्हें आशीष देगा।

Psalms 115:14

¹⁴ यहोवा तुम को और तुम्हारे वंश को भी अधिक बढ़ाता जाए।

Psalms 115:15

¹⁵ यहोवा जो आकाश और पृथ्वी का कर्ता है, उसकी ओर से तुम आशीष पाए हो।

Psalms 115:16

¹⁶ स्वर्ग तो यहोवा का है, परन्तु पृथ्वी उसने मनुष्यों को दी है।

Psalms 115:17

¹⁷ मृतक जितने चुपचाप पड़े हैं, वे तो यहोवा की स्तुति नहीं कर सकते,

Psalms 115:18

¹⁸ परन्तु हम लोग यहोवा को अब से लेकर सर्वदा तक धन्य कहते रहेंगे। यहोवा की स्तुति करो!

Psalms 116:1

¹ मैं प्रेम रखता हूँ, इसलिए कि यहोवा ने मेरे गिड़गिड़ाने को सुना है।

Psalms 116:2

² उसने जो मेरी ओर कान लगाया है, इसलिए मैं जीवन भर उसको पुकारा करूँगा।

Psalms 116:3

³ मृत्यु की रस्सियाँ मेरे चारों ओर थीं; मैं अधोलोक की सकेती में पड़ा था; मुझे संकट और शोक भोगना पड़ा।

Psalms 116:4

⁴ तब मैंने यहोवा से प्रार्थना की, “हे यहोवा, विनती सुनकर मेरे प्राण को बचा लो!”

Psalms 116:5

⁵ यहोवा करुणामय और धर्मी है; और हमारा परमेश्वर दया करनेवाला है।

Psalms 116:6

⁶ यहोवा भोलों की रक्षा करता है; जब मैं बलहीन हो गया था, उसने मेरा उद्धार किया।

Psalms 116:7

⁷ हे मेरे प्राण, तू अपने विश्रामस्थान में लौट आ; क्योंकि यहोवा ने तेरा उपकार किया है।

Psalms 116:8

⁸ तूने तो मेरे प्राण को मृत्यु से, मेरी आँख को आँसू बहाने से, और मेरे पाँव को ठोकर खाने से बचाया है।

Psalms 116:9

⁹ मैं जीवित रहते हुए, अपने को यहोवा के सामने जानकर नित चलता रहूँगा।

Psalms 116:10

¹⁰ मैंने जो ऐसा कहा है, इसे विश्वास की कसौटी पर कसकर कहा है, “मैं तो बहुत ही दुःखित हूँ,”

Psalms 116:11

¹¹ मैंने उतावली से कहा, “सब मनुष्य झूँठे हैं।”

Psalms 116:12

¹² यहोवा ने मेरे जितने उपकार किए हैं, उनके बदले मैं उसको क्या द्यूँ?

Psalms 116:13

¹³ मैं उद्धार का कटोरा उठाकर, यहोवा से प्रार्थना करूँगा,

Psalms 116:14

¹⁴ मैं यहोवा के लिये अपनी मन्त्रतें, सभी की दृष्टि में प्रगट रूप में, उसकी सारी प्रजा के सामने पूरी करूँगा।

Psalms 116:15

¹⁵ यहोवा के भक्तों की मृत्यु, उसकी दृष्टि में अनमोल है।

Psalms 116:16

¹⁶ हे यहोवा, सुन, मैं तो तेरा दास हूँ; मैं तेरा दास, और तेरी दासी का पुत्र हूँ। तूने मेरे बन्धन खोल दिए हैं।

Psalms 116:17

¹⁷ मैं तुझको धन्यवाद-बलि चढ़ाऊँगा, और यहोवा से प्रार्थना करूँगा।

Psalms 116:18

¹⁸ मैं यहोवा के लिये अपनी मन्त्रतें, प्रगट में उसकी सारी प्रजा के सामने

Psalms 116:19

¹⁹ यहोवा के भवन के आँगनों में, हे यरूशलेम, तेरे भीतर पूरी करूँगा। यहोवा की स्तुति करो!

Psalms 117:1

¹ हे जाति-जाति के सब लोगों, यहोवा की स्तुति करो! हे राज्य-राज्य के सब लोगों, उसकी प्रशंसा करो!

Psalms 117:2

² क्योंकि उसकी करुणा हमारे ऊपर प्रबल हुई है; और यहोवा की सच्चाई सदा की है यहोवा की स्तुति करो!

Psalms 118:1

¹ यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है; और उसकी करुणा सदा की है!

Psalms 118:2

² इस्साएल कहे, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 118:3

³ हारून का घराना कहे, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 118:4

⁴ यहोवा के डरवैये कहे, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 118:5

⁵ मैंने सकेती में परमेश्वर को पुकारा, परमेश्वर ने मेरी सुनकर, मुझे चौड़े स्थान में पहुँचाया।

Psalms 118:6

⁶ यहोवा मेरी ओर है, मैं न डरूँगा। मनुष्य मेरा क्या कर सकता है?

Psalms 118:7

⁷ यहोवा मेरी ओर मेरे सहायक है; मैं अपने बैरियों पर दृष्टि कर सन्तुष्ट होऊँगा।

Psalms 118:8

⁸ यहोवा की शरण लेना, मनुष्य पर भरोसा रखने से उत्तम है।

Psalms 118:9

⁹ यहोवा की शरण लेना, प्रधानों पर भी भरोसा रखने से उत्तम है।

Psalms 118:10

¹⁰ सब जातियों ने मुझ को धेर लिया है; परन्तु यहोवा के नाम से मैं निश्चय उन्हें नाश कर डालूँगा।

Psalms 118:11

¹¹ उन्होंने मुझे को घेर लिया है, निःसन्देह, उन्होंने मुझे घेर लिया है; परन्तु यहोवा के नाम से मैं निश्चय उन्हें नाश कर डालूँगा।

Psalms 118:12

¹² उन्होंने मुझे मधुमक्खियों के समान घेर लिया है, परन्तु काँटों की आग के समान वे बुझ गए; यहोवा के नाम से मैं निश्चय उन्हें नाश कर डालूँगा!

Psalms 118:13

¹³ तूने मुझे बड़ा धक्का दिया तो था, कि मैं गिर पड़ूँ, परन्तु यहोवा ने मेरी सहायता की।

Psalms 118:14

¹⁴ परमेश्वर मेरा बल और भजन का विषय है; वह मेरा उद्धार ठहरा है।

Psalms 118:15

¹⁵ धर्मियों के तम्बुओं में जयजयकार और उद्धार की ध्वनि हो रही है, यहोवा के दाहिने हाथ से पराक्रम का काम होता है,

Psalms 118:16

¹⁶ यहोवा का दाहिना हाथ महान हुआ है, यहोवा के दाहिने हाथ से पराक्रम का काम होता है!

Psalms 118:17

¹⁷ मैं न मरूँगा वरन् जीवित रहूँगा, और परमेश्वर के कामों का वर्णन करता रहूँगा।

Psalms 118:18

¹⁸ परमेश्वर ने मेरी बड़ी ताड़ना तो की है परन्तु मुझे मृत्यु के वश में नहीं किया।

Psalms 118:19

¹⁹ मेरे लिये धर्म के द्वार खोलो, मैं उनमें प्रवेश करके यहोवा का धन्यवाद करूँगा।

Psalms 118:20

²⁰ यहोवा का द्वार यही है, इससे धर्म प्रवेश करने पाएँगे।

Psalms 118:21

²¹ हे यहोवा, मैं तेरा धन्यवाद करूँगा, क्योंकि तूने मेरी सुन ली है, और मेरा उद्धार ठहर गया है।

Psalms 118:22

²² राजमिस्त्रियों ने जिस पथर को निकम्मा ठहराया था वही कोने का सिरा हो गया है।

Psalms 118:23

²³ यह तो यहोवा की ओर से हुआ है, यह हमारी दृष्टि में अद्भुत है।

Psalms 118:24

²⁴ आज वह दिन है जो यहोवा ने बनाया है; हम इसमें मगन और आनन्दित हों।

Psalms 118:25

²⁵ हे यहोवा, विनती सुन, उद्धार कर! हे यहोवा, विनती सुन, सफलता दे!

Psalms 118:26

²⁶ धन्य है वह जो यहोवा के नाम से आता है! हमने तुम को यहोवा के घर से आशीर्वाद दिया है।

Psalms 118:27

²⁷ यहोवा परमेश्वर है, और उसने हमको प्रकाश दिया है। यज्ञपशु को वेदी के सींगों से रस्सियों से बाँधो!

Psalms 118:28

²⁸ हे यहोवा, तू मेरा परमेश्वर है, मैं तेरा धन्यवाद करूँगा; तू मेरा परमेश्वर है, मैं तुझको सराहूँगा।

Psalms 118:29

²⁹ यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है; और उसकी करुणा सदा बनी रहेगी!

Psalms 119:1

¹ आलेफ बेथ गिमेल दाल्थ हे वाव जैन हेथ टेथ योध क्राफ लामेध मीम नून सामेख ऐन पे सांदे क्राफ रेश शीन ताव; क्या ही धन्य हैं वे जो चाल के खरे हैं, और यहोवा की व्यवस्था पर चलते हैं!

Psalms 119:2

² क्या ही धन्य हैं वे जो उसकी चितौनियों को मानते हैं, और पूर्ण मन से उसके पास आते हैं!

Psalms 119:3

³ फिर वे क्रुटिलता का काम नहीं करते, वे उसके मार्गों में चलते हैं।

Psalms 119:4

⁴ तूने अपने उपदेश इसलिए दिए हैं, कि हम उसे यत्र से माने।

Psalms 119:5

⁵ भला होता कि तेरी विधियों को मानने के लिये मेरी चाल चलन दृढ़ हो जाए!

Psalms 119:6

⁶ तब मैं तेरी सब आज्ञाओं की ओर चित्त लगाए रहूँगा, और मैं लज्जित न होऊँगा।

Psalms 119:7

⁷ जब मैं तेरे धर्ममय नियमों को सीखूँगा, तब तेरा धन्यवाद सीधे मन से करूँगा।

Psalms 119:8

⁸ मैं तेरी विधियों को मानूँगा: मुझे पूरी रीति से न तजा!

Psalms 119:9

⁹ जवान अपनी चाल को किस उपाय से शुद्ध रखें? तेरे वचन का पालन करने से।

Psalms 119:10

¹⁰ मैं पूरे मन से तेरी खोज में लगा हूँ; मुझे तेरी आज्ञाओं की बाट से भटकने न दे!

Psalms 119:11

¹¹ मैंने तेरे वचन को अपने हृदय में रख छोड़ा है, कि तेरे विरुद्ध पाप न करूँ।

Psalms 119:12

¹² हे यहोवा, तू धन्य है; मुझे अपनी विधियाँ सिखा!

Psalms 119:13

¹³ तेरे सब कहे हुए नियमों का वर्णन, मैंने अपने मुँह से किया है।

Psalms 119:14

¹⁴ मैं तेरी चितौनियों के मार्ग से, मानो सब प्रकार के धन से हर्षित हुआ हूँ।

Psalms 119:15

¹⁵ मैं तेरे उपदेशों पर ध्यान करूँगा, और तेरे मार्गों की ओर दृष्टि रखूँगा।

Psalms 119:16

¹⁶ मैं तेरी विधियों से सुख पाऊँगा; और तेरे वचन को न भूलूँगा।

Psalms 119:17

¹⁷ अपने दास का उपकार कर कि मैं जीवित रहूँ, और तेरे वचन पर चलता रहूँ।

Psalms 119:18

¹⁸ मेरी आँखें खोल दे, कि मैं तेरी व्यवस्था की अद्भुत बातें देख सकूँ।

Psalms 119:19

¹⁹ मैं तो पृथ्वी पर परदेशी हूँ; अपनी आज्ञाओं को मुझसे छिपाए न रख!

Psalms 119:20

²⁰ मेरा मन तेरे नियमों की अभिलाषा के कारण हर समय खेदित रहता है।

Psalms 119:21

²¹ तूने अभिमानियों को, जो श्रापित हैं, घुड़का है, वे तेरी आज्ञाओं से भटके हुए हैं।

Psalms 119:22

²² मेरी नामधराई और अपमान दूर कर, क्योंकि मैं तेरी चितौनियों को पकड़ हूँ।

Psalms 119:23

²³ हाकिम भी बैठे हुए आपस में मेरे विरुद्ध बातें करते थे, परन्तु तेरा दास तेरी विधियों पर ध्यान करता रहा।

Psalms 119:24

²⁴ तेरी चितौनियाँ मेरा सुखमूल और मेरे मंत्री हैं।

Psalms 119:25

²⁵ मैं धूल में पड़ा हूँ; तू अपने वचन के अनुसार मुझ को जिला!

Psalms 119:26

²⁶ मैंने अपनी चाल चलन का तुझ से वर्णन किया है और तूने मेरी बात मान ली है; तू मुझ को अपनी विधियाँ सिखा!

Psalms 119:27

²⁷ अपने उपदेशों का मार्ग मुझे समझा, तब मैं तेरे आश्वर्यकर्मों पर ध्यान करूँगा।

Psalms 119:28

²⁸ मेरा जीव उदासी के मारे गल चला है; तू अपने वचन के अनुसार मुझे सम्भाल!

Psalms 119:29

²⁹ मुझ को झूठ के मार्ग से दूर कर; और कृपा करके अपनी व्यवस्था मुझे दे।

Psalms 119:30

³⁰ मैंने सच्चाई का मार्ग चुन लिया है, तेरे नियमों की ओर मैं चित्त लगाए रहता हूँ।

Psalms 119:31

³¹ मैं तेरी चितौनियों में लौलीन हूँ, हे यहोवा, मुझे लजित न होने दे!

Psalms 119:32

³² जब तू मेरा हियाव बढ़ाएगा, तब मैं तेरी आज्ञाओं के मार्ग में दैड़ूँगा।

Psalms 119:33

³³ हे यहोवा, मुझे अपनी विधियों का मार्ग सिखा दे; तब मैं उसे अन्त तक पकड़े रहूँगा।

Psalms 119:34

³⁴ मुझे समझ दे, तब मैं तेरी व्यवस्था को पकड़े रहूँगा और पूर्ण मन से उस पर चलूँगा।

Psalms 119:35

³⁵ अपनी आज्ञाओं के पथ में मुझ को चला, क्योंकि मैं उसी से प्रसन्न हूँ।

Psalms 119:36

³⁶ मेरे मन को लोभ की ओर नहीं, अपनी चितौनियों ही की ओर फेर दे।

Psalms 119:37

³⁷ मेरी आँखों को व्यर्थ वस्तुओं की ओर से फेर दे; तू अपने मार्ग में मुझे जिला।

Psalms 119:38

³⁸ तेरा वादा जो तेरे भय माननेवालों के लिये है, उसको अपने दास के निमित्त भी पूरा कर।

Psalms 119:39

³⁹ जिस नामधारी से मैं डरता हूँ, उसे दूर कर; क्योंकि तेरे नियम उत्तम हैं।

Psalms 119:40

⁴⁰ देख, मैं तेरे उपदेशों का अभिलाषी हूँ; अपने धर्म के कारण मुझ को जिला।

Psalms 119:41

⁴¹ हे यहोवा, तेरी करुणा और तेरा किया हुआ उद्धार, तेरे वादे के अनुसार, मुझ को भी मिले;

Psalms 119:42

⁴² तब मैं अपनी नामधारी करनेवालों को कुछ उत्तर दे सकूँगा, क्योंकि मेरा भरोसा, तेरे वचन पर है।

Psalms 119:43

⁴³ मुझे अपने सत्य वचन कहने से न रोक क्योंकि मेरी आशा तेरे नियमों पर है।

Psalms 119:44

⁴⁴ तब मैं तेरी व्यवस्था पर लगातार, सदा सर्वदा चलता रहूँगा;

Psalms 119:45

⁴⁵ और मैं चौड़े स्थान में चला फिरा करूँगा, क्योंकि मैंने तेरे उपदेशों की सुधि रखी है।

Psalms 119:46

⁴⁶ और मैं तेरी चितौनियों की चर्चा राजाओं के सामने भी करूँगा, और लज्जित न होऊँगा;

Psalms 119:47

⁴⁷ क्योंकि मैं तेरी आज्ञाओं के कारण सुखी हूँ, और मैं उनसे प्रीति रखता हूँ।

Psalms 119:48

⁴⁸ मैं तेरी आज्ञाओं की ओर जिनमें मैं प्रीति रखता हूँ, हाथ फैलाऊँगा और तेरी विधियों पर ध्यान करूँगा।

Psalms 119:49

⁴⁹ जो वादा तूने अपने दास को दिया है, उसे स्मरण कर, क्योंकि तूने मुझे आशा दी है।

Psalms 119:50

⁵⁰ मेरे दुःख में मुझे शान्ति उसी से हुई है, क्योंकि तेरे वचन के द्वारा मैंने जीवन पाया है।

Psalms 119:51

⁵¹ अहंकारियों ने मुझे अत्यन्त ठंडे में उड़ाया है, तो भी मैं तेरी व्यवस्था से नहीं हटा।

Psalms 119:52

⁵² हे यहोवा, मैंने तेरे प्राचीन नियमों को स्मरण करके शान्ति पाई है।

Psalms 119:53

⁵³ जो दुष्ट तेरी व्यवस्था को छोड़े हुए हैं, उनके कारण मैं क्रोध से जलता हूँ।

Psalms 119:54

⁵⁴ जहाँ मैं परदेशी होकर रहता हूँ, वहाँ तेरी विधियाँ, मेरे गीत गाने का विषय बनी हैं।

Psalms 119:55

⁵⁵ हे यहोवा, मैंने रात को तेरा नाम स्मरण किया, और तेरी व्यवस्था पर चला हूँ।

Psalms 119:56

⁵⁶ यह मुझसे इस कारण हुआ, कि मैं तेरे उपदेशों को पकड़े हुए था।

Psalms 119:57

⁵⁷ यहोवा मेरा भाग है; मैंने तेरे वचनों के अनुसार चलने का निश्चय किया है।

Psalms 119:58

⁵⁸ मैंने पूरे मन से तुझे मनाया है; इसलिए अपने वादे के अनुसार मुझ पर दया कर।

Psalms 119:59

⁵⁹ मैंने अपनी चाल चलन को सोचा, और तेरी चितौनियों का मार्ग लिया।

Psalms 119:60

⁶⁰ मैंने तेरी आज्ञाओं के मानने में विलम्ब नहीं, फुर्ती की है।

Psalms 119:61

⁶¹ मैं दुष्टों की रस्सियों से बच्य गया हूँ, तो भी मैं तेरी व्यवस्था को नहीं भूला।

Psalms 119:62

⁶² तेरे धर्ममय नियमों के कारण मैं आधी रात को तेरा धन्यवाद करने को उठूँगा।

Psalms 119:63

⁶³ जितने तेरा भय मानते और तेरे उपदेशों पर चलते हैं, उनका मैं संगी हूँ।

Psalms 119:64

⁶⁴ हे यहोवा, तेरी करुणा पृथ्वी में भरी हुई है; तू मुझे अपनी विधियाँ सिखा!

Psalms 119:65

⁶⁵ हे यहोवा, तूने अपने वचन के अनुसार अपने दास के संग भलाई की है।

Psalms 119:66

⁶⁶ मुझे भली विवेक-शक्ति और समझ दे, क्योंकि मैंने तेरी आज्ञाओं का विश्वास किया है।

Psalms 119:67

⁶⁷ उससे पहले कि मैं दुःखित हुआ, मैं भटकता था; परन्तु अब मैं तेरे वचन को मानता हूँ।

Psalms 119:68

⁶⁸ तू भला है, और भला करता भी है; मुझे अपनी विधियाँ सिखा।

Psalms 119:69

⁶⁹ अभिमानियों ने तो मेरे विरुद्ध झूठ बात गढ़ी है, परन्तु मैं तेरे उपदेशों को पूरे मन से पकड़े रहूँगा।

Psalms 119:70

⁷⁰ उनका मन मोटा हो गया है, परन्तु मैं तेरी व्यवस्था के कारण सुखी हूँ।

Psalms 119:71

⁷¹ मुझे जो दुःख हुआ वह मेरे लिये भला ही हुआ है, जिससे मैं तेरी विधियों को सीख सकूँ।

Psalms 119:72

⁷² तेरी दी हुई व्यवस्था मेरे लिये हजारों रूपयों और मुहरों से भी उत्तम है।

Psalms 119:73

⁷³ तेरे हाथों से मैं बनाया और रचा गया हूँ; मुझे समझ दे कि मैं तेरी आज्ञाओं को सीखूँ।

Psalms 119:74

⁷⁴ तेरे डरवैये मुझे देखकर आनन्दित होंगे, क्योंकि मैंने तेरे वचन पर आशा लगाई है।

Psalms 119:75

⁷⁵ हे यहोवा, मैं जान गया कि तेरे नियम धर्ममय हैं, और तूने अपने सच्चाई के अनुसार मुझे दुःख दिया है।

Psalms 119:76

⁷⁶ मुझे अपनी करुणा से शान्ति दे, क्योंकि तूने अपने दास को ऐसा ही वादा दिया है।

Psalms 119:77

⁷⁷ तेरी दया मुझ पर हो, तब मैं जीवित रहूँगा; क्योंकि मैं तेरी व्यवस्था से सुखी हूँ।

Psalms 119:78

⁷⁸ अहंकारी लज्जित किए जाए, क्योंकि उन्होंने मुझे झूठ के द्वारा गिरा दिया है; परन्तु मैं तेरे उपदेशों पर ध्यान करूँगा।

Psalms 119:79

⁷⁹ जो तेरा भय मानते हैं, वह मेरी ओर फिरें, तब वे तेरी चितौनियों को समझ लेंगे।

Psalms 119:80

⁸⁰ मेरा मन तेरी विधियों के मानने में सिद्ध हो, ऐसा न हो कि मुझे लज्जित होना पड़े।

Psalms 119:81

⁸¹ मेरा प्राण तेरे उद्धार के लिये बैचेन है; परन्तु मुझे तेरे वचन पर आशा रहती है।

Psalms 119:82

⁸² मेरी आँखें तेरे गादे के पूरे होने की बाट जोहते-जोहते धुंधली पड़ गई हैं; और मैं कहता हूँ कि तू मुझे कब शान्ति देगा?

Psalms 119:83

⁸³ क्योंकि मैं धुएँ में की कुप्पी के समान हो गया हूँ, तो भी तेरी विधियों को नहीं भूला।

Psalms 119:84

⁸⁴ तेरे दास के कितने दिन रह गए हैं? तू मेरे पीछे पड़े हुओं को दण्ड कब देगा?

Psalms 119:85

⁸⁵ अहंकारी जो तेरी व्यवस्था के अनुसार नहीं चलते, उन्होंने मेरे लिये गड्ढे खोदे हैं।

Psalms 119:86

⁸⁶ तेरी सब आज्ञाएँ विश्वासयोग्य हैं; वे लोग झूठ बोलते हुए मेरे पीछे पड़े हैं; तू मेरी सहायता कर!

Psalms 119:87

⁸⁷ वे मुझ को पृथ्वी पर से मिटा डालने ही पर थे, परन्तु मैंने तेरे उपदेशों को नहीं छोड़ा।

Psalms 119:88

⁸⁸ अपनी करुणा के अनुसार मुझ को जिला, तब मैं तेरी दी हुई चितौनी को मानूँगा।

Psalms 119:89

⁸⁹ हे यहोवा, तेरा वचन, आकाश में सदा तक स्थिर रहता है।

Psalms 119:90

⁹⁰ तेरी सच्चाई पीढ़ी से पीढ़ी तक बनी रहती है; तूने पृथ्वी को स्थिर किया, इसलिए वह बनी है।

Psalms 119:91

⁹¹ हे आज के दिन तक तेरे नियमों के अनुसार ठहरे हैं; क्योंकि सारी सुष्टि तेरे अधीन है।

Psalms 119:92

⁹² यदि मैं तेरी व्यवस्था से सुखी न होता, तो मैं दुःख के समय नाश हो जाता।

Psalms 119:93

⁹³ मैं तेरे उपदेशों को कभी न भूलूँगा; क्योंकि उन्हीं के द्वारा तूने मुझे जिलाया है।

Psalms 119:94

⁹⁴ मैं तेरा ही हूँ, तू मेरा उद्धार कर, क्योंकि मैं तेरे उपदेशों की सुधि रखता हूँ।

Psalms 119:95

⁹⁵ दुष्ट मेरा नाश करने के लिये मेरी घात में लगे हैं; परन्तु मैं तेरी चितौनियों पर ध्यान करता हूँ।

Psalms 119:96

⁹⁶ मैंने देखा है कि प्रत्येक पूर्णता की सीमा होती है, परन्तु तेरी आज्ञा का विस्तार बड़ा और सीमा से परे है।

Psalms 119:97

⁹⁷ आहा! मैं तेरी व्यवस्था में कैसी प्रीति रखता हूँ! दिन भर मेरा ध्यान उसी पर लगा रहता है।

Psalms 119:98

⁹⁸ तू अपनी आज्ञाओं के द्वारा मुझे अपने शत्रुओं से अधिक बुद्धिमान करता है, क्योंकि वे सदा मेरे मन में रहती हैं।

Psalms 119:99

⁹⁹ मैं अपने सब शिक्षकों से भी अधिक समझ रखता हूँ, क्योंकि मेरा ध्यान तेरी चितौनियों पर लगा है।

Psalms 119:100

¹⁰⁰ मैं पुरनियों से भी समझदार हूँ, क्योंकि मैं तेरे उपदेशों को पकड़े हुए हूँ।

Psalms 119:101

¹⁰¹ मैंने अपने पाँवों को हर एक बुरे रास्ते से रोक रखा है, जिससे मैं तेरे वचन के अनुसार चलूँ।

Psalms 119:102

¹⁰² मैं तेरे नियमों से नहीं हटा, क्योंकि तू ही ने मुझे शिक्षा दी है।

Psalms 119:103

¹⁰³ तेरे वचन मुझ को कैसे मीठे लगते हैं, वे मेरे मुँह में मधु से भी मीठे हैं!

Psalms 119:104

¹⁰⁴ तेरे उपदेशों के कारण मैं समझदार हो जाता हूँ, इसलिए मैं सब मिथ्या मार्गों से बैर रखता हूँ।

Psalms 119:105

¹⁰⁵ तेरा वचन मेरे पाँव के लिये दीपक, और मेरे मार्ग के लिये उजियाला है।

Psalms 119:106

¹⁰⁶ मैंने शपथ खाई, और ठान लिया है कि मैं तेरे धर्ममय नियमों के अनुसार चलूँगा।

Psalms 119:107

¹⁰⁷ मैं अत्यन्त दुःख में पड़ा हूँ; हे यहोवा, अपने वादे के अनुसार मुझे जिला।

Psalms 119:108

¹⁰⁸ हे यहोवा, मेरे वचनों को स्वेच्छाबलि जानकर ग्रहण कर, और अपने नियमों को मुझे सिखा।

Psalms 119:109

¹⁰⁹ मेरा प्राण निरन्तर मेरी हथेली पर रहता है, तो भी मैं तेरी व्यवस्था को भूल नहीं गया।

Psalms 119:110

¹¹⁰ दुष्टों ने मेरे लिये फंदा लगाया है, परन्तु मैं तेरे उपदेशों के मार्ग से नहीं भटका।

Psalms 119:111

¹¹¹ मैंने तेरी चितौनियों को सदा के लिये अपना निज भागकर लिया है, क्योंकि वे मेरे हृदय के हर्ष का कारण हैं।

Psalms 119:112

¹¹² मैंने अपने मन को इस बात पर लगाया है, कि अन्त तक तेरी विधियों पर सदा चलता रहूँ।

Psalms 119:113

¹¹³ मैं दुचित्तों से तो बैर रखता हूँ, परन्तु तेरी व्यवस्था से प्रीति रखता हूँ।

Psalms 119:114

¹¹⁴ तू मेरी आङ़ और ढाल है; मेरी आशा तेरे वचन पर है।

Psalms 119:115

¹¹⁵ हे कुकर्मियों, मुझसे दूर हो जाओ, कि मैं अपने परमेश्वर की आज्ञाओं को पकड़े रहूँ!

Psalms 119:116

¹¹⁶ हे यहोवा, अपने वचन के अनुसार मुझे सम्भाल, कि मैं जीवित रहूँ, और मेरी आशा को न तोड़!

Psalms 119:117

¹¹⁷ मुझे थामे रख, तब मैं बचा रहूँगा, और निरन्तर तेरी विधियों की ओर चित्त लगाए रहूँगा!

Psalms 119:118

¹¹⁸ जितने तेरी विधियों के मार्ग से भटक जाते हैं, उन सब को तू तुच्छ जानता है, क्योंकि उनकी चतुराई झूठ है।

Psalms 119:119

¹¹⁹ तूने पृथ्वी के सब दुष्टों को धातु के मैल के समान दूर किया है; इस कारण मैं तेरी चितौनियों से प्रीति रखता हूँ।

Psalms 119:120

¹²⁰ तेरे भय से मेरा शरीर काँप उठता है, और मैं तेरे नियमों से डरता हूँ।

Psalms 119:121

¹²¹ मैंने तो न्याय और धर्म का काम किया है; तू मुझे अत्याचार करनेवालों के हाथ में न छोड़।

Psalms 119:122

¹²² अपने दास की भलाई के लिये जामिन हो, ताकि अहंकारी मुझ पर अत्याचार न करने पाएँ।

Psalms 119:123

¹²³ मेरी आँखें तुझ से उद्धार पाने, और तेरे धर्ममय वचन के पूरे होने की बाट जोहते-जोहते धुँधली पड़ गई हैं।

Psalms 119:124

¹²⁴ अपने दास के संग अपनी करुणा के अनुसार बर्ताव कर, और अपनी विधियाँ मुझे सिखा।

Psalms 119:125

¹²⁵ मैं तेरा दास हूँ, तू मुझे समझ दे कि मैं तेरी चितौनियों को समझूँ।

Psalms 119:126

¹²⁶ वह समय आया है, कि यहोवा काम करे, क्योंकि लोगों ने तेरी व्यवस्था को तोड़ दिया है।

Psalms 119:127

¹²⁷ इस कारण मैं तेरी आज्ञाओं को सोने से वरन् कुन्दन से भी अधिक प्रिय मानता हूँ।

Psalms 119:128

¹²⁸ इसी कारण मैं तेरे सब उपदेशों को सब विषयों में ठीक जानता हूँ; और सब मिथ्या मार्गों से बैर रखता हूँ।

Psalms 119:129

¹²⁹ तेरी चितौनियाँ अद्भुत हैं, इस कारण मैं उन्हें अपने जी से पकड़े हुए हूँ।

Psalms 119:130

¹³⁰ तेरी बातों के खुलने से प्रकाश होता है; उससे निर्बुद्धि लोग समझ प्राप्त करते हैं।

Psalms 119:131

¹³¹ मैं मुँह खोलकर हाँफने लगा, क्योंकि मैं तेरी आज्ञाओं का प्यासा था।

Psalms 119:132

¹³² जैसी तेरी रीति अपने नाम के प्रीति रखनेवालों से है, वैसे ही मेरी ओर भी फिरकर मुझ पर दया कर।

Psalms 119:133

¹³³ मेरे पैरों को अपने वचन के मार्ग पर स्थिर कर, और किसी अनर्थ बात को मुझ पर प्रभुता न करने दे।

Psalms 119:134

¹³⁴ मुझे मनुष्यों के अत्याचार से छुड़ा ले, तब मैं तेरे उपदेशों को मानूँगा।

Psalms 119:135

¹³⁵ अपने दास पर अपने मुख का प्रकाश चमका दे, और अपनी विधियाँ मुझे सिखा।

Psalms 119:136

¹³⁶ मेरी आँखों से आँसुओं की धारा बहती रहती है, क्योंकि लोग तेरी व्यवस्था को नहीं मानते।

Psalms 119:137

¹³⁷ हे यहोवा तू धर्मी है, और तेरे नियम सीधे हैं।

Psalms 119:138

¹³⁸ तूने अपनी चितौनियों को धर्म और पूरी सत्यता से कहा है।

Psalms 119:139

¹³⁹ मैं तेरी धुन में भस्म हो रहा हूँ, क्योंकि मेरे सतानेवाले तेरे वचनों को भूल गए हैं।

Psalms 119:140

¹⁴⁰ तेरा वचन पूरी रीति से ताया हुआ है, इसलिए तेरा दास उसमें प्रीति रखता है।

Psalms 119:141

¹⁴¹ मैं छोटा और तुच्छ हूँ, तो भी मैं तेरे उपदेशों को नहीं भूलता।

Psalms 119:142

¹⁴² तेरा धर्म सदा का धर्म है, और तेरी व्यवस्था सत्य है।

Psalms 119:143

¹⁴³ मैं संकट और सकेती में फँसा हूँ, परन्तु मैं तेरी आज्ञाओं से सुखी हूँ।

Psalms 119:144

¹⁴⁴ तेरी चितौनियाँ सदा धर्मय हैं; तू मुझ को समझ दे कि मैं जीवित रहूँ।

Psalms 119:145

¹⁴⁵ मैंने सारे मन से प्रार्थना की है, हे यहोवा मेरी सुन! मैं तेरी विधियों को पकड़े रहूँगा।

Psalms 119:146

¹⁴⁶ मैंने तुझ से प्रार्थना की है, तू मेरा उद्धार कर, और मैं तेरी चितौनियों को माना करूँगा।

Psalms 119:147

¹⁴⁷ मैंने पौ फटने से पहले दुहाई दी; मेरी आशा तेरे वचनों पर थी।

Psalms 119:148

¹⁴⁸ मेरी आँखें रात के एक-एक पहर से पहले खुल गईं, कि मैं तेरे वचन पर ध्यान करूँ।

Psalms 119:149

¹⁴⁹ अपनी करुणा के अनुसार मेरी सुन ले; हे यहोवा, अपनी नियमों के रीति अनुसार मुझे जीवित कर।

Psalms 119:150

¹⁵⁰ जो दुष्टा की धुन में हैं, वे निकट आ गए हैं; वे तेरी व्यवस्था से दूर हैं।

Psalms 119:151

¹⁵¹ हे यहोवा, तू निकट है, और तेरी सब आज्ञाएँ सत्य हैं।

Psalms 119:152

¹⁵² बहुत काल से मैं तेरी चितौनियों को जानता हूँ, कि तूने उनकी नींव सदा के लिये डाली है।

Psalms 119:153

¹⁵³ मेरे दुःख को देखकर मुझे छुड़ा ले, क्योंकि मैं तेरी व्यवस्था को भूल नहीं गया।

Psalms 119:154

¹⁵⁴ मेरा मुकद्दमा लड़, और मुझे छुड़ा ले; अपने वादे के अनुसार मुझ को जिला।

Psalms 119:155

¹⁵⁵ दुष्टों को उद्धार मिलना कठिन है, क्योंकि वे तेरी विधियों की सुधि नहीं रखते।

Psalms 119:156

¹⁵⁶ हे यहोवा, तेरी दया तो बड़ी है; इसलिए अपने नियमों के अनुसार मुझे जिला।

Psalms 119:157

¹⁵⁷ मेरा पीछा करनेवाले और मेरे सतानेवाले बहुत हैं, परन्तु मैं तेरी चितौनियों से नहीं हटता।

Psalms 119:158

¹⁵⁸ मैं विश्वासघातियों को देखकर घृणा करता हूँ; क्योंकि वे तेरे वचन को नहीं मानते।

Psalms 119:159

¹⁵⁹ देख, मैं तेरे उपदेशों से कैसी प्रीति रखता हूँ! हे यहोवा, अपनी करुणा के अनुसार मुझ को जिला।

Psalms 119:160

¹⁶⁰ तेरा सारा वचन सत्य ही है; और तेरा एक-एक धर्ममय नियम सदाकाल तक अटल है।

Psalms 119:161

¹⁶¹ हाकिम व्यर्थ मेरे पीछे पड़े हैं, परन्तु मेरा हृदय तेरे वचनों का भय मानता है।

Psalms 119:162

¹⁶² जैसे कोई बड़ी लूट पाकर हर्षित होता है, वैसे ही मैं तेरे वचन के कारण हर्षित हूँ।

Psalms 119:163

¹⁶³ झूठ से तो मैं बैर और घृणा रखता हूँ, परन्तु तेरी व्यवस्था से प्रीति रखता हूँ।

Psalms 119:164

¹⁶⁴ तेरे धर्ममय नियमों के कारण मैं प्रतिदिन सात बार तेरी स्तुति करता हूँ।

Psalms 119:165

¹⁶⁵ तेरी व्यवस्था से प्रीति रखनेवालों को बड़ी शान्ति होती है; और उनको कुछ ठोकर नहीं लगती।

Psalms 119:166

¹⁶⁶ हे यहोवा, मैं तुझ से उद्धार पाने की आशा रखता हूँ; और तेरी आज्ञाओं पर चलता आया हूँ।

Psalms 119:167

¹⁶⁷ मैं तेरी चितौनियों को जी से मानता हूँ, और उनसे बहुत प्रीति रखता आया हूँ।

Psalms 119:168

¹⁶⁸ मैं तेरे उपदेशों और चितौनियों को मानता आया हूँ, क्योंकि मेरी सारी चाल चलन तेरे सम्मुख प्रगट है।

Psalms 119:169

¹⁶⁹ हे यहोवा, मेरी दुहाई तुझ तक पहुँचे; तू अपने वचन के अनुसार मुझे समझ दे!

Psalms 119:170

¹⁷⁰ मेरा गिङ्गिङ्गाना तुझ तक पहुँचे; तू अपने वचन के अनुसार मुझे छुड़ा ले।

Psalms 119:171

¹⁷¹ मेरे मुँह से स्तुति निकला करे, क्योंकि तू मुझे अपनी विधियाँ सिखाता है।

Psalms 119:172

¹⁷² मैं तेरे वचन का गीत गाऊँगा, क्योंकि तेरी सब आज्ञाएँ धर्ममय हैं।

Psalms 119:173

¹⁷³ तेरा हाथ मेरी सहायता करने को तैयार रहता है, क्योंकि मैंने तेरे उपदेशों को अपनाया है।

Psalms 119:174

¹⁷⁴ हे यहोवा, मैं तुझ से उद्धार पाने की अभिलाषा करता हूँ, मैं तेरी व्यवस्था से सुखी हूँ।

Psalms 119:175

¹⁷⁵ मुझे जिला, और मैं तेरी स्तुति करूँगा, तेरे नियमों से मेरी सहायता हो।

Psalms 119:176

¹⁷⁶ मैं खोई हुई भेड़ के समान भटका हूँ; तू अपने दास को छूँढ़ ले, क्योंकि मैं तेरी आज्ञाओं को भूल नहीं गया।

Psalms 120:1

¹ यात्रा का गीत; संकट के समय मैंने यहोवा को पुकारा, और उसने मेरी सुन ली।

Psalms 120:2

² हे यहोवा, झूठ बोलनेवाले मुँह से और छली जीभ से मेरी रक्षा कर।

Psalms 120:3

³ हे छली जीभ, तुझको क्या मिले? और तेरे साथ और क्या अधिक किया जाए?

Psalms 120:4

⁴ वीर के नोकीले तीर और झाऊ के अंगारे!

Psalms 120:5

⁵ हाय, हाय, क्योंकि मुझे मेशेक में परदेशी होकर रहना पड़ा और केदार के तम्बुओं में बसना पड़ा है!

Psalms 120:6

⁶ बहुत समय से मुझ को मेल के बैरियों के साथ बसना पड़ा है।

Psalms 120:7

⁷ मैं तो मेल चाहता हूँ; परन्तु मेरे बोलते ही, वे लड़ना चाहते हैं!

Psalms 121:1

¹ यात्रा का गीत; मैं अपनी आँखें पर्वतों की ओर उठाऊँगा।
मुझे सहायता कहाँ से मिलेगी?

Psalms 121:2

² मुझे सहायता यहोवा की ओर से मिलती है, जो आकाश और
पृथ्वी का कर्ता है।

Psalms 121:3

³ वह तेरे पाँव को टलने न देगा, तेरा रक्षक कभी न ऊँधेगा।

Psalms 121:4

⁴ सुन, इस्राएल का रक्षक, न ऊँधेगा और न सोएगा।

Psalms 121:5

⁵ यहोवा तेरा रक्षक है; यहोवा तेरी दाहिनी ओर तेरी आँड़ है।

Psalms 121:6

⁶ न तो दिन को धूप से, और न रात को चाँदनी से तेरी कुछ
हानि होगी।

Psalms 121:7

⁷ यहोवा सारी विपत्ति से तेरी रक्षा करेगा; वह तेरे प्राण की रक्षा
करेगा।

Psalms 121:8

⁸ यहोवा तेरे आने-जाने में तेरी रक्षा अब से लेकर सदा तक
करता रहेगा।

Psalms 122:1

¹ दाऊद की यात्रा का गीत; जब लोगों ने मुझसे कहा, “आओ,
हम यहोवा के भवन को चलें,” तब मैं आनन्दित हुआ।

Psalms 122:2

² हे यरूशलेम, तेरे फाटकों के भीतर, हम खड़े हो गए हैं!

Psalms 122:3

³ हे यरूशलेम, तू ऐसे नगर के समान बना है, जिसके घर एक
दूसरे से मिले हुए हैं।

Psalms 122:4

⁴ वहाँ यहोवा के गोत्र-गोत्र के लोग यहोवा के नाम का ध्यवाद
करने को जाते हैं; यह इस्राएल के लिये साक्षी है।

Psalms 122:5

⁵ वहाँ तो न्याय के सिंहासन, दाऊद के घराने के लिये रखे हुए
हैं।

Psalms 122:6

⁶ यरूशलेम की शान्ति का वरदान माँगो, तेरे प्रेमी कुशल से
रहें।

Psalms 122:7

⁷ तेरी शहरपनाह के भीतर शान्ति, और तेरे महलों में कुशल
होवे!

Psalms 122:8

⁸ अपने भाइयों और संगियों के निमित्त, मैं कहूँगा कि तुझ में
शान्ति होवे!

Psalms 122:9

⁹ अपने परमेश्वर यहोवा के भवन के निमित्त, मैं तेरी भलाई का
यत्र करूँगा।

Psalms 123:1

¹ यात्रा का गीत; हे स्वर्ग में विराजमान मैं अपनी आँखें तेरी ओर उठाता हूँ!

Psalms 123:2

² देख, जैसे दासों की आँखें अपने स्वामियों के हाथ की ओर, और जैसे दासियों की आँखें अपनी स्वामिनी के हाथ की ओर लगी रहती है, वैसे ही हमारी आँखें हमारे परमेश्वर यहोवा की ओर उस समय तक लगी रहेंगी, जब तक वह हम पर दया न करे।

Psalms 123:3

³ हम पर दया कर, हे यहोवा, हम पर कृपा कर, क्योंकि हम अपमान से बहुत ही भर गए हैं।

Psalms 123:4

⁴ हमारा जीव सुखी लोगों के उपहास से, और अहंकारियों के अपमान से बहुत ही भर गया है।

Psalms 124:1

¹ दाऊद की यात्रा का गीत; इस्राएल यह कहे, कि यदि हमारी ओर यहोवा न होता,

Psalms 124:2

² यदि यहोवा उस समय हमारी ओर न होता जब मनुष्यों ने हम पर चढ़ाई की,

Psalms 124:3

³ तो वे हमको उसी समय जीवित निगल जाते, जब उनका क्रोध हम पर भड़का था,

Psalms 124:4

⁴ हम उसी समय जल में झूब जाते और धारा में बह जाते;

Psalms 124:5

⁵ उमड़ते जल में हम उसी समय ही बह जाते।

Psalms 124:6

⁶ धन्य है यहोवा, जिसने हमको उनके दाँतों तले जाने न दिया!

Psalms 124:7

⁷ हमारा जीव पक्षी के समान चिड़ीमार के जाल से छूट गया; जाल फट गया और हम बच निकले!

Psalms 124:8

⁸ यहोवा जो आकाश और पृथ्वी का कर्ता है, हमारी सहायता उसी के नाम से होती है।

Psalms 125:1

¹ दाऊद की यात्रा का गीत; जो यहोवा पर भरोसा रखते हैं, वे सियोन पर्वत के समान हैं, जो टलता नहीं, वरन् सदा बना रहता है।

Psalms 125:2

² जिस प्रकार यरूशलेम के चारों ओर पहाड़ हैं, उसी प्रकार यहोवा अपनी प्रजा के चारों ओर अब से लेकर सर्वदा तक बना रहेगा।

Psalms 125:3

³ दुष्टों का राजदण्ड धर्मियों के भाग पर बना न रहेगा, ऐसा न हो कि धर्मी अपने हाथ कुटिल काम की ओर बढ़ाएँ।

Psalms 125:4

⁴ हे यहोवा, भलों का और सीधे मनवालों का भला कर!

Psalms 125:5

⁵ परन्तु जो मुड़कर टेढ़े मार्गों में चलते हैं, उनको यहोवा अनर्थकारियों के संग निकाल देगा! इस्राएल को शान्ति मिले!

Psalms 126:1

¹ यात्रा का गीत; जब यहोवा सिथ्योन में लौटनेवालों को लौटा ले आया, तब हम स्वप्न देखनेवाले से हो गए।

Psalms 126:2

² तब हम आनन्द से हँसने और जयजयकार करने लगे; तब जाति-जाति के बीच में कहा जाता था, “यहोवा ने, इनके साथ बड़े-बड़े काम किए हैं।”

Psalms 126:3

³ यहोवा ने हमारे साथ बड़े-बड़े काम किए हैं; और इससे हम आनन्दित हैं।

Psalms 126:4

⁴ हे यहोवा, दक्षिण देश के नालों के समान, हमारे बन्दियों को लौटा ले आ।

Psalms 126:5

⁵ जो आँसू बहाते हुए बोते हैं, वे जयजयकार करते हुए लवने पाएँगे।

Psalms 126:6

⁶ चाहे बोनेवाला बीज लेकर रोता हुआ चला जाए, परन्तु वह फिर पूलियाँ लिए जयजयकार करता हुआ निश्चय लौट आएगा।

Psalms 127:1

¹ सुलैमान की यात्रा का गीत; यदि घर को यहोवा न बनाए, तो उसके बनानेवालों का परिश्रम व्यर्थ होगा। यदि नगर की रक्षा यहोवा न करे, तो रखवाले का जागना व्यर्थ ही होगा।

Psalms 127:2

² तुम जो सवेरे उठते और देर करके विश्राम करते और कठोर परिश्रम की रोटी खाते हो, यह सब तुम्हारे लिये व्यर्थ ही है; क्योंकि वह अपने प्रियों को यों ही नींद प्रदान करता है।

Psalms 127:3

³ देखो, बच्चे यहोवा के दिए हुए भाग हैं, गर्भ का फल उसकी ओर से प्रतिफल है।

Psalms 127:4

⁴ जैसे वीर के हाथ में तीर, वैसे ही जवानी के बच्चे होते हैं।

Psalms 127:5

⁵ क्या ही धन्य है वह पुरुष जिसने अपने तरकश को उनसे भर लिया हो! वह फाटक के पास अपने शत्रुओं से बातें करते संकीच न करेगा।

Psalms 128:1

¹ यात्रा का गीत; क्या ही धन्य है हर एक जो यहोवा का भय मानता है, और उसके मार्ग पर चलता है!

Psalms 128:2

² तू अपनी कमाई को निश्चय खाने पाएगा; तू धन्य होगा, और तेरा भला ही होगा।

Psalms 128:3

³ तेरे घर के भीतर तेरी स्त्री फलवन्त दाखलता सी होगी; तेरी मेज के चारों ओर तेरे बच्चे जैतून के पौधे के समान होंगे।

Psalms 128:4

⁴ सुन, जो पुरुष यहोवा का भय मानता हो, वह ऐसी ही आशीष पाएगा।

Psalms 128:5

⁵ यहोवा तुझे सिय्योन से आशीष देवे, और तू जीवन भर यस्तुशलेम का कुशल देखता रहे!

Psalms 128:6

⁶ वरन् तू अपने नाती-पोतों को भी देखने पाए! इस्राएल को शान्ति मिले!

Psalms 129:1

¹ यात्रा का गीत; इस्राएल अब यह कहे, “मेरे बचपन से लोग मुझे बार बार क्लेश देते आए हैं,

Psalms 129:2

² मेरे बचपन से वे मुझ को बार बार क्लेश देते तो आए हैं, परन्तु मुझ पर प्रबल नहीं हुए।

Psalms 129:3

³ हलवाहों ने मेरी पीठ के ऊपर हल चलाया, और लम्बी-लम्बी रेखाएँ की।”

Psalms 129:4

⁴ यहोवा धर्मी है; उसने दुष्टों के फंदों को काट डाला है;

Psalms 129:5

⁵ जितने सिय्योन से बैर रखते हैं, वे सब लज्जित हों, और पराजित होकर पीछे हट जाएं!

Psalms 129:6

⁶ वे छत पर की घास के समान हों, जो बढ़ने से पहले सूख जाती है;

Psalms 129:7

⁷ जिससे कोई लवनेवाला अपनी मुट्ठी नहीं भरता, न पूलियों का कोई बाँधनेवाला अपनी अँकवार भर पाता है,

Psalms 129:8

⁸ और न आने-जानेवाले यह कहते हैं, “यहोवा की आशीष तुम पर होवे! हम तुम को यहोवा के नाम से आशीर्वाद देते हैं!”

Psalms 130:1

¹ यात्रा का गीत; हे यहोवा, मैंने गहरे स्थानों में से तुझको पुकारा है!

Psalms 130:2

² हे प्रभु, मेरी सुन! तेरे कान मेरे गिङ्गिङ्गाने की ओर ध्यान से लगे रहें!

Psalms 130:3

³ हे यहोवा, यदि तू अर्धम के कामों का लेखा ले, तो हे प्रभु कौन खड़ा रह सकेगा?

Psalms 130:4

⁴ परन्तु तू क्षमा करनेवाला है, जिससे तेरा भय माना जाए।

Psalms 130:5

⁵ मैं यहोवा की बाट जोहता हूँ, मैं जी से उसकी बाट जोहता हूँ, और मेरी आशा उसके वचन पर है;

Psalms 130:6

⁶ पहरुए जितना भोर को चाहते हैं, हाँ, पहरुए जितना भोर को चाहते हैं, उससे भी अधिक मैं यहोवा को अपने प्राणों से चाहता हूँ।

Psalms 130:7

⁷ इस्राएल, यहोवा पर आशा लगाए रहे! क्योंकि यहोवा करुणा करनेवाला और पूरा छुटकारा देनेवाला है।

Psalms 130:8

⁸ इस्साएल को उसके सारे अधर्म के कामों से वही छुटकारा देगा।

Psalms 131:1

¹ दाऊद की यात्रा का गीत; हे यहोवा, न तो मेरा मन गर्व से और न मेरी दृष्टि घमण्ड से भरी है; और जो बातें बड़ी और मेरे लिये अधिक कठिन हैं, उनसे मैं काम नहीं रखता।

Psalms 131:2

² निश्चय मैंने अपने मन को शान्त और चुप कर दिया है, जैसे दूध छुड़ाया हुआ बच्चा अपनी माँ की गोद में रहता है, वैसे ही दूध छुड़ाए हुए बच्चे के समान मेरा मन भी रहता है।

Psalms 131:3

³ हे इस्साएल, अब से लेकर सदा सर्वदा यहोवा ही पर आशा लगाए रह!

Psalms 132:1

¹ यात्रा का गीत; हे यहोवा, दाऊद के लिये उसकी सारी दुर्दशा को स्मरण कर;

Psalms 132:2

² उसने यहोवा से शपथ खाई, और याकूब के सर्वशक्तिमान की मन्त्रत मानी है,

Psalms 132:3

³ उसने कहा, ‘निश्चय मैं उस समय तक अपने घर में प्रवेश न करूँगा, और न अपने पलंग पर चढ़ूँगा;

Psalms 132:4

⁴ न अपनी आँखों में नींद, और न अपनी पलकों में झापकी आने दूँगा,

Psalms 132:5

⁵ जब तक मैं यहोवा के लिये एक स्थान, अर्थात् याकूब के सर्वशक्तिमान के लिये निवास-स्थान न पाऊँ।”

Psalms 132:6

⁶ देखो, हमने एप्राता में इसकी चर्चा सुनी है, हमने इसको वन के खेतों में पाया है।

Psalms 132:7

⁷ आओ, हम उसके निवास में प्रवेश करें, हम उसके चरणों की चौकी के आगे दण्डवत् करें!

Psalms 132:8

⁸ हे यहोवा, उठकर अपने विश्रामस्थान में अपनी सामर्थ्य के सन्दूक समेत आ।

Psalms 132:9

⁹ तेरे याजक धर्म के वस्त्र पहने रहें, और तेरे भक्त लोग जयजयकार करें।

Psalms 132:10

¹⁰ अपने दास दाऊद के लिये, अपने अभिषिक्त की प्रार्थना को अनसुनी न कर।

Psalms 132:11

¹¹ यहोवा ने दाऊद से सच्ची शपथ खाई है और वह उससे न मुकरेगा: ‘मैं तेरी गद्दी पर तेरे एक निज पुत्र को बैठाऊँगा।

Psalms 132:12

¹² यदि तेरे वंश के लोग मेरी वाचा का पालन करें और जो चितौनी मैं उन्हें सिखाऊँगा, उस पर चलें, तो उनके वंश के लोग भी तेरी गद्दी पर युग-युग बैठते चले जाएँगे।”

Psalms 132:13

¹³ निश्चय यहोवा ने सिय्योन को चुना है, और उसे अपने निवास के लिये चाहा है।

Psalms 132:14

¹⁴ “यह तो युग-युग के लिये मेरा विश्रामस्थान हैं; यहीं मैं रहूँगा, क्योंकि मैंने इसको चाहा है।

Psalms 132:15

¹⁵ मैं इसमें की भोजनवस्तुओं पर अति आशीष दूँगा; और इसके दरिद्रों को रोटी से तृप्त करूँगा।

Psalms 132:16

¹⁶ इसके याजकों को मैं उद्धार का वस्त्र पहनाऊँगा, और इसके भक्त लोग ऊँचे स्वर से जयजयकार करेंगे।

Psalms 132:17

¹⁷ वहाँ मैं दाऊद का एक सींग उगाऊँगा; मैंने अपने अभिषिक्त के लिये एक दीपक तैयार कर रखा है।

Psalms 132:18

¹⁸ मैं उसके शत्रुओं को तो लज्जा का वस्त्र पहनाऊँगा, परन्तु उसके सिर पर उसका मुकुट शोभायमान रहेगा।”

Psalms 133:1

¹ दाऊद की यात्रा का गीत; देखो, यह क्या ही भली और मनोहर बात है कि भाई लोग आपस में मिले रहें!

Psalms 133:2

² यह तो उस उत्तम तेल के समान है, जो हारून के सिर पर डाला गया था, और उसकी दाढ़ी से बहकर, उसके वस्त्र की छोर तक पहुँच गया।

Psalms 133:3

³ वह हेर्मोन की उस ओस के समान है, जो सिय्योन के पहाड़ों पर गिरती है! यहोवा ने तो वहीं सदा के जीवन की आशीष ठहराई है।

Psalms 134:1

¹ यात्रा का गीत; हे यहोवा के सब सेवकों, सुनो, तुम जो रात-रात को यहोवा के भवन में खड़े रहते हो, यहोवा को धन्य कहो।

Psalms 134:2

² अपने हाथ पवित्रस्थान में उठाकर, यहोवा को धन्य कहो।

Psalms 134:3

³ यहोवा जो आकाश और पृथ्वी का कर्ता है, वह सिय्योन से तुझे आशीष देवे।

Psalms 135:1

¹ यहोवा की स्तुति करो, यहोवा के नाम की स्तुति करो, हे यहोवा के सेवकों उसकी स्तुति करो,

Psalms 135:2

² तुम जो यहोवा के भवन में, अर्थात् हमारे परमेश्वर के भवन के ऊँगनों में खड़े रहते हो!

Psalms 135:3

³ यहोवा की स्तुति करो, क्योंकि वो भला है; उसके नाम का भजन गाओ, क्योंकि यह मनोहर है!

Psalms 135:4

⁴ यहोवा ने तो याकूब को अपने लिये चुना है, अर्थात् इस्साएल को अपना निज धन होने के लिये चुन लिया है।

Psalms 135:5

⁵ मैं तो जानता हूँ कि यहोवा महान है, हमारा प्रभु सब देवताओं से ऊँचा है।

Psalms 135:6

⁶ जो कुछ यहोवा ने चाहा उसे उसने आकाश और पृथ्वी और समुद्र और सब गहरे स्थानों में किया है।

Psalms 135:7

⁷ वह पृथ्वी की छोर से कुहरे उठाता है, और वर्षा के लिये बिजली बनाता है, और पवन को अपने भण्डार में से निकालता है।

Psalms 135:8

⁸ उसने मिस्र में क्या मनुष्य क्या पशु, सब के पहिलौठों को मार डाला!

Psalms 135:9

⁹ हे मिस्र, उसने तेरे बीच में फ़िरैन और उसके सब कर्मचारियों के विरुद्ध चिन्ह और चमकार किए।

Psalms 135:10

¹⁰ उसने बहुत सी जातियाँ नाश की, और सामर्थी राजाओं को,

Psalms 135:11

¹¹ अर्थात् एमोरियों के राजा सीहोन को, और बाशान के राजा ओग को, और कनान के सब राजाओं को घात किया;

Psalms 135:12

¹² और उनके देश को बाँटकर, अपनी प्रजा इसाएल का भाग होने के लिये दे दिया।

Psalms 135:13

¹³ हे यहोवा, तेरा नाम सदा स्थिर है, हे यहोवा, जिस नाम से तेरा स्मरण होता है, वह पीढ़ी-पीढ़ी बना रहेगा।

Psalms 135:14

¹⁴ यहोवा तो अपनी प्रजा का न्याय चुकाएगा, और अपने दासों की दुर्दशा देखकर तरस खाएगा।

Psalms 135:15

¹⁵ अन्यजातियों की मूरतें सोना-चाँदी ही हैं, वे मनुष्यों की बनाई हुई हैं।

Psalms 135:16

¹⁶ उनके मुँह तो रहता है, परन्तु वे बोल नहीं सकती, उनके आँखें तो रहती हैं, परन्तु वे देख नहीं सकती,

Psalms 135:17

¹⁷ उनके कान तो रहते हैं, परन्तु वे सुन नहीं सकती, न उनमें कुछ भी साँस चलती है।

Psalms 135:18

¹⁸ जैसी वे हैं वैसे ही उनके बनानेवाले भी हैं; और उन पर सब भरोसा रखनेवाले भी वैसे ही हो जाएँगे!

Psalms 135:19

¹⁹ हे इसाएल के घराने, यहोवा को धन्य कह! हे हारून के घराने, यहोवा को धन्य कह!

Psalms 135:20

²⁰ हे लेवी के घराने, यहोवा को धन्य कह! हे यहोवा के डरवैयों, यहोवा को धन्य कहो!

Psalms 135:21

²¹ यहोवा जो यरूशलेम में वास करता है, उसे सियोन में धन्य कहा जाए! यहोवा की स्तुति करो!

Psalms 136:1

¹ यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है, और उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:2

² जो ईश्वरों का परमेश्वर है, उसका धन्यवाद करो, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:3

³ जो प्रभुओं का प्रभु है, उसका धन्यवाद करो, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:4

⁴ उसको छोड़कर कोई बड़े-बड़े आश्वर्यकर्म नहीं करता, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:5

⁵ उसने अपनी बुद्धि से आकाश बनाया, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:6

⁶ उसने पृथ्वी को जल के ऊपर फैलाया है, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:7

⁷ उसने बड़ी-बड़ी ज्योतियाँ बनाई, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:8

⁸ दिन पर प्रभुता करने के लिये सूर्य को बनाया, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:9

⁹ और रात पर प्रभुता करने के लिये चन्द्रमा और तारागण को बनाया, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:10

¹⁰ उसने मिसियों के पहिलौठों को मारा, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:11

¹¹ और उनके बीच से इसाएलियों को निकाला, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:12

¹² बलवन्त हाथ और बढ़ाई हुई भुजा से निकाल लाया, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:13

¹³ उसने लाल समुद्र को विभाजित कर दिया, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:14

¹⁴ और इसाएल को उसके बीच से पार कर दिया, उसकी करुणा सदा की है;

Psalms 136:15

¹⁵ और फिरैन को उसकी सेना समेत लाल समुद्र में डाल दिया, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:16

¹⁶ वह अपनी प्रजा को जंगल में ले चला, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:17

¹⁷ उसने बड़े-बड़े राजा मारे, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:18

¹⁸ उसने प्रतापी राजाओं को भी मारा, उसकी करुणा सदा की है;

Psalms 136:19

¹⁹ एमोरियों के राजा सीहोन को, उसकी करुणा सदा की है;

Psalms 136:20

²⁰ और बाशान के राजा ओग को घात किया, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:21

²¹ और उनके देश को भाग होने के लिये, उसकी करुणा सदा की है;

Psalms 136:22

²² अपने दास इस्माएलियों के भाग होने के लिये दे दिया, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:23

²³ उसने हमारी दुर्दशा में हमारी सुधि ली, उसकी करुणा सदा की है;

Psalms 136:24

²⁴ और हमको द्रोहियों से छुड़ाया है, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:25

²⁵ वह सब प्राणियों को आहार देता है, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 136:26

²⁶ स्वर्ग के परमेश्वर का धन्यवाद करो, उसकी करुणा सदा की है।

Psalms 137:1

¹ बाबेल की नदियों के किनारे हम लोग बैठ गए, और सियोन को स्मरण करके रो पड़े!

Psalms 137:2

² उसके बीच के मजनूवृक्षों पर हमने अपनी वीणाओं को टाँग दिया;

Psalms 137:3

³ क्योंकि जो हमको बन्दी बनाकर ले गए थे, उन्होंने वहाँ हम से गीत गवाना चाहा, और हमारे रुलाने वालों ने हम से आनन्द चाहकर कहा, ‘सियोन के गीतों में से हमारे लिये कोई गीत गाओ!’

Psalms 137:4

⁴ हम यहोवा के गीत को, पराए देश में कैसे गाएँ?

Psalms 137:5

⁵ हे यरूशलेम, यदि मैं तुझे भूल जाऊँ, तो मेरा दाहिना हाथ सूख जाए!

Psalms 137:6

⁶ यदि मैं तुझे स्मरण न रखूँ यदि मैं यरूशलेम को, अपने सब आनन्द से श्रेष्ठ न जानूँ तो मैरी जीभ तालू से चिपट जाए!

Psalms 137:7

⁷ हे यहोवा, यरूशलेम के गिराए जाने के दिन को एदोमियों के विरुद्ध स्मरण कर, कि वे कैसे कहते थे, “ढाओ! उसको नींव से ढा दो!”

Psalms 137:8

⁸ हे बाबेल, तू जो जल्द उजड़नेवाली है, क्या ही धन्य वह होगा, जो तुझ से ऐसा बर्ताव करेगा जैसा तूने हम से किया है!

Psalms 137:9

⁹ क्या ही धन्य वह होगा, जो तेरे बच्चों को पकड़कर, चट्टान पर पटक देगा!

Psalms 138:1

¹ दाऊद का भजन; मैं पूरे मन से तेरा धन्यवाद करूँगा; देवताओं के सामने भी मैं तेरा भजन गाऊँगा।

Psalms 138:2

² मैं तेरे पवित्र मन्दिर की ओर दण्डवत् करूँगा, और तेरी करुणा और सच्चाई के कारण तेरे नाम का धन्यवाद करूँगा; क्योंकि तूने अपने वचन को और अपने बड़े नाम को सबसे अधिक महत्त्व दिया है।

Psalms 138:3

³ जिस दिन मैंने पुकारा, उसी दिन तूने मेरी सुन ली, और मुझ में बल देकर हियाव बन्धाया।

Psalms 138:4

⁴ हे यहोवा, पृथ्वी के सब राजा तेरा धन्यवाद करेगे, क्योंकि उन्होंने तेरे वचन सुने हैं;

Psalms 138:5

⁵ और वे यहोवा की गति के विषय में गाँँगे, क्योंकि यहोवा की महिमा बड़ी है।

Psalms 138:6

⁶ यद्यपि यहोवा महान है, तो भी वह नम्र मनुष्य की ओर दृष्टि करता है; परन्तु अहंकारी को दूर ही से पहचानता है।

Psalms 138:7

⁷ चाहे मैं संकट के बीच में चलूँ तो भी तू मुझे सुरक्षित रखेगा, तू मेरे क्रोधित शत्रुओं के विरुद्ध हाथ बढ़ाएगा, और अपने दाहिने हाथ से मेरा उद्धार करेगा।

Psalms 138:8

⁸ यहोवा मेरे लिये सब कुछ पूरा करेगा; हे यहोवा, तेरी करुणा सदा की है। तू अपने हाथों के कार्यों को त्याग न दे।

Psalms 139:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन; हे यहोवा, तूने मुझे जाँचकर जान लिया है।

Psalms 139:2

² तू मेरा उठना और बैठना जानता है; और मेरे विचारों को दूर ही से समझ लेता है।

Psalms 139:3

³ मेरे चलने और लेटने की तू भली भाँति छानबीन करता है, और मेरी पूरी चाल चलन का भेद जानता है।

Psalms 139:4

⁴ हे यहोवा, मेरे मुँह में ऐसी कोई बात नहीं जिसे तू पूरी रीति से न जानता हो।

Psalms 139:5

⁵ तूने मुझे आगे-पीछे घेर रखा है, और अपना हाथ मुझ पर रखे रहता है।

Psalms 139:6

⁶ यह ज्ञान मेरे लिये बहुत कठिन है; यह गम्भीर और मेरी समझ से बाहर है।

Psalms 139:7

⁷ मैं तेरे आत्मा से भागकर किधर जाऊँ? या तेरे सामने से किधर भागूँ?

Psalms 139:8

⁸ यदि मैं आकाश पर चढ़ूँ, तो तू वहाँ है! यदि मैं अपना खाट अधोलोक में बिछाऊँ तो वहाँ भी तू है!

Psalms 139:9

⁹ यदि मैं भोर की किरणों पर चढ़कर समुद्र के पार जा बसूँ

Psalms 139:10

¹⁰ तो वहाँ भी तू अपने हाथ से मेरी अगुआई करेगा, और अपने दाहिने हाथ से मुझे पकड़े रहेगा।

Psalms 139:11

¹¹ यदि मैं कहूँ कि अंधकार में तो मैं छिप जाऊँगा, और मेरे चारों ओर का उजियाला रात का अंधेरा हो जाएगा,

Psalms 139:12

¹² तो भी अंधकार तुझ से न छिपाएगा, रात तो दिन के तुल्य प्रकाश देगी; क्योंकि तेरे लिये अंधियारा और उजियाला दोनों एक समान हैं।

Psalms 139:13

¹³ तूने मेरे अंदरूनी अंगों को बनाया है; तूने मुझे माता के गर्भ में रचा।

Psalms 139:14

¹⁴ मैं तेरा धन्यवाद करूँगा, इसलिए कि मैं भयानक और अद्भुत रीति से रचा गया हूँ। तेरे काम तो आश्वर्य के हैं, और मैं इसे भली भाँति जानता हूँ।

Psalms 139:15

¹⁵ जब मैं गुप्त में बनाया जाता, और पृथ्वी के नीचे स्थानों में रचा जाता था, तब मेरी देह तुझ से छिपी न थी।

Psalms 139:16

¹⁶ तेरी आँखों ने मेरे बेडौल तत्व को देखा; और मेरे सब अंग जो दिन-दिन बनते जाते थे वे रचे जाने से पहले तेरी पुस्तक में लिखे हुए थे।

Psalms 139:17

¹⁷ मेरे लिये तो हे परमेश्वर, तेरे विचार क्या ही बहुमूल्य हैं! उनकी संखा का जोड़ कैसा बड़ा है!

Psalms 139:18

¹⁸ यदि मैं उनको गिनता तो वे रेतकणों से भी अधिक ठहरते। जब मैं जाग उठता हूँ, तब भी तेरे संग रहता हूँ।

Psalms 139:19

¹⁹ हे परमेश्वर निश्चय तू दुष्ट को घात करेगा! हे हत्यारों, मुझसे दूर हो जाओ।

Psalms 139:20

²⁰ क्योंकि वे तेरे विरुद्ध बलवा करते और छल के काम करते हैं; तेरे शत्रु तेरा नाम झूठी बात पर लेते हैं।

Psalms 139:21

²¹ हे यहोवा, क्या मैं तेरे बैरियों से बैर न रखूँ और तेरे विरोधियों से घृणा न करूँ?

Psalms 139:22

²² हाँ, मैं उनसे पूर्ण बैर रखता हूँ; मैं उनको अपना शत्रु समझता हूँ।

Psalms 139:23

²³ हे परमेश्वर, मुझे जाँचकर जान ले! मुझे परखकर मेरी चिन्ताओं को जान ले!

Psalms 139:24

²⁴ और देख कि मुझ में कोई बुरी चाल है कि नहीं, और अनन्त के मार्ग में मेरी अगुआई कर!

Psalms 140:1

¹ प्रधान बजानेवाले के लिये दाऊद का भजन; हे यहोवा, मुझ को बुरे मनुष्य से बचा ले; उपद्रवी पुरुष से मेरी रक्षा कर,

Psalms 140:2

² क्योंकि उन्होंने मन में बुरी कल्पनाएँ की हैं; वे लगातार लड़ाइयाँ मचाते हैं।

Psalms 140:3

³ उनका बोलना साँप के काटने के समान है, उनके मुँह में नाग का सा विष रहता है। (सेला)

Psalms 140:4

⁴ हे यहोवा, मुझे दुष्ट के हाथों से बचा ले; उपद्रवी पुरुष से मेरी रक्षा कर, क्योंकि उन्होंने मेरे पैरों को उखाड़ने की युक्ति की है।

Psalms 140:5

⁵ घमण्डियों ने मेरे लिये फंदा और पासे लगाए, और पथ के किनारे जाल बिछाया है; उन्होंने मेरे लिये फंदे लगा रखे हैं। (सेला)

Psalms 140:6

⁶ हे यहोवा, मैंने तुझ से कहा है कि तू मेरा परमेश्वर है; हे यहोवा, मेरे गिड़गिड़ाने की ओर कान लगा!

Psalms 140:7

⁷ हे यहोवा प्रभु, हे मेरे सामर्थ्य उद्धारकर्ता, तूने युद्ध के दिन मेरे सिर की रक्षा की है।

Psalms 140:8

⁸ हे यहोवा, दुष्ट की इच्छा को पूरी न होने दे, उसकी बुरी युक्ति को सफल न कर, नहीं तो वह घमण्ड करेगा। (सेला)

Psalms 140:9

⁹ मेरे धेरनेवालों के सिर पर उन्हीं का विचारा हुआ उत्पात पड़े!

Psalms 140:10

¹⁰ उन पर अंगारे डाले जाएँ! वे आग में गिरा दिए जाएँ! और ऐसे गङ्गों में गिरें, कि वे फिर उठ न सके!

Psalms 140:11

¹¹ बकवादी पृथ्वी पर स्थिर नहीं होने का; उपद्रवी पुरुष को गिराने के लिये बुराई उसका पीछा करेगी।

Psalms 140:12

¹² हे यहोवा, मुझे निश्चय है कि तू दीन जन का और दरिद्रों का न्याय चुकाएगा।

Psalms 140:13

¹³ निःसन्देह धर्मी तेरे नाम का धन्यवाद करने पाएँगे; सीधे लोग तेरे समुख वास करेंगे।

Psalms 141:1

¹ दाऊद का भजन; हे यहोवा, मैंने तुझे पुकारा है; मेरे लिये फुर्ती कर! जब मैं तुझको पुकारूँ, तब मेरी ओर कान लगा!

Psalms 141:2

² मेरी प्रार्थना तेरे सामने सुगन्ध धूप, और मेरा हाथ फैलाना, संध्याकाल का अन्नबलि ठहरे!

Psalms 141:3

³ हे यहोवा, मेरे मुँह पर पहरा बैठा, मेरे होठों के द्वार की रखवाली कर!

Psalms 141:4

⁴ मेरा मन किसी बुरी बात की ओर फिरने न दे; मैं अनर्थकारी पुरुषों के संग, दुष्ट कामों में न लगूँ और मैं उनके स्वादिष्ट भोजनवस्तुओं में से कुछ न खाऊँ!

Psalms 141:5

⁵ धर्मी मुझ को मारे तो यह करुणा मानी जाएगी, और वह मुझे ताड़ना दे, तो यह मेरे सिर पर का तेल ठहरेगा; मेरा सिर उससे इन्कार न करेगा। दुष्ट लोगों के बुरे कामों के विरुद्ध मैं निरन्तर प्रार्थना करता रहूँगा।

Psalms 141:6

⁶ जब उनके न्यायी चट्टान के ऊपर से गिराए गए, तब उन्होंने मेरे वचन सुन लिए; क्योंकि वे मधुर हैं।

Psalms 141:7

⁷ जैसे भूमि में हल चलने से ढेले फूटते हैं, वैसे ही हमारी हड्डियाँ अधोलोक के मुँह पर छितराई गई हैं।

Psalms 141:8

⁸ परन्तु हे यहोवा प्रभु, मेरी आँखें तेरी ही ओर लगी हैं; मैं तेरा शरणागत हूँ, तू मेरे प्राण जाने न दे!

Psalms 141:9

⁹ मुझे उस फंदे से, जो उन्होंने मेरे लिये लगाया है, और अनर्थकारियों के जाल से मेरी रक्षा करा!

Psalms 141:10

¹⁰ दुष्ट लोग अपने जालों में आप ही फँसे, और मैं बच निकलूँ।

Psalms 142:1

¹ दाऊद का मश्कील, जब वह गुफा में था: प्रार्थना; मैं यहोवा की दुहाई देता, मैं यहोवा से गिड़गिड़ाता हूँ,

Psalms 142:2

² मैं अपने शोक की बातें उससे खोलकर कहता, मैं अपना संकट उसके आगे प्रगट करता हूँ।

Psalms 142:3

³ जब मेरी आत्मा मेरे भीतर से व्याकुल हो रही थी, तब तू मेरी दशा को जानता था! जिस रास्ते से मैं जानेवाला था, उसी में उन्होंने मेरे लिये फंदा लगाया।

Psalms 142:4

⁴ मैंने दाहिनी ओर देखा, परन्तु कोई मुझे नहीं देखता। मेरे लिये शरण कहीं नहीं रही, न मुझ को काई पूछता है।

Psalms 142:5

⁵ हे यहोवा, मैंने तेरी दुहाई दी है; मैंने कहा, तू मेरा शरणस्थान है, मेरे जीते जी तू मेरा भाग है।

Psalms 142:6

⁶ मेरी चिल्लाहट को ध्यान देकर सुन, क्योंकि मेरी बड़ी दुर्दशा हो गई है! जो मेरे पीछे पड़े हैं, उनसे मुझे बचा ले; क्योंकि वे मुझसे अधिक सामर्थी हैं।

Psalms 142:7

⁷ मुझ को बन्दीगृह से निकाल कि मैं तेरे नाम का धन्यवाद करूँ! धर्मी लोग मेरे चारों ओर आँँगे; क्योंकि तू मेरा उपकार करेगा।

Psalms 143:1

¹ दाऊद का भजन; हे यहोवा, मेरी प्रार्थना सुन; मेरे गिड़गिड़ाने की ओर कान लगा! तू जो सच्चा और धर्मी है, इसलिए मेरी सुन ले,

Psalms 143:2

² और अपने दास से मुकद्दमा न चला! क्योंकि कोई प्राणी तेरी वृष्टि में निर्दोष नहीं ठहर सकता।

Psalms 143:3

³ शत्रु तो मेरे प्राण का गाहक हुआ है; उसने मुझे चूर करके मिट्टी में मिलाया है, और मुझे बहुत दिन के मरे हुओं के समान अंधेरे स्थान में डाल दिया है।

Psalms 143:4

⁴ मेरी आत्मा भीतर से व्याकुल हो रही है मेरा मन विकल है।

Psalms 143:5

⁵ मुझे प्राचीनकाल के दिन स्मरण आते हैं, मैं तेरे सब अद्भुत कामों पर ध्यान करता हूँ, और तेरे हाथों के कामों को सोचता हूँ।

Psalms 143:6

⁶ मैं तेरी ओर अपने हाथ फैलाए हुए हूँ; सूखी भूमि के समान मैं तेरा प्यासा हूँ। (सेला)

Psalms 143:7

⁷ हे यहोवा, फुर्ती करके मेरी सुन ले, क्योंकि मेरे प्राण निकलने ही पर हैं! मुझसे अपना मुँह न छिपा, ऐसा न हो कि मैं कब्र में पड़े हुओं के समान हो जाऊँ।

Psalms 143:8

⁸ प्रातःकाल को अपनी करुणा की बात मुझे सुना, क्योंकि मैंने तुझी पर भरोसा रखा है। जिस मार्ग पर मुझे चलना है, वह मुझ को बता दे, क्योंकि मैं अपना मन तेरी ही ओर लगाता हूँ।

Psalms 143:9

⁹ हे यहोवा, मुझे शत्रुओं से बचा ले; मैं तेरी ही आङ्ग में आ छिपा हूँ।

Psalms 143:10

¹⁰ मुझ को यह सिखा, कि मैं तेरी इच्छा कैसे पूरी करूँ, क्योंकि मेरा परमेश्वर तू ही है! तेरी भली आत्मा मुझ को धर्म के मार्ग में ले चले।

Psalms 143:11

¹¹ हे यहोवा, मुझे अपने नाम के निमित्त जिला! तू जो धर्मी है, मुझ को संकट से छुड़ा ले!

Psalms 143:12

¹² और करुणा करके मेरे शत्रुओं का सत्यानाश कर, और मेरे सब सतानेवालों का नाश कर डाल, क्योंकि मैं तेरा दास हूँ।

Psalms 144:1

¹ दाऊद का भजन; धन्य है यहोवा, जो मेरी चट्टान है, वह युद्ध के लिए मेरे हाथों को और लड़ाई के लिए मेरी उँगलियों को अभ्यास कराता है।

Psalms 144:2

² वह मेरे लिये करुणानिधान और गढ़, ऊँचा स्थान और छुड़ानेवाला है, वह मेरी ढाल और शरणस्थान है, जो जातियों को मेरे वश में कर देता है।

Psalms 144:3

³ हे यहोवा, मनुष्य क्या है कि तू उसकी सुधि लेता है, या आदमी क्या है कि तू उसकी कुछ चिन्ता करता है?

Psalms 144:4

⁴ मनुष्य तो साँस के समान है; उसके दिन ढलती हुई छाया के समान हैं।

Psalms 144:5

⁵ हे यहोवा, अपने स्वर्ग को नीचा करके उत्तर आ! पहाड़ों को छू तब उनसे धुआँ उठेगा!

Psalms 144:6

⁶ बिजली कड़ाकर उनको तितर-बितर कर दे, अपने तीर चलाकर उनको घबरा दे!

Psalms 144:7

⁷ अपना हाथ ऊपर से बढ़ाकर मुझे महासागर से उबार, अर्थात् परदेशियों के वश से छुड़ा।

Psalms 144:8

⁸ उनके मुँह से तो झूठी बातें निकलती हैं, और उनके दाहिने हाथ से धोखे के काम होते हैं।

Psalms 144:9

⁹ हे परमेश्वर, मैं तेरी स्तुति का नया गीत गाऊँगा; मैं दस तारवाली सारंगी बजाकर तेरा भजन गाऊँगा।

Psalms 144:10

¹⁰ तू राजाओं का उद्धार करता है, और अपने दास दाऊद को तलवार की मार से बचाता है।

Psalms 144:11

¹¹ मुझ को उबार और परदेशियों के वश से छुड़ा ले, जिनके मुँह से झूठी बातें निकलती हैं, और जिनका दाहिना हाथ झूठ का दाहिना हाथ है।

Psalms 144:12

¹² हमारे बेटे जवानी के समय पौधों के समान बढ़े हुए हों, और हमारी बेटियाँ उन कोनेवाले खम्मों के समान हों, जो महल के लिये बनाए जाएँ;

Psalms 144:13

¹³ हमारे खत्ते भरे रहें, और उनमें भाँति-भाँति का अन्न रखा जाए, और हमारी भेड़-बकरियाँ हमारे मैदानों में हजारों हजार बच्चे जनें;

Psalms 144:14

¹⁴ तब हमारे बैल खूब लदे हुए हों; हमें न विघ्न हो और न हमारा कहीं जाना हो, और न हमारे चौकों में रोना-पीटना हो,

Psalms 144:15

¹⁵ तो इस दशा में जो राज्य हो वह क्या ही धन्य होगा! जिस राज्य का परमेश्वर यहोवा है, वह क्या ही धन्य है!

Psalms 145:1

¹ दाऊद का भजन; हे मेरे परमेश्वर, हे राजा, मैं तुझे सराहूँगा, और तेरे नाम को सदा सर्वदा धन्य कहता रहूँगा।

Psalms 145:2

² प्रतिदिन मैं तुझको धन्य कहा करूँगा, और तेरे नाम की स्तुति सदा सर्वदा करता रहूँगा।

Psalms 145:3

³ यहोवा महान और अति स्तुति के योग्य है, और उसकी बड़ाई अगम है।

Psalms 145:4

⁴ तेरे कामों की प्रशंसा और तेरे पराक्रम के कामों का वर्णन, पीढ़ी-पीढ़ी होता चला जाएगा।

Psalms 145:5

⁵ मैं तेरे ऐश्वर्य की महिमा के प्रताप पर और तेरे भाँति-भाँति के आश्वर्यकर्मों पर ध्यान करूँगा।

Psalms 145:6

⁶ लोग तेरे भयानक कामों की शक्ति की चर्चा करेंगे, और मैं तेरे बड़े-बड़े कामों का वर्णन करूँगा।

Psalms 145:7

⁷ लोग तेरी बड़ी भलाई का स्मरण करके उसकी चर्चा करेंगे, और तेरे धर्म का जयजयकार करेंगे।

Psalms 145:8

⁸ यहोवा अनुग्रहकारी और दयालु, विलम्ब से क्रोध करनेवाला और अति करुणामय है।

Psalms 145:9

⁹ यहोवा सभी के लिये भला है, और उसकी दया उसकी सारी सुष्टि पर है।

Psalms 145:10

¹⁰ हे यहोवा, तेरी सारी सुष्टि तेरा धन्यवाद करेगी, और तेरे भक्त लोग तुझे धन्य कहा करेंगे!

Psalms 145:11

¹¹ वे तेरे राज्य की महिमा की चर्चा करेंगे, और तेरे पराक्रम के विषय में बातें करेंगे;

Psalms 145:12

¹² कि वे मनुष्यों पर तेरे पराक्रम के काम और तेरे राज्य के प्रताप की महिमा प्रगट करें।

Psalms 145:13

¹³ तेरा राज्य युग-युग का और तेरी प्रभुता सब पीढ़ियों तक बनी रहेगी।

Psalms 145:14

¹⁴ यहोवा सब गिरते हुओं को सम्मालता है, और सब झुके हुओं को सीधा खड़ा करता है।

Psalms 145:15

¹⁵ सभी की आँखें तेरी ओर लगी रहती हैं, और तू उनको आहार समय पर देता है।

Psalms 145:16

¹⁶ तू अपनी मुट्ठी खोलकर, सब प्राणियों को आहार से तृप्त करता है।

Psalms 145:17

¹⁷ यहोवा अपनी सब गति में धर्मी और अपने सब कामों में करुणामय है।

Psalms 145:18

¹⁸ जितने यहोवा को पुकारते हैं, अर्थात् जितने उसको सच्चाई से पुकारते हैं; उन सभी के वह निकट रहता है।

Psalms 145:19

¹⁹ वह अपने डरवैयों की इच्छा पूरी करता है, और उनकी दुहाई सुनकर उनका उद्धार करता है।

Psalms 145:20

²⁰ यहोवा अपने सब प्रेमियों की तो रक्षा करता, परन्तु सब दुष्टों को सत्यानाश करता है।

Psalms 145:21

²¹ मैं यहोवा की स्तुति करूँगा, और सारे प्राणी उसके पवित्र नाम को सदा सर्वदा धन्य कहते रहें।

Psalms 146:1

¹ यहोवा की स्तुति करो। हे मेरे मन यहोवा की स्तुति कर!

Psalms 146:2

² मैं जीवन भर यहोवा की स्तुति करता रहूँगा; जब तक मैं बना रहूँगा, तब तक मैं अपने परमेश्वर का भजन गाता रहूँगा।

Psalms 146:3

³ तुम प्रधानों पर भरोसा न रखना, न किसी आदमी पर, क्योंकि उसमें उद्धार करने की शक्ति नहीं।

Psalms 146:4

⁴ उसका भी प्राण निकलेगा, वह भी मिट्टी में मिल जाएगा; उसी दिन उसकी सब कल्पनाएँ नाश हो जाएँगी।

Psalms 146:5

⁵ क्या ही धन्य वह है, जिसका सहायक याकूब का परमेश्वर है, और जिसकी आशा अपने परमेश्वर यहोवा पर है।

Psalms 146:6

⁶ वह आकाश और पृथ्वी और समुद्र और उनमें जो कुछ है, सब का कर्ता है; और वह अपना वचन सदा के लिये पूरा करता रहेगा।

Psalms 146:7

⁷ वह पिसे हुओं का न्याय चुकाता है; और भूखों को रोटी देता है। यहोवा बन्दियों को छुड़ाता है;

Psalms 146:8

⁸ यहोवा अंधों को आँखें देता है। यहोवा झुके हुओं को सीधा खड़ा करता है; यहोवा धर्मियों से प्रेम रखता है।

Psalms 146:9

⁹ यहोवा परदेशियों की रक्षा करता है; और अनाथों और विधवा को तो सम्मानता है; परन्तु दुष्टों के मार्ग को टेढ़ा-मेढ़ा करता है।

Psalms 146:10

¹⁰ हे सियोन, यहोवा सदा के लिये, तेरा परमेश्वर पीढ़ी-पीढ़ी राज्य करता रहेगा। यहोवा की स्तुति करो!

Psalms 147:1

¹ यहोवा की स्तुति करो! क्योंकि अपने परमेश्वर का भजन गाना अच्छा है; क्योंकि वह मनभावना है, उसकी स्तुति करना उचित है।

Psalms 147:2

² यहोवा यरूशलेम को फिर बसा रहा है; वह निकाले हुए इस्राएलियों को इकट्ठा कर रहा है।

Psalms 147:3

³ वह खेदित मनवालों को चंगा करता है, और उनके घाव पर मरहम-पट्टी बाँधता है।

Psalms 147:4

⁴ वह तारों को गिनता, और उनमें से एक-एक का नाम रखता है।

Psalms 147:5

⁵ हमारा प्रभु महान और अति सामर्थ्य है; उसकी बुद्धि अपरम्पार है।

Psalms 147:6

⁶ यहोवा नम्र लोगों को सम्भालता है, और दुष्टों को भूमि पर गिरा देता है।

Psalms 147:7

⁷ धन्यवाद करते हुए यहोवा का गीत गाओ; वीणा बजाते हुए हमारे परमेश्वर का भजन गाओ।

Psalms 147:8

⁸ वह आकाश को मेघों से भर देता है, और पृथ्वी के लिये मेंह को तैयार करता है, और पहाड़ों पर घास उगाता है।

Psalms 147:9

⁹ वह पशुओं को और कौरे के बच्चों को जो पुकारते हैं, आहार देता है।

Psalms 147:10

¹⁰ न तो वह धोड़े के बल को चाहता है, और न पुरुष के बलवन्त पैरों से प्रसन्न होता है;

Psalms 147:11

¹¹ यहोवा अपने डरवैयों ही से प्रसन्न होता है, अर्थात् उनसे जो उसकी करुणा पर आशा लगाए रहते हैं।

Psalms 147:12

¹² हे यरूशलेम, यहोवा की प्रशंसा कर! हे सियोन, अपने परमेश्वर की स्तुति कर!

Psalms 147:13

¹³ क्योंकि उसने तेरे फाटकों के खामों को दृढ़ किया है, और तेरी सन्तानों को आशीष दी है।

Psalms 147:14

¹⁴ वह तेरी सीमा में शान्ति देता है, और तुझको उत्तम से उत्तम गेहूँ से तृप्त करता है।

Psalms 147:15

¹⁵ वह पृथ्वी पर अपनी आज्ञा का प्रचार करता है, उसका वचन अति वेग से दौड़ता है।

Psalms 147:16

¹⁶ वह ऊन के समान हिम को गिराता है, और राख के समान पाला बिखेरता है।

Psalms 147:17

¹⁷ वह बर्फ के टुकड़े गिराता है, उसकी की हुई ठण्ड को कौन सह सकता है?

Psalms 147:18

¹⁸ वह आज्ञा देकर उन्हें गलाता है; वह वायु बहाता है, तब जल बहने लगता है।

Psalms 147:19

¹⁹ वह याकूब को अपना वचन, और इस्राएल को अपनी विधियाँ और नियम बताता है।

Psalms 147:20

²⁰ किसी और जाति से उसने ऐसा बर्ताव नहीं किया; और उसके नियमों को औरों ने नहीं जाना। यहोवा की स्तुति करो।

Psalms 148:1

¹ यहोवा की स्तुति करो! यहोवा की स्तुति स्वर्ग में से करो, उसकी स्तुति ऊँचे स्थानों में करो!

Psalms 148:2

² हे उसके सब दूतों, उसकी स्तुति करो: हे उसकी सब सेना उसकी स्तुति करो!

Psalms 148:3

³ हे सूर्य और चन्द्रमा उसकी स्तुति करो, हे सब ज्योतिमय तारागण उसकी स्तुति करो!

Psalms 148:4

⁴ हे सबसे ऊँचे आकाश और हे आकाश के ऊपरवाले जल, तुम दोनों उसकी स्तुति करो।

Psalms 148:5

⁵ वे यहोवा के नाम की स्तुति करें, क्योंकि उसने आज्ञा दी और ये सिरजे गए।

Psalms 148:6

⁶ और उसने उनको सदा सर्वदा के लिये स्थिर किया है; और ऐसी विधि ठहराई है, जो टलने की नहीं।

Psalms 148:7

⁷ पृथ्वी में से यहोवा की स्तुति करो, हे समुद्री अजगरों और गहरे सागर,

Psalms 148:8

⁸ हे अग्नि और ओलों, हे हिम और कुहरे, हे उसका वचन माननेवाली प्रचण्ड वायु!

Psalms 148:9

⁹ हे पहाड़ों और सब टीलों, हे फलदार्ह वृक्षों और सब देवदारों!

Psalms 148:10

¹⁰ हे वन-पशुओं और सब घरेलू पशुओं, हे रेंगनेवाले जन्तुओं और हे पक्षियों!

Psalms 148:11

¹¹ हे पृथ्वी के राजाओं, और राज्य-राज्य के सब लोगों, हे हाकिमों और पृथ्वी के सब न्यायियों!

Psalms 148:12

¹² हे जवानों और कुमारियों, हे पुरनियों और बालकों!

Psalms 148:13

¹³ यहोवा के नाम की स्तुति करो, क्योंकि केवल उसी का नाम महान है; उसका ऐश्वर्य पृथ्वी और आकाश के ऊपर है।

Psalms 148:14

¹⁴ और उसने अपनी प्रजा के लिये एक सींग ऊँचा किया है; यह उसके सब भक्तों के लिये अर्थात् इस्साएलियों के लिये और उसके सभीप रहनेवाली प्रजा के लिये स्तुति करने का विषय है। यहोवा की स्तुति करो!

Psalms 149:1

¹ यहोवा की स्तुति करो! यहोवा के लिये नया गीत गाओ, भक्तों की सभा में उसकी स्तुति गाओ!

Psalms 149:2

² इस्साएल अपने कर्ता के कारण आनन्दित हो, सियोन के निवासी अपने राजा के कारण मग्न हों!

Psalms 149:3

³ वे नाचते हुए उसके नाम की स्तुति करें, और डफ और वीणा बजाते हुए उसका भजन गाएँ!

Psalms 149:4

⁴ क्योंकि यहोवा अपनी प्रजा से प्रसन्न रहता है; वह नम्र लोगों का उद्धार करके उन्हें शोभायमान करेगा।

Psalms 149:5

⁵ भक्त लोग महिमा के कारण प्रफुल्लित हों; और अपने बिछौनों पर भी पढ़े-पढ़े जयजयकार करें।

Psalms 149:6

⁶ उनके कण्ठ से परमेश्वर की प्रशंसा हो, और उनके हाथों में दोधारी तलवारें रहें,

Psalms 149:7

⁷ कि वे जाति-जाति से पलटा ले सके; और राज्य-राज्य के लोगों को ताड़ना दें,

Psalms 149:8

⁸ और उनके राजाओं को जंजीरों से, और उनके प्रतिष्ठित पुरुषों को लोहे की बेड़ियों से जकड़ रखें,

Psalms 149:9

⁹ और उनको ठहराया हुआ दण्ड देंगे! उसके सब भक्तों की ऐसी ही प्रतिष्ठा होगी। यहोवा की स्तुति करो।

Psalms 150:1

¹ यहोवा की स्तुति करो! परमेश्वर के पवित्रस्थान में उसकी स्तुति करो; उसकी सामर्थ्य से भरे हुए आकाशमण्डल में उसकी स्तुति करो!

Psalms 150:2

² उसके पराक्रम के कामों के कारण उसकी स्तुति करो; उसकी अत्यन्त बड़ाई के अनुसार उसकी स्तुति करो!

Psalms 150:3

³ नरसिंगा फूँकते हुए उसकी स्तुति करो; सारंगी और वीणा बजाते हुए उसकी स्तुति करो!

Psalms 150:4

⁴ डुफ बजाते और नाचते हुए उसकी स्तुति करो; तारवाले बाजे और बाँसुरी बजाते हुए उसकी स्तुति करो!

Psalms 150:5

⁵ ऊँचे शब्दवाली झाँझ बजाते हुए उसकी स्तुति करो; आनन्द के महाशब्दवाली झाँझ बजाते हुए उसकी स्तुति करो!

Psalms 150:6

⁶ जितने प्राणी हैं सब के सब यहोवा की स्तुति करें! यहोवा की स्तुति करो!